विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

55वाँ

2016-17

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर आशीष नन्दा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

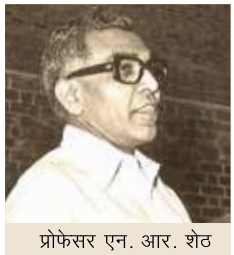
प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

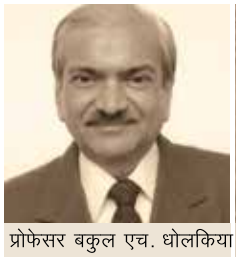
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

55 वाँ

2016-17

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

Indian Institute of Management Ahmedabad

विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

वर्ष का सिंहावलोकन 5

शैक्षणिक कार्यक्रम 10

1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) 10
2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) 14
3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 16
4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 18

स्थानन 19

दीक्षांत समारोह 23

प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम 24

अनुसंधान और प्रकाशन 25

केस केंद्र 27

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम 28

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 29

1. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केंद्र (सीजेडी) 29
2. नवप्रवर्तन ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) 30
3. भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र 35
4. कृषि प्रबंधन केन्द्र (सीएमए) 37
5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र 37
6. खुदरा बिक्री केंद्र 39
7. सार्वजनिक प्रणाली समूह 39
8. रवि जे. मथाई शैक्षिक नवप्रवर्तन केंद्र 40

अनुक्रमणिका

अनुशासनिक विषय-क्षेत्र 41

1. व्यापार नीति 41
2. संचार 42
3. अर्थशास्त्र 43
4. वित्त और लेखाकरण 43
5. मानव संसाधन प्रबंधन 44
6. सूचना प्रणाली 45
7. विपणन 45
8. संगठनात्मक व्यवहार 47
9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 48

पूर्वछात्र गतिविधियाँ 49

संचार, जन संपर्क एवं डिजिटल विपणन 54

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले 55

सहायता अनुदान 61

बुनियादी ढाँचे का विकास 62

राजभाषा कार्यान्वयन 63

कार्मिक 64

छात्र गतिविधियाँ 65

विक्रम साराभाई पुस्तकालय 82

कल्याण गतिविधियाँ 84

परिशिष्ट 89

दृष्टि

उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षण

लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी-प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।
- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरूषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।
- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।
- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।
- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।
- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में उभर सके।

वर्ष का सिंहावलोकन

संस्थान की दूरदृष्टि **उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करना** है। हमारा ध्यान नेतृत्व पर है और हमारे पूर्वछात्र विभिन्न उद्यमों की एक श्रेणी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों, पारिवारिक व्यवसायों, उद्यमी स्टार्टअप्सों, गैर-लाभकारी संगठनों, सामाजिक उद्यमों, सरकारी संस्थानों और शिक्षाविदों के लिए अग्रणियों के रूप में योगदान दे रहे हैं ।

इस दूरदृष्टि की ओर, संस्थान ने तीन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया है **जोड़ना**, **शिक्षित** (पोषित) करना और **विकसित** करना। इन प्राथमिकताओं में से उन प्रत्येक विषय-क्षेत्रों के बारे में, मैं प्रकाश डालना चाहूँगा जिनमें मुझे लगता है कि हमने काफी प्रगति की है, और जिन विषय-क्षेत्रों में अभी भी काम करना बाकी है।

हमने पूरी सक्रियता से इन पाँच कार्य-क्षेत्रों अनुसंधान, अभ्यास, नीति, पूर्वछात्रों, और समुदाय से **जुड़ने** का प्रयास किया है।

अनुसंधान समुदाय के साथ बेहतर तरीके से **जुड़ने** के लिए, हमने उल्लेखनीय रूप से अनुसंधान के वित्तपोषण और समर्थन में उल्लेखनीय वृद्धि की है ताकि हमारे संकाय सदस्य दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक सहयोग कर सकें और विश्व के सर्वश्रेष्ठ सम्मेलनों में भाग ले सकें। हमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली संकायों की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए संकाय भर्ती प्रक्रिया पर गहनतापूर्वक ध्यान देना होगा।

अभ्यास की दुनिया के साथ बेहतर तरीके से **जुड़ने** के लिए, हमने कार्यकारी शिक्षा को मजबूत किया है। हम प्रतिभागियों से उनकी चुनौतियों और दृष्टिकोण के बारे में जानते हैं, जैसे कि हम उन्हें प्रबंधन प्रथाओं के बारे में सिखाते हैं। पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक में, हमारी कार्यकारी शिक्षा गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हुई है और हम इन्हें आने वाले वर्षों में विकसित करना चाहते हैं।

हमने केस लेखन के लिए संपादकीय और शोध समर्थन की क्षमता भी बनायी है, साथ ही केसों के वितरण चैनल भी निर्मित किए हैं। तैयार किये गए केसों की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। हालांकि, तैयार किये गए केसों की संख्या में इतनी वृद्धि नहीं हुई है। हमें वार्षिक रूप से तैयार किए जाने वाले केसों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि करनी चाहिए।

नीति की दुनिया के साथ बेहतर तरीके से **जुड़ने** के लिए, हम जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल की स्थापना करने जा रहे हैं। हमारे पास इस स्कूल निर्माण के लिए वित्तपोषण है, स्कूल की इमारत निर्माण के लिए एक डिजाइन है, और अपने शुरूआती वर्षों में इस स्कूल को चलाने के लिए एक संकाय समिति है। हमें सक्रिय रूप से इस पहल पर जोर देना जारी रखना होगा जिससे तीन साल के भीतर, स्कूल के तत्वावधान में बहुविध कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, अनुसंधान और नीति आधारपत्रों, तथा सार्वजनिक नीति उन्मुख सम्मेलनों के अलावा, हम एक दीर्घ-कालिक कार्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए, हमने यह सुनिश्चित किया है कि निदेशक और डीन (पूर्वछात्र और बाह्य संबंध) प्रति वर्ष कम से कम दस स्थानीय चैप्टरों से दौरा करते हैं और हमारे पूर्वछात्रों से मिलते हैं। हमने परिसर में आयोजित हो रहे पुनर्मिलनों की संख्या भी प्रति वर्ष दो से आठ या अधिक संख्या में बढ़ा दी है। इस विगत वर्ष में, गोवा में जिन 70 से अधिक पूर्वछात्रों एवं उनके परिवारों द्वारा पुनर्मिलन का आयोजन किया उसके अलावा, 540 जितनी रिकॉर्ड संख्या में पूर्वछात्रों और उनके परिवारों ने, नौ पुनर्मिलन समारोहों में भाग लिया। हमें पूर्वछात्रों के साथ संबंधों की आवृत्ति और प्रबलता को जारी रखना चाहिए।

हमें संस्थान में पूर्वछात्रों के समृद्ध ज्ञान और अनुभव के साधनों को मजबूत करना होगा, ताकि पूर्वछात्र केस विकास में योगदान दे सके और अतिथि संकायों और अतिथि वक्ताओं के रूप में योगदान कर सकें। पूर्वछात्रों और संस्थान के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए, समुदाय का समर्थन प्रदान करने के लिए, और बोर्ड के लिए संभावित उम्मीदवारों के एक पूल की पेशकश करने के लिए हमें एक वैश्विक पूर्वछात्र परिषद भी स्थापित करनी चाहिए।

समुदाय के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए, हमने ऐसी पहल शुरू की है जो हमें स्थानीय समुदाय के करीब ले जाती है; सभी आईआईएमों, प्रबंधन स्कूलों एवं स्थानीय व्यावसायिक स्कूलों; और समाज से जोड़ती है। छात्रों के नेतृत्व वाली प्रयास और स्माइल पहलों के माध्यम से हमारे छात्र आर्थिक-सामाजिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले बच्चों के साथ काम करते हैं। वर्ष में एक बार हम स्थानीय स्कूलों के बच्चों के लिए संस्थान का दौरा कराने के लिए एक ओपन डे का आयोजन करते हैं और उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित करते हैं। हम अहमदाबाद /गाँधीनगर क्षेत्र में ए-लीग पहल के माध्यम से अन्य शैक्षिक संस्थानों के साथ लिंक बना रहे हैं।

छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम हमें विश्व स्तर पर प्रबंधन स्कूलों के साथ जोड़ते हैं। हमारा डॉक्टरेट कार्यक्रम फेलो तैयार करता है जो भारत और विदेशों में अन्य प्रबंधन संस्थानों में संकाय के रूप में योगदान देते हैं। लंबे समय से चल रहे हमारे संकाय विकास कार्यक्रम प्रबंधन विद्वानों के लिए मूल्यवान शिक्षा प्रदान करते हैं। सेवानिवृत्त होने वाले सैन्य कर्मियों के लिए सशस्त्र बल कार्यक्रम प्रबंधन में दूसरा कैरियर बनाने में सफल होने में मदद करने का एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराता है।

इस साल हमने वार्षिक अखिल भारतीय आईआईएम अनुसंधान सम्मेलन की मेजबानी की थी, जो विभिन्न आईआईएमों के शिक्षाविदों को अपने अनुसंधानों को पेश करने के लिए एक साथ लाता है। हमने पिछले दो सालों में आईआईएम नागपुर की भी स्थापना करके उनका मार्गदर्शन किया है। इसके पहले बैच का दीक्षांत समारोह अप्रैल 2017 में है।

एक उच्च प्रदर्शन कार्य के माहौल के पोषण के लिए हमने स्वायत्तता, विस्तार, और समुदाय रूपी तीनों पादानों को मजबूत करने की कोशिश की है। संस्थान अपनी स्वायत्तता पर गर्व महसूस करता है जिसने संस्थान के संकायों और छात्रों को अपना मार्ग प्रशस्त करने में सार्थकता प्रदान की है। संस्थान ने अपने कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए सरकार से इसी तरह की स्वायत्तता की माँग की है। जब आईआईएम विधेयक ने केंद्रीकृत निर्णय लेने की दिशा में एक हानिकारक मोड़ ले लिया, तब संस्थान ने, इसके खिलाफ एक सैद्धांतिक कदम उठाया क्योंकि स्वायत्तता को रोकना सामान्यता का एक निश्चित पथ बन जाना होगा। संसद में रखे गए विधेयक का वर्तमान मसौदा, शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए स्वायत्तता का निर्णायक महत्व रखता है। एक बार इस विधेयक से अधिनियम बनने के बाद हमें हमारे नियमों के साथ तैयार रहना चाहिए।

इसका दूसरा पहलू है कि, अगर संस्थानों और व्यक्तियों को स्वायत्तता दी जाती है, तो यह जवाबदेही सुनिश्चित करती है। हमने विस्तार की एक संस्कृति का निर्माण करने की कोशिश की है ताकि हमारा संस्थान और हमारे निर्वाचक सदस्य ऐसे परिणाम हासिल करने के लिए पूरी कोशिश करेंगे जिस पर हम गर्व कर सकें। हमने संकाय पुष्टिकरण और पदोन्नति (एफ़सीपी) दिशानिर्देश और साथ-साथ एक संकाय प्रदर्शन साख प्रणाली (पीसीएस) को लागू किया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे संकाय सदस्य संस्थान की उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए उत्कृष्टता के मानकों को पार करते हैं। हमें बेहतर प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने और पुरस्कृत करने के लिए सक्रिय रूप से लगातार एफ़सीपी तथा पीसीएस प्रणाली

का उपयोग करना जारी रखना चाहिए और कमजोर प्रदर्शन को दूर करना चाहिए।

संस्थागत रूप से भी, हमें लक्ष्यों और दिशा-निर्देशों को विकसित करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम हमारी महत्वाकांक्षाओं को हासिल और पार करते हैं। वास्तव में, यह आईआईएम विधेयक की आवश्यकता है। हमें एएसीएसबी की मान्यता प्राप्त करने के लिए इक्विस का पूरक होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम बाहर से सीखें और हमारे संचालन और प्रक्रियाओं को भी बेंचमार्क करें।

संस्थान के डीएनए में मिलकर काम करने और सहयोग करने के गुण हैं। टीमों की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए संकायों और छात्रों के मिलकर काम करने के माहौल से संस्थागत उत्कृष्टता लंबे समय से चली आ रही है। संस्थागत तंत्रों और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से, हमने कोशिश की है, और समुदाय की इस भावना को संरक्षित और मजबूत करने की यह कोशिश जारी रखनी चाहिए।

जब सबके पास करने के लिए सार्थक काम रहता है तब समुदाय की भावना मजबूत होती है और उच्च निष्पादकों को मान्यता दी जाती है। उच्च कार्यप्रणाली की इस भावना को विकसित करने के लिए, हमें विभिन्न गतिविधियों में नियुक्तियों की समीक्षा करनी चाहिए, ईआरपी लागू किया जाना चाहिए, कर्मचारियों को बढ़ावा देने के नियमों की समीक्षा की जानी चाहिए ताकि उच्च निष्पादकों को एहसास हो सके कि वे पुरस्कृत हो रहे हैं और उन्हें मान्यता मिल रही है।

संस्थान को दुनिया के अभिजात वर्गीय प्रबंधन संस्थानों के बीच अपनी सही जगह हासिल करने के लिए तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करते समय रणनीतिक रूप से **विकसित** होना चाहिए।

कार्यक्रमों के रूप में, पीजीपी, पीजीपीएक्स, कार्यकारी शिक्षा, और डॉक्टरल कार्यक्रमों को विकसित करने की हमारी योजना है, जबकि की ईपीजीपी और दीर्घकालिक सार्वजनिक नीति कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है।

हमारा पीजीपी कार्यक्रम विश्व स्तर पर अन्य अधिकांश शीर्ष एमबीए कार्यक्रमों की तुलना में बड़े स्तर पर है। भौतिक क्षमता उपलब्ध होने पर, हमें अपने पीजीपी कार्यक्रम को विकसित करना चाहिए। वर्तमान में, पीजीपी कार्यक्रम में हमारे पास लगभग 400 छात्र और पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम में 40 छात्र हैं। भौतिक क्षमता का विस्तार होने के बाद, हमें अगले कुछ वर्षों में कक्षाओं के आकार को कम से कम 50 प्रतिशत से बढ़ाना चाहिए, 600 से अधिक तक।

यहाँ तक कि जैसे हम पीजीपी को विकसित करते हैं, वैसे वैसे हमें इस कार्यक्रम में छात्रों के विविध समूहों के प्रवेश को जारी रखना चाहिए। जिस तरह से संस्थान में, विवेचनात्मक चर्चा आधारित शिक्षा, फलफूल रही है, उसी तरह से हमारी कक्षाएँ विविध जीवनानुभवों वाले प्रतिभागियों से भरी हुई हों। सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की विस्तृत श्रेणी से और भारत के सभी भागों से छात्रों को भर्ती करने में हम अच्छा कार्य कर रहे हैं।

हमने पिछले चार सालों से हमारे छात्रसमूह की विविधता को दो परिमापों पर बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिसमें हमने लिंग और अध्ययन-विषयों की पृष्ठभूमि की हमारी कक्षाओं में बड़ी असमानता देखी है । हमने विशिष्ट समूहों के लिए किसी भी कोटा या बोनस अंक की स्थापना किए बिना विविधता बढ़ाने की कोशिश की है। पिछले कुछ वर्षों में कैट परीक्षा और साक्षात्कार प्रक्रिया में परिवर्तन करने से हमारी कक्षाओं में गैर-इंजीनियरों और छात्राओं के अनुपात में वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, 2017-18 के प्रवेश वर्ग में पीजीपी प्रवेश प्रस्तावों में, 27 प्रतिशत छात्राओं को, और 32 प्रतिशत गैर-इंजीनियरों को प्रवेश प्रस्ताव दिए गए हैं। छात्राओं का प्रतिशत दूसरा सबसे ज्यादा है (सबसे ज्यादा 28 प्रतिशत, तीन साल पहले था)। लगभग दो दशकों से गैर-इंजीनियरों का प्रतिशत इतना उच्च नहीं रहा है।

इसके अतिरिक्त, हम उन उम्मीदवारों के लिए आस्थगित प्रवेश की पेशकश कर रहे हैं जिन्हें चुना गया है लेकिन उनके पास कार्यानुभव नहीं है। जिन्होंने आस्थगित प्रवेश चुना था उन छब्बीस उम्मीदवारों को इस साल शामिल किया जा रहा हैं; और हमने इस साल 14 आवेदकों को आस्थगित प्रवेघ के लिए चुना है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों को हमारे अतिरिक्त कोटे के तहत जुड़ने के लिए प्रोत्साहित हेतु, हमने पिछले दो

सालों की तुलना में इस साल पाँच पेशकशों के साथ अंतरराष्ट्रीय पहुँच जारी रखी है। आने वाले वर्षों में, हमें उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए, अपने प्रवेश वर्ग में विविधता को प्रोत्साहित करना जारी रखना चाहिए।।

अनुभवी कार्यकारियों के लिए हमारे एक वर्षीय कार्यक्रम, पीजीपीएक्स ने पिछले ग्यारह वर्षों में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। इस कार्यक्रम के पूर्वछात्रों ने खुद को प्रतिष्ठित किया है और पूरे उद्योग जगत में इस कार्यक्रम की सराहना हो रही है। एक ऐसी भावना है कि हमारे अन्य वर्गखंड के आकार की तुलना में हमारी इस कक्षा के छोटे आकार के कारण, हम जनता में जागरूकता नहीं ला सके हैं, विशेष रूप से आईएसबी कार्यक्रम की तुलना में। वर्ष 2017-18 की शुरूआत से, हम एक कक्षा से बढ़ाकर दो पीजीपीएक्स कक्षाएँ कर रहे हैं। हमें कक्षा के आकार को अगले कुछ सालों में बढ़ाना चाहिए ताकि अगले तीन साल के भीतर हर साल स्नातक होने वाले छात्रों की संख्या 150 की जा सके।

पीजीपी स्थानन से अधिक चुनौतीपूर्ण पीजीपीएक्स स्थानन होता है, क्योंकि इस कार्यक्रम के स्नातकों को मध्य कैरियर पार्श्व भर्ती के रूप में रखा जाता है। सभी स्नातक हो रहे पीजीपीएक्स छात्र अधिकांश अच्छा स्थानन प्राप्त करें यह सुनिश्चित करने के लिए हमें अपनी पीजीपीएक्स स्थानन सेवाओं को मजबूत करना होगा।

हमारे कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम पिछले तीन वर्षों में एक मजबूत ढंग से विकसित हुए हैं। हम शिक्षा प्रदत्त करनेमें मजबूत हैं, लेकिन हमारी पहुंच और विपणन कमजोर रहा है। आने वाले वर्षों में कार्यकारी शिक्षा को विकसित करना जारी रखने के लिए, हमें कार्यकारी शिक्षा विपणन को इस प्रकार विभाजित करना होगा खुला नामांकन और कस्टम कार्यक्रम; कक्षा और मिश्रित शिक्षण पेशकश; निजी व्यवसाय, और सरकारी विभाग; और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय ग्राहक। हमें पारंपरिक प्रभावी विज्ञापन, कॉरपोरेट संबंध, और डिजिटल मार्केटिंग सहित इन-हाउस क्षमताओं और साझेदारी तथा सभी चैनलों का एक मिश्रण विकसित करना चाहिए ताकि हम लगातार प्रत्येक हिस्से तक पहुँच सकें।

हमारा डॉक्टरल कार्यक्रम अपेक्षाकृत छोटा है। हमें हमारे शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करके इसे विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि, डॉक्टरेट कार्यक्रम में अर्थपूर्ण निवेश की आवश्यकता रहती है। आने वाले वर्षों में इस कार्यक्रम को विकसित करने के लिए हमें सरकारी, उद्योग जगत और लोकोपकार से संबंधित वित्तीय सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

हमें उम्मीद है कि सार्वजनिक नीति स्कूल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम सार्वजनिक नीति स्कूलों के बराबर उत्कृष्टता की संस्था के रूप में विकसित होगा। यह सुनिश्चित करनेके लिए कि इस स्कूल को निश्चित रूप से तीन साल के भीतर पेशकश शुरू करनी चाहिए, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के अतिरिक्त, सार्वजनिक नीति के कुछ दीर्घकालिक कार्यक्रम तीन वर्षों में शुरूकर देने चाहिए। संस्थान के बाकी हिस्सों से एसपीपी को अलग करने पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। यह संस्थान का अभिन्न अंग होना चाहिए।

ईपीजीपी के माध्यम से, हमने एक मिला-जुला शिक्षण कार्यक्रम पेश करना शुरू किया है जो कार्यरत कार्यकारियों को आईआईएमए शिक्षा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त करने की अनुमति देगा। गुणवत्ता बनाए रखते हुए, बेहतर बी2बी विपणन पर ध्यान केंद्रित करके और इन-हाउस क्षमताओं की मजबूती के द्वारा, हमें वर्ष 2017-18 में अंदाजित 60 प्रतिभागियों से तीन वर्षों में 150 की संख्या के करीब इस कार्यक्रम को विकसित करना चाहिए।

इस वृद्धि को हासिल करने के लिए, हमें विश्व स्तर के संकायों की आक्रामक रूप से भर्ती करनी होगी। संस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले संकायों को आकर्षित करने के हमने संस्थान के मौजूदा संकायों को जिन्होंने संस्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है उनके सम्मान में संकाय अध्यक्ष पद की स्थापना की है। हालांकि, संस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले संकायों को आकर्षित करना, यहां तक कि अध्यक्षों को भी आकर्षित करना भी मुश्किल हो गया है। हमारे पूर्वछात्रों और समर्थकों ने 15 संकाय अध्यक्षों के लिए वित्त पोषण में योगदान दिया है। इस प्रकार अब तक, हमने चार संकाय सदस्यों को शिक्षा में उनके योगदान को पहचान देते हुए अध्यक्ष पदों के लिए नामित किया है, और साथ ही साथ दूसरों को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया है। निर्धारित किए गए सभी चार संकाय आंतरिक हैं; हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हमने इन अध्यक्ष पदों पर भर्ती में चुनौतियों का सामना किया है और फिर बाहरी संकायों को लिया है।

हमारे संकाय रैंकों को मजबूत करने के लिए हमें अन्य तरीकों का पता लगाना चाहिए, जैसे कि विदेश से अतिथि प्राध्यापक, और लक्ष्यीकृत संकाय भर्ती अभियानों के अलावा प्रबंधन में प्रशिक्षु प्रोफेसर की भर्ती भी। हमें प्रमुख सम्मेलनों में उपस्थित होने और नियमित आधार पर शीर्ष संस्थानों में डॉक्टरेट छात्रों और संकायों तक पहुंचने की लगातार सक्रिय कोशिश करनी चाहिए।

जैसे-जैसे कार्यक्रम विकसित होता हैं, वैसे-वैसे हमें अपने बुनियादी ढाँचे को विकसित करने की जरूरत रहती है। इस प्रकार, हमारी विकास रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा हमारे भौतिक बुनियादी ढाँचे को बनाए रखना और बढ़ाना है।

लुई काह्न परिसर प्रतिष्ठित है। 20वीं शताब्दी के महान शैक्षणिक स्थापत्य कलाओं में से एक, यह परिसर जीर्णता और नाजुकता की स्थिति में था। हमने इस प्यारे भवन परिसर को संरक्षित और नवीनीकृत करने के लिए एक बहुवर्षीय संरक्षण और पुनर्स्थापना परियोजना शुरू की है। अगले पाँच वर्षों में हमें इस परियोजना को देखना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, हमने पाँच नई बुनियादी परियोजनाएं शुरू की हैं सार्वजनिक नीति स्कूल का भवन, एक नया शैक्षणिक कक्षा परिसर, छात्र आवास, संकाय आवास और छात्र एथलेटिक परिसर। इनके डिजाइन स्वीकृति के अंतिम चरणों में हैं। हमें इन परियोजनाओं को अगले तीन वर्षों में पूरा होते हुए देखना चाहिए।

भौतिक अवसंरचना के साथ, हमें आईटी हार्डवेयर तथा ईआरपी प्रणाली के स्थापन के माध्यम से हमारे पुराने आईटी बुनियादी ढाँचे को उन्नत करना होगा, जो केवल वरिष्ठ नेतृत्व के संरक्षण द्वारा ही संभव हो सकता है।

हमने संस्थान के लिए एक 25 वर्षीय बुनियादी ढांचा विकसित करने की योजना बनाई है। इससे पता चलता है कि हमारे मौजूदा परिसर को नवीनीकृत करके इन 25 वर्षों में हमारी विकास की महत्वाकांक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। हमारे पास अतिरिक्त परिसरों के विकास के लिए कोई योजना नहीं है।

हालांकि, हम मुंबई में और दिल्ली में संलग्नता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। प्रत्येक संलग्नता केंद्र के तीन अंग रहेंगे कार्यकारी शिक्षा के लिए कक्षा की सुविधा, स्टार्टअपों को ऊष्मायन के लिए स्थान, और व्यवसायियों तथा पूर्वछात्रों के मिलने के लिए स्थान। हम वहाँ संलग्नता केंद्र स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ अंतिम वार्तालाप कर रहे हैं। अगले दो वर्षों में हमें नई दिल्ली और मुंबई में संलग्नता केंद्रों को स्थापित करने के लिए आगे बढ़ाना चाहिए।

ये सभी योजनाएँ केवल हमारे पूर्वछात्रों और शुभचिंतकों की उदारता के माध्यम से ही संभव है। पिछले तीन वर्षों में, हमने 200 करोड़ रुपये से भी अधिक की प्रतिबद्धताएँ बढ़ाई है, इन पहलों के लिए फंड पिछले पचास वर्षों में दान के माध्यम से प्राप्त राशि से भी अधिक है। पूर्वछात्रों तक पहुँच और धन राशि लाने के प्रयासों को उसी तीव्रता के साथ जारी रखना चाहिए।

बहुत कुछ हासिल किया गया है, लेकिन हमे आगे भी बहुत कुछ करना है। संस्थान के विभिन्न चयन क्षेत्रों के बीच संरेखण की भावना और हमारे मार्ग-निर्देशन के रूप में बल की भावना है। एक साथ लिए जा रहे, ये कदम हमारे संस्थान की ताकत पर बने रहेंगे और हमें अधिक सफलता प्राप्त कराएंगे।

आशीष नंदा

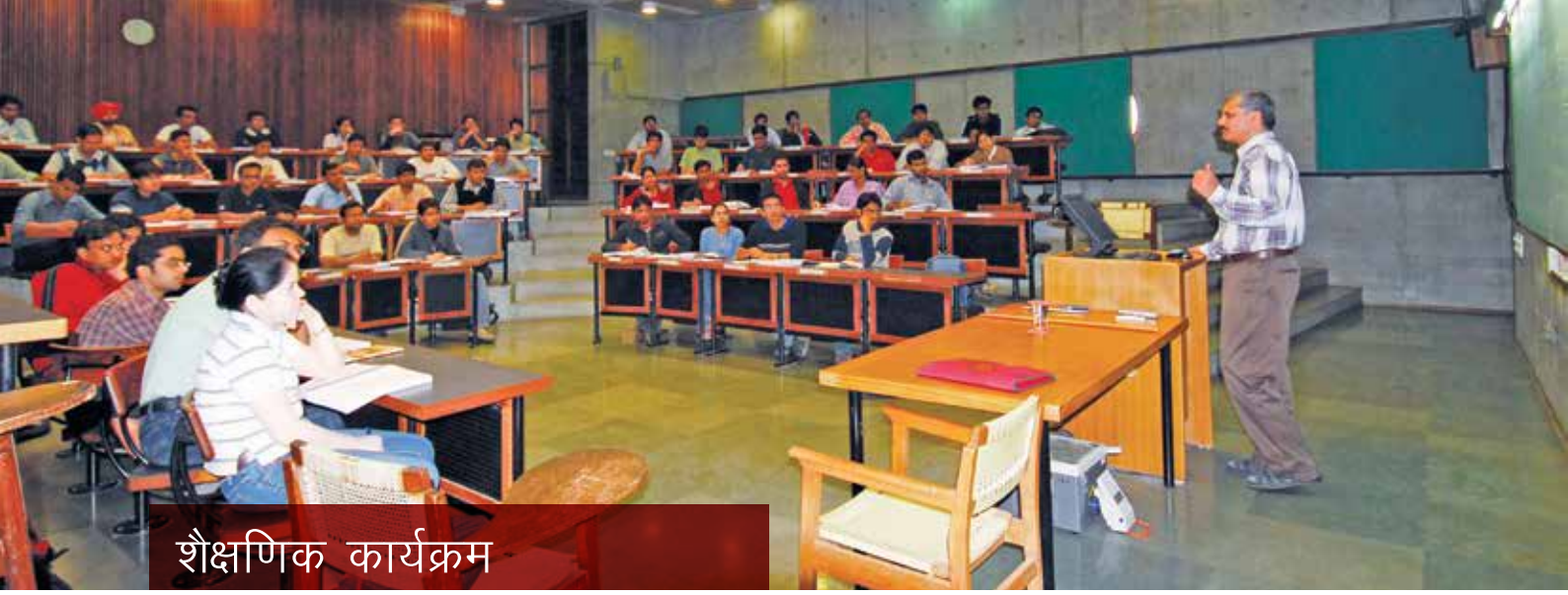

शैक्षणिक कार्यक्रम

वर्तमान में, संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) (एमबीए के समकक्ष); कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स); प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़पीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष); और प्रबंधन शिक्षकों और प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 53 वां बैच 396 छात्रों के साथ 20 जून, 2016 को शुरु हुआ। साल के अंत में, 395 छात्र दूसरे वर्ष में आगे बढे।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 395 छात्रों के साथ, 08 जून, 2016 को शुरू किया गया। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री सहित) 401 छात्र संतोषजनक शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करके स्नातक हुए।

विवरण **परिशिष्ट क1** में दिये गए हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण इस प्रकार हैं :

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	विकलांग	कुल
प्रथम वर्ष	191	105	58	29	13	396
द्वितीय वर्ष	187	106	57	30	15	395

पूर्व-तैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्व-तैयारी तैयारी कार्यक्रम को उन नए प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, 06 जून से 18 जून, 2016 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में 122 छात्रों ने भाग लिया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 22 से 24 जून, 2016 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें निदेशक, डीन और पीजीपी अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के उपरांत, पीजीपी कार्यकारी समिति और कंप्यूटर तथा पुस्तकालय की सुविधा के साथ ही उनके उपयोग से संबंधित जानकारी का उन्मुखीकरण कार्यक्रम रखा गया था। शिक्षण में विधि सहित केस तैयारी तथा केस पद्धति पर एक विस्तृत सत्र का भी आयोजन नए छात्रों को परिचित कराने के लिए किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यचर्या

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समय समय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों में विस्तारित 34 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23 क्रेडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 19 क्रेडिट और अधिकतम 22 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, कुल 132 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक रूप में पेश किया गया जिनमें से 17 नए थे। अठारह पाठ्यक्रमों को दो अनुभागों में पेश किया गया और पाँच पाठ्यक्रमों को तीन अनुभागों में पेश किया गया था। वर्ष के दौरान 97 परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में पेश किए गए नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम इस प्रकार थे:

- वित्तीय जोखिम प्रबंधन वैश्लेषिकी

- बिटकॉइन तथा ब्लॉकचैन
- व्यापार कराधान
- उपभोक्ता व्यवहार
- डिजिटल उत्पाद और सेवा डिजाइन : ई-कॉमर्स तथा ई-खुदरा बिक्री पर एक डिजाइन सोच परिप्रेक्ष्य
- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- कॉरपोरेट नीतियों पर लैंगिक लेंस
- हिचहाइकर की पाँच शतकों पार व्यवसाय एवं अर्थ-व्यवस्थाओं की मार्गदर्शिका
- वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज
- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- संचालन अनुसंधान के प्रबंधकीय अनुप्रयोग
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- ओमनी खुदरा बिक्री प्रबंधन
- संकेत विज्ञान : मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक विकल्प, आचारसंहिता और नैतिकता : भगवद गीता के पाठ
- संरचित उत्पाद
- विश्व अर्थव्यवस्था : व्यापार, सरकार, और नीति

दोहरी उपाधि तथा एक-सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

दोहरी उपाधि विनिमय कार्यक्रम

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विकसित करने के लिए, संस्थान निम्नलिखित विश्वविद्यालयों के साथ एक दोहरी उपाधि वाला विनिमय कार्यक्रम पेश कर रहा है :

- ईएसएसईसी
- बॉक्कोनी विश्वविद्यालय
- एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
- यूरोपीय बिजनेस स्कूल
- कॉलोन विश्वविद्यालय
- ईएससीपीयूरोप बिजनेस स्कूल
- वर्ष के दौरान द्वितीय वर्ष के बारह छात्रों ने संस्थान की तरफ से बॉक्कोनी विश्वविद्यालय, ईएससीपी, यूरोपीय बिजनेस स्कूल, एचईसी प्रबंधन स्कूल, और कॉलोन विश्वविद्यालय में दोहरी उपाधि छात्र-विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया। बॉक्कोनी विश्वविद्यालय से पाँच छात्र, एचईसी से दो छात्र, ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल से दो छात्रों ने पीजीपी द्वितीय वर्ष में भाग लिया।

एक-सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ छात्रों के आदान-प्रदान के लिए सहयोग किया है।

आईआईएम-ए से एक सौ सैंतालीस छात्रों ने एक-सत्रीय और 12 छात्रों ने दोहरी उपाधि विनिमय पाठ्यक्रमों को कई विदेशी विश्वविद्यालयों में लिया, जबकि सहयोगी विश्वविद्यालयों से 83 छात्रों ने एक-सत्रीय तथा 9 छात्रों ने दोहरी उपाधि के लिए विनिमय पर संस्थान में पाठ्यक्रम अपनाए।

इनके विवरण **परिशिष्ट क2 और क3** में दिए गए हैं।

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। यह व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा स्थापित कई पुरस्कारों के अलावा, ज़रूरत आधारित छात्रवृत्ति भी प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्ति

वर्ष के दौरान, चालीस छात्रों ने अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग योग्यता छात्रवृत्ति प्राप्त की।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति

छह छात्रों को प्रत्येक को 1,75,000/ रु के हिसाब से आदित्य बिड़ला समूह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

आईआईएम-ए विशेष आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने वर्ष के दौरान, 3,61,25,000/ रु की आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की। इस वर्ष छात्रवृत्तियों की राशि 50,000/ रु से लेकर 2,45,000/ रु तक थी। इन छात्रवृत्तियों को पाने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि (रु. में)
पीजीपी	123	1,48,05,000
पीजीपीएफ़एबीएम	27	47,30,000
पीजीपी	106	1,46,15,000
पीजीपीएफ़एबीएम	15	19,75,000
कुल	**271**	**3,61,25,000**

भारत सरकार - शीर्ष स्तरीय शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्रक छात्रवृत्तियाँ

अनुसूचित जाति - प्रथम वर्ष के छात्रों के 10 आवेदनों को अन्य पाँच नवीकरण आवेदनपत्रों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास

मंत्रालय को अग्रेषित किया गया था। इन छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान राशि की प्रतीक्षा है। पिछले वर्ष प्राप्त अनुदान राशि संबंधित छात्रों को वितरित की गई।

अनुसूचित जनजाति - प्रथम वर्ष के छात्रों के 3 आवेदनों को चार नवीकरण आवेदनों के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अग्रेषित किया गया था। एक छात्र के लिए अनुदान राशि प्राप्त हुई और इसे वितरित किया गया।

आईआईएम-ए अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान, प्रत्येक को 1500 रु के हिसाब से 177 छात्रों को अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

आईआईएमए निर्गमन छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी 2014-16 बैच के दो छात्रों को, जिन्होंने 2016 में स्नातक होने पर उद्यमी बनने का विकल्प चुना था उन्हें मासिक रूप से प्रत्येक को 30,000 रु की वृत्ति निर्गमन छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई। इस वृत्ति के प्राप्तकर्ताओं को सीआईआईई द्वारा चुना गया था और इन्हें तीन वर्ष तक छात्रवृत्ति मिलना जारी रहेगा।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- निम्नलिखित चार पीजीपी-2 छात्रों को प्रति छात्र 1,50,000/ रु की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति प्रदान की गई
  - सिद्धार्थ डागा
  - अनिरुद्ध जैन
  - प्रदीप सिंघी
  - सम्यक डागा
- पीजीपी-2 के सिद्धार्थ डागा को 1,00,000/ रु की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- निम्नलिखित पाँच छात्रों को उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रति छात्र 1,00,000/ रु की दुनिया वित्त छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई
  - सचित टंडन, पीजीपी-1
  - गुंजन मेहता, पीजीपी-1
  - सम्यक डागा, पीजीपी-2
  - श्रेजन गोयल, पीजीपी-2
- कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने ज़रूरत मंद छात्रों का समर्थन करने के लिए उदारता से संस्थान में योगदान दिया है। जबकि कुछ निधियों का उपयोग एसएनबीएस को प्रदान करने के लिए किया गया था, फिर भी कुछ को एसएनबीएस पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को वापसी योग्य आधार पर टॉप-अप दिया गया था।

निम्नलिखित तालिका में इन छात्रवृत्तियों के विवरण हैं :

प्रायोजक	राशि रु. में	पुरस्कार विजेता/एँ	कक्षा/बैच
तेग इंडस्ट्रीज (श्री मदन मोहंका)	1,00,000	उत्तम कुमार	पीजीपी-2 / 2015-17
यूरोपा इंडस्ट्रीज	1,00,000 1,00,000	सिद्धार्थ डागा आकाश गुप्ता	पीजीपी-2 / 2015-17
एनआरएन अय्यर	1,00,000 1,00,000 1,00,000	अंकुर गर्ग गणेश कुमार भास्कर प्रदीप सिंघी	पीजीपी-2 / 2015-17
पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति, क्लास-2001	4,00,000	सुश्री गरिमा तुलसियन	पीजीपी-2/ 2015-17 (दो साल के लिए)
छात्रवृत्तियों का एसएनबीएस के साथ विलय			
वारबर्ग पिनकस	16,80,000		पीजीपी-1/ पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1/ एफ़एबीएम-2
श्री अस्ग नंदा	16,50,000		पीजीपी-1/ पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1/ एफ़एबीएम-2
उद्योग एनबीएस फंड	10,000		पीजीपी-1/ पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1/ एफ़एबीएम-2

इन सभी छात्रवृत्तियों के विवरण **परिशिष्ट क4** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

श्री एस. के. सेठ स्मृति पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस.के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सिद्धार्थ डागा को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित, संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सिद्धार्थ डागा को दिया गया।

सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के मातापिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार राजाराम एस. को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आशीष खुल्लर को दिया गया।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता नकद पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अस्ग दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री आरिका तुलसियन को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु क्वेत्ज़ल फ़ाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री आरिका तुलसियन को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा के पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सिद्धार्थ डागा को दिया गया।

अन्य पुरस्कार

श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता सहायता पुरस्कार श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों की सहायता के लिए स्थापित किया गया था जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह पुरस्कार दीपक मोहन को दिया गया।

यह पुरस्कार श्री सुनीलचैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा खेल में सर्वांगीण उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्थापित किया गया था। संस्थान में पूरे अध्ययनकाल के दौरान ऑल राउंड प्रदर्शन करने वाले छात्र को यह पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार श्री शैलेष मोहन और सुश्री रीनिता ए. को दिया गया।

श्री नील शास्त्री और श्रीमती शिल्पी शास्त्री (पीजीपी 2006) द्वारा विकलांगता छात्रवृत्ति स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह छात्रवृत्ति अनिमेष बनर्जी को दी गई।

यूरोपा इंडस्ट्री छात्रवृत्ति (मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति) श्री रघुनाथ नारायण (पीजीपी 1983) द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, ये छात्रवृत्तियाँ सिद्धार्थ डागा और आकाश गुप्ता को दी गई।

एन.आर.एन. अय्यर छात्रवृत्ति (मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति) श्री रघुनाथ नारायण (पीजीपी 1983) द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, ये छात्रवृत्तियाँ श्री गणेश कुमार भास्कर, श्री अंकुर गर्ग और श्री प्रदीप सिंघी को दी गई।

आईआईएमैवरिक्स आर्थिक सहायता सीआईआईई द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह सहायता अरविंद कुमार, दीपक मोहन, ऋषिकेश परदेशी, कार्तिक श्रीधरन, मेहुल वर्मा, श्रीकांत शेल्के, और सुवंश बंसल को दी गई।

प्रवेश

पीजीपी 2016 - 2018 के बैच में जुड़ने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार से हैं :

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	147	44	191
नॉनक्रीमी-अन्य पिछड़ा वर्ग	90	15	105
अनुसूचित जाति	45	13	58
अनुसूचित जनजाति	20	9	29
विकलांग	10	3	13
कुल	312	84	396

4 दिसंबर, 2016 को कैट-2016 का आयोजन कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में किया गया।

जून 2017 से शुरू हो रहे स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवासी/विदेशी राष्ट्रीयता वाले उम्मीदवारों सहित 183309 आवेदनपत्र प्राप्त हुए। दो वर्ष के तुलनात्मक आँकड़े इस प्रकार से हैं :

	2016 - 2018 बैच				2017 - 2019 बैच			
श्रेणी	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	86150	43087		129237	93656	47663		141319
नॉन-क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	16406	5510	37	21953	18462	6716	16	25194
अनुसूचित जाति	8497	3163		11660	9033	3619		12652
अनुसूचित जनजाति	2157	892		3049	2327	1054		3381
विकलांग	577	90		667	601	124		725
जीमैट/भारतीय प्रवासी	17	2		19	21	6		27
अधिसंख्य कोटा (एसएनक्यू)	9	2		11	10	1		11
कुल	**113813**	**52746**	**37**	**166596**	**124110**	**59183**	**16**	**183309**
प्रतिशत	**68.32**	**31.66**	**0.02**	**100.00**	**67.71**	**32.29**	**0.01**	**100.00**

पीजीपी 2017-2019 बैच के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या, अकादमिक लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार (एडब्लूटी एवं पीआई), के लिए बुलाए गए उम्मीदवार और इस अकादमिक लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों के विवरण **परिशिष्ट क5** में दिए गए हैं।

2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)

खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण, और संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए युवा पुरुषों और महिलाओं को गतिशील व्यवसायी प्रबंधकों, अग्रणियों, और उद्यमियों के रूप में तैयार करने के लिए खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एफ़एबीएम) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है। शुरूआत से ही संस्थान ने अपने महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में कृषि, खाद्य और अन्य विकासशील क्षेत्रों से संबंधित प्रबंधकीय मुद्दों को स्वीकार किया है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य खाद्य एवं कृषि व्यवसाय, ग्रामीण तथा संबद्ध क्षेत्रों केलिए युवा पुरुषों एवं महिलाओं को सक्षम व्यावसायिक प्रबंधकों में तबदिल करना है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख वातावरण में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग को गतिशील रूप से नीतियों में बदलाव लाने तथा उन परिवर्तनों को प्रबंधित करने की प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। नवीन कौशलों के साथसाथ, इस उद्योग में काम करने वालों को प्रबंधन कौशल की एक श्रृंखला, नीति के माहौल का परिचय, और एक रणनीतिक परिप्रेक्ष्य की ज़रूरत रहती है। यह कार्यक्रम प्रमुख बदलावों और उन परिवर्तनों की प्रक्रिया को प्रबंधित करने के कठिन काम के लिए छात्रों को तैयार करता है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार से हैं :

- कृषि व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में प्रबंधकीय निर्णय लेने और कार्यान्वयन के लिए सामाजिक उद्देश्य की भावना के साथ वैचारिक और पारस्परिक कौशल के साथ छात्रों को तैयार करना।
- छात्रों में कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और इस तरह कृषि व्यवसाय क्षेत्र के भीतर सफल व्यवसायियों में उन्हें तबदिल करना।
- छात्रों में नेतृत्व क्षमताओं का विकास करना, जिन संगठनों में वे कार्य कर रहे हों उनको बदलने और उन्हें प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाना।
- छात्रों की दूरदृष्टि को व्यापक बनाना और उनमें व्यावसायिकता, अखंडता, नैतिकता और सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को बढ़ाना।

प्रवेश

वर्ष 2016-17 में संस्थान को 1,18,109 आवेदन प्राप्त हुए। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), समूह चर्चा, एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्र जुड़े।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1 और ख2** में दिए गए हैं।

तैयारी कार्यक्रम

चयनित छात्रों को कृषि, गणित, संचार एवं कंप्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु 6 जून से 18 जून, 2016 तक चलाए गए प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए बैच के लिए 22 से 24 जून, 2016 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजी-पीएफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत और संवाद हुए और संस्थान की कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी तथा केस चर्चा पर एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 46 छात्रों के साथ, 8 जून, 2016 को शुरु हुआ। प्रथम वर्ष (2016-18) के अंत में, 46 छात्र दूसरे वर्ष में आगे बढ़े।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 31 अनिवार्य पाठ्यक्रम (22.50 केडिट्स) लिए जो तीन सत्रों में थे। द्वितीय वर्ष में कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए चार क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 22 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए थे। दूसरे वर्ष में तीन नए अनिवार्य पाठ्यक्रम कृषि-व्यवसाय परियोजनाओं के लिए प्रबंधन, कृषि-व्यवसाय उद्यमिता, और कृषि-व्यवसाय नेतृत्व प्रस्तुत किए गए।

दूसरे वर्ष के छात्रों को कम से कम 17 केडिट और 20 अधिकतम केडिट लाना ज़रूरी था। उन्हें तीन संयुक्त स्लॉट्स में से किसी भी एक में अन्य कार्यक्रमों में से 3.5 केडिट के युनिट के लिए भी पंजीकरण करने की अनुमति थी।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 18 से 30 मार्च, 2016 के दौरान इस ग्रामीण मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को आठ समूहों में विभाजित किया गया। जो नए क्षेत्र इस बार शुरूकिए गए वे थे धोलका में वसंत फ़ार्म; कच्छ में विशिष्ट क्षेत्र; आईसीटी के तहत दो परियोजनाएँ; साबरकाँठा; और वर्धा महाराष्ट्र में जमनालाल बजाज फ़ाउंडेशन। दूसरा चरण इन्हीं स्थानों पर, 7 से 17 दिसंबर, 2016 के दौरान सात समूहों के साथ आयोजित किया गया था।

पीएमए/एसपीए/एफ़एबीएम के लिए पूर्वछात्र मिलन

पीजीपी-एफ़एबीएम ने 7 - 8 जनवरी, 2017 को पहली बार अपने क्षेत्र-विशेष पूर्वछात्र मिलन का आयोजन किया। उद्योग और विकास क्षेत्र के पेशेवरों, शिक्षाविदों और कृषि व्यवसाय डोमेन के उद्यमियों ने इस पूर्वछात्र समूह का गठन किया था। इस दो दिवसीय

समारोह में, उन्होंने विशेष रूप से छोटे और मझौले उद्यमों में - भारतीय कृषि-व्यवसाय क्षेत्र में वर्तमान छात्रों, संकायों और पूर्वछात्रों के द्वारा विकास और योगदान करने के बारे में चर्चा की। इस मिलन के माध्यम से विभिन्न बैचों के पूर्वछात्रों को एक साथ लाया गया और छात्रों से बातचीत करने के लिए के लिए एक साझा मंच प्रदान किया गया।

छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के सभी छात्रों को भारत सरकार की अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई । आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए, संस्थान ने आवश्यकता के आधार पर छात्रवृत्तियाँ प्रदान की।

पुरस्कार

श्री आर. सी. माथुर (पीएमए 1972 बैच) सर्वोत्तम आलराउंडर पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रा का पुरस्कार सुश्री साक्षी जिनोडिया को दिया गया।

इस वर्ष दो नए पुरस्कार शुरू किए गए :

- पीजीपी-एफ़एबीएम की पूर्वछात्रा सुश्री गीता गर्ग (पीजीपी-एबीएम 2013-15) द्वारा स्थापित बैच ऑल राउंडर पुरस्कार।
- एसपीए के पूर्वछात्र श्री परमेश शाह, विश्व बैंक (एसपीए 1982) द्वारा स्थापित औद्योगिक छात्रवृत्ति (आई-स्कॉल)।

वर्ष 2016 -17 के लिए चिन्मय गावडे को ये दोनों पुरस्कार प्रदान किए गए।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम के द्वितीय वर्ष के पाँच छात्रों को ईएसएसईसी एमएस एग्रीबिजनेस स्कूल भेजा गया और एक छात्र को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय भेजा गया और इन सभी ने वहाँ सितंबर से दिसंबर 2016 तक एक सत्र बिताया। इस वर्ष एक नया विनिमय गठजोड़ अंटाई कॉलेज ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, शंघाई जिओ टोंग यूनिवर्सिटी के साथ किया गया था, और दो एफएबीएम छात्रों ने सितंबर से दिसंबर 2016 तक यहाँ एक सत्र बिताया। नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ़ इकोनोमिक्स के साथ एक और नया करार प्रक्रिया के तहत है।

3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

यह कार्यक्रम 14 अप्रैल, 2016 से शुरू हुआ। इस बैच में 20 छात्राओं सहित 90 छात्र शामिल हैं।

पीजीपीएक्स 2016-17 बैच का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तारित पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना छह खंडों में की गई है प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक, और कैपस्टोन। 13 नए पाठ्यक्रमों सहित चौबीस मुख्य / अनिवार्य तथा 54 ऐच्छिक पाठ्यक्रम इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान पेश किए गए थे जिनमें सात नए पाठ्यक्रमों सहित 37 पाठ्यक्रम अच्छे से पूरे किए गए।

वर्ष के दौरान पेश किए गए नए पाठ्यक्रमों की सूची **परिशिष्ट ग2** में दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

यह विदेशी संस्थानों में दो सप्ताह का एक शैक्षिक प्रशिक्षण है। यह कार्यक्रम 5 से 16 सितम्बर, 2016 के दौरान पेश किया गया। छात्रों ने निम्न स्थानों पर दो समूहों में यात्रा की :

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, हांगकांग (48 छात्र)
- एकॉल सुपरियर द कॉमेर्स द पारिस (ईएससीपी), पेरिस (42 छात्र)

विनिमय छात्रों के लिए मॉड्यूल

वारविक बिजनेस स्कूल, वारविक से आए 22 विनिमय छात्रों के लिए भारत में कारोबार मॉड्यूल प्रस्तुत किया गया था। इसमें निम्नलिखित विषयों को समाहित किया गया :

- भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त परिचय
- भारत में व्यवसाय - मध्यस्थता
- संकट संचार
- हितधारकों के साथ संलग्नता
- समावेशी नवाचार

- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भारतीय वित्तीय प्रणाली
- भारतीय ग्राहकों के लिए विपणन
- भारत में पेटेंट संरक्षण
- भारत में पीपीपी
- भारत में दुकान की स्थापना और व्यवसाय बढ़ाना
- व्यवसाय में सामाजिक संदर्भ
- भारतीय वितरण प्रणाली से निपटना
- भारत और भारतीय उपभोक्ता को समझना

इस कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, छात्रों ने अहमदाबाद में वाघ बकरी चायपत्ती ग्रुप; हेवमोर आइस क्रीम फ़ेक्टरी, और जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केंद्र का दौरा किया।

अन्य एक मॉड्यूल ईएससीपी, पेरिस से आए 40 विनिमय छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल में निम्नलिखित विषय प्रस्तुत किए गए :

- उद्यमिता
- आधारिक नवाचार
- भारतीय संस्कृति
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भारतीय ऊर्जा क्षेत्र
- भारतीय वित्त प्रणाली
- भारतीय कानूनी प्रणाली
- भारतीय फार्मा क्षेत्र
- भारतीय सामाजिक नीतियाँ
- चिंतन
- भारत में टेलिकॉम क्षेत्र

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, छात्रों ने आणंद में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, अमूल डेयरी, और अमूल चोकलेट प्लांट सभी का दौरा किया।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 90 पीजीपीएक्स छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। उन्हें निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया :

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदक श्री मिहिर पारेख
- शीर्ष पाँच छात्रों के लिए प्रत्येक को 30,000/ रु. का नकद शैक्षिक मेरिट पुरस्कार श्री मिहिर पारेख, श्री इशान चन्ना, श्री सौभाग्य रंजन मोहपात्रा, श्री धृतिमान घोष, और श्री अखिल कुमार गवर।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष - श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए विजिटिंग फैकल्टी, और 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित ऑल राउंड उत्कृष्टता का 1,00,000/ रुपये का नकद पुरस्कार श्री अखिल कुमार गवर को दिया गया।
- शापूरजी पालोनजी शैक्षणिक योग्यता राइजिंग स्टार अवार्ड श्री मिहिर पारेख को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने फाइनेंशियल टाइम्स के एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2017 में विश्व में सबसे अच्छा कार्यक्रम बना रहा। यह कैरियर प्रगति में तीसरे स्थान पर रहा तथा समग्र दृष्टि से 29वें स्थान पर रहा।

छात्र गतिविधियाँ

कोनेक्सियन 2016, वार्षिक ज्ञान शिखर सम्मेलन 14 से 15 अक्टूबर 2016 के दौरान आयोजित किया गया। इसका विषय ''बदलता भारत : कार्यान्वयन के लिए विचार'' था । इस समारोह में छह पैनल चर्चाएँ, एक सीईओ रात्रि महाभोज समारोह, पीजीपीएक्स वार्षिक पूर्वछात्र पुनर्मिलन का आयोजन किया गया। उद्योग, शिक्षण जगत, तथा सरकार के 25 से अधिक शीर्ष अग्रणियों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया था।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन : एक्सप्रेशन 2016

पीजीपीएक्स 2017 बैच ने 16 नवंबर, 2016 को पूर्वछात्र मिलन (एक्स्प्रेशन) का आयोजन किया। पिछले वर्ष के पूर्वछात्र मिलन से प्रेरित होकर कोनेक्सियन के रूप में यह आयोजन जारी रखा गया। इसका उद्देश्य एक मजबूत पूर्वछात्र आधार बनाना है और पीजीपीएक्स पूर्वछात्रों को सभी बैचों के साथ संवाद करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है। इस समारोह में लगभग 70 पूर्वछात्रों ने भाग लिया था।

पूर्वछात्र समिति ने "एल्यूम कन्नेक्ट" कार्यक्रम का भी आयोजन किया जिसमें विभिन्न उद्योगों में कार्यरत पूर्वछात्रों के साथ अनुभव साझा किए गए। इन पूर्वछात्रों ने वर्तमान बैच को पीजीपीएक्स में सीखने के साथ अपने पूर्वानुभवों को कैसे मिलाकर काम में लाया जाता है उसके बारे में जानकारी देने में सहायता की।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखला में, कंपनियों के वरिष्ठ अग्रणियों और प्रख्यात नागरिकों को पीजीपीएक्स छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। बाईस वक्ताओं ने व्याख्यान दिया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ग3** में दिए गए हैं।

2017-18 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2017-18 बैच के लिए नौ सौ पैंतालीस आवेदन पत्र प्राप्त हुए और साक्षात्कार के लिए 463 आवेदन पत्रों को लघुसूचीबद्ध किया गया था। 121 उम्मीदवारों को पेशकश रखी गई थी और 30 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था जिनमें से सभी 30 को आगे बढ़ाया गया। अंतत: 115 उम्मीदवार (पिछले वर्ष के आस्थगितों में से 3 उम्मीदवारों के सहित) कार्यक्रम से जुड़े जिनमें 29 छात्राएँ हैं। पाँच उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए विलंब से अप्रैल 2018 से जुड़ने के लिए कहा।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

वर्ष 2017 में फैलो-स्नातक हुए 18 छात्रों सहित इस वर्ष तक, 349 छात्रों ने "भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद फैलो" की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में 43 छात्र शोध प्रबंध चरण में हैं और 42 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2016-2017 में स्नातक हुए एफ़पीएम छात्रों के नाम **परिशिष्ट घ** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

आईएफसीआई शोध-प्रबंध पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार रु.
प्रीत दीप सिंह (वित्त और लेखाकरण)	निबंध 1: लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति और आय प्रबंधन पर इसका प्रभाव, निबंध 2: बहिर्जात रूप से घटित कार्यरतता और आय प्रबंधन पर इसका प्रभाव	50,000
अंकुर कपूर (विपणन)	उत्पाद मूल्यांकन और विकल्प पर गैरविभेदित अंतरण का प्रभाव	25,000
अनिता केराई (व्यापार नीति)	पारिवारिक फर्म के प्रदर्शन और रणनीतिक निर्णय पर टीएमटी की संरचनात्मक शक्ति समानता का प्रभाव	25,000

प्रोफेसर तीरथ गुप्ता स्मारक पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार रु.
जतिन पांडे (मानव संसाधन प्रबंधन)	ग्रामीण भारत में कार्यस्थल पर महिलाओं का नौकरी प्रदर्शन नौकरी मांगसंसाधन (जेडीआर) परिप्रेक्ष्य	50,000
राजेश नानारपुझा (विपणन)	धर्म और बाज़ार लेनदेन की परस्पर क्रिया	50,000

प्रथम वर्ष में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी पद्मनाभन पंत पुरस्कार

- प्रिया नारायणन - 10,000 रुपए

छात्रों द्वारा सम्मेलन / डॉक्टरल वार्ता / कंसोर्टियम में प्रतिभागिता / शोधपत्र प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	28
घरेलू सम्मेलन	14
कुल सम्मेलन	42
कुल छात्रों ने भाग लिया	31
डॉक्टरेट वार्ता / कंसोर्टियम	
अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरेट वार्ता	00
घरेलू डॉक्टरेट वार्ता	03
कुल डॉक्टरेट वार्ता	03
कुल छात्रों ने भाग लिया	03
शोधपत्र प्रकाशन	
कुल प्रकाशित शोधपत्र	15 (ए-1, बी-2, सी-7 और अन्य-5)
शामिल छात्रों की कुल संख्या	13

पिछले 10 वर्षों की पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम और एफ़पीएम छात्रों की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

स्थानन

पीजीपी

स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) 2017 में स्नातक हो रहे बैच के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। कई डोमेन की कंपनियों ने अंतिम स्थानन में तीन क्लस्टरों में भाग लिया, जिसमें 10 से अधिक साथी कंपनियों में छात्रों का स्थानन किया गया।

स्थानन प्रक्रिया

स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में संचालित की गई। पहला चरण पार्श्व प्रक्रिया का था जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्य स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की गई। प्रौद्योगिकी, परामर्शन, फार्मास्यूटिकल्स, तथा विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से 30 से अधिक कंपनियों ने स्थानन के लिए भाग लिया। दूसरे चरण में, प्रस्तुत किए प्रोफ़ाइल के आधार पर कंपनियों को समूहबद्ध किया गया था, और इन समूहों को विभिन्न क्लस्टरों में केम्पस में बुलाया गया था। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी छात्रों को उनके सपनों के अनुरूप, स्थानन के प्रस्ताव मिलने के बावजूद, बाद वाले समूहों में अपनी पसंद की कंपनियों में आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध करायी गई। इस वर्ष 110 छात्रों ने अपने सपनों के लिए आवेदन किया था। इससे छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में कैरियर बनाने का विकल्प मिला। छात्रों को नवाचार, नवोन्मेष एवं उद्यमिता (सीआईआईई) के परामर्शन में अपनी उद्यमी सोच के आधार पर काम करने का भी अवसर मिला।

क्षेत्रीय अवलोकन

विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों से कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया। प्रबंधन और आला परामर्श डोमेन में भर्तीकर्ताओं के रूप में अन्य सभी कंपनियों में एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, ए.टी. केर्नी, बैन एंड कंपनी, मैकिन्से एंड कंपनी और ऑलिवर वाइमन शामिल थे। निवेश बैंकिंग और मार्केट स्पेस में प्रमुख नियोक्ताओं के रूप में सिटीबैंक, केडिट सुइस, ड्यूश बैंक, गोल्डमैन सैक्स, जे.पी. मॉर्गन, कोटक आईबी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड शामिल थे। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्रों के नियोक्ताओं में, भर्तीकर्ताओं के रूप में अमेरिकन एक्सप्रेस, फाइनआईक्यू, फुलरटन और आरबीएल शामिल थे। एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचयूएल, आईटीसी, नेस्ले, पी एंड जी और रेकिट बेन्कीसर जैसे नियमित नियोक्ताओं द्वारा बिक्री और विपणन भूमिकाओं की पेशकश कीगई। सामान्य प्रबंधन समूह में आदित्य बिड़ला समूह, टाटा प्रशासनिक सेवाएँ, सी.के. बिड़ला और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा की उपस्थिति रही। उद्यम प्रौद्योगिकी तथा उपभोक्ता तकनीक समूह में मोबीक्विक, रिविगो और स्प्रिंक्लर जैसी कंपनियों की उपस्थिति देखी गई।

शीर्ष भर्तीकर्ता

स्थानन में 100 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया था। जिन कंपनियों ने सबसे अधिक पेशकश रखी उनमें एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अमेज़न, बैन एंड कंपनी, मैकिन्से एंड कंपनी और द बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप शामिल थीं। अमेज़ॅन ने सर्वाधिक 18 पेशकश रखी। मैककिंसे एंड कंपनी ने परामर्शन डोमेन में सबसे ज्यादा 15 पेशकश रखी। वैश्विक बैंकों में गोल्डमैन सैक्स सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था, जिसने नौ छात्रों को चुना। बिक्री और विपणन डोमेन में, एचयूएल ने सात प्रस्ताव रखे, उसके बाद प्रोक्टर एंड गैंबल, एससी जॉन्सन और सैमसंग ने छह-छह प्रस्ताव दिए। 10 पेशकशों के साथ, सामान्य प्रबंधन गठबंधन में टीएएस सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था। स्प्रिंक्लर ने उपभोक्ता तकनीक समूह में नौ प्रस्ताव दिए।

अंतिम स्थानन के विवरण

स्थानन प्रक्रिया में भाग लेने वाले 386 छात्रों को 450 से अधिक नौकरी की पेशकश की गई थी।

पुराने रिश्तों को मजबूत बनाना और नए लोगों के साथ इए संबंध बनाना

स्थानन को उद्योग जगत के साथ संबंध बनाने और एक सहजीवी संघ बनाने के एक अवसर के रूप में देखा जाता है। मौजूदा नियोक्ताओं ने बड़ी संख्या में भर्ती के माध्यम से ना केवल अपने संबंध निभाए हैं बल्कि, कई नई कंपनियाँ भी पहली बार स्थानन के लिए आईं।

पीपीओ स्थानन (पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर 106 छात्रों ने पूर्व-स्थानन प्रस्ताव स्वीकार किए।

पार्श्व स्थानन

बैच के लगभग 50 प्रतिशत छात्र पार्श्व स्थानन के लिए पात्र थे, और 30 से अधिक कंपनियों ने पार्श्व स्थानन प्रक्रिया में विविध क्षेत्रों में 75 छात्रों को नियुक्त किया।

उद्यमिता

हाल के वर्षों में छात्रों में अपना उद्यम शुरू करने की प्राथमिकता बढ़ती दिखाई दे रही है ताकि वे अपना उद्यम शुरू करने लिए आकर्षक नौकरी की पेशकश को अस्वीकार कर सकें। इस वर्ष भी सात पीजीपी छात्रों ने अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में, स्थानन समिति उन्हें दो वर्ष का स्थानन अवकाश दे रही है। उद्यमिता को अपनाने के आधार पर स्थानन से बाहर रहने वाले छात्र अगले दो वर्षों में संस्थान से स्थानन सहायता लेने के लिए पात्र होंगे।

पीजीपी-एफ़एबीएम

पीजीपी-एफएबीएम की स्थानन प्रक्रिया इस वर्ष भी सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। 46 छात्रों वाले 2017 के बैच को खाद्यान्न, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। भर्तीकर्ता और प्रतिभागियों ने समान रूप से मजबूत प्रक्रिया की सराहना की, और अवसरों के साथ प्रभावशाली रूप से प्रतिभाओं का मिलान कराया।

इस कार्यक्रम द्वारा क्षेत्र के विशिष्ट ज्ञान और प्रबंधकीय क्षमता के आला संयोजन ने उद्योगों की सुविधा को अत्यधिक मूल्यवान बनाया है। भर्तीकर्ताओं ने आगे की पेशकश में प्रतिभाओं के व्यापक पूल का बेहतर उपयोग करने के लिए नए पदों को सृजित करके इस बातकी पुष्टि की है। अलगअलग क्षेत्रों की कुल 25 कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया और छात्रों के लिए 50 पेशकश रखी। गोदरेज कंपनी समूह और टीजीआई क्रमशः आठ और चार छात्रों की भर्ती करने वाले शीर्ष भर्तीकर्ता रहे। इस प्रक्रिया में पहली बार के अनेक भर्तीकर्ता जैसे पायनियरिंग वेंचर, टीजीआई और टिलविला शामिल रहे। यस बैंक, एडीएम, रेकिट बेन्केसर और अमेज़न-क्लाउडटेल जैसे नियमित भर्तीकर्ताओं ने कई प्रस्ताव दिए।

इस वर्ष स्थानन के बारे में एक उल्लेखनीय तथ्य यह था कि सामाजिक और विकास क्षेत्र में काम करने के लिए छात्रों का झुकाव रहा है।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर आठ कम्पनियों द्वारा 13 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव पेश किए गए, इनमें से 10 प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

नए भर्तीकर्ता

- दूधसागर डेयरी
- पायोनियरिंग वेंचर्स
- प्राइवी लाइफ़ साइंसिज़
- टीजीआई
- तिलविला

ग्रीष्मकालीन स्थानन (2016-18 बैच)

2018 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया 8 नवंबर 2016

को सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। बयालीस छात्रों ने संस्थान स्थानन के माध्यम से पसंद के और एक दिन से भी कम समय में स्थानन प्राप्त किए। चार छात्रों ने सीआईआईई के साथ परियोजनाओं पर काम करने के लिए इस पसंदगी प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स का स्थानन रोलिंग के आधार पर 14 नवंबर को शुरू हुआ और इसमें प्रतिभागियों को मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए चुना जाता है। पीजीपीएक्स स्थानन में प्रतिभागियों और संभावित नौकरी / पद के बीच एक अच्छी उपयुक्तता सुनिश्चत करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

इस स्थानन प्रक्रिया में कई क्षेत्रों से विविध भर्तीकर्ताओं का समूह उपस्थित रहा था और कई भर्तीकर्ता पहली बार आए हुए थे।

जो कंपनियाँ स्थानन के लिए आईं उनमें एक्सेंचर, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, तेलंगाना सरकार, केईसी इंटरनेशनल, आईबीएम, एप्पटस, एचसीसीबी, अमेज़न, अदानी ग्रुप, भारती एयरटेल, और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

स्थानन कार्यालय ने स्थानन प्रक्रिया में इस वर्ष भी छात्रों के साथ पूर्ण समर्थन प्रदान करना जारी रखा।

एफ पी एम

पिछले पाँच सालों से एफ पी एम अंतिम स्थानन प्रक्रिया नितय स्थानन से आगे बढ़कर आवर्ती स्थानन तक पहुँच गई है। जिन छात्रों नेइस स्थानन प्रक्रिया का उपयोग किया वे इन विषयक्षेत्र से थे वित्त एवं लेखांकन (1), उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके (1), सार्वजनिक प्रणाली समूह (1), और मानव संसाधन प्रबंधन (1). इस वर्ष, पीजीपी स्थानन ने एफ़पीएम उम्मीदवारों को www.mba-exchange.com पोर्टल पर सदस्यता के सिवाय कोई समर्थन नहीं दिया था। इन सभी चारों उम्मीदवारों को विशिष्ट और आला पदों के लिए अपने व्यापक शोध हितों और पृष्ठभूमि के लिए गठबंधन की तलाश थी। उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके से एक छात्र को उसके अपने बूते पर अमेजन द्वारा नियुक्ति मिली; सार्वजनिक प्रणाली समूह के छात्रों ने संस्थान में पोस्ट डॉक्टरेट विद्वान के रूप में काम किया। शेष दो छात्र अभी भी उचित पदों की तलाश में हैं।

प्रथम वर्ष के दो एफपीएम छात्रों ने कॉर्पोरेट ग्रीष्मकालीन स्थानन का विकल्प चुना था। दोनों उम्मीदवारों ने विशिष्ट पदों की तलाश की, हालांकि, उनकी रुचि कंपनी के नौकरी विवरण के साथ मेल नहीं खाती थी। सूचना प्रणाली के छात्र ने दो एफपीएम छात्रों (जो एफपीएम स्थानन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थे) के साथ एक संकाय सदस्य के माध्यम से एकोले-आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से एक प्रस्ताव प्राप्तकिया है। एफएबीएम छात्र ने इस प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना और एक संकाय सदस्य के साथ एक परियोजना पर काम करने का फैसला किया।

ग्रीष्मकालीन स्थानन पूर्णता की संक्षिप्त जानकारी का सत्र

उद्देश्य

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप पूर्णता की संक्षिप्त जानकारी के सत्रों का आयोजन प्रथम वर्ष के छात्रों को उन डोमेनों और भूमिकाओं का एक संक्षिप्त विचार देने के लिए किया जाता है, जिनमें वे ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना रखते हैं। द्वितीय वर्ष के पीजीपी छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अनुभव साझा किए।

प्रथम वर्ष के छात्रों को ये सत्र अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक प्रतीत हुए।

भर्तीकर्ता कोन्क्लेव

एक अखिल-बी-स्कूल स्थानन समिति सम्मेलन - मैत्री का आयोजन 28 जनवरी, 2017 को संस्थान द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य स्थानन के संबंध में भारत में शीर्ष प्रबंधन संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था। पहली बार आयोजित इस सम्मेलन में आईआईएम अहमदाबाद, बैंगलोर, कोलकाता, इंदौर, कोझिकोड, लखनऊ एसपी जैन, आईआईएफटी और एमडीआई, गुड़गांव सहित 9 संस्थानों केप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन ने छात्रों के बीच समन्वय और संबंधित सामान्य विषय-क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए एक सामान्य मंच के रूप में कार्य किया।

शहर जुड़ाव पहल

अगस्त 2016 में शहर जुड़ाव पहल आयोजित की गई जिसमें दो संकाय सदस्यों के साथ स्थानन समिति ने नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद आदि जैसे शहरों का दौरा किया। इसका उद्देश्य नियमित भर्तीकर्ताओं के बीच पीजीपी, पीजीपी-एफएबीएम और पीजीपीएक्स कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

उद्यमिता मेला

स्थानन समिति ने, उद्यमिता प्रकोष्ठ और नवाचार, उष्मायन, उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) के सहयोग से, अहमदाबाद में 7 और 8 अक्टूबर 2016 को "एंत्रे फेयर 2016" का आयोजन किया।

इसका उद्देश्य छात्रों को एक उद्यम कंपनी में काम करने के लिए खुद को प्रकाश में लाना है। इसे निम्न दो उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक मंच के रूप में बनाया गया है :

- उद्यमी अवसरों का लक्ष्य रखने में रुचि रखने वाले प्रतिभाशाली छात्रों से मिलने के लिए एंत्रे कंपनियों को एक मंच प्रदान करना।

- उद्यमिता में उतरने का निर्णय लेने से पहले छात्रों को अनुभव प्राप्त करने के लिए संस्थाओं के साथ प्रशिक्षु का अवसर प्रदान करना।

इस मेले में 25 से ज्यादा स्टार्टअप और युवा उपक्रम जैसे कि फ्रेशडेस्क, फेलत्सो, एमएचएफसी, सुयश, शुद्ध स्वास्थ्य (प्रीडिबल हेल्थ), प्लेक्सस एमडी, कैंपस्यारी, आदि शामिल थे।

दो दिवसीय समारोह "लाइफ इन अ स्टार्टअप" पर जीवंत चर्चा के साथ शुरू हुआ। इस पैनल में प्रोफेसरों और स्टार्टअप के संस्थापकों का मिलना जुलना शामिल था।

मुख्य समारोह निस्संदेह स्टार्टअप जॉब मेला था। इस वर्ष स्टार्टअप में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, खेल, मीडिया और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम शामिल था। संस्थापकों के साथ बातचीत करने के लिए छात्रों ने इस अवसर का लाभ उठाया।

जिन स्टार्टअपों ने एंत्रे मेला - 2016 में भाग लिया

एद्युटेक
- स्वयम्
- अलमामेप्पर
- आईविज़ार्ड

समारोह
- बुकइवेंट्स
- पोलटॉक्स
- मायट्रिपकर्म

वित्त
- एमएचएफ़सी
- सुयश

फ़िनटेक
- इंडियाबिज़फॉरसेल
- डोबोज़
- भरोसा क्लब

खाद्यान्न एवं कृषि
- कर्ना केंडी
- मिस्टर हॉट फ़ूड्स

हेल्थटेक
- प्रीडिबल हेल्थ
- प्लेक्सस एमडी

मीडिया
- फ़ाइडेफ़िक्शन फ़िल्म्स
- बरोडा बीट

खेल :
- एथलेट्टो

टेक एवं एनालिटिक्स
- फ़ेशडेस्क
- फ़ेल्त्सो

वस्त्र उद्योग
- केम्पसयारी
- ओपन फ्यूअल

विवरण **परिशिष्ट च** में दिए गए हैं।

दीक्षांत समारोह

संस्थान का बावनवाँ दीक्षांत समारोह 25 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया। एक्सिस बैंक लिमिटेड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सुश्री शिखा शर्मा ने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह में, 18 एफपीएम छात्रों को भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो की उपाधि से सम्मानित किया गया; 401 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; 45 छात्रों को खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; और 90 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद मेडल से सम्मानित किया गया :

पीजीपी

- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा

पीजीपीएक्स

- मिहिर पारेख

स्वर्ण पदक विजेता

आशीष खुल्लर

आकाश गुप्ता

सम्यक डागा

मिहिर पारेख

प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। वर्षों से, प्रबंधन शिक्षकों की उभरती हुई विकासात्मक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एफडीपी की संरचना और पाठ्यक्रम को फिर से तैयार किया गया है। एफडीपी में विशेष रूप से ऐसे प्रबंधन शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कौशलों के उन्नयन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिन शिक्षकों को शिक्षा और अनुसंधान के तरीकों से वर्तमान घटनाक्रम में परिचय का अवसर नहीं मिली है।

38वाँ एफडीपी 6 जून से 24 सितंबर, 2016 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, नेपाल, सऊदी अरब और श्रीलंका के एक-एक सहित पैंतीस प्रबंधन शिक्षकों ने भाग लिया था। इनमें पंद्रह महिला संकाय सदस्य थे। उनमें से सोलह संकाय सदस्य प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट थे।

38 वें एफडीपी में पाठ्यक्रम के तीन समूहों : अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और ऐच्छिक विषयों का एक समूह की पेशकश की गई। पहले समूह के पाठ्यक्रमों में रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक पर्यावरण और नीति, वित्तीय और लागत लेखांकन के मूल सिद्धांत, कॉर्पोरेट वित्त के बुनियादी सिद्धांत, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार की समझ, गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ, मानव संसाधन प्रबंधन, डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी, मानव संसाधन प्रबंधन और संचालन प्रबंधन शामिल हैं।

मूलभूत पाठ्यक्रम विशिष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान कौशल के उद्देश्य से थे, और उनमें प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार प्रबंधन, अनुसंधान विधियाँ और डिजाइन, और प्रबंधन शिक्षा में केस विधि शामिल थे।

निम्नलिखित के अनुसार तीन विषय-क्षेत्रों से ऐच्छिकों की पेशकश की गई :

संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन	उन्नत संगठनात्मक व्यवहार, समकालीन मानव संसाधन प्रबंधन अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य
वित्त	वित्त में अनिवार्य लेखांकन विषय
विपणन	विपणन में प्रयोगात्मक विधियों के अनुप्रयोग और निचले स्तर तक के विपणन के लिए विपणन व्यवसाय रणनीतियाँ विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

उन्नत बहुभिन्न विश्लेषण, प्रबंध शिक्षकों के लिए प्रकाशन और लेखन, और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों और परामर्शन कार्यों के संचालन के लिए डिजाइन और संचालन भी इस कार्यक्रम में शामिल थे।

प्रतिभागियों ने अमूल चॉकलेट संयंत्र, विद्या डेयरी, और अमूल डेयरी स्थलों का दौरा किया।

अनुसंधान और प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण अनुदान और अन्य समर्थन की मात्रा के आधार पर - बड़े, छोटे, या मूलधन के रूप में वर्गीकृत करके प्रदान किया जाता है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, जर्नल्स में लेख, केस - इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम हैं।

वर्ष के दौरान, शैक्षणिक समुदाय ने 12 पुस्तकें, एक मोनोग्राफ और पत्रिकाओं में 118 लेख लिखे हैं। उन्होंने पुस्तकों में 25 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 101 शोध पत्र प्रस्तुत किए और 23 आधारपत्र लिखे।

इसके विवरण **परिशिष्ट छ, ज, और झ** में दिए गए हैं।

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल

***विकल्प* : निर्णयकर्ताओं का जर्नल** भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का प्रतिस्पर्धी समीक्षित एक तिमाही शैक्षणिक प्रकाशन है। वर्तमान में इसके 42वें वर्ष के प्रकाशन में, **विकल्प** एक मुक्त पहुँच वाला प्रकाशन है जो सेज पब्लिशर्स द्वारा विपणित, प्रकाशित, तथा वितरित किया जाता है जबकि इसका स्वामित्व और संपादकीय नियंत्रण विकल्प के पास है। एक शीर्ष प्रबंधजर्नल के रूप में इसकी पहचान बनी है जो शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के लिए प्रबंधन के क्षेत्र में विकास के बारे में संवाद करता है। इसमें व्यावहारिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं तथा अभ्यासरत प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक हैं।

***विकल्प* :** निम्नलिखित विशेषताओं के लिए प्रकाशन संभावनाएँ प्रदान करता हैं। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की माँग करते हैं। **अनुसंधान** में विश्लेषणात्मक या अनुसंधान आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ** प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आधारपत्रों के विषयों पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं। **वार्ता** के अंतर्गत समसामयिक विषय पर की गई चर्चा/ बहस शामिल होती है। **प्रबंध केस** में, किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। **निदान** में शिक्षाविदों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस का विश्लेषण होता है। विकल्प **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

दुनियाभर में पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के बीच बातचीत और संलग्नता को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, विकल्प सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड में दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रमुख विद्वान शामिल हैं। वर्ष 2016 -17 में विकल्प की संपादकीय टीम में तीन नए सदस्यों को सहयोगी संपादकों के रूप में शामिल करके टीम को मजबूत किया गया है। सहयोगी संपादकों की इस टीम ने संपादक के साथ संस्थान में विकल्प कार्यकारी समिति के रूप में कार्य किया है।

पिछले कुछ वर्षों में, विकल्प ने लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय पाठकों

का विस्तार किया है और इसकी सदस्यता का 27 प्रतिशत यूएसए से आ रहा है। पश्चिमी यूरोप और दक्षिण अमेरिका भी क्रमश: 13 और 11 का विकल्प के भौगोलिक प्रसार में योगदान करते हैं। पूरी विषयवस्तु के डाउनलोड में पिछले वर्ष के 5001 से इस वर्ष 77,000 से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, विकल्प को 294 रचनाएँ प्राप्त हुईं। इनमें से 234 को प्रारंभिक जाँच के दौरान ही अस्वीकार कर दिया गया था और चार को दोहरी समीक्षा के कई दौरों के बाद अस्वीकार कर दिया गया था। शेष रचनाएँ समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। केवल 17 रचनाओं को स्वीकार किया गया था, इस प्रकार विकल्प की स्वीकार्यता दर 5.78 प्रतिशत है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, विकल्प की उपलब्धियों में से एक को स्कॉपस में अनुक्रमित किया गया है, जो वैज्ञानिक पत्रिकाओं, पुस्तकों और सम्मेलन की कार्यवाही सहित समकक्ष समीक्षा वाले साहित्य के सबसे बड़े सार और उद्धरण डेटाबेस में से एक है। वर्तमान में, विकल्प को जेगेट, ईबीएससीओ, और स्कॉपस के साथ अनुक्रमित किया गया है। आने वाले कुछ वर्षों में ज्यादा अच्छी तरह से स्थापित वैश्विक डेटाबेस और पत्रिका रैंकिंग सिस्टम जैसे ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) पत्रिकाओं की सूची में शामिल होने के माध्यम से विकल्प की दृश्यता के विस्तार का लक्ष्य है।

विकल्प का सेज के मंच (httpb://vik.sagepub.com) पर एक ब्रांडेड होम पेज है जहाँ शोधकर्ता संग्रह की गई सामग्री सहित जर्नल की सामग्री खोजने में सक्षम बनते हैं। अभी हाल ही में जोड़ी गई सुविधा आर्टिकल मेट्रिक्स का विकल्प है, जिसमें लेख के उपयोग, उद्धरण, अल्मेट्रिक स्कोर आदि की जानकारी दी गई है। विकल्प की फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक समर्पित, सक्रिय प्रोफ़ाइल है।

केस केंद्र

केस केंद्र की मुख्य गतिविधि केस लेखन, केस के विकास के लिए वित्तपोषण, और केस के वितरण में सहायता प्रदान करना है। इस केंद्र में 4146 केसों, शिक्षण नोटों, तकनीकी नोटों और अभ्यासों का संग्रह है। वर्ष 2016-17 के दौरान, केंद्र ने 36 केस अध्ययन, 37 शिक्षण नोट्स, छह तकनीकी नोट्स और एक अभ्यास का पंजीकरण किया। केंद्र में ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से 9,80,281 रुपए और ऑफ़लाइन के माध्यम से 5,19,400 रुपए की बिक्री हुई। इस केंद्र ने विभिन्न प्रबंध संस्थानों के साथ 25,23,100 रुपये के अनुबंध समझौतों (7,50,000 रुपए के आंतरिक उपयोग शुल्क सहित) हस्ताक्षर किए हैं और 40,22,781 रुपये की बिक्री की है।

केंद्र ने केस वितरण नेटवर्क को व्यापक बनाने के उद्देश्य से हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, आइवी प्रकाशन, केस सेंटर (पहले ईसीसीएच नाम से जाना जाता था) और सेज प्रकाशन के साथ केस वितरण साझेदारी की है। केंद्र ने वैश्विक वितरण के लिए हार्वर्ड बिज़नेस पब्लिशिंग को 33 केस, शिक्षण नोट्स और तकनीकी नोट, 64 केस सेंटर (ईसीसीएच) को, 33 आईवी प्रकाशन को, और 180 सेज प्रकाशन को भेजे हैं।

केंद्र वर्ष 2015 से हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के सहयोग से एक केस विधि शिक्षण सेमिनार (सीएमटीएस) का आयोजन करता आया है। 21 अक्टूबर 2016 को, केंद्र ने सीएमटीएस सेमिनार का आयोजन किया जिसमें 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

केस केंद्र प्रत्येक वर्ष फिलिप थॉमस मेमोरियल केस पुरस्कार के साथ सर्वश्रेष्ठ केस का सम्मान करता है। यह पुरस्कार 2014 में संस्थान के पूर्वछात्र प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन द्वारा शुरू किया गया था। वर्ष 2016-17 के लिए, यह पुरस्कार प्रोफेसर जयंत आर. वर्मा और प्रोफेसर जोशी जैकब को दिया गया।

पिछले 10 वर्षों में केसों, अनुसंधान और परामर्श के विवरण **परिशिष्ट झ** में दिए गए हैं।

हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के सहयोग से 21 अक्टूबर 2016 को आयोजित केस विधि शिक्षण संगोष्ठी (सीएमटीएस)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2016-17 में, संस्थान ने 69 कार्यक्रमों को मुक्त नामांकन प्रस्तावों और 123 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के तहत प्रस्तुत किया था। इन कार्यक्रमों ने सरकारी क्षेत्रों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के 7000 से अधिक अधिकारियों को आकर्षित किया। विभिन्न क्षेत्रों/कार्यों के तहत पेश किए गए कार्यक्रमों के व्यापक स्पेक्ट्रम में पांच क्षेत्रों में दस नए मुक्त नामांकन कार्यक्रम पेश किए गए। अड़सठ अनुकूलित नए कार्यकारी कार्यक्रमों की भी पेशकश की गई।

कार्यक्रमों में कार्यक्रम की पेशकश, भागीदारी और राजस्व के संदर्भ में एक प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है। यह फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग 2017 में भी परिलक्षित होता है, जिसमें वर्ष 2016 में अनुकूलित शिक्षा कार्यक्रम 74 वें रैंक से 63 वें रैंक पर पहुंच गए। मुक्त नामांकन कार्यक्रम का रैंक पिछले वर्ष के 67 से आगे बढ़कर 66 पर आ गया।

नई दिल्ली में 4 मार्च 2017 को "डिजिटलीकरण के संदर्भ में अधिगम और विकास" पर द्वितीय आईआईएम-ए वार्षिक एच.आर. सम्मेलन आयोजित किया गया था। 100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें दो पैनल चर्चाएँ, एक "डिजिटल वर्ल्ड में अधिगम चुनौतियाँ" और दूसरी "संगठन का डिजिटलीकरण और भविष्य" पर थी। यह सम्मेलन विभिन्न कार्यकारी शिक्षा प्रस्तावों और नए उपक्रमों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच था। इस सम्मेलन के माध्यम से, 43 नए संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किए गए थे।

हाइब्रिड अधिगम मॉडल के तहत, एनआईआईटी और ह्यूजेस के माध्यम से पाँच कार्यक्रम ई-लर्निंग कार्यक्रमों के रूप में योजनाबद्ध हैं। त्वरित जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम (एजीएमपी), उनमें से एक होने के कारण कैंपस मॉड्यूल द्वारा 115 से अधिक प्रतिभागियों के साथ मार्च में शुरू हुआ। अन्य ई-लर्निंग कार्यक्रम शीघ्र ही आरंभ होंगे।

वर्ष 2017-18 में, 14 नए कार्यक्रमों की पेशकश की गई। आईटीईसी और एससीएएपी कार्यक्रमों के अंतर्गत सूचीबद्ध भारत विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर से दो प्रमुख फ्लैगशिप कार्यक्रमों - 3टीपी : उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम और 3 टीपी : वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम को प्रायोजित किया है, जो जल्द ही शुरू होंगे।

सीईपी (स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा) गतिविधियाँ

स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आधिकारिक तौर पर वर्ष 2015 में कार्यकारी शिक्षा के तहत आया था और तब से यह कई गुना बढ़ा है। वर्ष 2016-17 में, सीईपी टीम द्वारा बनाए गए प्रस्ताव 150 के आस-पास थे, जबकि 123 कार्यक्रमों की पेशकश की गई थी जिनमें से 68 कार्यक्रम नए थे।

इनके विवरण **परिशिष्ट ञ** में दिए गए हैं।

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केंद्र (जेडी)

इस केंद्र का मुख्य कार्य लैंगिक न्याय के लिए लिंगभेद प्रबंधन में बेहतर समझ से लिंग-संवेदनशील प्रक्रियाएँ तैयार करना, उनका समर्थन करना और उन्हें बनाए रखना है। केंद्र के लिए समानता, विविधता और समावेशिता मुख्य मुद्दे थे। वर्ष के दौरान केंद्र ने एम.एस. यूनिवर्सिटी बड़ौदा के सहयोग से; आईआईएम बैंगलोर; पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला; और अन्तरनाड फाउंडेशन के लिए लिंग पहल पर नीति निर्माताओं, प्रशिक्षुओं, विद्वानों और पूर्वछात्रों के परामर्शन समर्थन के साथ नीति अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण, और आउटरीच के माध्यम से क्षमता निर्माण; ज्ञान निर्माण और प्रसार के लिए उपक्रम गतिविधियाँ आयोजित की हैं।

अनुसंधान और क्षमता निर्माण

प्रोफेसर मंजरी सिंह ने एल. डी. आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद द्वारा सद्भाव और विकास के लिए लैंगिक न्याय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए 'क्या कर्मचारी सशक्तिकरण लैंगिक है? 'विषय पर आधारपत्र तैयार किया। ये डॉक्टरेट छात्र जतिन पांडे के लिए गठित थीसिस सलाहकार समिति की अध्यक्षा भी थीं, जिन्होंने 'ग्रामीण भारत में कार्यस्थल पर नौकरी प्रदर्शन : नौकरी मांग-संसाधन (जेडी-आर) परिप्रेक्ष्य' पर अपना डॉक्टरेट शोध प्रबंध पूरा किया था। जे. पांडे और मंजरी सिंह के सह-लेखन द्वारा एक शोधपत्र, 'डोनिंग द मास्क : इफेक्ट्स ऑफ इमोशनल लेबर स्ट्रेट्जीज़ ऑन बर्नआउट एंड जॉब सेटिस्पॅक्शन इन कम्युनिटी हेल्थकेयर', को स्वास्थ्य नीति और योजना पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। जे. पांडे और मंजरी सिंह के सह-लेखन द्वारा दूसरा लेख 5 - 9 अगस्त 2016 को एनाहिम में प्रबंधन अकादमी 2016 की वार्षिक बैठक में 'कार्यस्थल पर आध्यात्मिकता, धर्म, सचेतन और धर्मशास्त्र' नामक सत्र में 'ग्रामीण महिला कर्मियों के जीवन में धर्म संभालने की भूमिका' शीर्षक से लिखा था।

प्रोफेसर बीजू वर्की ने समान कार्य डेटाबेस के लिए समान वेतन हेतु योगदान जारी रखा है और उभरती हुई प्रवृत्तियों को उजागर किया है। वेतन में लिंग अंतराल कई कार्य श्रेणियों में देखा जाता रहा है।

महिला अध्ययन केंद्र, एम.एस. विश्वविद्यालय - बड़ौदा से एक टीम ने सुश्री गीता श्रीनिवासन के नेतृत्व में 14 जून, 2017 को बड़ौदा में अपने केंद्र के लिए क्षमता निर्माण में सहायता लेने के लिए इस केंद्र का दौरा किया और निजी तौर पर अनुभव किया कि कैसे जेडी साहित्य को विशेष रूप से विक्रम साराभाई पुस्तकालय में जेडी केंद्र द्वारा सूचीबद्ध और संग्रहित किया गया है।

प्रोफेसर अजीत एन. माथुर ने महिलाओं के लिए राष्ट्रीय नीति-2016 का मूल्यांकन किया। इस पहले से जारी कार्य को प्रोफेसर माथुर ने 29 सितंबर, 2017 को एम.एस. विश्वविद्यालय-बड़ौदा में महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र के साथ साझा किया। उन्होंने एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा की डब्लूएसआरसी संवाद श्रृंखला में 'श्रमिकों में लैंगिक विभाजन' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान भी दिया।

केंद्र ने अंतर्नाद फाउंडेशन के साथ सहयोग जारी रखा। वर्ष के दौरान, पीडीपीयू-गांधीनगर में एक फिल्म विश्लेषण संवादात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। व्यावसायिक सेवा कंपनियों में यौन उत्पीड़न और लिंग असमानता पर अनुसंधान, परामर्श और परिवार चिकित्सा क्षमताओं के लिए नई पहल, वैवाहिक परामर्श और समूह सम्बन्ध सम्मेलन और प्रक्रिया के लिए नए डिजाइन कार्य जारी हैं।

दो नई पहलें - पहली, महिला उद्यमियों को विशेष चुनौतियों का सामना करना पड़ता है पर एक शोध और दूसरी लिंग और धार्मिक पहचान के जुर्माने पर आईआईएम बैंगलोर और पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ चर्चा की जा रही है।

महिला कारीगरों के लिए पारंपरिक शिल्प विरासत परियोजना

केंद्र ने सेवा, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन) और राष्ट्रीय संस्कृति प्रतिष्ठान (नेशनल कल्चर फाउंडेशन) के सहयोग से ग्रामीण गुजरात के गांवों में परंपरागत शिल्प और उद्यमिता में महिलाओं को कौशल के लिए क्षमता निर्माण में हस्तक्षेप के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रतिक्रिया अध्ययन किया। कडी, मेहसाना, नानीचिराई, अंजार,

भुज, संतालपुर, और जखोत्रा में महिला कारीगरों की कार्यप्रणाली को समझने के लिए कलात्मक समूहों के दौरे किए गए। अध्ययन में यह पाया गया कि कुशल कारीगरों के लिए लॉजिस्टिक्स आपूर्ति श्रृंखला और मार्केटिंग के विकास की बहुत बड़ी जरूरत है ताकि वे आर्थिक आजीविका के प्रति आश्वस्त हो सकें।

2. नवप्रवर्तन ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग में स्थापित नवप्रवर्तन उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला एक केंद्र है। आईआईएम अहमदाबाद के तहत केंद्र के रूप में सन् 2002 में सीआईई की स्थापना की गई थी। वर्ष 2008 में, ऊष्मायन और निवेश संबंधी गतिविधियों को चलाने के लिए 'सीआईआईई पहल' (सीआईआईईआई) को कंपनी के रूप में धारा 25 के तहत स्थापित किया गया था। 'सीआईआईई पहल' को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रौद्योगिकी व्यवसाय ऊष्मायन (टीबीआई) के रूप में भी मान्यता दी गई है। सीआईआईई केन्द्र निवेशकों, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, सेवा प्रदाताओं, तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देते हुए अन्य पारिस्थितिकी तंत्र हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है।

सीआईईई की वर्ष 2002 से उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र में एक सक्रिय भूमिका रही है और स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, आईटी, कृषि जैसे अन्य विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअपों की उद्यमशील भावना को पहचानने और पोषण करने में सर्वोपरि रहा है।

सीआईआईई ने पिछले कुछ वर्षों में भारत के उद्यमशील परिदृश्य में बहु-आयामी भूमिका निभाई है। सीआईआईई की गहरी समझ, बाजारों और उद्यमशीलता के पारिस्थितिकी तंत्र में उभरते हुए अंतराल की जरूरतों और अवसरों की गहरी समझ के लिए विभिन्न क्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ उद्यमियों को आकर्षित करने और समर्थन करने के लिए आवश्यक पहलों की रूपरेखा तैयार की हैं। सीआईआईई ने भागीदारों, मार्गदर्शकों और सलाहकारों का एक बेजोड़ नेटवर्क भी बनाया है, जो अपनी पहलों और स्टार्टअपों द्वारा गहराई से सहयोग कर रहे हैं। प्रारंभिक चरण के उद्यमों में मूल्यों को उजागर करने के लिए अपनी मान्यता और जनादेश को देखते हुए - इन उद्यमों में पहला संस्थागत निवेशक होने के कारण, सीआईईआईआई ने स्रोत, मूल और उचित अनुपात में उद्यमों के लिए मजबूत रिश्ते, कार्यक्रम और प्रक्रियाएँ विकसित की हैं। एक अनूठे तरीके से, इन प्रयासों को संस्थागत किया गया है - उन्हें अन्यथा संभव से अधिक तेजी से उचित अनुपात में बढ़ाने में सक्षम बना दिया गया है।

अब तक, व्यवसाय ऊष्मायन के निम्नलिखित कार्य हैं :

- उद्यमशीलता के बारे में 500,000 से ज्यादा लोगों को प्रेरित किया
- 48,000 से अधिक को मदद करके उनके विचारों को अस्तित्व दिया
- 4500 से अधिक उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया
- 250 से अधिक उद्यमियों समर्थन दिया
- 120 से अधिक उद्यमों में निवेश किया; जिनसे 14:1 अनुवर्ती स्तर पर सीआईआईई निवेश को लाभ मिला

वर्ष 2016-17 के दौरान, ऊष्मायन ने निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ की हैं :

हेल्थकेयर, सीएसआर की पहल

सीआईईईआई ने डासरा गर्ल एलायंस (दासरा, यूएसएआईडी, किआवा ट्रस्ट, पिरामल फाउंडेशन) के साथ भागीदारी की थी ताकि प्रारंभिक चरण के उद्यमियों की स्वास्थ्य देखभाल नवाचारों को चलाने में सहायता करने के लिए एक त्वरक कार्यक्रम तैयार किया जा सके। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों, बायोटेक और हेल्थकेयर आईटी जैसे क्षेत्रों में उच्च संभावित नवाचारों की पहचान करना है। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों जैसे सेन्टर फॉर सेल्यूलर और आण्विक प्लेटफार्म (सी-सीएएमपी), इनोवेन कैपिटल और रॉबर्ट बोश इंजीनियरिंग एंड बिज़नस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (आरबीईआई) के सहयोगी प्रयास शामिल थे। प्रविष्टियों के लिए कॉल ऑफ़लाइन और ऑनलाइन मीडिया सहित अखबार के विज्ञापनों (मिंट और बिजनेस लाइन), प्रेस विज्ञप्ति (योरस्टोरी, आदि), सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर और गूगल एड-वर्ड्स) और ईमेल अभियानों सहित लक्षित अभियान शामिल थे। इस कार्यक्रम को डेढ़ महीनों में आने वाले 222 उच्च-गुणवत्ता वाले आवेदनों के साथ भारी प्रतिक्रिया मिली। एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद जिसमें आंतरिक और बाहरी मूल्यांकनकर्ता शामिल थे, उसमें अंतिम दौर में आवेदक के रूप में 11 आवेदकों को लघुसूचीकृत किया गया था।

सीआईआईई ने विभिन्न हितधारकों के साथ अपने व्यापार प्रस्ताव की जाँच और मान्य करने सहित विभिन्न तरीकों से सह-सहायता का समर्थन; आईआईएम अहमदाबाद में क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का संचालन, एक कारोबारी मॉडल तैयार करने की बुनियादी अवधारणाओं को शामिल करने, निवेशक लेंस, वित्तीय मॉडलिंग और उद्योग विशेषज्ञों के साथ सलाह देने के एक-एक सत्र के माध्यम से किया है। हेल्थकेयर उद्योग के बारे में अपने ज्ञान को साझा करने वाले सलाहकारों में प्रोफेसर के.वी. रमणी (आईआईएमए), प्रोफेसर पीयूष सिन्हा (आईआईएमए), राजीव शर्मा (सीईओ, स्टर्लिंग हॉस्पिटल), भरत सुब्रमण्यम (प्रिंसिपल, एक्सेल पार्टनर्स), गिरीश भंभानी (प्रमुख एम एंड ए, बॉश) और

डॉ. रमाकांत बीसेट्टी (बॉश) शामिल थे।

बेंगलुरु में बॉश परिसर में आयोजित डेमो दिवस के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ। डेमो दिवस पर इन स्टार्ट-अपों को श्रोताओं के साथ प्रस्तुति के लिए देखा गया, जिसमें 40 से अधिक लोग शामिल थे, जो कि दिव्य, छंटे हुए और विकासशील निवेशकों में से थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न अस्पतालों, सीएसआर निकायों और उद्योग विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सीआईआईई ने तीन स्टार्टअपों : तकनीकी सहायता (उत्पाद विकास समर्थन) प्रदान करने के लिए काउहर्ट से आईसीएचआर, मॉड्यूल नवाचार और वीनोवेट बायो सॉल्यूशंस के लिए अनुदान प्रदान किया।

अक्षय एवं क्लीनटेक और इन्फ्यूज क्षेत्र में गतिविधियाँ

सीआईआईई की इन-हाउस उद्यम निधि इनफ़्यूज़ के माध्यम से क्लीनटेक क्षेत्र अपने पंख पसार रहा है। इस उद्यम निधि से 12 प्रारंभिक चरण के स्टार्टप क्षेत्रों जैसे सौर, भूतापीय, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा विश्लेषिकी और अनुकूलन, अपशिष्ट प्रबंधन, पुनः-वाणिज्य और ग्रीन रसायनों में परिचालन शुरू कर दिया है। स्वच्छ प्रौद्योगिकी क्षेत्र को उत्प्रेरित करने के अपने मिशन को ध्यान में रखते हुए, इन्फ्यूज एक स्थायी परामर्श फर्म के साथ एक उद्यम के सह-सृजन पर भी काम कर रहा है जिसका उद्देश्य वितरित अक्षय परियोजनाओं के लिए कम लागत वाली परियोजना को वित्त व्यवस्था में लाना होगा। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और क्लीनटेक के चारों तरफ नवीन उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए स्टार्टअप को समर्थन के साथ, बैंगलोर में एक त्वरक कार्यक्रम - पावरस्टार्ट को सफलतापूर्वक चलाने के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ साझेदारी की है। इनफ़्यूज़ ने एक्सलरेटर - नए गतिशीलता त्वरक (डब्लूआरआई और शेल फाउंडेशन द्वारा चलाए गए) का भी समर्थन किया है।

सीआईआईईआई ने सक्रिय रूप से स्काउट, अपने पोर्टफोलियो में निवेश और जोखिम के लिए अपने दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया। कुल मिलाकर, उन्होंने 15 उद्यमों में निवेश किया है - आम तौर पर मूलधन के साथ शुरू होता है, और बाद में निवेशों पर अनुपालन करना पड़ता है।

अनुसंधान एवं केस अध्ययन

पिछले साल से, सीआईआईई ने कई शोध और शिक्षण संबंधी गतिविधियों को अपनाया है। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य भारत में उद्यमिता के बारे में ज्ञान का निर्माण करना था। सीआईआईई ने अपनी गतिविधियों को तीन व्यापक श्रेणियों - अनुसंधान, प्रकाशन एवं प्रस्तुतीकरण, और शिक्षण तथा केस लेखन में विभाजित किया है।

अनुसंधान

पिछले साल से, सीआईआईआई ने कई शोध परियोजनाओं को पहचाना और उन पर काम करना शुरू किया है।

- उद्यमियों और स्टार्टअपों के बारे में विभिन्न क्षेत्रों / पहलुओं में अनुसंधान प्रयास किए गए। अनुसंधान गतिविधियों के कुछ ध्यान केंद्रित क्षेत्रों में स्टार्टअप के संगठनात्मक डिजाइन, उद्यमियों के मनोचिकित्सक आयाम, महिलाएं और उद्यमिता, उद्यमशीलता की आधारशिलाओं की अवरुद्ध रणनीतियाँ, एक सामाजिक उद्यम के घटक, उद्यमी तर्क और धनपोषण की सफलता, उभरते उद्यमियों द्वारा अवसर-त्याग और इनक्यूबेटर-इनक्यूबाटी रिश्ते के आयाम आदि शामिल हैं।
- इन अनुसंधान परियोजनाओं में से प्रत्येक पर विभिन्न संकाय सदस्यों के साथ सहयोग करना। सीआईआईई ने भारत में विभिन्न संस्थानों और इज़राइल, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य देशों के संकाय और शोधकर्ताओं के साथ अनुसंधान सहयोग की बातचीत शुरू की है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों / उप-क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, वित्तीय प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स, डिजिटल प्रौद्योगिकी आदि के लिए गहराई से विश्लेषण किया है। इस प्रयास के लिए हमने सीआईआईई में एसएपी इनोवेशन फैलोशिप की मेजबानी की है। छह फैलो की पहचान की गई, उन्हें क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बोर्ड पर लाया गया और सतह पर लाया गया है। छह महीनों में, साथियों ने वर्तमान परिदृश्य और उम्मीद की भविष्य के प्रक्षेपपथों, अवसरों और संबंधित क्षेत्रों में उद्यमशीलता की गतिविधियों के लिए चुनौतियों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि विकसित की है। इनमें से कई अंतर्दृष्टि राय अग्रणी ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रकाशनों के रूप में प्रकाशित की गई हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से हित की अभिव्यक्ति के बाद, सीआईआईई ने 'भारत में प्रौद्योगिकी उद्यमिता में महिलाओं' पर एक अध्ययन के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।
- सीआईआईई लगातार शैक्षिक और व्यवसायी पत्रिकाओं में हमारे अनुसंधान को प्रकाशित करने पर काम करती है। पिछले वर्ष के दौरान, इसने शैक्षिक सम्मेलनों और संगोष्ठी में इसके कुछ अनुसंधान भी साझा किए हैं।

प्रकाशन और प्रस्तुतियाँ

- दिसंबर 2016 में आईआईएम अहमदाबाद द्वारा आयोजित अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन संमेलन 'भारतः बेहतर शासन की ओर' में भारत में विविधता और समावेशिता पर एक संगोष्ठी के हिस्से के रूप में सीआईआईई ने महिलाओं और उद्यमिता पर अपने चालू अध्ययन के प्रारंभिक निष्कर्ष प्रस्तुत किए।
- फरवरी-2017 में प्रबंधन एवं संगठन समीक्षा और

आईएसीएमआर द्वारा आयोजित दूसरे शोध फ्रंटियर सम्मेलन 'एसएमई पारिस्थितिकीय ट्रांसफॉर्मिंग इकोनॉमीज : ज्ञान निर्माण, उद्यमिता, नवाचार और आर्थिक विकास' में जीवनचर्या के परिप्रेक्ष्य से उद्यमिता शोध किस तरह से विकसित की जा सकती हैं उस विषय पर सीआईईई ने अपने परिप्रेक्ष्य को प्रस्तुत किया।

- देश देशपांडे की पुस्तक 'ऑन एंटरप्रेनरशिप एंड इंपैक्ट' को समीक्षित किया गया। द जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप में प्रकाशन के लिए इस समीक्षा को स्वीकार किया गया है।
- सीआईआईई लोकप्रिय मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए लेख विकसित करने के लिए संकायों के साथ भी सहयोग कर रहा है। इकॉनॉमिक टाइम्स में प्रकाशन के लिए आइडिया-2015 के आवेदन डेटा के विश्लेषण के आधार पर एक ऐसा लेख प्रस्तुत किया गया है।

शिक्षण और केस लेखन

पिछले वर्ष से सीआईआईई ने कई प्रोफेसरों के साथ उद्यमशीलता के पाठ्यक्रमों के डिजाइन और संचालन में काम किया।

- 2016-17 के शैक्षणिक वर्ष में ईएनवीपी और एमएनएसएफ पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अतिथि सत्रों के लिए कई उद्यमियों और विषय विशेषज्ञों को जोड़ा गया।
- ईएनवीपी पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने के लिए प्रोफेसर मुकेश सूद के साथ कार्य करना ताकि उद्यमियों द्वारा अनुभवी और व्यापक चुनौतियों को शामिल किया जा सके।
- प्रोफेसर रंजन कुमार घोष को पीजीपी-एफएबीएम के दूसरे वर्ष के प्रतिभागियों को ऐच्छिक के रूप में चेन थिंकिंग (श्रृंखला सोच) पर अपने पाठ्यक्रम में अतिथि सत्र के साथ सहायता करना।
- आईआईएम नागपुर में पीजीपी-2 के प्रतिभागियों के लिए एक वैकल्पिक विषय के रूप में पेश किए गए 'नई उद्यमी उपक्रमों में क्राफ्टिंग आइडेंटिटीज' पाठ्यक्रम को तैयार और आयोजित करना।
- पिछले वर्ष से, सीआईआईआई ने विभिन्न संकाय सदस्यों के सहयोग से सात केसों का लेखन शुरू किया। ये केस विभिन्न प्रकार की दुविधा / मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और परिवार के व्यवसाय, उच्च प्रौद्योगिकी कारोबार, अनौपचारिक क्षेत्र आदि जैसे विभिन्न संदर्भों से लिए गए हैं और आईआईएमए केस केंद्र के साथ पंजीकरण के लिए इनमें से एक मामले को सौंप दिया गया है।
- हमारे पोर्टफोलियो कंपनियों और आईआईएमअवेरिक्स के बारे में इकतालीस पृष्ठों का नोट बनाया। इन नोटों को संकाय के साथ इन स्टार्टअप और उद्यमियों पर लिखने के मामले में अपनी रुचि तलाशने के लिए साझा किया गया था।
- पारिस्थितिकी तंत्र विकास गतिविधियाँ

2016 में, पारिस्थितिकी तंत्र विकास की गतिविधियों को दो व्यापक क्षेत्रों - इच्छुक उद्यमियों और स्टार्टअपों को समर्थन, और, आकांक्षी इन्क्यूबेटरों और इनक्यूबेटर प्रबंधकों का समर्थन पर केंद्रित किया गया। जिन कार्यक्रमों के तहत यह समर्थन दिया गया था, वे निम्नलिखित के अनुसार हैं :

- पिच टाउन - क्षेत्रीय उद्यमियों की एक पाइपलाइन का निर्माण
- ए-लीग ग अंतर-संस्थानकीय छात्र और संकाय सहयोग को बढ़ावा देना
- गैर-लाभान्वित इनक्यूबेटर प्रबंधकों के लिए हैंडबुक - नए इनक्यूबेटर प्रबंधकों का समर्थन करना
- इनक्यूबेटर क्षमता निर्माण (गुजरात) - भावी इन्क्यूबेटरों को ऊष्मायन समझने में मदद करना

गतिविधि शहर

2016 में, सीआईआईईआई ने अपने क्षेत्रीय स्काउटिंग कार्यक्रम 'गतिविधि शहर' को अहमदाबाद के अलावा जयपुर और पुणे सहित 2 नए शहरों तक बढ़ाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय प्रतिष्ठों से 8 से 10 उच्च संभावित स्टार्टअपों को उठाने में मदद करना है। यह बहुत खराब मॉडल का उपयोग करके क्षेत्र से दिलचस्प स्टार्टअप की पाइपलाइन बनाने में सक्षम बनाता है। प्रत्येक गतिविधि शहर को दो महीने के कार्यक्रम के रूप में डिजाइन और निष्पादित किया जाता है जिसमें एक मजबूत चयन प्रक्रिया और सलाह का एक सप्ताह, वास्तविक शहर की घटना को शामिल करता है।

तीन शहरों में गतिविधियाँ आयोजित की जाती थी, वे थे - अहमदाबाद, पुणे और जयपुर। इन प्रत्येक गतिविधि शहरों में, स्टार्टअप के लिए आवेदन निमंत्रित किए गए और स्टार्टअप की एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया शुरू हुई और निवेशकों को निमंत्रण दिया गया। इसके बाद पूर्व-निर्धारित मानदंडों और एक सप्ताह की गहन सलाह के आधार पर स्टार्टअप का सावधानीपूर्वक चयन किया गया। पूरी प्रक्रिया एक दिन के अतिव्यस्त वृत्तांत में हुई, जिससे स्थानीय निवेशक और चयनित और संरक्षित स्टार्ट-अप एक साथ आए।

साथी-समूह मुख्यतः 8 से 9 स्टार्टअपों के बीच था। गतिविधि अहमदाबाद साथी-समूह अहमदाबाद से प्रमुखता से प्रारंभ हुआ था। हमने गतिविधि पुणे और गतिविधि जयपुर दोनों के सहकर्मियों के लिए क्रमशः दोहराया हुआ परिदृश्य देखा, जो क्रमशः पुणे और जयपुर से स्टार्टअपों में हैं।

ए-लीग

वर्ष 2016 में ए-लीग संस्थानों के छात्र समुदायों को उत्प्रेरित करने

के लिए ए-लीग में कई पहल की गईं। ये पहल एक तकनीकी मंच का निर्माण कर रही हैं, जिनमें विभिन्न समारोहों / कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें स्टार्टथॉन, हैकथोन, वक्ता श्रृंखला, और अन्य, और संस्थागत बैठकें शामिल हैं। निम्नलिखित संस्थान सीआईआईई की ए-लीग पहल का हिस्सा हैं :

- अदानी अवसंरचना प्रबंधन संस्थान
- अहमदाबाद विश्वविद्यालय
- सीईपीटी विश्वविद्यालय
- भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
- निरमा विश्वविद्यालय
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
- पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय
- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान
- राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान
- मुद्रा संचार संस्थान, अहमदाबाद
- गुजरात विश्वविद्यालय
- गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
- गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
- धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान

गैर-लाभकारी इनक्यूबेटर प्रबंधकों के लिए मार्गदर्शिका

एक इनक्यूबेटर स्थापना के समय से अपने सफर के दौरान विकास और स्थिरता के लिए कई चरणों का सामना करता है। गैर-लाभकारी इनक्यूबेटर प्रबंधकों की मार्गदर्शिका ने इनक्यूबेटर की प्रारंभिक यात्रा और विकास के चरणों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। ऊष्मायन पर एक सैद्धांतिक व्याख्यान होने के बजाय, इस पुस्तिका को वर्तमान और भविष्य के इनक्यूबेटर प्रबंधकों के लिए एक सुलभ-मार्गदर्शिका बनाने का उद्देश्य है। ऊष्मायन के कुछ पहलुओं जैसे कि डिजाइन और मापन प्रभाव को गहरे अनुसंधान-उन्मुख चर्चा की आवश्यकता होती है, जिसे जानबूझकर धीमा किया गया है। इसके बजाय, एक व्यावहारिक रूपरेखा जो इनक्यूबेटर प्रबंधकों को अपने तत्काल कार्यों की योजना बनाने में सहायता कर सकती है, उन्हें आगे रखा गया है। उच्च स्तरीय रणनीति और आधार कार्यान्वयन उपकरण के संयोजन से, यह मार्गदर्शिका इनक्यूबेटर प्रबंधकों को विभिन्न विषयों के बारे में सक्रिय रूप से सोचने और मजबूत ऊष्मायन मॉडल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

इस मार्गदर्शिका का उद्घाटन 16 मार्च, 2017 को नई दिल्ली में अटल नवप्रवर्तन मिशन के 'इनक्यूबेटर कनेक्ट' कार्यक्रम में नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत द्वारा किया गया था।

नोडल संस्थानों (गुजरात) का क्षमता निर्माण

'इनक्यूबेटर प्रशिक्षण - क्षमता निर्माण कार्यशाला' का उद्देश्य ऊष्मायन केंद्र के रणनीतिकरण और प्रबंधन के विभिन्न तत्वों को बाहर लाने और सर्वोत्तम प्रथाओं का समर्थन शुरू करना था। इस कार्यशाला ने स्टार्ट-अपों का समर्थन करने के लिए ऊष्मायन प्रथाओं, प्रक्रियाओं और अंतर्दृष्टि साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया है जो इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सहायता कर सकता है। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में ऊष्मायन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया था जैसे कि स्टार्ट-अप, स्टार्ट-अप समर्थन फ्रेमवर्क की जरूरतों का आकलन करना, इनक्यूबेटर के महत्वपूर्ण सफलता कारकों की पहचान करना, इनक्यूबेटर के मानव संसाधन की क्षमताओं को विकसित करना, इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंध करने के वित्तीय और कानूनी पहलुओं और दिशा-निर्देश जो कि सरकारी योजनाओं और नीतियों के संबंध में नोडल संस्थानों केलिए आवश्यक हैं। प्रतिभागियों को एक दूसरे के साथ जोड़ने और चर्चाओं, ब्रेक-आउट सत्रों और अनुभव साझा करने के माध्यम से विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के लिए कार्यशाला ज्यादा तो एक मंच-सी रही थी।

छात्र संलग्नता

आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम

वर्तमान वर्ष के लिए पाँच टीमों में से सात अध्येताओं का चयन किया गया। वे अप्रैल-2017 में शुरू कर चुके हैं। इन छात्रों को पूर्वछात्र योगदान, आईआईएमेवेरिक्स अक्षय निधि और आईआईएमए अनुदान द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

संक्षिप्त विचार नीचे दिए गए हैं।

आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप प्राप्तकर्ता	वर्तमान विचार	कंपनी का नाम	क्षेत्र
दीपक मोहन	एल्गोरिदम बनाया गया है जो स्वचालित रूप से पिछले चिकित्सा अभिलेखों से सीखता है और चिकित्सकों को - समय की सबसे तेज मात्रा में सर्वोत्तम गुणवत्ता देखभाल प्रदान करना सुनिश्चित करते हुए सबसे अधिक प्रासंगिक नैदानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।	प्रीडिबल स्वास्थ्य : स्वास्थ्य के लिए बुद्धिमानी	स्वास्थ्य
कार्तिक श्रीधरन सुवंश बंसल ऋषिकेश परदेशी	एक ऑनलाइन फ्रीलान्सिंग प्लेटफॉर्म जो एक कंपनी की लघु-अवधि वाली परियोजनाओं के लिए गुणवत्ता प्रतिभा की खोज में मदद करता है। एक कंपनी के लिए, यह समाधान एक स्थायी संसाधन में समय और धन के निवेश की आवश्यकता को समाप्त करता है - चयन, प्रशिक्षण और महीने-महीने के वेतन पर। जबकि अभी भी वित्तीय स्थिरता का वादा - समय की बढ़ती मांग- एक प्रतिभाशाली व्यक्ति के लिए, फ़्लेक्सिपल लचीलापन प्रदान करता है। इस समस्या को हल करने के लिए फ्लेक्सिपल का अनूठा तरीका डिजाइन और रचनात्मक, वेब और मोबाइल एप्लिकेशन विकास और सामग्री लेखन की श्रेणियों में व्यापार मॉडल और तकनीकी नवाचार का एक संयोजन शामिल है।	फ़्लेक्सिपल	प्रौद्योगिकी
श्री कान्त शेलके	स्टार्टअप के लिए ऑनलाइन सलाह देने के लिए ऑनलाइन पोर्टल - उत्पाद के पीछे का विचार यह है कि स्टार्टअप और छोटे उद्यम बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होंगे और बेहतर रणनीतियां बनेंगी। स्टार्टअप और छोटे उद्यम सबसे बड़ा अवसर है जहाँ से बेरोजगारी के अंतराल को भरा जा सकता है।	आइवी	शिक्षा
अरविंद कुमार	एक अनुकूलित अधिगम के उत्पाद का विकास करना जिससे छात्रों को उनकी समझ के आधार पर अलग-अलग सीखने में मदद मिलेगी। उत्पाद में विभिन्न कठिनाई स्तरों के साथ प्रश्न होगा और छात्रों को कठिनाई के बढ़ते क्रम में प्रश्न प्रस्तुत किए जाएंगे। यह उत्पाद बुनियादी स्तर से प्रश्नों को पेश करना शुरू करेगा और फिर विद्यार्थियों की समझ के अनुसार अनुकूलित होगा।		शिक्षा
मेहुल वर्मा	एसएमई के लिए क्रेडिट रेटिंग्स को आसानी से वित्तपोषण के लिए पहुंच प्राप्त करने में मदद करना।	स्कोरमी	खुदरा बिक्री

आईआईएमेवरिक्स इंटर्नशिप कार्यक्रम

वर्ष 2017 के लिए आठ टीमों में से नौ आईआईएमेवेरिक इंटर्न का चयन किया गया था। हमें पीजीपी और पीजीपी-एफएबीएम में कुल 21 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रीष्मकाल के बाद, पाँच छात्र दूसरे वर्ष में अपने विचारों पर काम कर रहे हैं।

निधि - ईआईआर फैलोशिप

निधि ईआईआर डीएसटी की एक योजना है जो उद्यमियों को एक वर्ष की अवधि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। हमने हाल ही में पूर्वछात्रों की खोज में उद्यमशीलता के लिए इसे खोलने का फैसला किया है।

वर्ष 2017 के लिए निधि ईआईआर फैलोशिप को तीन पूर्वछात्रों में वितरित किया गया।

- अमित सिंह, पीजीपी 2015. ये डिजिटल गिफ्ट कार्ड स्पेस पर काम कर रहे हैं।
- रवीश वासन, पीजीपी 2014. ये बिहार में किसानों के लिए एआई संचालित वेब इंटरफेस पर काम कर रहे हैं।
- प्रशांत गर्ग, पीजीपी 2017. वे एक खेलों की कोचिंग के लिए प्लेटफॉर्म बनाने पर काम कर रहे हैं।

लुई कान प्रोटोटाइप अनुदान

द्वितीय वर्ष के छात्रों को प्रोटोटाइप अनुदान प्रदान करने के लिए पीजीपी-16 बैच से योगदान के साथ लुई कान अनुदान स्थापित किया गया है।

एल. के. फंड और आईआईएमेवेरिक्स अक्षय निधि से कुल 7 अनुदान वितरित किए गए थे।

सहायक गतिविधियाँ

स्टार्ट-अप श्रृंखला कैसे शुरू करें (एचटीएसएएस)

बाएँ से दाएँ - प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए तथा प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रमुखआईजीपीसी तथा श्री पी.आर. सोमासुंदरम, एमडी (भारत), डब्ल्यूजीसी

बाएँ से दाएँ - रुचि अग्रवाल, प्रोफेसर जोशी जेकब, श्री पी.आर. सोमासुंदरम, प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा, प्रोफेसर आशीष नंदा, प्रोफेसर अरविंद सहाय, सुश्री राखी खन्ना

वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों तथा प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए डॉ. सौरभ गर्ग, आईएएस, जेएस (निवेश), डीईए, वित्त मंत्रालय

एचटीएसएएस 10 सफल उद्यमियों की एक प्रमुख व्याख्यान श्रृंखला है, जो अपनी यात्रा के अनुभवों को साझा करते हैं और स्टार्ट-अप यात्रा के विभिन्न चरणों में व्यावसायिक विचारों: विचार, स्केलिंग, तकनीकी उत्पाद बनाना, गैर-तकनीकी उत्पादों का निर्माण, उद्यम निर्माण, वित्त पोषण, विकास की अवधारणाएँ आदि पर ध्यान देते हैं।

अब तक निम्नलिखित वक्ताओं : संजीव बिकचंदानी, रघुनाथन जी., गिरीश एम., साहिल बरुआ, रितेश अग्रवाल, कुणाल शाह, तरुण मेहता और यशिश दहिया ने व्याख्यान आयोजित किए हैं।

नवप्रवर्तन वार्ता की श्रृंखला

सीआईईआई ने छात्रों को प्रेरित करने के लिए 'इनोवेशन टॉक सीरीज़' की शुरुआत की है। इस श्रृंखला के तहत क्यू-1 2017 में निम्नलिखित वार्ताओं का आयोजन किया गया है।

- टीआरए कानून के अनिरुद्ध रास्तोगी ने 'स्टार्टअपों को कानूनी गलतियों से बचना चाहिए'
- इंडिया स्टैक के संजय जैन ने अभिनव उत्पादों के तैयार करने और आधार पर आधारित सेवाओं के निर्माण पर बात की जो कि आर्थिक रूप से बहिष्कृत सेवाओं को प्रदान की जाने वाली लागत को कम कर सकती हैं।

3. भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

संस्थान में भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) भारत के स्वर्ण उद्योग पर एक अग्रणी अनुसंधान और नीति केंद्र है। यह विश्व स्वर्ण परिषद से प्राप्त दान के साथ स्थापित किया गया था और यह नवीनतम स्वतंत्र अनुसंधान और नीति संगठन है। आईजीपीसी के चार प्रमुख चयन क्षेत्र : अनुसंधान, नीति/वकालत, संलग्नता और प्रशिक्षण हैं।

अपनी शुरुआत से ही, आईजीपीसी ने उद्योग में अपनी पहचान बना ली है और काफी आगे निकल आया है। आईजीपीसी स्वर्ण के क्षेत्र में हितधारकों के साथ अनुसंधान सहयोग और विदेशों से संलग्नता के माध्यम से केंद्र की पहुँच अखिल-एशिया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। भारत में एक कमजोर वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में सोने के उपयोग से संबंधित कई प्रमुख क्षेत्रों में केंद्र का ध्यान बहु-अनुशासनात्मक, विषयगत, अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर आधारित है।

गतिविधियाँ

वर्ष 2016 को भारत के स्वर्ण क्षेत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष के रूप में दर्ज किया जाएगा, जिसमें विमुद्रीकरण और जीएसटी तथा स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र पर उनके अनजान परिणामों के प्रभाव पर प्रमुख नीतिगत घोषणाएँ थीं। सोना मुद्रीकरण नीति में सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप और बदलाव से धीरे-धीरे सोने की होल्डिंग को बढ़ावा देने की गति शुरू हुई है, जिसकी वजह से 20,000 टन की मात्रा तक सोने का अनुमान लगाया जा रहा है, लेकिन यह भारत के सोने के आयात में कमी के कारण चालू खाता घाटे में काफी बदलाव करने का एक लंबा रास्ता है और प्रति वर्ष लगभग औसतन 800 टन और व्यापार घाटे को कम करने का भी एक लंबा रास्ता है।

एक व्यस्त वर्ष में, आईजीपीसी ने कई नई शोध परियोजनाओं, कार्यशालाओं, स्वर्ण उद्योग के कार्यक्रमों, आधारपत्रों के प्रकाशनों, उद्योग प्रकाशनों में लेखों का प्रकाशन, पर्याप्त मीडिया कवरेज, भारतीय और वैश्विक स्वर्ण पर डिजिटल संचार के माध्यम से नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों के साथ काम करने में सक्रिय भागीदारी की है।

आईआईएमए परिसर में आईजीपीसी की बैठकें

आईजीपीसी के शासक मंडल और संकाय सदस्य केंद्र की गतिविधियों का आकलन करने और योजना बनाने के लिए एक-दूसरे से बैठक करते हैं। इस वर्ष दो बैठकें दिसंबर 2016 और जनवरी 2017 में हुई।

मंचस्थ वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों तथा प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए डॉ. रतिन रॉय, निदेशक, एनआईपीएफ़पी (बाएँ से दाएँ - श्री पी.आर. सोमासुंदरम, एमडी इंडिया, डब्ल्यूजीसी तथा प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा, डीनआईआईएमए तथा प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रमुख, आईजीपीसी और प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए)

(बाएँ - आईजीपीसी अनुसंधान भागीदार फलक, दाएँ प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रमुख, आईजीपीसी को सम्मानित करते हुए श्री जॉनसन लुईस, एमडी, स्कोटिया बैंक भारत)

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र द्वारा आयोजित समारोह

वरिष्ठ अर्थशास्त्री गोलमेज, एनआईपीएफपी

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र ने, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली के साथ मिलकर, 17 अक्टूबर 2016 को एनआईपीएफपी, नई दिल्ली में वरिष्ठ अर्थशास्त्री गोलमेज सम्मेलन के आयोजन द्वारा 'गोल्ड सेक्टर में टैक्स लेवी' पर एक सफल मंच की मेजबानी की। यह केन्द्र नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और हितधारकों को स्वर्ण मूल्य श्रृंखला में एक साथ लाया।

'टैक्स लेवी और भारत के स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव' विषय सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था में वर्तमान मुद्दों और विशेष रूप से सोने के क्षेत्र में प्रासंगिक था। प्रस्तावित जीएसटी कानून देश में परिकल्पित सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर सुधार है। चूंकि नीति निर्माता प्रस्तावित सामान और सेवा कर (जीएसटी) शासन की वकालत कर रहे हैं जो सोने के उद्योग को काफी प्रभावित कर सकता है, इसलिए भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र द्वारा गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना विशेषज्ञों और हितधारकों के विचार-विमर्श के लिए खुला तटस्थ मंच बनाने की दिशा में एक कदम था। सोने के क्षेत्र में लगाए गए करों पर नीति निर्माताओं द्वारा एक श्वेत पत्र प्रस्तुत जारी करने का उद्देश्य था और आगामी वर्षों में देश में सोने के व्यापार के लिए एक स्थायी मॉडल की सिफारिश करना भी था।

आधार पत्रों का शुभारंभ

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र ने भारत में और विश्व स्तर पर सोने के उद्योग को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों और केंद्रीय बैंकों के व्यवहारों पर दो महत्वपूर्ण अनुसंधान अध्ययन साझा किए।

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र द्वारा हितधारकों के बीच व्यापक रूप से किए गए दो अध्ययनों में, सोने की प्रासंगिकता और इसके मुद्रीकरण की आवश्यकता हमेशा बनी रहना थे। ये अध्ययन भारत में सोना उद्योग के प्रति एक शोध आधारित स्वतंत्र और गहन समझ प्रदान करने के लिए भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र द्वारा आयोजित श्रृंखला का हिस्सा हैं - यह देखते हुए कि भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और सोना चालू खाते में घाटा और विनिमय भंडार का एक हिस्सा होने में वृद्धि करता है। दो अध्ययनों, 'भारत में सोने के मुद्रीकरण में परिवर्तनशील नीति' और 'वैश्विक जोखिम और केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की मांग' को भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र की वेबसाइट https://www.iima.ac.in/web/areas-and-centres/research-centers/igpc/usefulresources पर अपलोड किया गया है।

अनुसंधान संगोष्ठी

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर अरविंद सहाय ने 11 जनवरी, 2017 को भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र की सदस्या सुश्री रमा बिजापुरकर द्वारा एक चर्चा का आयोजन किया। भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर जन अनुसंधान एक लाभकारी थिंक टैंक है, जो कि भारत की व्यापक आर्थिक उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर मौलिक ज्ञान का प्रसार करने में संलग्न है जिससे नीति निर्माण, विनियामक प्रतिक्रिया, और व्यापारिक निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके।

उद्योग हितधारकों के साथ संलग्नता

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र के सदस्य प्रोफेसर जोशी जैकब, भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र की प्रबंधक सुश्री रुची अग्रवाल, और एफपीएम छात्र श्री बालगोपाल गोपालकृष्णन ने 21-24 जुलाई, 2016 को आगरा में आयोजित बुलियन फेडरेशन ग्लोबल कन्वेंशन (बीएफजीसी) में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक बुलियन बाजार, सोने और चांदी के बुलियन की माँग और आपूर्ति को प्रभावित करने वाले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कारकों, नवीनतम नीतिगत परिवर्तन, प्रभावी कर की दरों और इस प्रकार अन्य के बारे में अपने सदस्यों में जागरूकता पैदा करने का था।

भारतीय स्वर्ण उद्योग का सबसे लोकप्रिय वार्षिक आयोजन न 11 से 14 अगस्त, 2016 तक आगरा में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय गोल्ड कन्वेंशन (आईआईजीसी) में भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र एक अनुसंधान सहयोगी के तौर पर था। भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र के अनुसंधान ब्रोशर इस कार्यक्रम में प्रतिनिधि किटों के माध्यम से प्रसारित किए गए थे।

प्रोफेसर अरविंद सहाय ने मुंबई में 16 मार्च, 2017 को बुलियन बिजनेस वर्ल्ड ओवर बनाम इंडिया पर भारतीय बुलियन एवं ज्वैलर्स संघ (इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन-आईबीजेए) द्वारा आयोजित आईआईबीएस 4 का पैनल 1 (भारतीय अंतरराष्ट्रीय बुलियन समिट 4) में एक वक्ता के रूप में भाग लिया।

27 अक्टूबर 2016 को फिक्की द्वारा आयोजित स्वर्ण नीति पर गोलमेज सम्मेलन का संचालन प्रोफेसर अरविंद सहाय ने किया था।

स्वर्ण पर पीजीपी छात्रों की परियोजना

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र ने 'भारत में स्वर्ण बाजार की गतिशीलता' नामक शीर्षक से स्वर्ण पर पीजीपी छात्र परियोजनाओं को समर्थन प्रदान किया। रिपोर्ट में कराधान और नीति के परिप्रेक्ष्य से भारत में स्वर्ण बाजार और मूल्य श्रृंखला का विश्लेषण किया गया है।

नीति निर्माताओं के साथ भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र की संलग्नता

6 मार्च, 2017 को वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित गोल्ड वर्किंग ग्रुप की दूसरी बैठक में प्रोफेसर अरविंद सहाय ने स्वर्ण नीतियों और आगे का रोडमैप तैयार करने पर हुई चर्चा में भाग लिया।

प्रोफेसर अरविंद सहाय को दुबई मल्टी कमोडिटी सेंटर के 'स्वतंत्र पर्यवेक्षण समिति' के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। यह समिति दुबई में जिम्मेदार रूप से स्वर्ण की सोर्सिंग पर नजर रखती है।

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र के अनुसंधान और प्रकाशन

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र ने मार्च 2016 से मार्च 2017 की अवधि के लिए अपनी दूसरी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसे इस लिंक पर देखा जा सकता है। https://www.iima.ac.in/c/document_library/get_file?uuid=6c9c2d69-0402-4df6-8e2fab4b6283b8&groupId=62390&filename=Annual%20Report-2016-17_IGPC

मीडिया बिंदु और विस्तृत सूचना

इसके विवरण **परिशिष्ट ट** में दिए गए हैं।

4. कृषि प्रबंधन केन्द्र (सीएमए)

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक अनुसंधान केंद्र है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। सीएमए शिक्षण, प्रशिक्षण एवं परामर्शी गतिविधियों के इन क्षेत्रों/विषयों में भी शामिल है।

अनुसंधान

पूर्ण अनुसंधान

वर्ष के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित दो अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया :

- भारत के वायदा बाजारों में किसानों की भागीदारी : संभावना, अनुभव और सीमाएँ
- सूक्ष्म-वित्त के तहत स्व-सहायता और संयुक्त-देयता समूह संस्थानों का स्थायित्व

जारी अनुसंधान

- कृषि-जैव विविधता के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करना : निम्न स्तर पर दृष्टि
- किसानों के लिए निर्णय-उन्मुख सूचना प्रणाली : किसान कॉल सेंटर (केसीसी), किसान ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (केकेएमएस), किसान पोर्टल और एम-किसान पोर्टल (अखिल भारतीय समन्वित अध्ययन - समन्वयन और एकीकरण) का एक अध्ययन
- किसानों के लिए निर्णय-उन्मुख सूचना प्रणाली : किसान कॉल सेंटर (केसीसी), किसान ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (केकेएमएस), किसान पोर्टल और एम-किसान पोर्टल - गुजरात का एक अध्ययन।
- मृदा स्वास्थ्य, पादप स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य।

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- सीएमएम ने पीजीपी-एफएबीएम, पीजीपी और पीजीपीएक्स में 21 पाठ्यक्रमों को पेश किया।

एफपीएम (खाद्य और कृषि व्यवसाय)

- सीएमए ने प्रबंधन (खाद्य एवं कृषि व्यवसाय) के फैलो कार्यक्रम में छह पाठ्यक्रमों को पेश किया।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- 'कृषि इनपुट विपणन' 16 से 21 जनवरी, 2017.

5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र

संस्थान द्वारा पूर्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए गए अपने योगदान की पहचान बनाने हेतु और देश में सामाजिक-आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता को देखते हुए जून 2004 में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) की स्थापना की गई थी। सीएमएचएस का उद्देश्य क्षमतापूर्वक व प्रभावी रूप से विविध भागों की जनसंख्या की जरूरतों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों को पूरा करना और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट संस्थान का निर्माण करना तथा स्वास्थ्य नीतियों एवं वातावरण को प्रभावित करना है।

सीएमएचएस से (i) स्वास्थ्य क्षेत्र में हमारी भागीदारी के लिए जोर और दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करने की उम्मीद है (ii) सामाजिक क्षेत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करना अपेक्षित है, (iii) बड़ी परियोजनाओं में हमारी भागीदारी की सुविधा अपेक्षित है, (iv) विश्व से सभी स्वास्थ्य देखभाल शोधकर्ताओं को आकर्षित करना, (v) स्वास्थ्य प्रबंधन में शामिल अन्य संस्थानों के साथ तालमेल विकसित करना, और (vi) ज्ञान के प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लेना अपेक्षित है।

सीएमएचएस ने स्वास्थ्य नीति और योजना, स्वास्थ क्षेत्र में प्रशासन और प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, क्लीनिकल लैब प्रबंधन, इमेजिंग लैब प्रबंधन, मातृ स्वास्थ्य, एचआईवी / एड्स, संक्रमण नियंत्रण, शहरी स्वास्थ्य, कैंसर केयर, प्रबंधन क्षमता आकलन आदि पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम दिया है।

आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी श्रृंखला :

*सीए*मएचएस ने अगस्त 2014 से संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की। प्रत्येक माह के लिए एक संगोष्ठी की औसत दर पर प्रति माह एक सेमिनार आयोजित की गई। वर्ष 2016-17 के दौरान आयोजित संगोष्ठियों के वक्ताओं और विषयों के विवरण हैं :

- डॉ. के.के. कालरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा, एनएबीएच राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड, भारतीय गुणवत्ता परिषद, नई दिल्ली, भारत, 15 जुलाई, 2016.
- भारत में स्वास्थ्य देखभाल नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता : श्री प्रदीप के. जयसिंह, संस्थापक एवं अध्यक्ष, हेल्थस्टार्ट द्वारा अवसर और चुनौतियाँ, भारत, 24 अगस्त, 2016.
- स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन : रोग रोकथाम से बाहर की सोच, जीवन के दौरान एनसीडी रोकथाम के लिए, डॉ. कौमुदी जोशीपुरा, एनआईएच दानी-संस्था अधयक्ष एवं निदेशक, क्लीनिक रिसर्च और हेल्थ प्रमोशन सेंटर, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में एपिडेमियोलॉजी के सहायक प्रोफेसर, 20 दिसंबर 2016.
- डॉ. राम के. नारायण, कार्यकारी निदेशक, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, द्वारा तृतीयक / चतुर्थक केयर अस्पताल चलाने में चुनौतियां, अंधेरी, मुंबई, 24 जनवरी, 2017.

दो-दिवसीय कार्यशाला

दो-दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य, व्यावसायिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र से लेकर फार्मा उद्योगों, चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं आदि के क्षेत्र में पेशेवरों तक पहुंचना है।

हेल्थकेयर एनालिटिक्स की कार्यशाला आईआईएमए में 25-26 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित की गई थी।

यह निम्नलिखित उद्देश्यों पर आधारित थी :

- स्वास्थ्य देखभाल डेटा के विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण अवधारणाओं और तकनीकों की गहन समझ प्रदान करना।
- ऐसे मुद्दों से निपटना जैसे कि स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन के संदर्भ में प्रभावी निर्णय डेटा के उचित विश्लेषण के माध्यम से कैसे किया जा सकता है, ओपन सोर्स सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग जैसे कि स्वास्थ्य देखभाल डेटा के विश्लेषण के लिए आर कैसे उपयोग किया जाता है।
- डेटा विश्लेषण के निष्कर्षों की उचित व्याख्या पर जोर दिया गया।
- हेल्थकेयर डेटा के विश्लेषण से प्राप्त जानकारी को ठीक से संवाद करने के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के तरीके जैसे मुद्दे, कार्यशाला में डेटा विश्लेषणात्मक उपकरण और डेटा विज़ुअलाइजेशन तकनीकों की अनुचित चयन के नुकसान पर चर्चा की गई।

"हेल्थकेयर संगठनों की गुणवत्ता प्रबंधन" पर एक कार्यशाला 11-12 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के लिए महत्वपूर्ण अवधारणाओं, तकनीकों और गुणवत्ता प्रबंधन की संरचना को गहन समझ प्रदान करना था।

ग्रीष्मकालीन स्कूल

आईआईएमए में 3-6 सितंबर, 2016 के दौरान एक चार-दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल का आयोजन 'स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में उन्नत अनुसंधान तरीके' विषय पर किया गया था। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों पर काम कर रहे देश के छात्रों और युवा संकाय सदस्यों के अनुसंधान के लिए एक मंच प्रदान करना था। एआईआईएमएस, अपोलो अस्पताल, एमिटी विश्वविद्यालय जैसे स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के प्रतिभागियों ने इस ग्रीष्कालीन स्कूल में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आईआईएमए के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 10-11 दिसंबर, 2016 के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में प्रगति पर किया गया। इसका उद्देश्य पूरे विश्व के अग्रणी शैक्षणिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, स्वास्थ्यसेवा प्रशासकों, देखभाल प्रदाताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाना था जो अत्याधुनिक अनुसंधान, नए विचार, चर्चा के मुद्दों और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम विकास को साझा करें। स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में विभिन्न विशेषज्ञों को सम्मेलन में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इनमें शिक्षाविद, चिकित्सा प्रशिक्षु, नीति निर्माता, आदि शामिल थे। सम्मेलन में करीब पैंसठ प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस सम्मेलन में लगभग पैसठ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता

मुख्य वक्ता	पद
डॉ. नरोत्तम पुरी	चिकित्सा सलाहकार, फोर्टिस हेल्थकेयर
डॉ. सुरेश शंकर	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डेवीटा रेनल केयर, चेन्नई
श्री प्रदीप के. जयसिंह	संस्थापक और अध्यक्ष, हेल्थस्टार्ट भारत
श्री अमर जेसानी	संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स
प्रो. कांती मरडिया	सीनियर रिसर्च प्रोफेसर, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और लीड्स विश्वविद्यालय
प्रो. गौतम सेन	अध्यक्ष, हेल्थस्प्रिंग सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
प्रो. अतनु बिस्वास	प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान

श्री जे.पी. गुप्ता	स्वास्थ्य आयुक्त, चिकित्सा सेवा और चिकित्सा शिक्षा और सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पूर्व अधिकारी प्रधान सचिव (सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन
- हेल्थकेयर प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण
- अस्पताल प्रबंधन

6. खुदरा बिक्री केंद्र

रीटेलिंग केंद्र (सीएफआर) खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में फैकल्टी सदस्यों द्वारा शोध की सुविधा प्रदान करता है। सीएफआर को विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों जैसे विपणन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और सूचना प्रणाली के संकाय सदस्यों के समूह द्वारा गठित किया गया है। सीएफआर संकाय सदस्य खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों का काम करते हैं। उन्होंने खुदरा बिक्री के लिए कार्यकारी शिक्षा और परामर्श सेवाओं में भी योगदान दिया है।

संस्थान ने भारत में खुदरा उद्योग के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान करने के उद्देश्य से अरविंद ब्रांडों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएफआर को अरविंद ब्रांड्स की तरफ से 6,75,000 रु. के वित्तपोषण की प्रथम किश्त अप्रैल में मिली। सीएफआर के संकाय सदस्यों ने इस वित्तपोषण के समर्थन से अनुसंधान के लिए निम्नलिखित चार विषय-क्षेत्रों की पहचान की :

- खुदरा बिक्री में मानव संसाधन प्रबंधन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- तंत्रिका विज्ञान तकनीक और खुदरा बिक्री
- मार्कडाउन प्रबंधन रणनीति

7. सार्वजनिक प्रणाली समूह

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन, सार्वजनिक और सामाजिक नीति पर अनुसंधान, प्रशिक्षण और संगठनात्मक कार्य करती है। समूह का उद्देश्य अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए अवधारणाओं और सिद्धांतों को उत्पन्न करेगा, साथ ही साथ नीति-निर्माण के लिए सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं की एक विद्वत्तापूर्ण समझ और अभिव्यक्ति प्राप्त करना है।

संकाय के वर्तमान शोध हितों में ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं, जिसमें दीर्घकालिक उत्सर्जन परिदृश्य और मॉडलिंग पर्यावरण और स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन शामिल हैं; प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को कवर करने वाले अस्पताल और स्वास्थ्य प्रणालियाँ; शहरी प्रबंधन, परिवहन और विमानन प्रबंधन, अवसंरचना विकास और पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियाँ, प्रभाव आकलन और दूरसंचार में संचालन अनुसंधान शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

मूल विषय

- व्यापार, पर्यावरण और स्थिरता
- सरकारी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ
- व्यापार का सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण

ऐच्छिक विषय

- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- बुनियादी ढांचा विकास और वित्तपोषण
- बुद्धिमान परिवहन प्रणाली
- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर जिम्मेदारियों की जाँच
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- हेरफेर, मिथक बनाना, और विपणन
- विकास के लिए सहभागिता थिएटर
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- नेटवर्क सोसाइटी में व्यवसाय और मानव विकास की समझ के लिए गुणात्मक शोध पद्धतियाँ
- सामाजिक उद्यमिता : अभिनव सामाजिक परिवर्तन
- शहरी अर्थव्यवस्था और व्यापार पर्यावरण

पीजीपी-एफ़एबीएम

- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर जिम्मेदारियों की जाँच (पीजीपी के साथ)
- स्थायित्व का प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता : अभिनव सामाजिक परिवर्तन (पीजीपी के साथ)

एफ पी एम

मूल विषय

- सार्वजनिक नीति-1
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंधन

- सार्वजनिक नीति-2

ऐच्छिक विषय

- आर्थिक विकास और वृद्धि
- ऊर्जा और पर्यावरण नीति
- स्वास्थ्य नीति और योजना
- व्याख्यात्मक अनुसंधान पद्धतियाँ
- सामाजिक नीति अनुसंधान में सांस्कृतिक निष्कर्ष के लिए मात्रात्मक पद्धतियों का उपयोग करना

पीजीपीएक्स

- अवसंरचना विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी
- सामाजिक उद्यमिता : अभिनव सामाजिक परिवर्तन
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी के साथ)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- नौवहन के लिए सामान्य प्रबंधन
- अवसंरचना में कानूनी और विनियामक मुद्दे*

*संयुक्त रूप से व्यवसाय नीति विषय-क्षेत्र के साथ की पेशकश

8. रवि जे. मथाई शैक्षिक नवप्रवर्तन केंद्र

'शैक्षिक नवाचार बैंक' परियोजना ने सार्वजनिक व्यवस्था में नवाचार की संस्कृति विकसित करने के लिए काम करना जारी रखा।

दूसरा शैक्षिक नवप्रवर्तन मेला राज्य सरकार के सहयोग से गुजरात के सभी 33 जिलों में आयोजित किया गया था। लगभग 1500 नवप्रवर्तक शिक्षकों ने अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया था; इनमें से श्रेष्ठ नवप्रवर्तकों को फरवरी 2017 में सापुतारा में एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था। इस मेले का उद्देश्य नवप्रवर्तक शिक्षकों को प्रोत्साहित करना और सम्मान देना था, और उनके काम को शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल करना था।

एक ऐसी पहल जिसमें एक ऐसा पाठ्यक्रम लागू किया गया था, जो स्कूल प्रशासन और नवाचार (जनवरी से मार्च 2017) में गुजरात के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के प्रिंसिपलों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम था। यह पहली बार था कि ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू किया जा रहा था; एक मॉडल का प्रदर्शन करने का विचार था जिसे 2017-18 के दौरान आगे बढ़ाया जा सकता था। प्रशिक्षण में सुशासन, स्कूल विकास योजना और बुनियादी ढाँचे का प्रबंधन शामिल थे; और इन विषयों में अभिनव प्रथाओं से लेकर लगभग 75 केस अध्ययन बनाए गए थे। प्रत्येक केस अध्ययन में फोटोग्राफ और वीडियो पूरक रखे गए थे। प्रशिक्षण के लिए भी प्रतिभागियों को परीक्षण से गुजरना और एक छोटी सी परियोजना शुरू करने की आवश्यकता थी। पहले दौर में, 1000 प्रिंसिपलों को शामिल किया गया था, और दूसरे 1000 प्रिंसिपलों का दूसरा दौर जारी है। हर दिन, औसतन 227 उपयोगकर्ता थे, औसत ऑनलाइन उपस्थिति प्रति प्रतिभागी 24 मिनट थी - प्रतिभागी ऑफलाइन भी काम करते हैं। लगभग 55 प्रतिशत प्रिंसिपल मोबाइल का उपयोग करते हैं, और केवल 44 प्रतिशत ही स्कूल डेस्कटॉप कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं; बाकी ने निजी टेब्लेट्स इस्तेमाल किए थे। कार्यक्रम का मूल्यांकन जारी है।

कार्यक्रम का मूल्यांकन एक डॉक्टरेट छात्र द्वारा किया जा रहा है।

एक तकनीक आधारित चर्चा मंच संचालित होता है, जिसमें से तीन प्रश्नों पर हर महीने चर्चा की जाती है।

स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई और समितियों को गुजरात के 100 गाँवों में स्वयं द्वारा कार्यान्वित नवाचार करने के लिए प्रेरित करने के लिए एक कार्रवाई अनुसंधान परियोजना तैयार की गई। इसके अलावा, पहले की गाँव शिक्षा समिति मॉडल में बदलाव की पहचान के लिए 150 स्कूल प्रबंधन समितियों का मूल्यांकन किया गया था। इन परियोजनाओं ने स्कूल प्रशासन के सदस्यों के बीच सकारात्मक निर्णय लेने की शैली पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक ठोस परियोजना का उपयोग करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो सदस्य साक्षरता के निम्न स्तर से हो सकते हैं।

महाविद्यालयों के इंटर्न की मदद से सरकारी विद्यालयों के लिए पूरक सामग्री का निर्माण करने के लिए एक सतत गतिविधि का विस्तार, कक्षा 6 से 8 के लिए विज्ञान और गणित में लगभग 3500 वीडियो की मुक्त पहुँच, और 2500 विज्ञान और गणित परियोजनाओं को विकसित किया गया है। 1 से 5 तक की कक्षाओं के छात्रों के लिए लगभग 1500 डिजिटल कहानियों को हिंदी, गुजराती और मराठी में तैयार किया गया है।

नवप्रवर्तन व्यवहार पर पूर्ववर्ती शोध को 350 सरकारी प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों के साथ पूरा किया गया। बच्चों के 'हरफनमौला' विकास में गैर-संज्ञानात्मक दक्षता की भूमिका का एक अध्ययन प्रगति पर है। इसके अलावा, एक डॉक्टरेट छात्र ने अहमदाबाद के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में गणित के अध्ययन में डिजिटल वीडियो के प्रभाव का अध्ययन किया।

आरजेएमसीईआई ने माध्यमिक विद्यालयों के प्रिंसिपल के लिए अपना सप्ताहभर के कार्यक्रम (एक प्रति वर्ष) को जारी रखा। देश के विभिन्न हिस्सों से 53 प्रिंसिपलो और स्कूल के अग्रणियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। शिक्षा में उद्यमिता (पीजीपी) तथा एफडीपी और एफपीएम के लिए संचार संबंधी पाठ्यक्रमों पर एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी पेश किया गया।

अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम की पेशकश के अलावा, पीजीपी, पीजीपी-एफएबीएम, एफपीएम तथा पीजीपीएक्स में विभिन्न अनिवार्य एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी साथ में पेश किये जाते हैं।

1. व्यापार नीति

व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के संकाय डिजाइन सोच, नवाचार, उद्यमशीलता, प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीति, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विपुल डेटा प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन, प्रयोगात्मक विधियाँ और कार्रवाई अनुसंधान क्षेत्रों के शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के दौरान, इस विषय-क्षेत्र ने पीजीपी-द्वितीय वर्ष के लिए तीन नए मुख्य पाठ्यक्रम पेश किए हैं:

- उद्यमशीलता की मानसिकता
- वैश्विक संगठनात्मक संदर्भ की समझ
- एकीकरण अनुभव

इस विषय-क्षेत्र के सदस्य संस्थान के विभिन्न लघु और दीर्घ अवधि कार्यक्रमों, सलाहकार सेवाओं, प्रकाशन और प्रशासनिक गतिविधियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेना जारी रखा। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी का विवरण इस प्रका है।

पीजीपी

पाठ्यक्रम

अनिवार्य

इस विषय-क्षेत्र ने दो वर्षीय पीजीपी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के लिए दो अनिवार्य पाठ्यक्रम, एक सामरिक प्रबंधन और एक व्यवसाय के कानूनी पहलू की पेशकश की गई।

ऐच्छिक

- व्यापार और बौद्धिक संपदा
- व्यापार कराधान
- व्यापार, सरकार और कानून
- क्षमता, सामर्थ्य और कॉर्पोरेट रणनीति
- अभिनव व्यावसायिक डिजाइन के लिए डिजाइन सोच
- डिजिटल उत्पाद और सेवा डिजाइन : ई-कॉमर्स एवं खुदरा बिक्री पर डिजाइन सोच परिप्रेक्ष्य
- रणनीति निर्धारण और निष्पादन की गतिशीलता
- सामरिक अर्थशास्त्र
- उद्यमशीलता और नई उद्यम योजना
- रणनीति परामर्श की नींव
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व
- नेतृत्व : दूरदृष्टि, अर्थ, और वास्तविकता
- विविध संगठन प्रबंधन
- प्रबंधन में रहस्य
- प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन का सामरिक प्रबंधन
- उभरते बाजारों में रणनीति

पीजीपीएक्स

- व्यवसाय अनुकार कार्य य कैपस्टोन
- निगम शासन प्रणाली
- डिजाइन सोच का परिचय
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व
- नेतृत्व, आदर्श और नैतिकता
- व्यवसाय के कानूनी पहलू
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन

- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक निष्पादन
- रणनीतिक प्रबंधन

एफपीएम

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालीविज्ञान में उन्नत संगोष्ठी
- उन्नत सामरिक प्रबंधन I एवं II
- सामरिक प्रबंधन पर मूल पाठ्यक्रम
- कॉर्पोरेट सुशासन
- सामरिक अर्थशास्त्र
- उद्यमिता
- अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- रणनीति और नवप्रवर्तन

इस विषय-क्षेत्र से एक एफ़पीएम छात्र ने फैलो कार्यक्रम पूरा किया और इस वर्ष स्नातक उपाधि प्राप्त की और फैलो कार्यक्रम में तीन नए छात्रों का नामांकन हुआ।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- पोषण नवप्रवर्तन के लिए डिजाइन सोच
- रणनीति निष्पादन का अनुशासन
- विदेश में व्यवसाय करना
- पारिवारिक व्यवसाय : संगठन, रणनीतियाँ, अंतरराष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकारी
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन
- प्रमुख व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियों और संबंधितता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन
- युवा उद्यमी कार्यक्रम

एफडीपी

- प्रबंधन शिक्षा में केस विधि
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन

अनुसंधान और प्रकाशन

सदस्यों की अनुसंधान में रुचि के विषयों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रणनीति और प्रतिस्पर्धी रणनीतियाँ, नवाचार और उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतर्राष्ट्रीयकरण, क्षमता विकास, और व्यापार के कानूनी पहलुओं से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। इस विषय-क्षेत्र के संकायों के लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं तथा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आधारपत्र प्रस्तुत किए हैं।

2. संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य

- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार I
- लिखित विश्लेषण और संचार II

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- मुश्किल संचार
- अंतरसांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, नीतिशास्त्र, और समूह संचार की प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- अग्रणियों के लिए सामरिक वार्ता कौशल

पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मूल विषय)

एफडीपी

- प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार

एफपीएम

- प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- लोगों को साथ लेकर : धारणा द्वारा प्रबंधन
- जीतने की कगार

3. अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- वृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- आर्थिक विकास नीति और वृद्धि
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- खुशी का अर्थशास्त्र
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- कार्य प्रणाली और अनुप्रयोग
- पाँच शताब्दियों में व्यवसाय और अर्थशास्त्र के लिए हिचहाइकर की मार्गदर्शिका
- भारतीय अर्थव्यवस्था और वर्तमान समाज
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार : सिद्धांत और नीति
- प्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त के मुद्दे
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- भारत का वृहत् अर्थशास्त्र : एक अनुप्रयुक्त परिप्रेक्ष्य
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- बड़े बदलाव
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- वैश्विक संगठनात्मक संदर्भ की समझ - व्यवसाय नीति विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम
- विश्व अर्थव्यवस्था : व्यवसाय, सरकार और नीति

एफपीएम

अनिवार्य

- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- अर्थमिति
- सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण

ऐच्छिक

- उन्नत डेटा विश्लेषण
- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र
- आर्थिक विकास और वृद्धि - (व्यवसाय नीति विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम)
- सार्वजनिक वित्त त सार्वजनिक प्रणाली समूह विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम
- टाइम्स श्रृंखला विश्लेषण (संयुक्त विषय-क्षेत्र पाठ्यक्रम)
- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र में विषय : पठन स्तर और नेटवर्क

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कंपनियाँ और बाजार
- मुक्त अर्थव्यवस्था वृहत् अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और राजनीतिक माहौल
- वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का वृहत् अर्थव्यवस्था निष्पादन

एफडीपी

- आर्थिक पर्यावरण और नीति

4. वित्त और लेखाकरण

पीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत प्रबंधन एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय बाज़ार

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- वित्तीय जोखिम प्रबंधन विश्लेषिकी*
- व्यावहारिक वित्त
- बिटकॉइन और ब्लॉकचेन*
- वित्तीय मॉडलिंग
- वित्तीय विवरण विश्लेषण*
- कंपनियों का वित्तपोषण
- नियत आय प्रतिभूति-दरें
- धोखाधड़ी जोखिम आकलन और सुशासन तंत्र
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त में समस्याएं
- वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्मवित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंधन

- मूल्य निर्धारण और बचाव व्युत्पन्न प्रतिभूतियाँ
- स्थांतरित मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- प्रतिभूति विनियमन
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- बैंकिंग का सामरिक परिदृश्य
- संरचित उत्पाद*
- व्यापार रणनीतियाँ
- कंपनियों का मूल्यांकन

*नए ऐच्छिक

एफपीएम

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य)
- उभरते बाजारों में कॉर्पोरेट वित्तपोषण
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (मुख्य/ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य/ऐच्छिक)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य/ऐच्छिक)
- गणितीय वित्त (ऐच्छिक)
- सार्वजनिक वित्त
- अनुभवजन्य लेखा अनुसंधान में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य/ऐच्छिक)
- कॉर्पोरेट वित्त में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य)
- व्यवहार वित्त में संगोष्ठी (वैकल्पिक)

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्त कार्यप्रणाली का प्रभावी प्रबंधन (वैकल्पिक)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मैट्रिक्स (अनिवार्य)
- विलय और अधिग्रहण (अनिवार्य)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)

एफडीपी

- अनिवार्य वित्त पाठ्यक्रम
- अनिवार्य लेखाकरण पाठ्यक्रम
- वित्तीय लेखाकरण के मूल सिद्धांत, लागत लेखाकरण के मूल सिद्धांत, कॉरपोरेट वित्त के मूल सिद्धांत

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना
- निवेश निर्णय और व्यवहार वित्त
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- व्यावहारिक मात्रात्मक वित्त
- एक अस्थिर व्यापार में योजना/मान्यता का मूल्यांकन
- सामरिक लागत प्रबंधन

अन्य विषय-क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में इस विषय-क्षेत्र के संकायों द्वारा पढाया गया और विभिन्न संस्थानों में परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई।

अनुसंधान

वर्ष के दौरान इस विषय-क्षेत्र के संकाय सदस्यों द्वारा कई अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गईं।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन :

इस विषय-क्षेत्र में दिसंबर 2016 के दौरान संस्थान में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न 'भारतीय वित्त सम्मेलन (आईएफ़सी)' आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन आईआईएमए, आईआईएमबी, आईआईएमसी के वित्त विषय-क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

इस विषय-क्षेत्र ने संस्थान में जनवरी 2017 के दौरान जर्नल ऑफ़ अकाउंटिंग, ऑडिटिंग एंड फाइनेंस (जेएएएफ़) और भारतीय व्यवसाय स्कूल के सहयोग में 'जेएएफ़ सिम्पोजियम' नामक एक लेखाकरण सिम्पोजियम का भी आयोजन किया।

5. मानव संसाधन प्रबंधन

क्षेत्र के सदस्यों ने संस्थान के सभी कार्यक्रमों (मुख्य, नम्य-मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम) में शिक्षा दी। मानव संसाधन प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों के अलावा, क्षेत्रीय सदस्य एफ़पीएम/पीजीपीएक्स आयोजित पाठ्यक्रमों, व्यवसाय नीति तथा विपणन विषय-क्षेत्रों और सार्वजनिक प्रणाली समूह दवारा प्रस्तुत वैकल्पिक विषय-क्षेत्रों में भी पढ़ाने में संलग्न रहे। ये सदस्य विविध केंद्रों की अकादमिक तथा प्रशासनिक भूमिकाओं वाली दोनों प्रकार की गतिविधियों में भी शामिल रहे। इस विषय-क्षेत्र ने एफ़डीपी तथा एएफ़पी के प्रतिभागियों को भी मानव संसाधन प्रबंधन की शिक्षा प्रदान की।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास करना
- मानव संसाधन लेखा परीक्षा-सामरिक मा.सं.प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना
- प्रबंधकीय प्रभावशीलता
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए कार्यनिष्पादन प्रबंधन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन
- सामरिक पुनरभिविन्यास और संगठनात्मक परिवर्तन

इसके अलावा, विषय-क्षेत्र के संकायों ने अन्य विषय-क्षेत्रों के निम्नलिखित कार्यक्रमों को भी समन्वित किया :

- प्रोफ़ेसर बीजू वर्की द्वारा बिक्री बल प्रदर्शन सुधार (विपणन विषय-क्षेत्र)
- प्रोफ़ेसर राजेश चंदवानी द्वारा अस्पताल प्रबंधन (सीएमएचएस विषय-क्षेत्र)

अनुसंधान

इस विषय-क्षेत्र के संकायों ने अपनी रुचि के क्षेत्रों में केस लेखन, शिक्षण सामग्री विकास और अनुसंधान में योगदान दिया। ये सदस्य आईआईएमए में शोधकर्ताओं को सहयोग देते हुए अंतर अनुशासनात्मक बाहरी सहयोग के लिए अनुसंधान में और बाहर भी शामिल हैं। इस विषय-क्षेत्र के संकाय सदस्यों द्वारा संपादित / सह-संपादित केसों को वर्ष के दौरान आईआईएमए में पंजीकृत किया गया था। सदस्यों द्वारा संपादित (सह-संपादित) आधारपत्रों को राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया और सहकर्मी-समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

6. सूचना प्रणाली

पाठ्यक्रम

पीजीपी-1

अनिवार्य

- व्यवसाय के लिए सूचना प्रणालियाँ
- इंटरनेट प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के लिए ई-कॉमर्स

पीजीपी-2

ऐच्छिक

- विशाल डेटा विश्लेषिकी
- ई-गवर्नेंस में परामर्शन : दृष्टि से कार्यान्वयन तक
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

इस विषय-क्षेत्र ने पीजीपी जनरल के साथ-साथ पीजीपी-एफएबीएम छात्रों के लिए भी तैयारी कार्यक्रम आयोजित किया।

एफडीपी

- डेटा संरचना और प्रोग्रामिंग
- डेटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ
- इंटरनेट के लिए उभरती रूपरेखाएँ और दूरसंचार नीति तथा विनियमन
- एफ़पीएम अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान एक्सल कार्यशाला
- सूचना प्रणालियों के लिए रूपरेखा
- अनिश्चितता के तहत बहु-मानदंड निर्णय निर्धारण के लिए ज्ञान प्रणालियाँ (वैकल्पिक)
- नेटवर्क और वितरित प्रणालियाँ
- सिस्टम विश्लेषण और डिजाइन

पीजीपीएक्स

- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन

सशस्त्र बल कार्यक्रम

- सूचना प्रणाली मॉड्यूल
- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग
- प्रौद्योगिकी और प्रबंधन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन
- सीआईओ (मुख्य सूचना अधिकारियों) के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन
- नई पीढ़ी की उद्यम प्रणालियाँ : ईआरपी, सीआरएम, बीआई, और एससीएम
- दृश्य व्यापार आसूचना

एफ़डीपी

- प्रबंधन के लिए आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी)

7. विपणन

वर्ष 2016-17 में भी विपणन क्षेत्र ने संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों और शैक्षिक प्रशासन के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रमुख प्रशिक्षुओं द्वारा अनुभवों को बाँटने के माध्यम से क्षेत्र के पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों को बढ़ाया गया। उद्योग जगत के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस विषय-क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव साझा किए।

पाठ्यक्रम

अनिवार्य

- विपणन-1
- विपणन-2
- विपणन-3
- व्यवसाय अनुसंधान पद्धतियाँ

वैकल्पिक

- विज्ञापन और बिक्री संवर्धन प्रबंधन
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश (संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- उपभोक्ता मूल्य वितरण प्रबंधन
- लक्जरी व्यवसाय प्रबंधन
- सर्वग्राही खुदरा बिक्री प्रबंधन
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- मोबाइल विपणन अनिवार्यताएँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- सांकेतिकता : मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक विपणन
- डिजिटल मार्केटिंग और ई-बिज़नेस के लिए रणनीतियाँ

एफपीएम

- विपणन में व्यवहारिक विज्ञान के अनुप्रयोग
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- विपणन प्रबंधन में व्याख्या संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडलों पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

- उपोभोक्ता मूल्य आकलन और सृजन
- उपभोक्ता मूल्य वितरण और प्रबंधन
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- उपभोक्ता व्यवसाय रणनीतियों पर संगोष्ठी
- विपणन डेटा विश्लेषिकी के तरीकों पर संगोष्ठी
- रणनीतिक विपणन
- डिजिटल विपणन, और ई-बिज़नेस के लिए रणनीतियाँ

एफडीपी

- विपणन और विपणन अनुसंधान में प्रयोगात्मक पद्धतियों के अनुप्रयोग
- निम्न स्तर तक के लिए व्यवसाय रणनीतियाँ
- विपणन का मुख्य पाठ्यक्रम
- विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- ब्रांडों का विकास और प्रबंधन
- बिक्री बल प्रदर्शन सुधार
- विकास के लिए नवप्रवर्तन
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

विषय-क्षेत्रीय संकाय अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहे और विभिन्न संस्थानों को परामर्श सेवाएँ प्रदान की।

विषय-क्षेत्र का सम्मेलन

विपणन विषय-क्षेत्र ने 11-13 जनवरी, 2017 के दौरान विपणन में उभरती अर्थव्यवस्थाएँ विषय पर 7वें आईआईएमए सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया गया है और प्रोफेसर लब्धि आर. भंडारी मेमोरियल फंड द्वारा प्रायोजित किया गया है। श्री आर. एस. सोढी, प्रबंध निदेशक, जीसीएमएमएफ (अमूल), आणंद इस सम्मेलन के उद्घाटन में मुख्य अतिथि थे। आइवी बिजनेस स्कूल के डॉ. निरज डावर, विपणन के प्रोफेसर, समापन समारोह के मुख्य अतिथि रहे थे।

विपणन में उभरती अर्थव्यवस्थाएँ विषय पर 8वाँ आईआईएमए सम्मेलन जनवरी 2019 के दौरान निर्धारित किया गया है।

अनुसंधान और संगोष्ठी

इस विषय-क्षेत्र के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान किए। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं / पुस्तकों और कई प्रकाशित पत्रों में प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने निष्कर्षों को साझा किया तथा सम्मेलनों और कार्यशालाओं में प्रस्तुतियाँ दी। अनुसंधान का ध्यान उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पादों और सेवाओं, पिरामिड तल, और सेवा केंद्रित रणनीति जैसे विषयों में केंद्रित था। इन पद्धतिशास्त्रों में दोनों - गुणात्मक और उन्नत मात्रात्मक तकनीकें शामिल थीं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 2016-17 के दौरान विषय-क्षेत्रीय संकायों द्वारा निम्नलिखित तीन परियोजनाएँ शुरू की गई :

- विज्ञापन में अंतर-सांस्कृतिक विषय सामग्री विश्लेषण अध्ययन (प्रोफेसर अभिषेक द्वारा शुरू की गई और पूरी की गई मूलधन परियोजना)
- उभरते बाजारों में बदलने वाले नवाचारों के समर्थकों की पहचान करना (प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल द्वारा अनुसंधान परियोजना)
- अभिभावकीय शैली के प्रति पूर्वपद के रूप में अभिभावक एलओसी (प्रोफेसर अक्षय विजयालक्ष्मी द्वारा मूलधन परियोजना)

परामर्शन और स्वनिर्धारित कार्यक्रम

विषय-क्षेत्र के सदस्यों ने सात संगठनों को परामर्श सेवाएँ प्रदान की और सात संगठनों के अधिकारियों के लिए अनुकूलित कार्यक्रमों की पेशकश की। परामर्श कार्यों में ग्राहक मूल्य की समझ और स्थापन, व्यवसाय विकास, नेतृत्व कौशल, ब्रांड प्रबंधन, रणनीतिक योजनाओं का निर्माण, सामरिक कार्यान्वयन योजना विकसित करने और खुदरा बिक्री रणनीति के लिए कार्यान्वयन योजना जैसे विषय शामिल थे। संगठनों के मध्य और वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों के लिए सात अनुकूलित कार्यक्रम पेश किए गए।

8. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

अनिवार्य

पीजीपी

- प्रेरण 1 और 2
- लोगों और संगठनों की समझ-1
- लोगों और संगठनों की समझ-2

ऐच्छिक

पीजीपी-2

- संगठनात्मक परिवर्तन का सह-सृजन
- समकालीन भारतीय कार्यस्थल
- उद्यमी मानसिकता (अनिवार्य)
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण
- उच्च प्रदर्शक टीमें : एक यात्रा
- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर-जिम्मेदारियों की जाँच
- संगठनों में जटिल गतिशीलता का प्रबंधन (अनिवार्य)
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- प्रतिभा प्रबंधन
- कार्यस्थल पर सृजनात्मक स्व-पहचान

पीजीपीएक्स

- प्रेरण
- नेतृत्व कौशल : कार्यशाला
- संगठन व्यवहार
- प्रदर्शन के लिए संभावना : आत्म-जागरूकता की यात्रा

एफपीएम

- संगठनात्मक परिवर्तन पर बातचीत में एक यात्रा
- उन्नत लघु संगठनात्मक व्यवहार
- मात्रात्मक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत विषय
- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार की मूल बातें (एफपीएम-1 विषय-क्षेत्र का अनिवार्य पाठ्यक्रम)
- संगठनात्मक व्यवहार में श्रेष्ठतम और परिप्रेक्ष्य
- अनुसंधान का क्राफ्टिंग और प्रकाशन
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके : डेटा एकत्रीकरण और विश्लेषण
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और उसका सामाजिक संदर्भ
- मनोविज्ञान (एफपीएम-1 का अनिवार्य पाठ्यक्रम)
- मात्रात्मक तरीके और विश्लेषण

एफडीपी

- संगठनात्मक व्यवहार की समझ
- उन्नत संगठनात्मक व्यवहार
- उन्नत बहुविध विश्लेषण
- प्रबंधन के लिए गुणात्मक शोध

कई क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने इस अवधि के दौरान विभिन्न संगठनों

में कई कंपनी के अनुकूलित कार्यक्रमों और अन्य व्यावसायिक परामर्श सेवाएँ भी पेश की।

9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- निर्णय विश्लेषण
- नम्य-मूल - विनिर्माण संचालन प्रबंधन
- नम्य-मूल - सेवा संचालन प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- संभावना एवं सांख्यिकी 1 एवं 2

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- डेटा विश्लेषण की बेयसियन पद्धति
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- व्यवसायकर्मी के लिए पूर्वानुमान तकनीक
- संगठनात्मक व्यवहार के प्रबंधकीय अनुप्रयोग
- संचालन रणनीति
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- निर्णय लेने की कला और शिल्प
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- व्यावसायिक विश्लेषिकी
- मांग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- रसद प्रबंधन
- निर्णय के लिए मॉडलिंग
- गुणवत्ता प्रबंधन
- सेवा स्तरों की स्थापना एवं वितरण
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

एफपीएम

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- व्यवसाय अनुसंधान के लिए बेयसियन पद्धति
- खंडित अनुकूलन
- गाणितीय प्रोग्रामिंग का परिचय
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- ह्यूरिस्टिक्स के साथ समस्या हल
- कतारबद्ध मॉडल
- वास्तविक विश्लेषण
- संचालन प्रबंधन-1 में संगोष्ठी
- संचालन प्रबंधन-2 में संगोष्ठी
- प्रबंधन अनुसंधान में प्रयुक्त सांख्यिकीय तरीके का सर्वेक्षण
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकार
- समय श्रृंखला विश्लेषण

एफडीपी

- संचालन प्रबंधन
- सांख्यिकी विश्लेषण

अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवप्रवर्तन, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, प्रसंभाव्य बेहतरी, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन और बड़ी स्वतः शोध प्रणालियाँ, नेटवर्क विश्वसनीयता, संचालन मार्केटिंग इंटरफ़ेस में खेल सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल डेटा का विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय निष्कर्ष ऐसे विषय-क्षेत्र हैं जहाँ क्षेत्रीय संकायों ने प्रकाशनों के माध्यम से योगदान दिया है।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- निर्णय निर्धारण में कला और शिल्प
- अत्याधुनिक विश्लेषिकी
- संचालन के मूलतत्व
- रसद प्रबंधन
- विनिर्माण रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- रेस्तरां प्रबंधन
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन
- सामरिक विश्लेषिकी : मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यवसाय तथा विपणन में उसके अनुप्रयोगों पर कार्यक्रम
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- विनिर्माण पर शीर्ष प्रबंधन कार्यशाला
- परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्वछात्र संघ (आईआईएमएएए)

आंतरिक चर्चाओं और पूर्वछात्र चैप्टरों से मिले आदानों के आधार पर, आईआईएमएएए का संविधान संशोधित किया गया है। इसके नए संविधान में, संघ द्वारा किए जाने वाले कार्यों का दायरा बढ़ाया गया है। इसमें अब एक दो स्तरीय संरचना होगी। वैश्विक पूर्वछात्र परिषद (जीएसी) की सर्वोच्च संस्था का गठन होगा, जबकि चैप्टर औपचारिक संस्थाएं रहेंगी जो विभिन्न भौगोलिक स्थानों में पूर्वछात्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैश्विक पूर्वछात्र परिषद के माध्यम से यह संघ भारत, और विदेशों में चैप्टरों का आरंभ, रखरखाव, मार्गदर्शन और सशक्त करेगा। वैश्विक पूर्वछात्र परिषद किसी चैप्टर की स्वीकार्यता/अस्वीकार्यता को भी तय करेगा। चैप्टर अपनी स्वयं की कार्यकारी समितियों के माध्यम से चुनाव और संचालन करेंगे। यदि कम से कम 25 पूर्वछात्र हैं तो, एक स्थानीय चैप्टर औपचारिक रूप से प्रारंभ किया जा सकता है।

पूर्वछात्र सदस्यता

संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों से मिलकर नए सदस्य जोड़े जाते हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान, सदस्यता शुल्क में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 59.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है (2015-16 के दौरान 71.62 लाख रुपये और 2016-17 के दौरान 114.24 लाख रुपये)।

आईआईएमए आल्यूम्नस

आल्यूम्नस पत्रिका को वर्ष में तीन बार जून, अक्टूबर और फरवरी में प्रकाशित किया जाता है। आल्यूम्नस को प्रकाशित करने के लिए उसकी लागत के एक हिस्से को वसूलने के लिए विज्ञापन राजस्व उत्पन्न करते हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान 13.79 लाख रुपये की राशि उत्पन्न हुई थी।

पुनर्मिलन

रजत जयंती पुनर्मिलन

वर्ष 1992 (1990-1992) के स्नातक बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन 23 से 25 दिसंबर, 2016 के दौरान आयोजित किया गया था। लगभग 120 से अधिक पूर्वछात्रों ने अपने परिवार के साथ इस मिलन समारोह में भाग लिया। यह पुनर्मिलन मज़ेदार, मनोरंजक और दोस्ती के नवीनीकरण से भरा हुआ था। पुनर्मिलन के दौरान, बैच को पढ़ाने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया।

स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन

सन् 1967 के स्नातक बैच (1965-1967) का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन 27 से 29 दिसंबर, 2017 के दौरान आयोजित किया गया। लगभग 30 से अधिक पूर्वछात्रों ने अपने परिवार के साथ इस मिलन समारोह में भाग लिया था। यह पुनर्मिलन मज़ेदार,

मनोरंजक और दोस्ती के नवीनीकरण से भरा हुआ था। पुनर्मिलन के दौरान, 1967-बैच को पढ़ाने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया।

अन्य पुनर्मिलन

रजत जयंती और स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन के अलावा, निम्नलिखित पुनर्मिलनों का आयोजन किया गया :

संस्थान में पुनर्मिलन					
कक्षा	बैच	पुनर्मिलन	तारीख		पूर्वछात्रों की संख्या
			से	तक	
एफ पी एम	1974-2016	संयुक्त	12.12.2016	03.12.2016	54
पीजीपी-एफ़एबीएम	1971-2016	संयुक्त	07.01.2017	08.01.2017	50
पीजीपीएक्स	2006-2007	10 साल	23.12.2016	25.12.2016	15
2006 की पीजीपी कक्षा	2004-2006	10 साल	16.12.2016	18.12.2016	100
2001 की पीजीपी कक्षा	1999-2001	15 साल	16.12.2016	18.12.2016	70
1996 की पीजीपी कक्षा	1994-1996	20 साल	30.12.2016	01.01.2017	50
1987 की पीजीपी कक्षा	1985-1987	30 साल	09.12.2016	11.12.2016	65
गोवा में पुनर्मिलन					
1982 की पीजीपी कक्षा	1980-1982	35 साल	16.12.2016	18.12.2016	20
1976 की पीजीपी कक्षा	1974-1976	40 साल	09.12.2016	11.12.2016	93
1977 की पीजीपी कक्षा	1975-1977	40 साल	10.02.2017	11.02.2017	60

स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह : तीसरे बैच (1968) की उपस्थिति

पीजीपी (2015-17) का 52वाँ बैच 25 मार्च, 2017 को स्नातक हुआ। संस्थान ने स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह में दूसरे पीजीपी बैच (पीजीपी 1967) को आमंत्रित किया था। इसे एक परंपरा बनाते हुए संस्थान ने दीक्षांत समारोह के लिए तीसरे पीजीपी बैच (पीजीपी 1968) को आमंत्रित किया। पीजीपी 1968 से तेईस पूर्वछात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। उन्होंने 24 मार्च 2017 को दीक्षांत समारोह के अवसर पर छात्रों को शैक्षिक और अन्य प्रदर्शनों के लिए पुरस्कार प्रदान किए। 1968 का बैच 52वें दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनकर अति प्रसन्न हुआ। दीक्षांत समारोह के साथ, 1968 बैच ने 24 से 26 मार्च, 2017 के दौरान स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन का आयोजन किया।

पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध

कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम / अतिथि व्याख्यान पूर्वछात्रों द्वारा पढ़ाये गए थे। इनके विवरण नीचे दिए गए हैं :

पूर्वछात्र	बैच	अतिथि व्याख्यान
अजय श्रीनिवासन	पीजीपी 1987	पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला
अजय श्रीनिवासन	पीजीपी 1987	नेतृत्व चर्चा सत्र
अनिल कुमार शर्मा	पीजीपी 1990	वक्ता सत्र
गीता गोयल	पीजीपी 1995	वक्ता श्रृंखला
हेमंत गावले	पीजीपी 2011	विपणन वक्ता श्रृंखला
जॉन सी. कैमिलस	पीजीपी 1968	अनुसंधान संगोष्ठी
कमल कांत कोठारी	पीजीपी 1972	वक्ता श्रृंखला
कार्तिकेय मिश्रा	पीजीपी 2006	नवप्रवर्तन वार्ता
नरेश खत्री	पीजीपी 1984	अनुसंधान संगोष्ठी
पार्थ एस. मोहनराम	पीजीपी 1992	अनुसंधान संगोष्ठी
प्रदीप भार्गव	पीजीपी 1971	वक्ता श्रृंखला
प्रदीप के. जयसिंह	पीजीपी 1989	आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी
प्रसाद एम.	पीजीपी 1989	आईआईएमएएएएसी अध्ययन मंडल मिलन
रघुनंदन जी.	पीजीपी 2007	वक्ता सत्र
राजशेखर रेड्डी सीलम	पीजीपी 1988	वक्ता सत्र
राजदीप एनडो	पीजीपी 1998	पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला
राजसिंह ढाल	पीजीपी 1991	वक्ता श्रृंखला
राम के. नारायण	एमडीपी 2002	आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी
संजीव भिकचंदानी	पीजीपी 1989	वक्ता सत्र
संतोष देसाई	पीजीपी 1985	आला वक्ता श्रृंखला
शंकर कृष्णन	पीजीपी 1994	पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला
सिद्धि करनानी	पीजीपी एबीएम 2011	पीजीपी के लिए व्याख्यान
सुशील झंगियानी	पीजीपी 1991	वक्ता श्रृंखला
विक्रम पठानिया	पीजीपी 1996	अनुसंधान संगोष्ठी
विक्रम सम्पत	पीजीपी 1991	वक्ता श्रृंखला
विपिन सोंधी	पीजीपी 1984	पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला
यशिश दहिया	पीजीपी 1996	वक्ता सत्र

पूर्वछात्र पहचान पत्र

इस वर्ष के दौरान 940 पहचान पत्र जारी किए गए थे।

लिंक्डइन पहल

अपने पूर्वछात्रों को कैरियर समर्थन के तरीके प्रदान करने की एक पहल में, संस्थान ने दो समूहों को स्थापित करने के लिए लिंक्डइन के साथ हाथ मिलाया है : (क) **आईआईएमए पूर्वछात्र समूह**, इसमें दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक सभी दीर्घकालिक पूर्वछात्र शामिल हैं। इस समूह में 4560 पूर्वछात्र हैं। स्थानन कार्यालय इस समूह में भर्तीकर्ता-उपसमूह का हिस्सा बनने के लिए नियोक्ताओं को आमंत्रित करता है; और (ख) **आईआईएमए कार्यकारी शिक्षा पूर्वछात्र समूह**, इस समूह में अल्पकालिक कार्यक्रम के पूर्वछात्र शामिल हैं। इस समूह में 700 सदस्य हैं। इस समूह के लिए स्थानन सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं, संस्थान की नीति के अनुसार केवल दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक होने वालों को ही स्थानन सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इस पहल के पीछे का उद्देश्य छात्रों को साथियों के साथ नेटवर्क में सुविधा देकर एक ऐसे बुनियादी सुविधा का निर्माण करना है जिससे नियोक्ताओं को पूर्वछात्रों के साथ बातचीत करने की मिलेगी। नियोक्ताओं के लिए, मध्यम स्तर से लेकर वरिष्ठ स्तर तक की नियुक्तियों हेतु जानकारी खोजने की कम लागत का लाभ शामिल है। पूर्वछात्रों के लिए, केवल मातृसंस्था एवं बैच साथियों से जुड़े रहना ही नहीं अपितु मध्यम कैरियर में बदलाव के लिए संभावित नियोक्ताओं से जुड़ना शामिल है। वर्तमान छात्रों के लाभ में, वरिष्ठों तक पहुँच बनती है और कैरियर विशेष चर्चा बोर्ड में भाग लेने का लाभ मिलता है। संस्थान के लाभ में, लगातार पूर्वछात्रों के कैरियर में प्रगति की जानकारी मिलती रहती है और एक बार की परिसर स्थानन सेवा के साथ-साथ जीवन भर उनके कैरियर में समर्थन और पूर्वछात्रों से संपर्क बनाए रखने के दोहरे उद्देश्य शामिल हैं।

पूर्वछात्रों से कोष

अपनी व्यक्तिगत क्षमता के अनुरूप पूर्वछात्र, बैच के हिस्से के रूप में, और उनके संगठन / कॉर्पोरेट जुड़ाव (सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से) के माध्यम से मातृसंस्था में योगदान की सुविधा प्रदान करते हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान इसने 21.76 करोड़ रुपये का वित्त पोषण करने में मदद की है। हेरिटेज कैंपस में कक्षा-4 के संरक्षण / मरम्मत और उन्नयन के समर्थन के लिए 1992 के रजत जयंती पुनर्मिलन बैच द्वारा 2.5 करोड़ रूपए का बड़ा योगदान; आईएमडीसी में कक्षा-2 के उन्नयन और रखरखाव को समर्थित करने के लिए रघुनंदन और अप्रमेय द्वारा 5 करोड़ रुपये का योगदान; विक्रम साराभाई पुस्तकालय की मरम्मत और उन्नयन के लिए टीसीएस फाउंडेशन द्वारा 20 करोड़ रुपए का समर्थन मिला है।

पूर्वछात्रों की तरफ से व्यक्तिगत योगदान		(भारतीय रुपयों में)
पूर्वछात्र (इन्होंने अनाम रहना पसंद किया है)		50,000,000
आलोक मिश्रा	1983	500,000
अप्रमेय राधाकृष्ण (सह-संस्थापक टैक्सीफ़ॉरश्योर)	2007	10,000,000
दीप कालरा, मेकमायट्रीप (इंडिया) प्रा. लिमिटेड	1992	1000000
मदन मोहनका, तेग इंडस्ट्रीज	1967	1,800,000
रघुनंदन जी. (सह-संस्थापक - टैक्सीफ़ॉरश्योर)	2007	10,000,000
दीपक गुप्ता	1985	650,000
		73,950,000
बैच समन्वय द्वारा समर्थित व्यक्तिगत योगदान		
अपूर्व शाह	1987	500,000
गिरीधर संजीवी	1987	500,000
माणेक एन. दारुवाला	1987	500,000
रूपम अस्थाना	1987	500,000
सुमित मल्होत्रा	1987	500,000
उमेश शाहरा (कुमाऊं प्रबंधन और सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट्स)	1987	500,000
गोपालकृष्णन शंकर	1987	600,000
अजय श्रीनिवासन और मोहीना श्रीनिवासन (खुराना)	1987	700,000
जी.एस. सुंदरराजन	1987	1000000
सुब्रमण्यम नारायणन	1987	1000000
प्रभात अग्रवाल	1991	500,000
किरण कुमार	1991	600,000
अजय टंडन	1992	500,000
अंबाती वेणु	1992	500,000
जयदीप लक्ष्मीनारायणन	1992	500,000
मनीष कोठारी	1992	500,000
राजू शुक्ला	1992	500,000
रानोदेब राय (तुरिया द्वितीय)	1992	500,000
वरुण कपूर	1992	500,000
राजीव रैना	1992	500,024
कौशिक रॉयचौधरी	1992	660,000
अशोक वेमुरी	1992	678,000
दीप कालरा	1992	1000000
मोनिश के. ताहिलरमानी	1992	1000000
रिद्धि महेंद्र शाह	1992	1000000
संजीव छाबड़ा	1992	1000000
श्रीराम के. एस.	1992	1000000
चेतन शाह	1992	1,500,000
पुलक चंदन प्रसाद	1992	2,000,000
रिनो राज	1996	500,000
संजय कुमार गरोडिया	1996	500,000
शंकर वेंकटराव मरुवडा	1996	500,000
साई सुरेश जोशी	1996	600,000
ए.एन. शेषाद्री और श्रीदेवी रामास्वामी	2001	500,000
निखिल साहनी	2001	500,000
सिकोइया कैपिटल इंडिया एडवाइजर्स प्रा.लि. (श्री वी.टी. भारद्वाज द्वारा किए गए योगदान के समान)	2001	500,000
ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड (कर्मचारी उपहार मिलान कार्यक्रम : सिद्धार्थ नौटियाल)	2001	878,657
आनंद श्रीधरन	2001	10,00,000
वी.टी. भारद्वाज	2001	10,00,000
		27,716,681
कॉर्पोरेट्स के माध्यम से योगदान		
हुरिक्स सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड		1,000,000
इंडिया इन्फोलाइन फाइनेंस लिमिटेड		10,000,000
टीसीएस फाउंडेशन		50,000,000
रसेश कनकिया, कनकिया स्पेसेज रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड		1,350,000
एसएपी इंडिया		3,000,000
श्री रामकृष्ण ज्ञान फाउंडेशन		3,200,000
श्री रामकृष्ण ज्ञान फाउंडेशन		15,000,000
		83,550,000
कुल योग		**185,216,681**

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

वर्ष के दौरान निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिए गए :

मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार

प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मणियम (पीजीपी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में 50,000/- रुपए का यह पुरस्कार स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को दिया जाता है जिसने उस दीक्षांत समारोह में पीजीपी के स्नातक को पढ़ाया है। इस साल यह पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।

आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीएफ़ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार

यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किया गया है, जो पूर्वछात्रों द्वारा संचालित सैक्शन 25 कंपनी नाम से जाना जाता है। यह पुरस्कार दो संकाय सदस्यों को उनके निरंतर अनुसंधान योगदान और / या सबसे अलग प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए दिया जाता है। प्रोफ़ेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज प्रत्येक के लिए 2,00,000 रुपये का यह पुरस्कार दिया गया था।

फिलिप थॉमस मेमोरियल रणनीति-सार्वजनिक प्रणाली केस पुरस्कार

यह पुरस्कार प्रोफेसर ऋशिकेश टी. कृष्णन (एफ़पीएम 1996) द्वारा श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी-1966) की स्मृति में स्थापित किया गया है। प्रति वर्ष यह पुरस्कार रणनीति/व्यवसाय नीति तथा सार्वजनिक प्रणाली क्षेत्र के केस लेखक(कों) को दिया जाता है। इस वर्ष प्रत्येक को 25,000 रुपये का यह पुरस्कार प्रोफेसर जयंत आर. वर्मा और प्रोफेसर जोशी जेकब को दिया गया।

श्री जी. सी. मित्तल उद्यमशीलता सहायता

अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा स्थापित 2,00,000 रुपए की यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहकर अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। दीपक मोहन (पीजीपी-2017) ने 2,00,000 रुपये की यह सहायता पुरस्कार के रूप में प्राप्त की।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

यह श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित 50,000/- रुपए की राशि संस्थान के एक छात्र को छात्रकाल के दौरान खेल में सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचान दिलाने के लिए दी जाती है। शैलेश मोहन (2017) और रिनिथा ए. (2017) दोनों को प्रत्येक के लिए 25,000 रुपये की राशि उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार

श्री प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित यह 15,000/- रुपए की यह पुरस्कार राशि उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन करने वाले पीजीपी छात्र को प्रथम वर्ष समाप्त होने पर दी जाती है। यह पुरस्कार श्री सिद्धार्थ डागा को मिला।

श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी. के. रथ छात्रवृत्तियाँ

श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी.के. रथ, जो उच्चतर शिक्षा के अधिवक्ता थे उनकी स्मृति में श्री समीर भंडारी (पीजीपी 1989) द्वारा स्थापित यह छात्रवृत्ति पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए है। इस वर्ष श्री सम्यक डागा (पीजीपी-2017) को 1,00,000 रुपए की यह छात्रवृत्ति दी गई।

रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई है। श्री आशीष खुल्लर (पीजीपी-2017) ने 1,00,000 रुपये की इस छात्रवृत्ति को प्राप्त किया।

अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति पाँच वर्ष के लिए श्री अजय बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा स्थापित की गई है। श्री आकाश गुप्ता (पीजीपी 2017) ने 1,00,000 रुपये की इस छात्रवृत्ति को प्राप्त किया।

एसआरके पुरस्कार

यह पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। इस वर्ष प्रोफेसर सरल मुखर्जी को यह पुरस्कार प्रदान किया गया था।

मदन मोहनका अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार

यह संकाय पुरस्कार तेग इंडस्ट्रीज के श्री मदन मोहनका (पीजीपी-1967) द्वारा स्थापित किया गया है। प्रोफेसर अमित कर्णा इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।

स्मारिका वस्तुएँ

पूर्वछात्रों की स्मारिका वस्तुओं में टी-शर्ट्स, सिल्क टाई, वॉल हैंगिंग, ब्रास प्लेट, सुंदर डिज़ाइनर कॉफ़ी मग, चाय कप सेट, एलकेपी की सफेद धातु की रचना इत्यादि शामिल हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान, इन स्मारिका वस्तुओं की बिक्री से 2,50,000 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

शाखा सभा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान अहमदाबाद, मुंबई, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली, ओमान, पुणे, सिंगापुर, अमरीका और लंदन आदि स्थानों पर स्थित शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की।

इसके विवरण **परिशिष्ट-ठ** में दिए गए हैं।

संचार, जन संपर्क एवं डिजिटल विपणन

सामान्य बिन्दु

- आईआईएमए वेबसाइट : नई वेबसाइट (www.iima.ac.in) के उन्नयन के लिए आईटी विभाग को सहायता प्रदान की गई थी।
- दृश्य पहचान दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया और परिचालित किया गया।
- कर्मचारी, संकाय और छात्रों के लिए संचार नीति प्रसारित की गई है।
- विज्ञापन एजेंसियों की नियुक्ति में रचनात्मक एजेंसियों और फेलो कार्यक्रम कार्यालय के पैनल में कार्यकारी शिक्षा कार्यालय को सहायता दी गई।
- कार्यक्रमों, भर्ती और निविदा विज्ञापनों को जारी करने में कार्यकारी शिक्षा कार्यालय, कार्यक्रम कार्यालय और स्टाफ को सहायता दी गई।

मीडिया परिवर्धन

मीडिया संबंध गतिविधियों के हिस्से के रूप में, संचार कार्यालय निम्नलिखित के माध्यम से क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रसारण चैनलों के लिए विभिन्न संस्थागत घटनाओं और उपलब्धियों में संलग्न रहा और प्रसारित करता रहा :

- संस्थान में पैंतीस प्रेस विज्ञप्तियां और सोलह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किए गए थे। संस्थान को 89 विभिन्न अनन्य मीडिया चैनलों में दिखाया गया ।
- आईआईएमए ने एक मासिक ओपी-ईडी - 'आईआईएमए की दृष्टि से' - सुविधा के लिए मिन्ट के साथ सहयोग किया। वर्ष 2016-17 के लिए, 30 संकायों के लेख पहले ही प्रकाशित किए जा चुके हैं।
- संचार कार्यालय ने विभिन्न मीडिया प्रकाशनों के साथ पूरे वर्ष के दौरान संकाय, छात्र और पूर्वछात्रों के साक्षात्कार के साथ 50 से दौरान फिल्मी कहानियों में सहायता की और तैयार किया है।
- समाचारों को दैनिक आधार पर जोड़ा जाता है और आईआईएम अहमदाबाद की आधिकारिक वेबसाइट पर निम्न लिंक पर अपलोड किया जाता है : https://www.iima.ac.in/web/media/news

डिज़ाइन

संचार कार्यालय ने वर्ष के दौरान संस्थान के लिए विभिन्न प्रिंट, ई-ब्रोशर और सोशल मीडिया टेम्पलेट्स तैयार किए। इसमें कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, सम्मेलन, कार्यक्रम कार्यालय, वक्ता श्रृंखला, अनुसंधान संगोष्ठियाँ, विज्ञापन, ऑडियो-वीडियो संपादन आदि शामिल थे।

डिजिटल मार्केटिंग / सोशल मीडिया

आईआईएमए के आधिकारिक ट्विटर हेंडल, फेसबुक पेज, लिंक्डइन अकाउंट और यूट्यूब चैनल सभी सत्यापित किए गए हैं। आईआईएमए की फेसबुक की स्थिति में दुनिया के शीर्ष बिजनेस स्कूलों में क्रमांक 2 पर है। इससे पहले यह 57वें स्थान पर था। ट्विटर को वर्ष के दौरान उच्चतम ऑनलाइन संलग्नता संबंध प्राप्त हुआ। आईआईएमए के लिंक्डइन पेज को भारत के शीर्ष बिजनेस स्कूलों में क्रमांक 1 मिला है। इससे पहले यह 13वें स्थान पर था। एक आधिकारिक इन्स्टाग्राम चैनल की शुरूआत फरवरी 2017 में की गई थी। इस चैनल पर आईआईएमए में छात्रों के जीवन की घटनाओं और समारोहों का प्रदर्शन हो रहा है। दीक्षांत समारोह 2017 को यूट्यूब चैनल के माध्यम से लाइव दिखाया गया और 18,227 दर्शकों ने इसका लाभ लिया था। इस चैनल के 2,795 अनुमोदक हैं और 108,874 दर्शक हैं।

पॉडकास्ट

एक आधिकारिक पॉडकास्ट चैनल को फरवरी 2017 में लॉन्च किया गया था। इस चैनल में डिजिटल स्वरूपों में संकायों के दृष्टिकोण और उनके विचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस पॉडकास्ट चैनल के कुल श्रोता 8744 हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने इस पहल पर एक कहानी पेश की थी। (शीर्षक : आईआईएम अहमदाबाद देश का पहला बिजनेस स्कूल बना जो व्याख्यान को पॉडकास्ट करता है)

स्रोत :http://timesofindia.indiatimes.com/city/ahmedabad/iim-ahmedabad-becomes-1st-business-school-in-country-to-podcast-lectures/articleshow/56694388.cms

संचार कार्यालय ने कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, पीजीपी, ई-पीजीपी, सीएमएचएस, और पीजीपीएक्स जैसे विभिन्न कार्यक्रम कार्यालयों की सहायता के लिए अपने सोशल मीडिया चैनलों को स्थापित किया और जब भी जहाँ भी आवश्यक रहा, वहाँ प्रोन्नत किया।

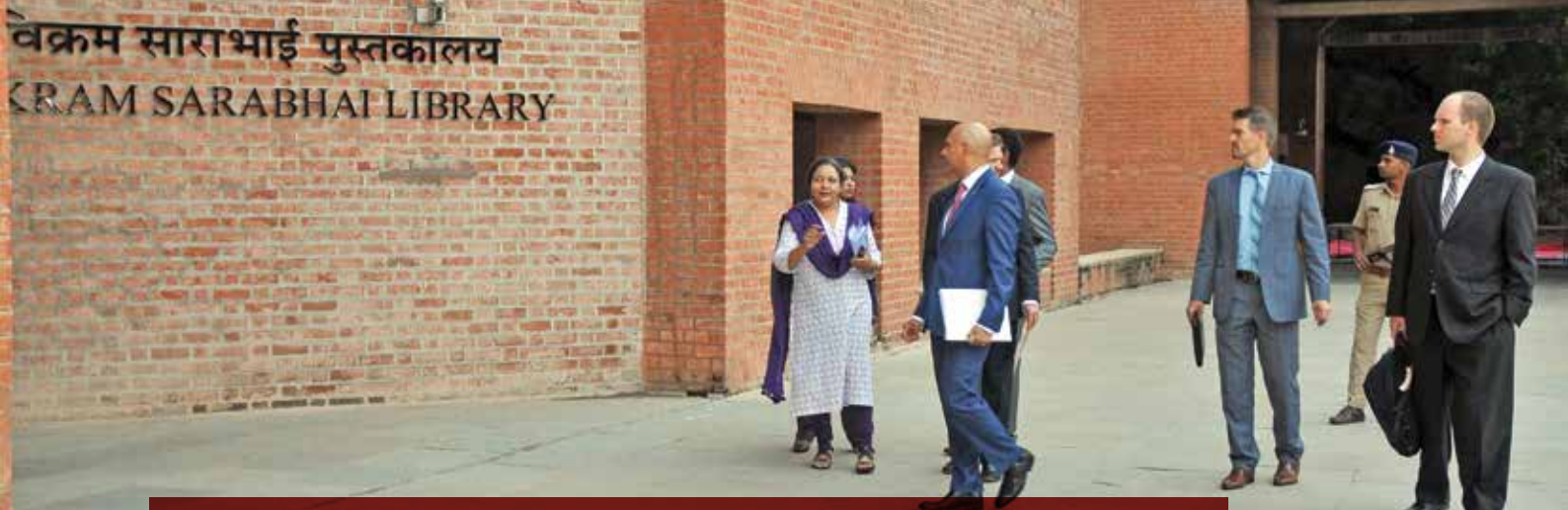

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

वर्ष के दौरान संस्थान ने रैंकिंग के लिए 16 राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों में भाग लिया। रैंकिंग के लिए संस्थान ने सभी प्रमुख और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखा। संस्थान की रैंकिंग में यह दर्शाती है कि कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता वाले हैं और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं।

एफ.टी. कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (मुक्त एवं अनुकूलित कार्यक्रम)

भारत का सबसे बड़ा कार्यकारी शिक्षा प्रदाता होने पर संस्थान को अत्यंत गौरव है क्योंकि यह विश्व स्तर पर शीर्ष 100 की सूची में आता है। फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (मुक्त कार्यक्रम) 2016 में संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 67वें स्थान पर रखा गया था। यह अंतर अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा में भी था, फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (अनुकूलित कार्यक्रम) 2016 में संस्थान 74वें स्थान पर रहा।

प्रबंधन में एफ़.टी. मास्टर्स रैंकिंग 2016

इस संस्थान को प्रबंधन में एफ. टी. (फाइनेंशियल टाइम्स) मास्टर्स रैंकिंग 2016 में वैश्विक रूप से समीक्षित 90 पूर्वानुभव एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में सोलहवें स्थान पर रखा गया था। पीजीपी को छह मानदंडों - 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)', 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)', 'तीन महीने में रोजगार', 'स्थानन सफलता', 'डॉक्टरेट संकाय', 'कंपनी इंटर्नशिप रैंक' के लिए पहला स्थान मिला जबकि 'कैरियर' में दूसरा स्थान मिला।

एफ.टी. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2017

पीजीपीएक्स शीर्ष 30 स्थानों में उभरा, और बी-स्कूलों की शीर्ष 100 की सूची में एफ.टी. (फाइनेंशियल टाइम्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2017 में 29वें स्थान पर रहा। संस्थान 'डॉक्टरेट संकायों' के मानदंडों में प्रथम स्थान पर रहा, जबकि पीजीपीएक्स 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)' और 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)' में दूसरे स्थान पर रहा और 'कैरियर प्रगति रैंक' में तीसरे स्थान पर रहा।

इकोनोमिस्ट रैंकिंग 2016

संस्थान पिछले सात वर्षों से इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग में स्थान हासिल करने वाला एकमात्र भारतीय बी-स्कूल है। संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम लगातार शीर्ष 100 की सूची में सूचीबद्ध रहा है और एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया 2016 क्षेत्रीय इकॉनोमिस्ट रैंकिंग में 7वें स्थान पर रहा।

संस्थान ने 'नियोक्ताओं की विविधता', 'स्नातक होने के बाद तीन महीनों के भीतर रोजगार प्राप्ति का प्रतिशत', 'कैरियर सेवा' में पहला स्थान हासिल किया 'कैरियर सेवा के माध्यम से रोजगार प्राप्ति का प्रतिशत' में दूसरे स्थान पर रहा।

एड्युनिवर्सल सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2016

पीजीपी-एफएबीएम को कृषि व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन में इस क्षेत्र के लिए वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों में एड्युनिवर्सल कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2016 में प्रथम स्थान दिया गया था। पीजीपी-एफ़एबीएम ने पिछले पाँच वर्षों में लगातार अपने शीर्ष स्थान को बरकरार रखा है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एनआईआरएफ और एआईएसएचई

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचएचआरडी) द्वारा उच्चतर शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के सातवें संस्करण में संस्थान ने भाग लिया। संस्थान शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए सूचित नीतिगत निर्णयों और अनुसंधान करने के लिए मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करता रहा है।

पूरे देश में संस्थानों को रैंक करने के लिए मंत्रालय ने 2015 में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एनआईआरएफ) का शुभारंभ किया था। संस्थान को पहले ही संस्करण में प्रबंधन (अनुसंधान और शिक्षण संस्थान) श्रेणी में दूसरा स्थान दिया गया था।

इसके विवरण **परिशिष्ट-ड** में दिए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता संस्थान की अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति के भाग के रूप में अपनाई जाती है और वैश्विक स्तर पर संस्थान के ब्रांड को मजबूत करने के लिए संस्थान द्वारा समय-समय पर विस्तृत और गहन मान्यता प्रक्रियाएं शुरू की जाती हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षा प्रदान करने में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा किया गया है।

इक्विस पुनःमान्यता

संस्थान को वर्ष 2015 में अगले पाँच वर्षों के लिए प्रबंधन विकास के लिए यूरोपीय फाउंडेशन द्वारा फिर से मान्यता प्राप्त हुई थी। यह संस्थान पाँच साल के लिए मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का पहला प्रबंधन स्कूल था, यह अधिकतम अवधि है, जिसके लिए ईक्विस एक संस्थान को मान्यता देता है। इससे पहले वर्ष 2008 में, आईआईएमए भारत का पहला बिजनेस स्कूल था जिसने एक्विस मान्यता हासिल की थी।

एएसीएसबी मान्यता

संस्थान एएसीएसबी (एड्वान्स्ड् कॉलेजिएट बिज़नेस एक्रेडिटेशन स्कूल एसोसिएशन) की मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

वैश्विक भागीदारी

संस्थान ने शैक्षणिक सहयोग को मजबूती प्रदान करने तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में प्रतिष्ठित विदेशी व्यवसाय-स्कूलों और संस्थानों के साथ सुगम संवाद बनाना जारी रखा। वर्ष के दौरान, संस्थान ने सभी कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता को बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित विदेशी बी-स्कूलों/ विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की थी। निम्नलिखित के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए :

- वैश्विक व्यवसाय नवप्रवर्तन के लिए कार्यकारी एमबीए कंसोर्टियम।
- फंडागलो गेटुलियो वर्गास एफजीवी / ईएईएसपी, ब्राजील
- बिजनेस कॉलेज, फ्लोरिडा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, मियामी, फ्लोरिडा, यूएसए
- ओटागो विश्वविद्यालय, डुनेडिन न्यूजीलैंड

अपने सरकारी अधिकारियों की क्षमता निर्माण के क्षेत्र में नामीबिया गणराज्य की सरकार का समर्थन बढ़ाने के लिए संस्थान ने नामीबिया लोक प्रशासन और प्रबंधन संस्थान के साथ एक समझौता किया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ने के लिए संस्थान का बड़ा उद्देश्य केवल अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करना नहीं है, बल्कि नए भौगोलिक, नए लाभार्थियों, बेहतर पहुंच और उभरते हुए क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने, समृद्ध बनाने और उन प्रयासों का स्वागत करना भी है। इस संदर्भ में, सहयोग के नए क्षेत्रों को अपनाया गया और इस वर्ष के दौरान प्रस्ताव की समीक्षा की गई। किए गए कुछ संवादों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- 30 मई, 2016 को कनाडियन विश्वविद्यालयों के और आईआईएमए के संकायों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को तेज करने के लिए प्रोफेसर गिरीश एम. शाह-प्रमुख, शास्त्री इंडो-कैनेडियन संस्थान, कनाडा और प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक के बीच चर्चा हुई।
- प्रोफेसर जेनिफर ग्रैफ्टन, एसोसिएट डीन (वैश्विक जुड़ाव), श्री क्रिस पार्क्स, प्रबंधक, विपणन और संचार, व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र के संकाय के बीच संयुक्त संकाय अनुसंधान और विनिमय को प्रोत्साहित करने के लिए 30 अगस्त 2016 को बैठक की गई थी जिसमें, ऑस्ट्रेलिया-भारत संस्थान के उप निदेशक श्री विनोद मीरचंदानी, और प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, और प्रोफेसर शैलेश गाँधी, डीन (कार्यक्रम), प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा, डीन (संकाय), प्रोफेसर राकेश बसंत, भावी डीन (पूर्वछात्र और बाहरी संबंध), प्रोफेसर अरविंद सहाय, पद-मुक्त होने वाले डीन(पूर्वछात्र और बाह्य संबंध), प्रोफेसर देबजित रॉय, खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा, अंतर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय समन्वयक, और प्रोफेसर आशीष जलटे परमार उपस्थित रहे थे।
- 10 नवंबर 2016 को डॉ. जमाल ओयुनेचेस, एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल युनिवर्सिटी, यूके से प्रबंधन विज्ञान के प्रोफेसर और प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्व छात्र और बाह्य संबंध), प्रोफेसर सचिन जायसवाल, प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन, और प्रोफेसर नीरव नागर सहित सहयोगी अनुसंधान पर चर्चा करने के लिए अनुसंधानात्मक बैठक। इसके बाद, एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल (यूईबीएस) विश्वविद्यालय के डॉ. विंस्टन क्वोन ने वीडियों द्वारा 19 जनवरी 2017 को प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्व छात्र और विदेश संबंध), और सीआईआईई के अध्यक्ष प्रोफेसर अमित कर्ण के साथ चर्चा में आगे की बातचीत की।
- केस विकास के क्षेत्र में जोर देने के साथ, संस्थागत संबंधों का पता लगाने के लिए श्री आर. मार्क जॉनसन, ग्लोबल अफेयर्स के कार्यकारी निदेशक, कार्यकारी निदेशक-ग्लोबल इनिशिएटिव्स का डार्डन सेंटर, डार्डन बिजनेस स्कूल-वर्जीनिया युनिवर्सिटी और प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्व छात्र और बाह्य संबंध), प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल-अध्यक्ष, केस केंद्र और प्रोफेसर पीयूष कुमार सिन्हा, संकाय समन्वयक, छात्र विनिमय कार्यक्रम, के बीच 2 फरवरी, 2017 को विस्तृत चर्चा हुई थी।

बाह्य संलग्नता

संस्थान ने वर्ष के दौरान विदेशी संस्थानों / अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के 21 उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी की और परामर्श में संलग्न रहे और बाहरी देशों के साथ भारत के चल रहे द्विपक्षीय संबंधों का समर्थन करने के लिए बातचीत की। उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने में कुछ महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडलों में निम्नलिखित शामिल हैं :

उच्च आयोग / वाणिज्य दूतावास / राजदूत

महामहिम मिर्जोशिफ ए. जलोलोव, ताजिकिस्तान गणराज्य के राजदूत, के साथ मिलेनियम एरो डाइमनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मिलन आर. जताकिया, कमांडर प्रदीप दीक्षित-निदेशक-कॉरपोरेट एवं एचआर, मिलेनियम एरो डाइनेमिक्स प्रा.लि. और श्री विशाल शाह, कार्यकारी सलाहकार, मिलेनियम एयरो डाइमनिक्स प्राइवेट लिमिटेड।

श्री सोरेन पिंड, उच्च शिक्षा एवं विज्ञान मंत्री, डेनमार्क, के साथ श्री सुने अस्त्रप क्रिस्टियानसन-मंत्री के निजी सचिव, श्री मार्टिन रूबी, मंत्री के विशेष सलाहकार, सुश्री गित्ते एगरस-डिपार्टमेंट के प्रमुख, नई दिल्ली में डेनमार्क दूतावास, श्री पीटर टक्सो-जेन्सेन, भारत में डेनमार्क के राजदूत और श्री सुन कौर-पेडेर्सन, काउंसेलर, इनोवेशन एवं रिसर्च।

डॉ. टी. सुरेश बाबू, मंगोलिया में भारत के राजदूत, के साथ डॉ. केतन शुक्ला, बोत्सवाना में भारत के उच्चायुक्त, श्री अशोक कुमार शर्मा, फिनलैंड में भारत के राजदूत, सुश्री शम्मा जैन, पनामा में भारत के राजदूत और श्री संदीप आर्य, तंजानिया के लिए भारत के उच्चायुक्त।

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त श्री नादिर पटेल के साथ, जॉर्डन रीव्स, कनाडा के कॉन्सल जनरल, श्री जीना जॉर्ज, व्यापार सहायक / शिक्षा, श्री जोकीम रोचा, व्यापार आयुक्त, श्री लियोनार्ड रील, कॉन्सल, राजनीतिक, आर्थिक एवं सार्वजनिक मामले और मैट फ्रिसन, काउंसेलर, वकालत।

सर डोमिनिक एस्क्विट, भारत के ब्रिटिश के उच्चायुक्त के साथ ज्योफ वैन, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गुजरात, सुश्री नंदीता राजपूत, व्यापार और निवेश सलाहकार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग, ब्रिटिश उप उच्चायोग।

श्री थॉमस वाजदा, कॉन्सल जनरल, यूएस कॉन्सुलेट, मुंबई के

आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा से भारत में कनाडा के उच्चायुक्त श्री नादिर पटेल से स्मृति चिह्न ग्रहण करते हुए

आईआईएमए में डेनमार्क के उच्च शिक्षा एवं विज्ञान मंत्री श्री सोरेन पिंड प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध) के साथ

आईआईएमए में ताजिकिस्तान गणराज्य के राजदूत महामहिम मिर्जोशिफ ए. जलोलोव प्रोफेसर शैलेष गाँधी, डीन (कार्यक्रम) के साथ

सर डोमिनिक एस्क्विट, भारत में ब्रिटिश के उच्चायुक्त के साथ आईआईएमए के प्रोफेसर शैलेष गाँधी, डीन (कार्यक्रम) का एक संवाद

श्री थॉमस बाजदा, कॉन्सल जनरल, यू. एस. कॉन्सुलेट मुंबई. आईआईएमए के डीन (संकाय) प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा से स्मृति चिह्न ग्रहण करते हुए

साथ, श्री ग्रेगरी टेव्स, प्रिंसिपल कमर्शियल ऑफिसर, यू.एस. कमर्शियल सर्विस, मुंबई, श्री माइकल इवांस, कॉन्सलर चीफ, श्री जेफरी पारीश, कमर्शियल ऑफिसर, यू.एस. वाणिज्यिक सेवा, मुंबई, सुश्री अमांडा टॉलफ़ासन, वाइस कॉन्सल, अमेरिकी नागरिक सेवा, मुंबई और सुश्री संगीता तनेजा, वाणिज्यिक विशेषज्ञ और कार्यालय निदेशक, यू.एस. वाणिज्यिक सेवा, अहमदाबाद।

- अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सांस्कृतिक मामलों के अधिकारी श्री जेम्स फेनेल के साथ, सुश्री सुष्मा कर्णिक, अमेरिकी पुस्तकालय की निदेशक।

विदेशी संस्थानों के प्रतिनिधिगण

- सुश्री लिन तूहे, क्रॉफर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के उप प्रबंधक, ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, 14 अप्रैल 2016 को।
- प्रोफेसर एडम हबीब, माननीय कुलपति के साथ प्रोफेसर इयान जांड्रेल, इंजीनियरिंग और निर्मित पर्यावरण के डीन, प्रोफेसर इमरान वालोडिया, वाणिज्य, कानून और प्रबंधन के डीन, प्रोफेसर मार्टिन वेल्लर, स्वास्थ्य विज्ञान के डीन, प्रोफेसर दिलीप मेनन, अफ्रीका में भारतीय अध्ययन केंद्र के निदेशक, सुश्री कनिना फोस-विटवाटरसंद विश्वविद्यालय के कुलपति के मुख्य कार्मिक, जोहान्सबर्ग 16 अप्रैल 2016 को।
- 6 सितंबर 2016 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय-नेपाल के सहायक कैंपस चीफ, श्री बिनोद धुंगाना, 12 अन्य लोगों के साथ।

विशिष्ट आगंतुक

- संस्थान ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित विशिष्ट आगंतुकों का स्वागत किया :
- 21 जुलाई 2016 को श्री नंदन नीलेकणी - अध्यक्ष, एकस्टेप और भारत के विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष।
- 18 अगस्त, 2016 को राष्ट्रीय नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगडिया।
- 16 सितंबर, 2016 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर।
- 9 दिसंबर, 2016 को डॉ. रघुराम राजन, शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिज़नेस विश्वविद्यालय में वित्त के लिए विशिष्ट सेवा प्रोफेसर।
- 23 दिसंबर, 2016 को शासक मंडल के अध्यक्ष, श्री कुमार मंगलम बिड़ला।
- 1 जनवरी 2017 को लेफ्टिनेंट जनरल निर्भय शर्मा, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त), मिजोरम के माननीय गवर्नर।
- 11 जनवरी 2017 को डॉ. जॉन सी. मार्टिन, गिलियड साइंस के कार्यकारी अध्यक्ष।
- 24 फरवरी, 2017 को भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अरविंद सुब्रमण्यम।
- 10 मार्च 2017 को भारतीय अर्थशास्त्री, भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व-गवर्नर और आईआईएमए के पूर्व संकाय प्रोफेसर सी. रंगराजन।

आईआईएमए के डीन (संकाय) प्रोफेसर एर्रोल डिसूज़ा, विटवाटरसंद विश्वविद्यालय, जोहन्सबर्ग, दक्षिण अफ्रिका के कुलपति प्रोफेसर एडम हनीन के साथ वार्ता करते हुए

16 सितंबर 2016 को भारत सरकार के केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर

21 जुलाई 2016 को श्री नंदन नीलेकणी की वार्ता

24 फरवरी 2017 को भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अरविंद सुब्रमण्यम का दौरा

- 10 मार्च 2017 को श्री सी.पी. गुरनानी आईआईएम, नागपुर के शासक मंडल के अध्यक्ष और टेक महिंद्रा, पुणे के मुख्य प्रबंधक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
- 16 मार्च, 2017 को डॉ. असगर हसन सामून, आईएएस, आयुक्त / सचिव उच्च शिक्षा, जम्मू और कश्मीर।

सामुदायिक पहुँच

हाई स्कूल बच्चों के लिए आईआईएमए में ओपन डे

20 नवंबर, 2016 को संस्थान ने हाई स्कूल के बच्चों के लिए ओपन डे के तीसरे संस्करण का आयोजन किया और स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने का काम किया। अहमदाबाद के विभिन्न स्कूलों के 550 से अधिक हाई स्कूल के बच्चों ने इस कार्यक्रम का लाभ लिया। एक समानांतर ट्रैक में, छात्रों के साथ आने वाले हाई स्कूल के शिक्षकों ने प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन-पूर्व छात्र एवं बाहरी संबंध के साथ एक खुले मंच पर चर्चा में भाग लिया, और टीम के सदस्यों में स्माइल केंद्र और शिक्षा का अधिकार केंद्र के सदस्य शामिल थे।

अध्ययन दौरे

हर साल संस्थान परिसर के पर्यटन और अध्ययन यात्राओं के लिए आगंतुकों को सक्षम बनाता है। इससे उन्हें संस्थान की गतिविधियों के बारे में व्यापक समझ मिलती है और वे इसके स्थापत्य स्मारक की सराहना करते हैं। वर्ष 2016-17 में संस्थान में करीब 8100

स्कूली बच्चों के लिए आईआईएमए में तीसरे ओपन डे में 550 से अधिक छात्र

आगंतुकों ने दौरा किया, जिनमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी और कॉर्पोरेट क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, सशस्त्र बलों, व्यवसायियों और छात्रों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र

- बीएमएस इंजीनियरिंग महाविद्यालय, बेंगलुरु
- एमिटी आर्किटेक्चर एवं प्लानिंग स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- मराठवाड़ा टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, आर्किटेक्चर कॉलेज, औरंगाबाद
- डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्किटेक्चर कॉलेज, पुणे
- एल. एस. राहेजा आर्किटेक्चर स्कूल, मुंबई
- मीनाक्षी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
- गुवाहाटी आर्किटेक्चर कॉलेज, गुवाहाटी
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
- बिडला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची
- गोवा आर्किटेक्चर कॉलेज, पंजीम
- अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई

प्रबंधन और वाणिज्य छात्र

- गुरु नानक खालसा कॉलेज, मुम्बई
- डॉ. नारायण ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट इंस्टीट्यूशंस, हैदराबाद
- आर.जे. टीबरेवाल कॉमर्स कॉलेज, अहमदाबाद
- एसएएसएमआईआरए प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान संस्थान, मुंबई
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कृषि और ग्रामीण प्रबंधन विभाग, कोयम्बटूर
- गरवारे कॉमर्स कॉलेज, पुणे

अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम छात्र

- पश्चिमी भारत चार्टर्ड एकाउंटेंट छात्र संघ, अहमदाबाद
- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, अहमदाबाद शाखा
- भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गाँधीनगर
- एल. जे. लॉ स्कूल, अहमदाबाद
- समुद्री प्रबंधन स्कूल, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई
- अपोलो नर्सिंग संस्थान, गाँधीनगर

अंतर्राष्ट्रीय छात्र

- उमेया स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, स्वीडन
- मोरातुवा विश्वविद्यालय, श्रीलंका
- शाहजलाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिलहट, बांग्लादेश
- कोलंबिया विश्वविद्यालय, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड प्रीजर्वेशन, न्यूयॉर्क
- वियना तकनीकी विश्वविद्यालय
- बांग्लादेश इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश
- ओटावा कार्लेटन विश्वविद्यालय, कनाडा
- आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइन स्कूल, सिनसिन्नाती विश्वविद्यालय, यूएसए
- मेलबोर्न डिजाइन स्कूल, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया
- बार्टलेट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन
- वेस्टमिंस्टर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर युनिवर्सिटी, लंदन
- मलाया विश्वविद्यालय, कुआला लंपुर
- वास्तुकला विभाग, मिंग चुआन विश्वविद्यालय, ताइवान

सहायता अनुदान

वर्ष 2016-17 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

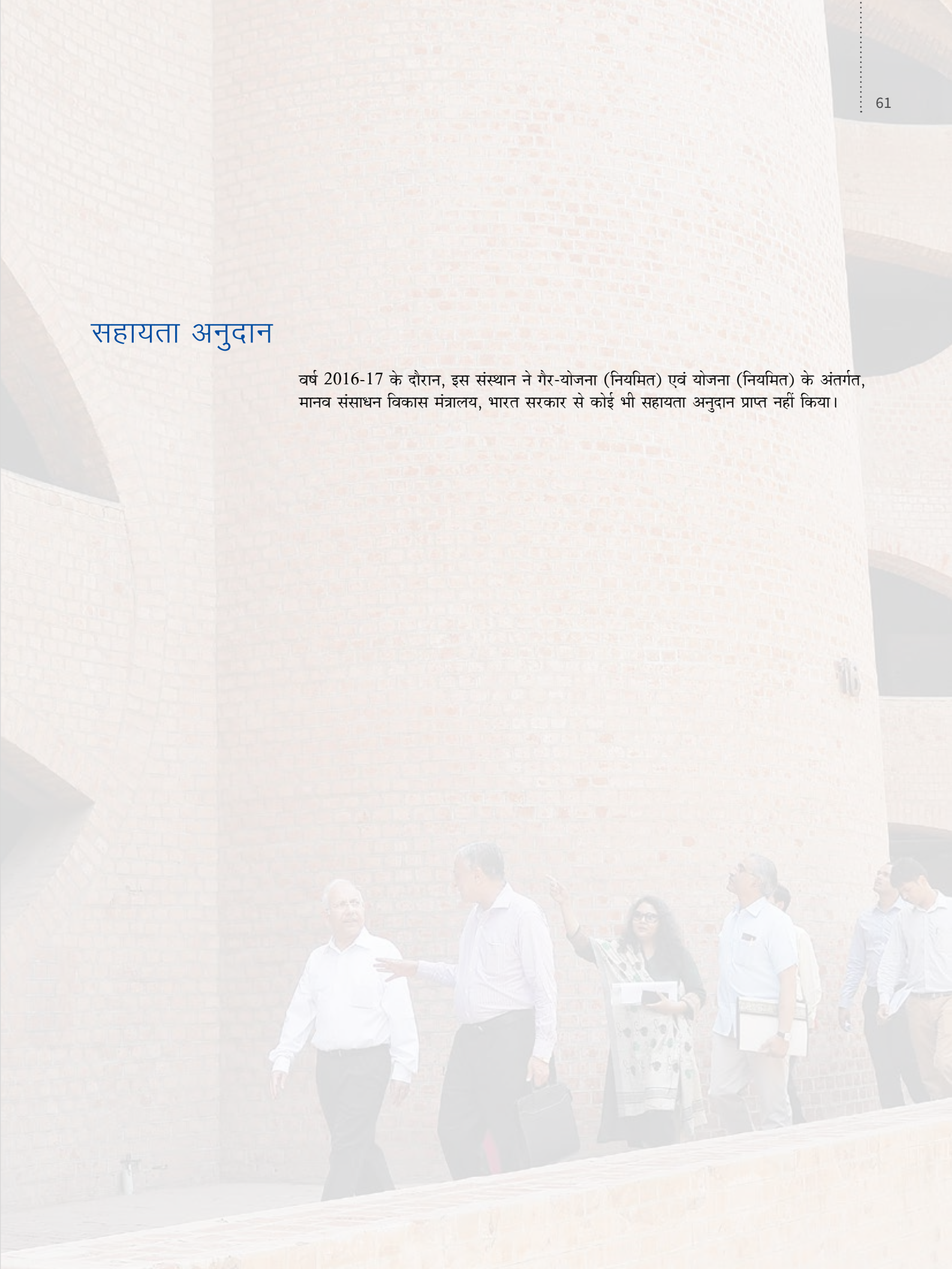

बुनियादी ढाँचे का विकास

वर्ष के दौरान, संस्थान ने बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए त्रि-आयामी रणनीति : मौजूदा बुनियादी ढाँचे का उन्नयन, लुइस काह्न की इमारतों का संरक्षण और मरम्मत, और बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिए नए निर्माण का पालन किया है।

उन्नयन के तहत दो संगोष्ठी कक्षों और पी.पी. गुप्ता ऑडिटोरियम को 2016 में उन्नत किया गया। प्रशिक्षक इन समतल कक्षाओं में अध्यापन कराने में असहज थे। इसलिए, उन्हें 60 बैठकों वाले थिएटर स्टाइल कक्षाओं में बदल दिया गया। इंटीरियर को दोबारा बनाया गया था, उन्नत ऑडियो-वजिुअल सिस्टम स्थापित किया गया था और नया एसी सिस्टम लगाया गया था।

पी.पी. गुप्ता सभागार के इंटीरियर को दोबारा बदल दिया गया और उन्नत ऑडियो विजुअल सिस्टम स्थापित किया गया। सभागार के उन्नयन के लिए वित्त पोषण श्री पी.पी. गुप्ता, पीजीपी-1974 की तरफ से प्राप्त हुआ था।

लुइस काह्न की इमारतों के संरक्षण और मरम्मत के तहत, डी-15 और विक्रम साराभाई पुस्तकालय का काम जुलाई 2016 में शुरू हुआ।

निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए प्रतिष्ठित आर्किटेक्टों को आशय पत्र जारी किए गए :

नए परिसर में अकादमिक ब्लॉक	:	एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन
नए परिसर में खेल संकुल	:	एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन
मुख्य परिसर में संकाय आवास	:	एआरसीओपी
मुख्य परिसर में कर्मचारी आवास	:	एआरसीओपी
नए परिसर में छात्रावास	:	एआरसीओपी
नए परिसर में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	:	आरएमए आर्किटेक्ट्स

डिजाइनों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मास्टर आर्किटेक्ट, एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन ने परिसर के लिए 25 वर्षीय मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिया है।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान में सरकार की राजभाषा नीतियों की अनुपालना के लिए अलग से हिंदी विभाग कार्यरत है। वर्ष के दौरान, राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए और सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए अथक प्रयास किये गए तथा इस संबंध में समय-समय पर राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए आदेशों / निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया।

संस्थान में राजभाषा को आगे बढ़ाने और इसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए, निदेशक की अध्यक्षता में चार राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं। इसके परिणामस्वरूप संस्थान को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2015-16 के लिए राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया है।

संस्थान ने 14 सितंबर से 28 सितंबर 2016 के दौरान राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस समारोह का उद्घाटन 14 सितंबर, 2016 को हिंदी दिवस समारोह के साथ किया गया। इस 'हिंदी पखवाड़े' के दौरान हिंदी निबंध, हिंदी कविता पठन, हिंदी शब्द-ज्ञान, हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता, हिंदी अंताक्षरी, और हिंदी सुलेख जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक हिंदी-भाषी और हिंदीतर कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। समापन समारोह के दिन, प्रोफेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्व छात्र और बाहरी संबंध) द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी 21 सितंबर, 2016 को आयोजित की गई थी। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री और माननीय गृह मंत्री से प्राप्त संदेशों की प्रतियाँ सभी नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित की गई थी।

वर्ष के दौरान, तीन हिंदी कार्यशालाएँ मसौदा लेखन और टिप्पण पर तथा एक हिंदी कार्यशाल कंप्यूटर में हिंदी सॉफ्टवेयर के कामकाजी ज्ञान देने के लिए आयोजित की गई, इनमें कुल 56 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान देने के लिए हिंदी के प्रसिद्ध वक्ताओं को बुलाया गया था।

संस्थान की हिंदी गृह-पत्रिका प्रतिबिंब के छठे अंक का प्रकाशन जनवरी 2017 में किया गया और इसे सभी आईआईएमों, आईआईटीयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी मंडली के सदस्यों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) के सभी 130 सदस्यों को भेजा गया।

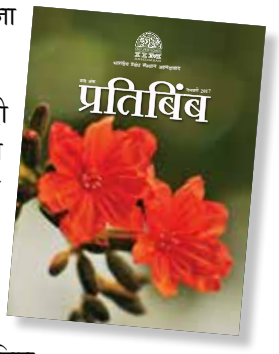

संस्थान में 23 सितंबर 2016 को हिंदी कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। इस कवि सम्मेलन में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध हिंदी कवि उपस्थित रहे थे।

वर्ष के दौरान, हिंदी प्रशिक्षण केंद्र-अहमदाबाद की मदद से कर्मचारी सदस्यों के लिए हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो सीधे गृह मंत्रालय द्वारा संचालित होता है। संस्थान ने सभी हिंदी प्रशिक्षण परीक्षाओं के लिए अहमदाबाद के इस हिंदी प्रशिक्षण केंद्र को परीक्षा केन्द्र की सुविधा प्रदान की है। यह संस्थान उन सभी विदेशी छात्रों को भी हिंदी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जो दिन-प्रतिदिन के संचार के लिए हिंदी सीखने में रुचि रखते हैं। यह प्रशिक्षण दो बैचों में आयोजित किया गया था और लगभग 42 विदेशी छात्रों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

कार्मिक

वर्ष 2016-17 के दौरान, छह संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। छह संकाय सदस्यों ने त्यागपत्र दिया और एक संकाय सदस्य का कार्यकाल पूर्ण हो गया। पच्चीस कर्मचारियों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। पाँच कर्मचारियों ने त्यागपत्र दिया और दो कर्मचारियों का कार्यकाल पूर्ण हो गया। तीन संकाय सदस्यों और सोलह कर्मचारी सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति हुए।

दस संकाय सदस्यों को अनुपस्थिति छुट्टी के लिए मंजूरी दी गई थी और चार संकाय सदस्य अनुपस्थिति छुट्टी की समाप्त होने पर फिर से संस्थान में शामिल हुए।

कर्मचारियों की संख्या के विवरण **परिशिष्ट-ढ7** में दिए गए हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ने के लिए कई कर्मचारी सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा। वर्ष के दौरान, अधिकारियों सहित 78 कर्मचारियों को अहमदाबाद प्रबंधन एसोसिएशन और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया था। सातवें वेतन आयोग और इससे संबंधित मामलों पर आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 01 और 022 मार्च 2017 को एकीकृत प्रशिक्षण और नीति अनुसंधान (आईट ीपीआर), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें आईआईएमए के 17 कर्मचारियों और गुजरात के अन्य संस्थानों के 15 कर्मचारियों ने भाग लिया। आईआईएमए के कर्मचारियों के लिए 18 और 19 मार्च 2017 को कंप्यूटर कौशलों में अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए एमएस एक्सेल पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कर्मचारियों को पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान, दो संकाय सदस्यों - प्रोफेसर राजीव शर्मा और प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा के साथ एक कर्मचारी श्री प्रदोष वी. थिया को 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार श्री कमलेश एस. जोशी, श्री रणजीत सिंह बी. चावडा, श्री रसिक यू. पाटडिया, श्री बाबूभाई एम. गोहेल, श्री डी.ए. पाटिल, श्री दिनेशभाई बी. श्रीमाली, श्री नागजी एस. परमार, श्री ई.वी. नारायणन, श्री ए. गोपालकृष्णन, श्री बुरहानुल्ला एस. कादरी, श्री भरत आर. मकवाना, श्री वी.एस. रविकुमार, श्री मगन बी. पटेल, श्री एस. एस. सोलंकी, श्री एन. गोपालकृष्णन पिल्लई, श्री दीपक बंदोपाध्याय, श्री दूधनाथ आर. कोरी और सुश्री के.के. जंसारी को सेवानिवृत्त होन पर दिया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, वर्ष के दौरान 217 आरटीआई आवेदन और 29 प्रथम अपीलें प्राप्त हुई थी और इनके जवाब दिए गए।

कर्मचारियों के विवरण **परिशिष्ट-ढ** में दिए गए हैं।

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस

वर्ष 2016-17 में समुदाय के भीतर और परिसर के बाहर गणित / पहेलियाँ और विश्लेषिकी में रुचि बढ़ाने के लिए नई पहलें देखी गई।

वर्ष की शुरूआत, नटक्रैकर के साथ हुई, जो पीजीपी-1 के लिए वार्षिक प्रमुख पहेली प्रतियोगिता है, जिसमें 3 घंटे में पहेली हल करना होता है। एबेकस ने नॉटिलस का आयोजन किया, जो कि राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन ट्रेजर हंट प्रतियोगिता है जिसमें देशभर से करीब 1000 लोगों की भागीदारी देखी गई। एबेकस नाइट्स के दो एपिसोड, पहेली हल करने वाले तीन घंटे का मैराथन आयोजित किया गया था। परिसर के भीतर लोगों में रुचि पैदा करने के लिए पूरे वर्ष में एक ऑनलाइन द्वि-मासिक प्रश्नोत्तरी श्रृंखला माइंडबेंड के नौ एपिसोड आयोजित किए गए थे। एबेकस ने पोकर टूर्नामेंट कैसीनो रोयाल का भी आयोजन किया, जो कैओस 2017 और अड्डा52.कॉम के सहयोग से किया गया और इसमें देशभर से 100 से अधिक लोगों की भागीदारी देखी गई।

विश्लेषिकी मोर्चे पर, एबेकस ने 'ब्रेकिंग द मॉडलिंग टेबू' लॉन्च किया, जो एनालिटिक्स केसों को सुलझाने के लिए व्यवस्थित प्रक्रिया के साथ कई लेखों की एक श्रृंखला थी। एबेकस ने 'एबेकस ब्लॉग' का शुभारंभ किया, जो क्वांट और एनालिटिक्स के क्षेत्र में लेखों वाला एक ब्लॉग है।

एबेकस ने उपचारात्मक सत्र और पी.एस. और डी.ए. पाठ्यक्रमों के लिए स्पष्टीकरण सत्रों का आयोजन किया। क्वांट भूमिकाओं में नियुक्तियों के दौरान एबेकस ने पीजीपी-1 की सहायता के लिए 'दिवस की मुख्य पहेली' की पहल की। पिछले बैच के साक्षात्कार अनुभवों के आधार पर पहेली डेटाबेस 'टेसरेक्ट' को नई पहेलियों के साथ अपडेट किया गया था।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद संस्थान में सभी शैक्षणिक गतिविधियों की केंद्र बिन्दु है। यह परिषद छात्रों और संकाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है, यह छात्र के मामलों को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करती है और शैक्षणिक नीति निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेती है। परिषद ने पीजीपी पाठ्यक्रम की समीक्षा प्रक्रिया में एक सक्रिय भूमिका निभाई है जो हर पाँच साल में एक बार की जाती है।

शैक्षणिक परिषद द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले प्रमुख प्रयासों में से एक के तहत प्रक्रिया-दस्तावेज पोर्टल का उन्नयन किया गया और इसके लोड की क्षमता को बढ़ाकर 400 छात्रों तक कर दिया गया। इस संघर्ष-पत्र को बनाने की प्रक्रिया को बग-मुक्त अनुभव सुनिश्चित करते हुए सिद्ध किया गया था। परिषद ने एक्सेल फाइलें उपलब्ध कराई हैं ताकि छात्रों को प्राप्त विभिन्न ग्रेड के अपने सीजीपीए की गिनती में मदद हो सके। जब तक पीजीपी कार्यालय द्वारा आधिकारिक रैंकों की घोषणा नहीं की जाती, तब तक छात्रों के लाभ के लिए अनुमानित रैंक को प्रोजेक्ट करने के लिए संशोधित किया गया।

संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम फीडबैक को भरने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, परिषद ने एक पुरस्कार के रूप में बोली-अंक देने की प्रणाली शुरू की। इसके अलावा, परिषद ने प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों के उपचारात्मक सत्रों को व्यवस्थित करके सहायता प्रदान की, जहाँ वे मित्रों द्वारा अपने संकल्पनात्मक संदेह का समाधान कर सकें। उपचारात्मक सत्रों ने बैच की परीक्षाओं की जाँच और प्रश्नोत्तरी में सफलतापूर्वक मदद की। अधिक सुविधा देने की प्रक्रिया में इन सत्रों की वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की गई।

शैक्षणिक परिषद ने बहुत सी पहलों पर काम शुरू कर दिया है जिनका फल निकट भविष्य में मिलेगा। प्रतीक्षासूची प्रवृत्ति के माध्यम से पूरे पाठ्यक्रम के आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन ली जाने की योजना बनाई गई है। एक पोर्टल जहाँ छात्र प्रश्नोत्तरी और परीक्षाओं की प्रतिलिपि जमा कर सकते हैं, इसकी स्थापना पर काम शुरू हो गया है और इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है। यह उम्मीद है कि प्रणाली के विस्तार के बाद, लिखी हुई प्रतियों के संकल्प को भी ऑनलाइन किया जाएगा। एक नया पाठ्यक्रम समीक्षा मंच प्रगति पर है, जो कि पीजीपी-2 के

छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की सामग्री और प्रकृति के बारे में सूचित विकल्प बनाने में मदद करेगा। पहले से ही उपलब्ध मूडल के प्लेटफॉर्म के माध्यम से, स्वीकार्यता के लिए बैच में शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक नया अनाम चर्चा मंच प्रस्तुत किया जा रहा है।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ

इस अनुच्छेद में पूर्वछात्र प्रकोष्ठ द्वारा की गई गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। छह पूर्वछात्र पुनर्मिलन आयोजित किए गए : 5-वर्ष, 10-वर्ष, 15-वर्ष, 20-वर्ष, 25-वर्ष, 30-वर्षीय पुनर्मिलन कार्यक्रम। वार्षिक छात्र - पूर्वछात्र बैठक - सिंक्रॉनी 12 शहरों में आयोजित की गई, जिसमें तीन अंतर्राष्ट्रीय शहर - लंदन, दुबई, सिंगापुर शामिल थे। परिसर में कई वक्ता सत्र सीधे या अन्य क्लबों के के माध्यम से अपने प्रयासों की सहायता आयोजित किए गए थे। ए-लीग वेबसाइट के पोर्टल को ए-लीग क्षेत्र में 14 संस्थानों को एक साथ लाने के लिए बनाया गया था। परिसर के समारोहों और पूर्वछात्रों की घटनाओं के समाचारों को लेकर प्रकोष्ठ ने मासिक न्यूज़लेटर टाइडिंग्स का प्रकाशन शुरू किया। परिसर में समुदाय में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए पूर्वछात्र-आधारित मासिक क्विज़ भी आयोजित की गई।

अमेथॉन

वर्ष 2005 में इसकी स्थापना के बाद से ही, एशिया के सबसे बड़े खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय शिखर सम्मेलन अमेथॉन को उद्योगों के हितधारकों द्वारा काफी सराहा जाता रहा है। वर्ष 2017 के संस्करण में 30,000 से अधिक की संख्या में लोगों को देखा गया, जो 6 से 8 जनवरी के दौरान आयोजित किया गया था। खाद्य, कृषि-व्यवसाय और ग्रामीण व्यापार क्षेत्रों में अवसरों और चुनौतियों को समझने के लिए छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग सहभागियों के बीच बातचीत के लिए इस मंच ने आवश्यक कौशलों को लगातार विकसित करने और संगठन के कार्यों में जिस तरीके से पुन: आविष्कार किया है, उसके बारे में ध्यान केंद्रित किया है।

यह संस्करण 'एग्रीबिजनेस : द वे फॉरवर्ड' विषय पर आधारित था जिसमें नए व्यावसायिक मॉडलों के विकास, आई.टी. समर्थित प्रक्रियाओं और मूल्यवर्धित उत्पादों की बढ़ती माँग पर चर्चा की गई थी। प्रतिभागी एक दूसरे के बीच रणनीति, सीएफओ एक्सिस, उत्प्रेरक और उद्योगों के माध्यम से प्रबंधन के सभी आयामों पर और कृषि-उद्यमशीलता और ग्रामीण विपणन जैसी कार्यशालाओं में संलग्न रहे थे। मुख्य वक्ताओं में प्रोफेसर अनिल गुप्ता, डॉ. मार्टिन क्रॉप और श्री अभिनय चौधरी जैसी सुप्रसिद्ध हस्तियों ने अपने दिलचस्प विचार प्रस्तुत किए।

अमेथॉन का उद्देश्य वर्ष 2022 तक सिंचाई, फसल बीमा, बाजार पहुँच और वित्त की उपलब्धता से संबंधित समस्याओं पर एक समर्पित ध्यान के माध्यम से किसान की आय को दोगुना करने के सरकार के उद्देश्य के लिए काम करना है। खेत से विशाख तक के विषयों पर चर्चाओं और ज्ञान से समूचे समुदाय को समस्या के

दायरे पर और आगे बढ़ने में मदद मिली।

बीटा

वित्त क्लब बीटा ने रोमांचक समारोहों की एक श्रृंखला के माध्यम से, फ़िनोमिना-2016 के साथ नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की, जिसने परिसर पर वित्तीय परीक्षकों को रोमांचित किया। पुराने छात्रों द्वारा विशेष रूप से व्यापार वस्तुओं और बाजारों पर गहन अनुसंधान सहित व्यापक क्विजों को चित्रित किया गया। बीटा ने खातों, वित्तीय बाजारों, लागत और कॉर्पोरेट वित्त विषयों के लिए समय पर आधारित उपचारात्मक सत्रों का आयोजन किया।

छात्र और बीटा पूर्वछात्र जिन दो हस्ताक्षर गतिविधियों को भविष्य में देखना चाहते हैं वे स्थानन के तीन महीने पहले शुरू की गई हैं - बीटा डेली और मार्केट कमेंट्री। टीम ने इन गतिविधियों को एक दैनिक और द्वि-साप्ताहिक आधार पर कार्यान्वित किया ताकि बैच को क्रमशः वित्तीय अवधारणाओं की मूलभूत समझ, महत्वपूर्ण समाचार घटनाओं और मौलिक बाजार के जोखिम के साथ तैयार किया जा सके।

बीटा ने निवेश बैंकिंग, कॉरपोरेट बैंकिंग, कॉरपोरेट फाइनेंस, प्राइवेट इक्विटी, वेंचर कैपिटल, और वित्तीय बाजार जैसी भूमिकाओं के लिए नियमित और उन्नत आरईएम सत्र आयोजित करके ग्रीष्मकालीन स्थानन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीटा ने वित्त लघुसूचितों के लिए नकली साक्षात्कार सत्र भी आयोजित किए।

बीटा टीम के सदस्यों को इस क्षेत्र में रुचि पैदा करने के लिए विभिन्न दिलचस्प और ऑफ-बीट विषयों पर ब्लॉग लिखने के लिए प्रोत्साहित करता है। कॉर्पोरेट फाइनेंस और ब्लूमबर्ग के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ताकि छात्रों को इंटर्नशिप और वित्त में नौकरियों के लिए तैयार किया जा सके।

कंप्यूटर केंद्र समिति (सीसीसी)

कंप्यूटर केंद्र समिति उन कुछ क्लबों में से एक थी जिसने परिसर में आने से पूर्व नए आने वाले बैच के साथ संवाद किया था। इससे उन्हें आते समय लेकर आने वाले दस्तावेजों और विभिन्न अन्य प्रोटोकॉल के बारे में प्रभावी रूप से संवाद करने के लिए एक मंच मिला। इस समिति ने मैक लैपटॉप, एमएस ऑफिस और विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए थोक सौदे आयोजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

समिति ने परिसर में नेट कनेक्टिविटी को सुधारने की ओर रुख किया और कनेक्टिविटी की समस्या वाले 80 से अधिक छात्रों को रूम राउटर उपलब्ध कराया। छात्रावासों में बेहतर प्रिंटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए प्रिंटर कारट्रिज बदले गए। इसके अलावा, कंप्यूटर केंद्र समिति एसएबी में स्थापित प्रिंटर के अनुरक्षण के लिए भी जिम्मेदार थी।

कंप्यूटर केंद्र समिति ने एसएसी के लिए चुनाव प्रक्रिया निष्पादित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूरी प्रक्रिया का सहज कार्यान्वयन सुनिश्चित किया। एसएसी सदस्यों की स्थिति के लिए सोपबॉक्स की लाइव स्ट्रीमिंग की पहल ने पूरी छात्र-बिरादरी के लिए अपने छात्रावासों से प्रक्रिया को देखने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, क्लब ने एक समर्पित बैच-डेटा पोर्टल की भी पेशकश की जो पूरे छात्र समुदाय द्वारा उपयोग किया जा सकता है।

कैओस

आईआईएमए का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव कैओस-2017, जो 26 से 29 जनवरी के दौरान आयोजित किया गया था, इसने आईआईएमए में प्रसिद्ध कार्यक्रमों के द्वारा स्वागत करते हुए राहत प्रदान की। भारत में सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक महोत्सवों में से एक कैओस ने अपने नवीनतम अवतार में 60,000 से अधिक लोगों के साथ साझेदारी देखी। इस महोत्सव ने पहले से कहीं अधिक दर्शकों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया, और बुकमाइशोडॉटकॉम और मेकमाइट्रीपडॉटकॉम पर स्कोम (एससीओएम) के लाइक्स से प्रमुख प्रायोजक को आकर्षित किया। इस संस्करण से ठीक पहले, कैओस ने अपनी असाधारण

गुणवत्ता और मानकों के लिए आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित महोत्सव का स्थान हासिल कर लिया था जो कि वर्षों से बरकरार रहा है।

दर्शकों के पसंदीदा प्रोनाइट्स बैंड ने मंत्रमुग्ध करने वाले इन प्रदर्शनों को शामिल किया - द लोकल ट्रेन, सबमर्ज का एक डीजे प्रदर्शन, कोक स्टुडियो नाइट में सचिन-जिगर की लोकप्रिय जोड़ी के हिंदी तथा गुजराती गीत और कैओस के समापन के समय केके नाइट आदि। इस समारोह में कॉमेडियन बिस्व कल्याण रथ की 'प्रेथेंटियस मूवी रिव्यू' की प्रसिद्धि, और साहसी स्पोर्ट्स इवेंट्स में स्काय-राइडिंग जैसे रोमांचक विकल्प, ट्रेजर-हंट और पेंटबॉल जैसे रोमांचक पलों में प्रसन्नता दिलाने वाले कार्यक्रम भी शामिल किए गए थे।

कैओस-2017 में सभी के लिए कुछ न कुछ था। जो अपने भीतर के कलाकार को निकालना चाहते थे, उन लोगों के लिए ललित कला क्षेत्र में कार्यशालाएँ आयोजित की गई थीं, और नृत्य उत्साही लोगों के लिए ज़ुम्बा, रुडा डी कैसीनो और हला-हूप जैसी कार्यशालाएँ थीं। कैओस में स्ट्रीट-प्ले, स्टेज-प्ले, एकल नाटक, लघु फिल्म, कोरियो-प्रतियोगिता और बैंड प्रदर्शन जैसी प्रतियोगिताएँ तथा एलएएन गेमिंग, पोकर नाइट्स और ड्रम सर्किल जैसे कई रोमांचक अनौपचारिक कार्यक्रम भी शामिल थे।

फेमिना मिस इंडिया के कैम्पस प्रिन्सेस समारोह में अपनी जूरी के रूप में सुश्री प्रियदर्शीनी चटर्जी, फेमिना मिस इंडिया-2016 की उपस्थिति देखी गई। हमेशा की तरह फैशन परेड ने अपना स्वयं का आयोजन किया और आसपास के संस्थानों के छात्रों की मॉडलिंग प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कैओस-2017 का यह 'वांडरलस्ट' संस्करण, अपनी घोषणा के अनुसार रहा और अपने बहुत से प्रतिभागियों को, जीवन भर के लिए संस्मरणों की यादें दीं, और इस संस्करण के लिए 'ए कार्निवल ऑफ ड्रीम्स' शीर्षक बिलकुल उपयुक्त रहा।

कॉन्फ़्लुअन्स

कॉन्फ़्लुअन्स कई वर्षों से आईआईएम अहमदाबाद के लिए वार्षिक सामान्य व्यापार संगोष्ठी और एशिया में सबसे बड़ा बिजनेस स्कूल शिखर सम्मेलन रहा है। 2016 के संस्करण का विषय - लोग, ग्रह और लाभ (पीपल, प्लानेट, प्रॉफ़िट्स), जलवायु परिवर्तन की समय के साथ प्रासंगिकता और व्यवसायों तथा टिकाऊ तरीकों में इसका क्या अर्थ है को ध्यान में रखकर रखा गया था।

अपने बहु-मुखी लोगों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, कॉन्फ़्लुअन्स-2016 को 7 सम्मेलनों के तहत संरचित किया गया था; जिनके नाम थे - प्रौद्योगिकी और डिजाइन, विपणन, उद्यमिता, सार्वजनिक नीति और अर्थशास्त्र, वित्त और सामाजिक रूप से उसके पूर्णांक। इन सम्मेलन के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में आज के और भविष्य के अग्रणियों को एक मंच पर, व्यापार के दायरे के भीतर और उससे परे मौजूद विचारों और मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए लाया गया।

प्रत्येक कॉन्फ़्लुअन्स संस्करण के महत्वपूर्ण भागों में से एक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय मॉडल संयुक्त राष्ट्र की मेजबानी है, जहाँ प्रतिभागियों को प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रतिनिधियों के रूप में उत्तरदायित्व धारण करते हैं जो देश और बड़े पैमाने पर दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं। यह बड़ा संयोग रहा, जब कॉन्फ़्लुअन्स-2016 पूरी तरह से समय के अनुरूप रहा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 8 नवंबर की विमुद्रीकरण घोषणा के बाद यह आयोजित हुआ, और छात्रों ने काले धन और अन्य व्यवसायियों के साथ-साथ इस तरह के कठोर विरोध के विषय और अचानक हुए परिवर्तन पर चर्चा की।

अन्य अच्छी तरह सराहे गए कार्यक्रमों में थे - स्टार स्पोर्ट्स इंडिया के विपणन प्रमुख श्री शुभ्रांशु सिंह और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री श्री नमेन्दा जाधव के स्पीकर सत्र। चित्ताकर्षक कार्यशालाएँ भी थी जैसे आर्ट एटेक के प्रसिद्ध श्री गौरव जुबल द्वारा डिजाइन सोच पर कार्यशालाएँ, और अन्य एक कार्यशाला थी - फ़ाइडेफ़िक्शन फीलम्स के संस्थापक श्री तन्मय शाह द्वारा कला और शिल्प पर संक्षिप्त-फ़िल्म निर्माण।

परामर्श क्लब

32 सदस्यों की एक टीम के साथ परामर्श क्लब ने महत्वपूर्ण कार्यक्रम से वर्ष की शुरूआत की। छात्रों, संकायों, पूर्वछात्रों और उद्योग के व्यवसायियों के बीच बातचीत के अवसर प्रदान करने के अंतर्निहित उद्देश्य के साथ, क्लब ने एक आंतरिक और साथ ही एक बाहरी ध्यान-केंद्र से कार्यक्रमों को संगृहीत किया।

आंतरिक केंद्रित कार्यक्रमों में प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ, और स्थानन तैयारी शामिल थीं। क्लब ने स्ट्रेटेगोज़ शुरू किया, जो अंतर-आईआईएम केस प्रतियोगिता है और इस तरह के इस पहले कार्यक्रम में 60 से अधिक टीमों की भागीदारी देखी गई जो एक बड़ी सफलता थी। स्थानन की तैयारी के हिस्से के रूप में, आईआईएमए केसबुक, परामर्श 360, पैनोरमा रिपोर्टें लिखी गई और संकलित की गईं। इसके अतिरिक्त, छात्रों को साक्षात्कार की प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए परामर्शदाता कार्यक्रम और बनावटी साक्षात्कार शुरू किए गए थे। इसके अलावा, परामर्श का परिचय, सीवी बनाना, और केस समाधान के लिए नवांगतुक पीजीपी बैच को परामर्श के महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने के लिए पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

बाहरी गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया जिसमें पूर्वछात्र जुड़ाव और सोशल मीडिया संलग्नता शामिल थे। वेबसाइट और ब्लॉग पर क्लब से संबंधित जानकारी और विभिन्न उद्योगों पर नए

लेखों के साथ अद्यतन किया गया था। क्लब ने लगातार उद्योग और साथ ही संकायों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने का प्रयास किया है। इस संबंध में, क्लब ने एक व्यवसायी लेंस से परामर्श करने के परिप्रेक्ष्य को प्रदान करने के लिए - एटी केअर्नी, बैन, बीसीजी, मैककिंसे, पार्थेनॉन न जैसी पाँच प्रमुख रणनीति परामर्शन कंपनियों के प्रतिनिधित्व के साथ एक स्पीकर सत्र का आयोजन किया। क्लब ने कई प्रसिद्ध परामर्श कंपनियों को भी अपनी परियोजनाओं, कार्यालय माहौल, और उनके अभ्यास क्षेत्रों के बारे में वार्ता करने के लिए आमंत्रित किया। क्लब ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय के साथ परियोजनाएँ शुरू की। क्लब ने एसआरसीसी के साथ मिलकर एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता, मिलेनेयर स्ट्रेटेजी का आयोजन किया।

सांस्कृतिक एवं सामाजिक मामले समिति (कल्टकॉम)

सांस्कृतिक और सामाजिक मामले समिति परिसर में सभी मजेदार कार्यक्रमों के आयोजन और परिसर को जीवंत रखने के लिए जिम्मेदार है। वेलकम वीक, टी-नाइट, गरबा, होली, दिवाली, क्रिसमस, पोंगल, लोहड़ी, गणेश चतुर्थी, या कोई भी त्यौहार-पर्व हो, कल्टकॉम ने आईआईएमए की संस्कृति को सफलतापूर्वक बनाए रखा है। गरबा-रास, न्यू ईयर पार्टी और बाइक ट्रिप ने छात्रों को अपने व्यस्त कार्यक्रम से ब्रेक लेने की इजाजत दी, और अपने दोस्तों के साथ आनंद उठाया। इसके अलावा, प्रमुख त्यौहार, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और संस्थान दिवस कल्याण समिति की मदद से मनाये गए। कल्टकॉम ने म्यूज़िक क्लब और फुटलूज़क्लब जैसे अन्य क्लबों के सहयोग से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस वर्ष, क्लब ने दो नए कार्यक्रमों के आयोजन की पहल की। एक, एक्सचेंज छात्रों के साथ खाना-पकाना जिसमें हर देश का खाना पकाना और संबंधित नागरिकों द्वारा परोसना और दूसरा, भोजन एवं फिल्म उत्सव जो सर्दियों में आयोजित किया गया था, इसमें मॉकटेल से लेकर मेंदू वडा तक के विभिन्न स्टालों के साथ कार्निवल का आयोजन किया गया और साथ-साथ कार्टून फ़िल्मों का प्रदर्शन किया गया था। इसे सभी के द्वारा काफी पसंद किया गया था।

सार्वजनिक वक्ता क्लब (इलोकन्स)

इलोकन्स, आईआईएमए के सार्वजनिक वक्ता क्लब का उद्देश्य एक मंच प्रदान करना है जहाँ आईआईएमए समुदाय के सभी सदस्य सार्वजनिक रूप से बोलने की कला सीखने और अभ्यास करने के लिए इकट्ठा हो सकते हैं। इलोकन्स क्लब द्वि-साप्ताहिक सत्रों का आयोजन करता है जिनमें पूर्वतैयार भाषण, वाद-विवाद, आशुभाषण और शब्द-खेल जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। विभिन्न पृष्ठभूमि वाले लोग इन सत्रों में भाग लेते हैं और मित्रवत्, अभिगम-उन्मुख वातावरण में अपने अनुभवों और विचारों को एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं।

इलोकन्स क्लब विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन करता है जो छात्रों को आईआईएमए में उनके स्थानन के लिए तैयार करने में मदद करती हैं। कई छात्र समूह-चर्चाओं और व्यक्तिगत साक्षात्कारों के साथ असहज होते हैं, जो बी-स्कूलों में भर्ती प्रक्रियाओं में प्रमुख प्रक्रिया होती हैं। इलोकन्स क्लब दोहराव वाले अभ्यासों के साथ छात्रों की खामियों को पहचानने और दूर करने में सहायता करने के लिए बनावटी समूह-चर्चाओं का आयोजन करता है।

अपनी नियमित गतिविधियों के अलावा, इलोकन्स क्लब ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन के तहत स्वच्छ भारत अभियान के विषय पर एक बहस प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए एलएसडी के साथ भागीदारी की। इस कार्यक्रम से परिसर में बहस के प्रति उत्साह के रूप में व्यापक भागीदारी देखी।

एंत्रे प्रकोष्ठ

वर्ष 2016-17 की शुरूआत प्रोफ़ेसर सुनील हांडा द्वारा प्रेरक वक्ता श्रृंखला - एलईएम सत्रों (उद्यमिता प्रेरणा प्रयोगशाला सत्र) के साथ हुई। हमेशा की तरह ये परिसर में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले सत्रों में से एक थे, जिनमें प्रोफेसर हांडा ने उन उद्यमियों की कहानियों को बताया जो सभी बाधाओं के खिलाफ लड़े थे। छात्र-समुदाय के लिए एक स्टार्टअप सिमुलेशन खेल - यंग सीईओ - का आयोजन बहु-आयामी समस्याओं के साथ किया गया था, जिससे कि प्रथम वर्ष के छात्रों को अपनी समस्याओं को तैयार करने और अपने विचारों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसके बाद 'स्टार्टअप कैसे शुरू करें' नामक एक वक्ता श्रृंखला - व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ किया गया जहाँ प्रतिष्ठित उद्यमियों ने परिसर में आकर स्टार्टअप कैसे शुरू किया जाए उसके बारे में बहुत विशिष्ट विषयों पर बात की। व्याख्यान श्रृंखला की अधिक पहुँच के लिए इन्हें रिकॉर्ड किया गया और यूट्यूब पर अपलोड किया गया था। सोशल मीडिया के माध्यम से यह पहल 1.5 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुंच गई। फ्लैगशिप बी-प्लान प्रतियोगिता - मास्टरप्लान न में 450 से अधिक पंजीकरण के साथ पूरे देश से प्रतिभागियों ने भाग लिया। आईबीएम के साथ भागीदारी में संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग पर एक विशेष ट्रैक की पेशकश की गई थी। एंत्रे मेले में अनौपचारिक बातचीत सत्र, रात्रिभोज और पैनल चर्चाएं हुईं जहाँ 15 से अधिक स्टार्टअप कैंपस में भर्ती के लिए आए। कई कार्यशालाएँ जैसे लर्न स्टार्ट-अप मैनेजमेंट / स्टार्ट-अप वीकेंड / ऐप डेवलपमेंट आदि की प्रस्तुति तत्क्षण अभिगम अनुभव प्रदान करने के लिए की गई।

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी)

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी) स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त और विकलांग छात्रों की भलाई के लिए काम करती है ताकि जहाँ भी स्वास्थ्य समस्या हो, या विकलांगता दिन-प्रतिदिन जीवन को प्रभावित करती है वहाँ जरूरतों को पूरा किया जा सके।

ईओएससी के लिए यह पहला परिचालन वर्ष था जहाँ सभी विकलांग उम्मीदवारों को एक विशिष्ट संरक्षक के रूप में मानचित्रण किया गया ताकि वे परिसर में दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित अपनी विशिष्ट जरूरतों को देख सकें। जहाँ भी संभव हो वहाँ, पाठ्यक्रम सामग्री की सॉफ्ट कॉपी और द्वितीयक रीडिंग उपलब्ध कराया गया ताकि सामग्री का अध्ययन करने में आसान पहुंच सुनिश्चित हो। इसके अलावा, उन्हें स्थानन की तैयारी के साथ मार्गदर्शन भी दिया गया ताकि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि वे शिक्षाविदों और ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए समान रूप से तैयार हैं।

बुनियादी ढांचागत समर्थन प्रदान करने में सहायता के संबंध में, भोजन के आउटलेट, एसबीआई बैंक और एटीएम जैसे कुछ प्रमुख स्थानों और नए कैंपस में कुछ जगहों तक चेयर-वाहन वाले विकलांगों की पहुंच बनाने के लिए रैंप का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मानदंडों के आधार पर, एक ऑडिटिंग भी किया गया, जो कि अकादमिक संस्थानों के लिए ढांचागत पहल करने में आश्रित होते हैं। यह रिपोर्ट बाद में संस्थान के संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए समान अवसर कार्यालय को सौंपी गई।

इक्विपोइज़

इक्विपोइज़, अर्थशास्त्र क्लब है, यह अर्थशास्त्र को मजेदार बनाने की दिशा में काम करता है। क्लब ने उन छात्रों को भी प्रोत्साहित और सशक्त किया, जो अर्थशास्त्र क्षेत्र में आगे की शिक्षा पाने में रुचि रखते हैं।

वर्ष की शुरूआत इक्वीज़िटिव (अर्थ समविज्ञानी) प्रश्नोत्तरी के साथ हुई, ताकि विद्यार्थियों को यह एहसास हो सके कि अर्थशास्त्र हर जगह है और यह हमारे जीवन के अधिकांश पहलुओं को छूता है।

इक्विपोइज़ का हस्ताक्षर कार्यक्रम 'इकोनॉमिक्स अड्डा' छात्रों के लिए बहस करने और विभिन्न नीति विषयों पर चर्चा करने के लिए एक मंच रूप साबित हुआ। इक्विपोइज़ द्वारा आयोजित तीन अड्डा कार्यक्रम थे जिनमें निम्नलिखित विषय शामिल थे :

- 'केंद्रीय बजट 2017 और जीडीपी विकास, विमुद्रीकरण और जीएसटी के संदर्भ में राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति के बीच एक संबंध स्थापित करने के लिए राजकोषीय गणित'
- 'ट्रम्पोनॉमिक्स भारत पर इसके प्रभाव - संरक्षणवाद के बारे में ये सब कुछ क्या है?'
- 'केंद्रीय बैंकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौद्रिक साधन'
- 'स्वामी ब्रिगेड द्वारा रघुराम राजन की नीतियों और आलोचकों पर बहस'
- सभी अड्डाओं को छात्र समुदाय द्वारा बहुत सराहा गया और अन्य विद्यार्थियों के विषयों पर अलग-अलग परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने के लिए उपस्थित लोगों को इनसे सक्षम बनाया।
- इक्विपोइज़ क्लब के प्रथम न्यूजलेटर का प्रकाशन- दी इक्विपोइज़
- 'मुतातिस मुतांदिस' (यथोचित परिवर्तनों सहित) जो इंटर्नशिप चयन प्रक्रिया के ठीक पहले रिलीज हुई थी इसकी छात्रों ने काफी सराहना की थी, क्योंकि इससे प्रक्रिया की तैयारी में मदद मिली थी। सिद्धांत रूप में हम अर्थशास्त्र को सेटरिस परिबास धारणा (बाकी सब एक-सा) के रूप में सीखते हैं, और अन्य सभी चीजें अपरिवर्तित रखते हैं। लेकिन वास्तविकता अलग है, इसलिए मुतातिस मुतांदिस उन चीजों को बदलने के लिए कहता है जिन्हें बदलने की जरूरत होती है और इक्विपोइज़ ने न्यूज़लेटर के माध्यम से इस द्विभाजन पर विचार करने की कोशिश की थी।

मांग आपूर्ति और मूल्य निर्धारण आधारित 'आईपीएल नीलामी' और गेम थ्योरी आधारित 'साम्राज्यवादियों के संघर्ष' को भारी प्रतिक्रिया मिली।

श्री के. के. कोठारी और सुश्री चित्रा चंद्रशेखर द्वारा दिये गए अतिथि व्याख्यान ने पर्यावरण अर्थशास्त्र के बारे में एक अलग परिप्रेक्ष्य रखा।

इक्विपोइज़ द्वारा आयोजित सूक्ष्म और समष्टि अर्थशास्त्र विषयक उपचारात्मक सत्र उपयोगी साबित हुए क्योंकि परीक्षाएं करीब थीं। सत्रों में उपस्थित लोगों की संख्या से यह स्पष्ट था।

विनिमय परिषद

इस वर्ष कई नयी पहलें की गई जैसे कि नमस्ते इंडिया वीक, ट्रावेल बाइबिल और एक्सचेंज शिविर। नमस्ते इंडिया वीक सप्ताह भर का मनोरंजक कार्यक्रम है जो इस वर्ष में तीन बार आयोजित किया गया, उस अवधि के आने वाले छात्रों के लिए प्रत्येक अवधि में एक बार। इसकी गतिविधियों में आइस ब्रेकर सत्र, कैम्पस टूर, हेरिटेज वॉक, साबरमती आश्रम दौरा, मूवी नाइट, स्वागत रात्रिभोज, एक्सचेंज पार्टीज़, फुटबॉल मैच आदि शामिल हैं। ट्रावेल बाइबिल हमारे सभी पार्टनर विश्वविद्यालयों पर जानकारी को मजबूत करने का एक प्रयास रूपी पहल थी, और इसमें छात्रों के निजी अनुभव साझा किये गए और जूनियर बैचों के लिए इस डेटा को पहुँचाया गया। सदस्यों ने जूनियर बैच द्वारा उपयोग में लेने के लिए इस पोर्टल और इसके डेटा तैयार करने के लिए अंतहीन काम किया। एक्सचेंज शिविर पारंपरिक एक्सचेंज फेयर को सुधारने का एक प्रयास था। एक मुक्त मेले के बदले संचार, सूचना हस्तांतरण को प्रभावी बनाने के लिए प्रारूप को एक मॉड्यूलर सत्र वार कार्यक्रम में बदल दिया गया था। एक्सचेंज बनाम गैर एक्सचेंज बहस जैसे कार्यक्रम, वरिष्ठों द्वारा अनुभव साझा करने,

मापदंडों का स्पष्टीकरण और प्रक्रिया को अपनी विनिमय अवधि के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए पीजीपी-1 छात्रों के लिए लक्षित किया गया था।

इस साल, आईआईएमए ने पहली बार प्रबंधन सम्मेलन में इंटरनेशनल पार्टनर्स का आयोजन किया। यह बिजनेस स्कूलों का एक वैश्विक नेटवर्क है जिसमें एक विनिमय कार्यक्रम है। एक्सचेंज काउंसिल के सदस्यों ने पीआईएम सम्मेलन के संगठन में कैंपस टूर आयोजित करके, नृत्य संध्या की मेजबानी की, और प्रत्येक सत्र में स्वयं सहायता प्रदान की। परिषद की गतिविधियों की एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी की गई थी। परिषद ने प्रथम आईआईएमए समर स्कूल के संगठन में भी सहायता की थी।

इनके अलावा, स्नातक हो रहे छात्रों के लिए साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ विनिमय रिक्तियों की बातचीत करने, विनिमय रैंकों को जारी करने, युरैल पास, फॉरेक्स, बीमा, आईएसआईसी कार्ड, अवरुद्ध खातों इत्यादि के लिए थोक सौदों को लाना, आदि सहयोगी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए परिषद की नियमित गतिविधियाँ अन्य शीर्ष बी-स्कूलों के साथ और सुरक्षित यात्रा के लिए सुझावों के सत्र एलेन के साथ आयोजित किए गए थे। आने वाले छात्रों के लिए, परिषद ने दोस्तों के आवंटन के लिए पहचान कराई और पाठ्यक्रम बोली-प्रक्रिया प्रणाली का पुनर्गठन किया।

एफ़एबीएम शैक्षणिक परिषद

एफ़एबीएम शैक्षणिक परिषद संस्थान में कठोर शैक्षिक यात्रा के माध्यम से दोनों बैचों के सुचारु परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है। यह परिषद बैच की बदलती जरूरतों के साथ शैक्षणिक परिवेश में बदलाव लाने की कोशिश करती है ताकि वर्तमान बैच के साथ-साथ अन्य बैचों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े, जो अभी तक आना बाकी है।

अब तक आयोजित की गई गतिविधियाँ, दूसरे वर्ष में एफ़एबीएम बैच के लिए बोली प्रक्रिया है। शैक्षणिक अखंडता सुनिश्चित करने और शैक्षिक मोर्चे पर किसी भी बदलाव के बारे में बैच को अद्यतन करने के लिए समय पर अनुस्मारक दिये गए। पाठ्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम की समय सारणी / जोड़ / विलोपन के निपटान का प्रबंध करने में ध्यान रखा गया। प्रतिपुष्टि के आधार पर पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या की समीक्षा करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया गया। अन्य छात्रों और अकादमिक सहयोगियों के साथ सहयोग करके उपचारात्मक सत्रों का आयोजन किया गया। खाद्य और कृषि डोमेन में सबसे प्रमुख विषय-क्षेत्रों को शामिल करने के विकल्पों को बढ़ाने के लिए रुचि सर्वेक्षण के आधार पर नए पाठ्यक्रमों को लागू करने के लिए संकायों से अपील की गई। इससे दूसरे साल के छात्रों के लिए दो नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हुई।

परिषद ने कई पहलों पर काम शुरू किया है जो निकट भविष्य में लाभदायक रहेंगी। एफएबीएम अनिवार्य पाठ्यक्रमों के लिए फीडबैक फार्म, क्विज़, प्रतिलिपियों को ऑनलाइन जमा कराना प्रगति पर है। आम छात्रों में और अधिक पाठ्यक्रमों को पेश करने और एफएबीएम सीटों की पेशकश के लिए रिपॉजिटरी और विनिमय विश्वविद्यालयों में सुधार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संकाय-छात्र आपसी विचार-विमर्श कक्ष (एफएसआई)

एफएसआई कक्षा की चार-दीवारी दायरे से बाहर संकाय और छात्रों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

एफएसआई ने पीजीपी-1 और पीजीपी-2 दोनों के लिए वार्षिक बैच डिनर की मेजबानी शुरू की, जहाँ छात्रों ने अपने संकायों के साथ में कैंपस लॉन में डिनर का आनंद लिया। वार्षिक बैच वीडियो का संकलन भी छात्रों से वीडियो सामग्री के योगदान के साथ किया गया था, और रात्रिभोज के दौरान इनका स्क्रीनिंग किया गया।

इसके बाद, नए शैक्षणिक वर्ष में, एफएसआई का प्रमुख कार्यक्रम - संकाय मार्गदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर किया गया जिसमें 35 प्रोफेसरों को 205 परामर्शवांच्छुओं में आवंटित किया गया।

पीजीपी-1 के छात्रों की नियमित कक्षाओं के बाद 5 सितंबर को केक कटिंग समारोह पहला समारोह था। इसके बाद वाले सप्ताहांत में आरजेएम सभागार में एक भव्य उत्सव किया गया, जिसमें संकायों और छात्रों, दोनों की तरफ से लाइव संगीत, नृत्य और नाटक का प्रदर्शन शामिल था। सभी संकाय और उनके परिवारों को निजी तौर पर एफएसआई के सदस्यों द्वारा आमंत्रित किया गया था। एफएसआई ने कक्षाओं, म्यूजिक क्लब, फुटलूज़क्लब और आईआईएमएक्ट्स के साथ मिलकर काम किया, जिन्होंने एक साथ मिलकर इस उत्सव को और अधिक मनोरंजक और सहभागिता युक्त बनाया।

हमारे सदस्यों और संकायों की तरफ से प्राप्त इनपुट प्रयासों के माध्यम से, एफएसआई ने संकाय सूचना के लिए एक पोर्टल बनाकर शुभारंभ किया। इस पोर्टल का उद्देश्य संकाय सदस्यों के साथ जुड़ते समय उनके अनुसंधान और शौक में सामान्य रुचि वाले क्षेत्रों को जानना तथा उनके बैच डेटा और जानकारी का एक विश्वसनीय स्रोत जैसी संकाय सूचनाओं तक आसान पहुँच प्रदान करना है।

खेल लोगों को एक साथ लाने का एक स्वाभाविक तरीका है। 30 नवंबर को गली क्रिकेट खेलने के लिए संकाय और छात्र एक साथ आए थे। एफएसआई ने आईआईएमए समुदाय के लिए एक रीफ्रेशिंग वार्षिक खेल समारोह भी आयोजित किया, जिसमें सारा-

खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ के तहत बच्चों एवं बड़ों के लिए बोरा दौड़, धीमी-गति-साइकिल दौड़, नींबू-चम्मच दौड़, तीन-पैर-दौड़, संगीत-कुर्सी, बदल-दौड़ आदि जैसी प्रतिस्पर्धाएँ शामिल थी।

विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक समायोजन में चर्चा के माध्यम से, एफएसआई ने संकायों और छात्रों के बीच संलग्नता और बातचीत में वृद्धि करने की कोशिश की। निम्नलिखित सत्रों की मेजबानी एफएसआई द्वारा की गई थी :

- प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली ने छात्रों को 'अर्थशास्त्र में भविष्य के अवसर' पर चर्चा में शामिल किया।
- प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे ने अपनी व्यापक यात्रा के अनुभवों और उन स्थानों के बारे में बताया, जिसका दौरा एक बार करना ही चाहिए।
- प्रोफेसर आशीष नंदा ने एक ठसाठस भरी कक्षा में 'जीवन के सबक' पर चर्चा की।
- प्रोफेसर अनिल गुप्ता ने देर शाम की सैर के दौरान 'सचमुच मानवीय, खुश और सामंजस्यपूर्ण' होने पर बातचीत की।
- प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल ने 'फिल्म्स, गाने और व्यवसाय' के एक-दूसरे से संबंधों के बारे में बात की।

फ़िनेस

फ़िनेस, आईआईएम अहमदाबाद का ललित कला क्लब, कला के आनंद को बढ़ावा देने, परिसर में कुछ नया सीखने और रंगों की खूबसूरती बनाए रखने का प्रयास करता है।

परिसर को थोड़ा और अधिक रंगीन बनाने के लिए और थोड़ी अधिक हर्षित करने की अपनी खोज में, फ़िनेस क्लब ने कई कला कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिनमें ओरिगामी से मधुबनी पेंटिंग तक की कलाएँ रखी गईं थी। सुलेख की भी पेशकश थी। सुश्री दीपा बजाज द्वारा लाई गई रेत कला प्रदर्शनी ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया और कला प्रदर्शनी, जिसमें पूरे आईआईएमए समुदाय की भागीदारी देखी गई, इन सबको बहुत सराहना मिली।

इस साल फ़िनेस के सहयोग के प्रयासों में सुश्री नीना नैषध के साथ एक प्रयास था, जिसके परिणामस्वरूप दो विषयों के व्यवसायियों को लाने का नया विचार आया; पेंटिंग और मूर्तिकला, एक ही मंच पर और कुछ अद्वितीय बनाने के लिए लाया गया। इन कलाकारों ने आईआईएमए समुदाय के साथ कार्यशालाएँ आयोजित की और अंतर्क्रियात्मक सत्र आयोजित किए। प्रयास और स्माइल के बच्चों के लिए सब्जी स्टैम्पिंग और स्प्रे पेंटिंग और क्विलिंग कक्षाएँ सबसे मजेदार कार्यक्रम थे जिसने इन बच्चों और इनके शिक्षकों के चेहरे पर मुस्कुराहट ला दी थी। कॉन्फ्लुअन्स-2016 के दौरान होप बॉक्स स्टाल के माध्यम से, प्रयास के लिए वित्तपोषण प्राप्त करना और कैओस-2017 के दौरान चेहरे की पेंटिंग तथा टी-शर्ट पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करके फंड तैयार करना, आदि अन्य क्लब गतिविधियों में से कुछ थी जो आईआईएमए समुदाय के सभी सदस्यों के शामिल करने के मुख्य उद्देश्य से कार्य करती हैं और ये कला, कला से सीखना और बीते समय की कुछ रंगीन यादें ताजा करती हैं।

खाद्य और कृषि-व्यवसाय (एफएबी) क्लब

संवेदनशीलता से लेकर कार्यशालाओं तक, वक्ता सत्रों से लेकर क्विज तक और पैनल चर्चाओं से लेकर समूह चर्चाओं तक के लिए किए जाने वाले अभियान से, खाद्य और कृषि-व्यवसाय क्लब, अपने शान्त तरीके से, परिसर की वर्णात्मक कहानी में भोजन और कृषि-व्यवसाय डोमेन के लिए एक जगह बनाने के लिए परिश्रम से काम कर रहा है।

वर्ष भर संवेदीकरण अभियान चलाकर, भोजन अपव्यय के खिलाफ, भोजनालय में संवेदनशीलता का अभियान चलाया गया था। एक गंभीर मुद्दे पर जागरुकता पैदा करने के बारे में यह एक छोटा सा प्रयास था। एफएबी क्लब ने अगली पहल में चार दौरों में आयोजित की गई ऑनलाइन खाद्यान्न-सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी रही और इसमें आईआईएमए समुदाय से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

एफएबी क्लब ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए मॉक समूह-चर्चा करके और प्रासंगिक विषयों पर लेख भेजने के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन की तैयारी में एफएबीएम स्थानन समिति को सहायता करने की जिम्मेदारी ली। एफएबी क्लब ने वर्ष के दौरान खाद्य और कृषि-व्यवसाय से संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों द्वारा पूरे समुदाय के लिए कई वक्ता सत्रों की मेजबानी की। इन तकनीकी कार्यक्रमों के अलावा, समुदाय पहुँच कार्यक्रम - आरम्भ, जिसका उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे में जागरुकता लाना था, उसका आयोजन किया जिसे उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

इस वर्ष भी आईआईएमए ने अन्य क्लबों और कार्यक्रमों के सहयोग से इस क्लब से विकास किया। परिसर में 'एक पौधा अपनाएँ' अभियान का आयोजन प्रकृति के साथ किया गया और अमेथॉन के साथ मिलकर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। अमेथॉन के दौरान आयोजित एनसीडीईएक्स कार्यशाला इस वर्ष का एक सुनहरा क्षण था।

फुटलूज़

नृत्य परमानंद की अभिव्यक्ति होती है और यह हमेशा ऐसा कुछ करता है जो लोगों को सोच से परे अहम् खुशी प्रदान करने के लिए उत्तेजित करता है। जो लोग अपनी अंतर आत्मा को व्यक्त करने और संगीत की ताल पर अभिव्यक्ति के माध्यम से नृत्य को चुनते हैं, उनके लिए फुटलूज़ क्लब एक मंच प्रदान करता है

जिससे इसे अगले स्तर तक बढ़ाया जा सके।

फुटलूज़ ने वर्ष की शुरूआत पीजीपी-2 के 'बिग बैंग' प्रदर्शन के साथ नए छात्रों का स्वागत करते हुए बहुमुखी संख्या के साथ की। यह कुछ कार्यक्रमों में से एक था, जो पूरे छात्र समुदाय का स्वागत करते हैं और केवल सदस्यों तक सीमित न रहते हुए उत्साही दर्शकों के सामने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करते हैं। पीजीपी-1 के नए छात्रों के शामिल होने के बाद क्लब ने अपना पूर्ण आकार प्राप्त किया। वर्ष की अगली गतिविधि स्वतंत्रता दिवस का प्रदर्शन थी, जिसमें पीजीपी-1 के फुटलूज़ सदस्यों को पहली बार आरजेएम के मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। शास्त्रीय, और देशभक्ति पर आधारित बॉलीवुड के प्रदर्शन को अच्छी तरह से सराहना मिली और दर्शकों द्वारा इसे काफी सराहा गया। शिक्षकों के प्रति श्रद्धा जताने के लिए शिक्षक दिवस पर, फ़ूटलूज़, आईआईएमएक्ट्स और म्यूज़िक क्लब ने एफएसआई से सहयोग किया। पीजीपी-1 और पीजीपी-2 के द्वारा कथक के एक फ़्यूज़न, समकालीन नृत्य शैली और हिप-हॉप ने व्यापक लोकप्रियता हासिल की। हर साल की तरह, इस समय भी चारों तरफ, फुटलूज़ ने संस्थान के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए आयोजित समारोह में प्रदर्शन किया। गुजराती लोकनृत्य और बॉलीवुड शैलियाँ, जिसमें संकायों, कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों से खचाखच भरे सभागार में प्रदर्शन किया गया।

फुटलूज़ ने मातृभाषा दिवस समारोह में पहली बार योगदान दिया। इस प्रदर्शन को तालियों की गड़गड़ाहट से भारी प्रशंसा मिली और हिंदी विभाग की तरफ से प्रशंसा के रूप में विशेष प्रतीक प्राप्त हुए। इनके अलावा, वर्ष भर कई कार्यशालाएँ (बाचता, गरबा, रुएदा आदि) आयोजित की गईं और प्रयास के बच्चों के लिए छोटी कार्यशाला कक्षा भी आयोजित की गई।

उद्योग सहभागिता मंच (एफ़आईआई)

वर्ष 2016-17 एफ़आईआई के लिए उल्लेखनीय वर्षों में से एक रहा। एफ़आईआई ने विभिन्न संगठनों के छात्रों की 42 जीवंत परियोजनाओं पर काम करने में मदद की। इस अवधि की अधोरेखांकित विशेषताओं में से एक है - पुलिस विभाग को एफ़आईआई परामर्श सेवाओं का विस्तार। एफ़आईआई ने छात्रों को अपना अभिदर्शन और एक मंच भी प्रदान करने वाले सरकारी संगठनों के साथ भी अपनी संलग्नता जारी रखी है। एफ़आईआई ने आईआईएमए के छात्रों को अपनी परामर्श सेवाएँ प्रदान करने हेतु प्रबंधकीय मुद्दों को सुलझाने के लिए रिकॉर्ड को व्यवस्थित बनाने से लेकर उन एप्लिकेशंस को व्यवस्थित करने का काम किया है जो हेल्थकेयर सिस्टम का ट्रैक रखती हैं। उद्योग और संबद्ध संगठनों में एफ़आईआई के पदचिह्न बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण निवेश था।

एफ़आईआई कई स्टार्ट-अपों की सहायता से उद्यमशीलता संस्कृति को आगे बढ़ाने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है और बाजार अनुसंधान, व्यवहार्यता अध्ययन, रणनीति निर्माण और बाज़ार प्रवेश की संभावनाओं पर परियोजनाएँ शुरू करने के द्वारा इसे जारी रखा है जिसने वर्षों से उद्यमियों की मदद की है।

दुनिया भर की शीर्ष बी-स्कूलों की अन्य छात्र परामर्श संस्थाओं के साथ जुड़ने के अपने निरंतर प्रयास के साथ, एफ़आईआई ने अपने नेटवर्क में इटली की पहली जूनियर एंटरप्राइज़ जेम बोकोनी - छात्र परामर्शन संस्था - को जोड़ा है। जेम बोकोनी के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से, एफ़आईआई विदेशी छात्रों को बोक्कोनी से छात्रों को हमारे छात्र परामर्श निकाय में शामिल करने की अनुमति देगा। इस पहल के माध्यम से, एफ़आईआई आईआईएमए के छात्रों को विदेशों में जीवंत परियोजनाओं में शामिल होने के लिए बोकोनी विश्वविद्यालय में छात्र विनिमय पर जाने की सुविधा भी देता है। एफ़आईआई छात्रों को सीखने के अवसर प्रदान करने में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के अपने प्रयासों को लगातार जारी रखा है।

सामान्य प्रबंधन और नेतृत्व कक्ष

वर्ष की शुरूआत ट्रेज़र हंट के साथ बड़े उल्लेख से हुई जिसमें 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा द्वारा 'सामान्य प्रबंधन में कैरियर' पर एक सत्र और अमूल प्लांट के औद्योगिक दौरे को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस क्लब द्वारा पहली बार वक्ता श्रृंखला शुरू की गई थी, जिसमें टीएएस से वक्ताओं को परिसर में बुलाया गया था। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

जीएमएलसी ने ओपन डे का आयोजन किया जिसमें गुजरात के दस जितने महाविद्यालयों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसने प्रतिभागी छात्रों को न केवल संस्थान के जीवन की एक झलक मिली, बल्कि संगठन की टीम को यह भी जानने को मिला कि हमारे संस्थान के बाहर के छात्र कैसे संस्थान को देखते हैं। स्थानन से पहले, जीएमएलसी ने इच्छुक छात्रों की मदद के लिए अध्यक्ष समूह-चर्चाएँ और नकली साक्षात्कारों का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, उनका समय बचाने के लिए सामान्य प्रबंधन कंपनियों की प्रोफाइल उपलब्ध कराई गई थीं। समग्र रूप से जीएमएलसी ने अपने दूसरे वर्ष में महत्वपूर्ण प्रभाव और योगदान दिया। यह तीसरे वर्ष में संख्याओं और कई प्रकार की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

हेरिटेज क्लब

हेरिटेज क्लब ने छात्र समुदाय को अहमदाबाद और गुजरात की संस्कृति और विविधता के करीब लाने का प्रयास किया है।

वर्ष भर में कई हेरिटेज पैदल यात्राओं का आयोजन किया गया, जिसे काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। रात्रिभोज पैदल यात्रा आयोजित की गई, जिसमें सिद्दी सैय्यद मस्जिद (जहाँ से संस्थान ने अपना लोगो लिया है), जामा मस्जिद और माणेक चौक बाजार को शामिल किया गया, इस गतिविधि की सबसे ज्यादा माँग रही थी। इफ़्तियार पैदल यात्रा और रथयात्रा फोटो पैदल यात्रा में विविध, समृद्ध और राजस्थानी और गुजराती संस्कृति के अपने एकीकरण का स्वाद मिला।

ऐसे कलाकार जो ज्यादा प्रसिद्ध ना हों उन्हें एक मंच प्रदान करने की कोशिश में, हेरिटेज क्लब ने स्थानीय कलाकारों द्वारा एक भवाई नृत्य प्रदर्शन का आयोजन किया। इस वर्ष क्लब में एसपीआईसी मैके (भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति संवर्धन युवा सोसायटी) को भी शामिल किया गया। स्पिक मैके के एक हिस्से के रूप में, क्लब ने राजस्थानी लोक संगीत समूह द्वारा एक प्रदर्शन का आयोजन किया जिसने पूरे आईआईएमए समुदाय से श्रोताओं को आकर्षित किया।

इस क्लब ने छात्रों को अपने समय में बेहतर गतिविधियों में मदद करने के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाई जो उन गतिविधियों का आयोजन कर रहे थे जिससे वे छात्र समुदाय के साथ मिलकर और स्थानीय जगहों का पता लगा सकें।

आईआईएमऐक्ट्स

सभी सीनियर छात्रों ने जिससे पहली शुरूआत की वह थी - हॉरर / थ्रिलर पिक्चर परफेक्ट , जो अंग्रेजी में है जिसने अंत तक दर्शकों को हिलने तक ना दिया। इसके बाद आनंद और मनोरंजन से भरपूर कॉमेडी नाटक था - मिक्स वेज, एक दिल धड़काने वाली रोमांटिक कॉमेडी जिसमें पागलपन (शब्दशः) का एक तड़का था, और यहाँ तक कि सभी के लिए मसखरेपन के साथ, इसने यहाँ उपस्थित हर किसी को पर्याप्त सबक भी दिया।

शिक्षक दिवस के आयोजन में संकाय-छात्र नाटक, इस अवधि के लिए एक उन्मादी शुरुआत थी। यह नाटक परिसर में हमारे जीवन का एक प्रतिबिंब था, जिसने छात्रों के साथ-साथ संकायों की चिंताओं को एक हास्यपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त किया। इसके बाद था, रावणलीला, जो नुक्कड़ और मंचस्थ अभिनय शैलियों का एक मिश्रण था।

यह वर्ष क्लब के लिए लाभकारी रहा था : आईआईएमऐक्ट्स के कैओस स्टेज प्ले समारोह नाट्य कथा (गुलजार साब की 'खराशें') के साथ-साथ कैओस स्ट्रीट प्ले आग़ाज़ (तमाशा-ए-तस्करी : मानव तस्करी पर एक नाटक) ने अपनी संबंधित श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ने आगे बढ़कर अपने मुकुट में एक और कलगी जोड़ी, स्पेक्ट्रम-17 (निफ्ट गाँधीनगर) में भी स्ट्रीट प्ले के लिए पहला स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष की अन्य विशेषताओं में भारतीय फिल्म परियोजना (आईएफपी) के साथ वीडियो सहयोग और प्रसिद्ध थियेटर एवं फिल्म अभिनेता / निर्देशक / गीतकार पीयूष मिश्रा के साथ एक वक्ता सत्र भी शामिल हैं। क्लब ने वर्ष के अंत में फरवरी में 'द फाइनल एक्ट', पुराने छात्रों द्वारा अंतिम अलविदा के साथ समापन किया।

इनसाइट

इनसाइट, आईआईएम का सबसे पुराना कार्यक्रम 30 सितंबर से 2 अक्टूबर 2016 तक आयोजित किया गया था। तीन-दिवसीय इस कल्पनातीत कार्यक्रम में साद अहमद-उबेर इंडिया के बिजनेस डेवलपमेंट हेड, और सुरेश त्रिवेणी-मौका मौका विज्ञापन के पीछे रहा बाल-दिमाग, ने खचाखच भरे आरजेएम सभागार में संबोधन किया। कार्यशालाओं के भी सभी भागों इसी तरह की भीड़ देखी गई। नीलसन, पनाचे स्टूडियोज इंडिया, और लोवे लिंतास, आला दर्जे के बड़े विपणन नामों ने दर्शकों को प्रत्येक दिन अपनी सीटों से चिपकाए रखा।

संगोष्ठी के वास्तविक दिनों के आसपास के आकर्षण के मध्य, कार्यक्रमों के लिए प्राप्त जबरदस्त मात्रा में पंजीकरणों को अनदेखा करना आसान नहीं है, जिसने ऑनलाइन क्विज़िंग राउंड के साथ सप्ताह से पहले ही शुरुआत कर दी थी। ये कार्यक्रम किसी भी निर्धारित समय के बिना आयोजित किए जाते थे, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी।

फिर था कलाइडो समारोह, द पॉप-अप कबाड़ी बाजार, जिसमें डिजाइनरों और कलाकारों ने बिक्री के लिए हस्तशिल्प, सज्जा-सामान और अन्य सामान रखे थे। इस कार्यक्रम को अहमदाबाद की जनता को बहुत बड़ी संख्या में आकर्षित किया था, जो बड़े पैमाने पर परिसर में आए थे और इससे सी.टी. और बिज़ारे भोजनालयों के पास विहारपथ को अन्य अनुभव किया गया।

स्टैंड-अप कॉमेडी प्रदर्शन और संगीत शो ने इनसाइट-2016 को पूरा मनोरंजन से भरपूर बना दिया। विभिन्न समारोहों और कार्यशाला सत्रों में 25,000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए, और यह अभी तक के सबसे सफल आयोजनों में से एक रहा था।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क ने इस वर्ष सफलतापूर्वक कई गतिविधियों का आयोजन किया। इस वर्ष की शुरूआत पुराने छात्रों के साहित्य सप्ताह से हुई, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो उनकी विभिन्न साहित्यिक दक्षताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए नवांगतुकों को हमेशा उत्तेजित बनाए रखता है। परिसर के अंदर एक वाद-विवाद संस्कृति के निर्माण के लिए, एलएसडी ने नियमित संसदीय बहस का आयोजन किया, जहाँ विभिन्न विषयों पर बहस हुई। हालांकि, बहस के कैलेंडर का मुख्य आकर्षण, स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित संकाय-छात्र वाद-विवाद था। इस

बहस में निदेशक, प्रोफेसर आशीष नंदा और प्रोफेसर अरविंद सहाय ने एक छात्र समूह के 'जो छात्र सब्सिडी शिक्षा पाते हैं उन्हें निश्चित वर्षों तक के लिए देश में काम करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए' मुद्दों को उठाया था। इस कार्यक्रम ने एक दिलचस्प चर्चा को उभारा, जहाँ कई लोगों को अपनी राय व्यक्त करने का मौका मिला। यह कार्यक्रम दर्शकों से भरा था, आईआईएमए समुदाय के सभी वर्गों के सदस्यों ने इसमें भाग लिया और यह बहस काफी चित्ताकर्षक और प्रबुद्ध रही थी।

एलएसडी ने लिट-ए-रैली का आयोजन किया, जो वार्षिक अंतर-अनुभाग प्रतियोगिता है। कुछ क्विज़ों में काफी करीबी मुकाबला रहा और शिपरेक में बोलने वाले कौशल का तार्किक प्रदर्शन देखा गया। इस परंपरा को जारी रखने के लिए, आईआईएमए ने इस साल भी 13 सहभागियों को निहिलान्त में भेजा था। अपेक्षाकृत छोटे दल ने अपने कद से अधिक पंच दिखाए, जिनमें सात में से चार क्विज़ों में विजयी मुकाबला रहा।

एलएसडी ने इस वर्ष कैओस के दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया था। चार दिनों में छः कार्यक्रमों के साथ, एलएसडी ने सभी के लिए कुछ न कुछ पेशकश की थी। अंतिम दिवस पर, प्रसिद्ध रामानंद द्वारा लोकप्रिय जनरल क्विज के एक शानदार सांस्कृतिक उत्सव को अंजाम दिया गया।

मीडिया सेल

एक बौद्धिक समुदाय के लिए जो तार्किक शक्ति से मुग्ध हो और विश्व की पहचान करने में माहिर है, उन्हें संतुष्ट करना एक कठिन काम है। मीडिया सेल ने जो काम किए उस अर्हता को काफी हद तक बढ़ाना चाहिए, खासकर तब जब वर्ष के 4 समाचार-पत्र प्रकाशित किए गए हों। पीछे मुड़कर देखते हैं तो, टीम निश्चित तौर पर मीडिया सेक्रेटरी के दृष्टिकोण से अधिक आंतरिक क्लब बनकर खरी उतरी है।

इस वर्ष मीडिया सेल की प्रमुख उपलब्धि संतोष को या असंतोष को प्रकाशित करने में नहीं है। यह लोकतांत्रिक लेखन है। यह 'अभिव्यक्ति स्वतंत्रता के अधिकार' की धारणा को 'अभिव्यक्ति स्वतंत्रता के लेखन' में बदलने की कोशिश कर रहा है। शब्दचातुर्य को एक तरफ रखकर, मीडिया सेल ने परिसर में प्रकरण निर्माण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दीवार लेखन पहल की शुरुआत की। मीडिया सेल को अन्य कैरियर क्लबों और प्रोफेसरों के साथ समन्वित किया गया ताकि ग्रन्थकारिता को आकर्षक बनाने का सतत प्रयास किया जा सके। यह उल्लेखनीय है कि इस पहल ने पहले ही सफर में पाँच सहयोगियों (सृजनात्मक, वित्त + अर्थशास्त्र + सार्वजनिक नीति, जीएमएलसी + संचालन, विपणन, प्रौद्योगिकी + एंत्रे) से 40 से अधिक लेखों को आकर्षित किया। इन तीन सफल पुनरावृत्तियों की सफलता के साथ और आधिकारिक छात्र ब्लॉग के उद्घाटन के उत्पादन-केंद्र बनने के साथ, इस उद्यम के लिए दीवार-लेखन बहुत स्पष्ट है।

दीवार-लेखन पहल के अनपेक्षित परिणामों में से एक ने देश के प्रमुख लोगों पर पटकथा लिखने पर हमारी डिजाइन टीम की छिपी प्रतिभा की खोज की है। हमारी डिजाइन टीम ने राजनीतिक कमेंटरी की एक नई संस्कृति भी शुरू कर दी। टीम ने पैनल चर्चा शुरू करके समुदाय तक पहुँच के नए अवसर भी प्रारंभ किए। आखिरकार, जब भी कोई बोलने के लिए कुछ कहता है, तो मीडिया सेल की यह ज़िम्मेदारी है कि उन्हें सुना जाए।

मार्गदर्शन कक्ष

मार्गदर्शन कक्ष के लिए जून 2016 से मार्च 2017 तक अद्भुत वर्ष रहा। पिछले वर्ष के अपने मार्गदर्शक गुरुओं के साथ बीते अद्भुत अनुभवों को आगे बढ़ाने की भावना से मार्गदर्शक गुरु बनने के लिए (अनोखे 160 पीजीपी से लेकर 230 से अधिक पीजीपी) पीजीपी आवेदनों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। इस वर्ष मार्गदर्शन कक्ष ने आगंतुक बैच के लिए 80 से अधिक मार्गदर्शकों का आवंटन किया।

कक्ष ने अपने मार्गदर्शक गुरुओं को अपनी ज़िम्मेदारियों के प्रति अत्यधिक परिश्रम और अति प्राथमिकता से स्वीकार करते देखा, फिर चाहे वह एलकेपी लॉन में परिचयात्मक सत्र आयोजित करना हो या व्यक्तिगत रूप से आवासीय सलाह या आईआईएमए परिसर के भीतरी जीवन या अकादमिक या स्थानन संबंधित मार्गदर्शन।

मार्गदर्शन कार्यक्रम के अलावा, कक्ष ने एचआरक्यू और अन्य तत्वों के संबंध में ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया तैयार करने के लिए अन्य क्लबों के साथ मिलकर कई कार्यशालाएँ आयोजित की।

भोजनालय समिति

भोजनालय समिति परिसर में ताज़ा और स्वास्थ्यप्रद भोजन के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार रही और इसके लिए साप्ताहिक / द्वि-साप्ताहिक लेखापरीक्षा को इसने अंजाम दिया। भोजनालय समिति की सहायता से छात्र भोजनालय में नए खाद्य-विक्रेता ने शुरूआत की और पारंपरिक हार्वर्ड डिनर के साथ पीजीपी-2 के छात्रों ने पीजीपी-1 छात्रों का आईआईएमए के परिसर जीवन में महाभोज के साथ स्वागत किया। भोजन की बर्बादी का ध्यान रखने के लिए भोजनालय में वजन करने की मशीनें रखी गईं और खाद्यान्न अपशिष्ट कम करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। छात्र भोजनालय में छह खाद्य दुकानों के लिए संविदाएँ नवीनीकृत की गईं। नए परिसर में खाद्य दुकानों की कमी को पूरा करने के लिए नेस्केफे कीओस्क में अंडा पकाने की शुरुआत की गई। कक्षाओं के बीच ब्रेक के लिए स्वास्थ्यप्रद आहार के विकल्प के रूप में जैसे ढोकला और उपमा की कक्षाओं

के बाहर शुरूआत की गई। दिसम्बर में टपरी में कंक्रीट की फर्श और बर्तन मांजने के लिए सिंक बनाए गए और केएलएमडीसी पुस्तकालय के नजदीक एक नया आउटलेट बनाने पर विचार किया गया था। आईआईएमए समुदाय के लिए एक और उपयोगी वर्ष के अंत का जश्न मनाने के लिए इस नए साल में महाभोज का आयोजन किया गया था। एक सफल स्थानन सत्र के लिए बाहर जाने वाले बैच को बधाई देने हेतु दो संकाय-छात्र अंतर्क्रिया रात्रिभोज और बैच रात्रिभोज का आयोजन करके सत्र समाप्त हुआ।

मैड (एमएडी) क्लब

मूवी क्लब - एमएडी - मैड ने कॉन्फ़्लुअन्स डायरेक्टर सीरीज़-मांझी टीम से मिलिए का शुभारंभ करने के लिए कॉन्फ्लुअंस क्लब के साथ काम किया। इस कार्यक्रम में फिल्म निर्माण की कला और व्यवसाय का पता लगाया गया और आईआईएमए समुदाय को आज के आधुनिक युग की फिल्म बनाने में रचनात्मक और व्यावसायिक व्यवहार्यता किस तरह साथ-साथ चलते हैं को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। बेहद लोकप्रिय अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आपटे का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

आईआईएमए समुदाय ने पुराने युग की महान फिल्मों की प्रशंसा करने के लिए एक नई श्रृंखला 'उत्कृष्टता के स्मरण में" शुरू की थी। कासाब्लांका और सिटिज़न केन जैसी फिल्मों को सिनेमा प्रशंसकों की खुशी के लिए दिखाया गया था। विनिमय छात्रों को शेक्सपियर के हेमलेट : हैदर और क्वीन द्वारा हमारे विश्वास योग्य रूपांतरों को दिखाने के माध्यम से भारत का स्वाद बताया गया। जो मुख्यधारा के सिनेमा की सराहना करते हैं, उन लोगों के लिए कुंग फू पांडा और डेडपूल का स्क्रीनिंग किया गया था। खेल उत्साहियों के लिए, ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल, रोजर फेडरर और राफेल नडाल के बीच की एक क्लासिक फ़िल्म रवि जे. मथाई सभागार में प्रदर्शित की गई थी। फुटबॉल के प्रशंसकों ने बड़े पर्दे पर पूरे यूरोप के सबसे बड़े डर्बी मैच की स्क्रीनिंग हर पखवाड़े में दिखाई गई।

सिनेमा क्विज़ और साथ ही हैरी पॉटर फ़िल्म क्विज़, दी एवेंजर्स एवं एलओटीआर के आधार पर फिल्म क्विज़ों का आयोजन उत्साही लोगों के जुनून और सिनेमा के ज्ञान को साझा करने के लिए किया गया था। निशे क्लब के सहयोग से, एमएडी क्लब ने स्टीव जॉब्स की 'द मैन इन द मशीन' के वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया। प्रमुख उदेश्य, साझा सामग्री को बढ़ाकर और वाई-फाई पर उपलब्ध कराने के द्वारा डीसी++ की प्रोफाइल में वृद्धि करना था।

म्यूज़िक क्लब

म्यूज़िक क्लब के प्रथागत आयोजन 'आगाज़ 2016' के साथ वर्ष की शुरूआत हुई जिसमें क्लब के दूसरे वर्ष के छात्र-सदस्यों ने शानदार प्रदर्शन के साथ नए बैच का स्वागत किया। अगला कार्यक्रम 'हाई होप्स' था, जो प्रथम वर्ष के छात्र-सदस्यों द्वारा किया गया, जो फिर से अत्यंत सफल कार्यक्रम रहा था। क्लब ने स्वतंत्रता दिवस पर कुछ सदाबहार देशभक्ति गीतों के साथ देशभक्ति की भावना को आत्मसात किया।

इसके अलावा, क्लब ने शिक्षक दिवस पर संकायों के प्रति अपनी श्रद्धा जताने के लिए एफएसआई से सहयोग किया था। इस आयोजन में छात्रों और प्रोफेसरों दोनों की तरफ से संगीत कार्यक्रम शामिल थे और पूरे आईआईएमए समुदाय द्वारा बहुत आनंद लिया गया था। म्यूज़िक क्लब ने इनसाइट और कॉन्फ़्लुअन्स क्लबों के कार्यक्रमों में भी संस्थान का प्रतिनिधित्व किया और सभी दर्शकों को खुश कर दिया था।

क्लब के बैंड गाया और द गायज़ ने 'रॉक के ब्लिज़र्ड्स' विषय पर आईआईएमए का प्रतिनिधित्व किया, कैओस-2017 का प्रतिनिधित्व किया और दर्शकों को एक शानदार प्रदर्शन के साथ मंत्रमुग्ध किया। लोगों की रुचि के अनुसार, परिसर में सभी गिटार शौक़िन उत्साही लोगों के लिए गिटार कक्षाएँ आयोजित की गईं।

संगीत (म्यूज़िक) क्लब ने वर्ष का समापन उत्तीर्ण हो रहे प्रिय स्नातक सहपाठियों को समर्पित एक विदाई कार्यक्रम 'यूफोनी' के साथ किया।

निशे (विपणन क्लब)

वर्ष 2016-2017 में निशे क्लब द्वारा की गई गतिविधियों और पहलों की उत्तेजना किसी को भी हैरान कर सकती है जो भी महसूस करता है कि आईआईएमए में शामिल होने के लिए निशे क्लब 'अच्छा' कैरियर है। इसकी शुरूआत आईआईएमए के मशहूर पूर्वछात्रों की विशेषता वाले परिचय वीडियो के साथ हुई, जिसमें मैनक धर-सीईओ, जनरल मिल्स और अरविंद सहाय जैसे प्रसिद्ध प्रोफेसर शामिल थे, जो सभी नवागंतुक छात्रों से मिले।

शुरुआती महीनों में, विपणन कैरियर में दिलचस्पी रखने वालों को वक्ता श्रृंखला जैसे कि - राजनीतिक पी.आर. (भारत की जनता कैसे वोट करती है) या 2015 बैच के साथ प्रोफेसर सहाय के अंतर्क्रियात्मक सत्र में हर शब्द को सुनने के लिए तल्लीन किया जा सका था। इस वर्ष, निशे क्लब ने एक नई अवधारणा शुरू की : विपणन अड्डा, जिसने विपणन दिग्गजों से पहला अनुभव हासिल करने के लिए एक अवसर खोला। उसी समय पीएंडजी सेल्स इमर्शन जैसे फील्ड दौरे के माध्यम से और अधिक जमीनी स्तर के अनुभव के अवसर मिले।

स्थानन के दौरान हमेशा की तरह, अपनी साप्ताहिक विज्ञापन विश्लेषण प्रतियोगिताओं, उपचारात्मक सत्रों, मार्गदर्शन कार्यक्रमों, बनावटी समूह-चर्चाओं और साक्षात्कार सत्रों के माध्यम से, निशे क्लब ज्ञान का केंद्र बना हुआ था। स्थानन का बुखार खत्म हो जाने के बाद, निशे ने डिजिटल मार्केटिंग चैलेंज सहित कुछ मजेदार कार्यक्रम शुरू किए जो सोशल मीडिया के मंचों के माध्यम से अहमदाबाद स्थित 4-5 रेस्तराओं को बढ़ावा देने के लिए चल रही एक प्रतियोगिता है।

ऑप्टिमा

संचालन क्लब ऑप्टिमा ने संचालन प्रबंधन के ज्ञान केंद्र के रूप में इन वक्ता सत्रों की मेजबानी का काम किया जो इस तरह से थे - श्री नरेन्द्र बंसल, सीएमडी, इंटेक्स टेक्नोलॉजीज और श्री अनिल कुमार शर्मा, वी.पी. - सोर्सिंग, नेस्ले आदि जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के वक्ता सत्र। यह क्लब एक परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए चतुराई से काम कर रहा है और संचालनकर्ता उत्साही लोगों के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। संचालन में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से, ऑप्टिमा ने पीजीपी-1 के लिए एक स्वागत प्रश्नोत्तरी के साथ वर्ष शुरू किया। शिक्षाविदों के समर्थन में, कैरियर क्लब के रूप में, पीजीपी-1 और पीजीपी-2 दोनों के लिए ऑपरेशन मैनेजमेंट कोर्स के लिए उपचारात्मक सत्रों का आयोजन किया गया। ऑप्टिमा ने प्रथम वर्ष के छात्रों के बनावटी साक्षात्कार का आयोजन करके और प्रासंगिक विषयों पर दैनिक न्यूज़लेटर ओपीईएक्स भेजकर पीजीपी स्थानन समिति की मदद करने के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों की तैयारी में मदद की। ऑप्टिमा ने केपीएमजी के संरक्षण के तहत व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त छह सिग्मा ग्रीन बेल्ट कार्यक्रम की सुविधा भी प्रदान की है। लोकप्रियता की माँग पर, इसका दूसरा संस्करण आयोजित किया गया था। इस वर्ष, भारत में सभी लोकप्रिय बी-स्कूलों के लिए कॉन्फ़्लुअन्स की टीम के सहयोग से एक केस अध्ययन प्रतियोगिता ऑपस्ट्रक्ट का आयोजन किया गया।

पैनेसिया

आईआईएमए का स्वास्थ्य देखभाल क्लब पैनेसिया की टीम-2016-17 ने स्वास्थ्य सेवा उद्योग में प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों द्वारा अतिथि सत्रों के आयोजन से स्वास्थ्य सेवा के अवसरों के बारे में जागरुकता पैदा करने और परिसर में छात्रों पर समग्र स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करने की अपनी नींव के उद्देश्य पर खरी उतरी है।

जीसीआरआई और रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस और विजय दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें समुदाय से बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई।

शेल्बी अस्पताल के साथ बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) पर व्यावहारिक व क्रियाशील एक सत्र आयोजित किया गया, जिससे स्वास्थ्य आपातकालीन स्थितियों के दौरान सरल जीवन-बचाव तकनीक का अभ्यास किया जा सके।

हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी आवश्यक ओटीसी दवाओं के साथ हर छात्रावास में चिकित्सा किट प्रदान किए गए और छात्रों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई थी।

छात्र गतिविधि कार्यालय के साथ सहयोग करके और डेंगू / मलेरिया पर एक सर्वेक्षण आयोजित करके क्लब द्वारा मलेरिया के खतरे पर तत्काल कार्रवाई की गई, और बाद में भोजनालय में निवारक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

कैओस के दौरान नेस्ले इंडिया के सहयोग से आयोजित वैयक्तिकृत पोषण और कल्याण परामर्श सत्र, क्लब द्वारा वर्ष का अंतिम बड़ा कार्यक्रम था।

पिछले साल आयोजित वक्ता सत्र में प्रौद्योगिकी संचालित समाधानों की स्थिरता और भारतीय स्वास्थ्य सेवाएँ विषय पर चर्चा हुई, जिसमें प्रदीप के. जयसिंह (आईआईएमए के पूर्वछात्र और हेल्थस्टार्ट संस्थान के अध्यक्ष), विकास खोखा (निदेशक एचआर, जिम्मर-बायोमेट इंडिया), निशांत मेहता (विश्व वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक, मैडिट्रोनिक ग्रेटर चीन और इमर्जिंग मार्केट्स), और जीवनशैली विज्ञान में आईटी में कैरियर के अवसरों पर एक सत्र में श्री सुनील (प्रमुख, वेस्ट कोस्ट अमेरिका में इंफोसिस लाइफ साइंसेस बिजनेस) द्वारा चर्चा की गई।

पर्स्पेक्टिव

वर्ष 2016-17 में आईआईएमए समुदाय से भोजनालय गैलरी को ताज़ा बनाने के लिए तस्वीरों का स्रोत शुरू हुआ। फोटोग्राफी के प्रति उत्साही लोगों की ओर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें अपने फोटोग्राफी कौशल को अगले स्तर तक ले जाने में मदद करने के लिए, पर्स्पेक्टिव क्लब ने 'फोटोग्राफी डिमिस्टिफाइड' का आयोजन किया - जो डीएसएलआर कैमेरा चलाना, एक्सपोजर त्रिकोण और मोबाइल फोटोग्राफी जैसे पहलुओं को कवर करने वाली एक बेसिक फोटोग्राफी कार्यशाला थी। दूसरे वर्ष के छात्र विनिमय में जाने से पहले, पर्स्पेक्टिव ने निश्चित रूप से औपचारिक 'क्लब फोटो शूट' के लिए परिसर में 40 से अधिक छात्र गतिविधि निकायों के साथ समन्वय करके फोटो शूट सुनिश्चित किए थे।

पर्स्पेक्टिव में दूसरे सत्र के कार्यकाल के दौरान समुदाय को बनाए रखने के लिए कई गतिविधियों की योजना थी। यह अंतर-आईआईएमए थीम आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता (थीम - 'प्रकृति') के साथ शुरू हुई। व्यावहारिक स्टूडियो रोशनी और तकनीकों का उपयोग करते हुए आगंतुक विनिमय छात्रों के लिए

औपचारिक 'रेड ब्रिक्स' तस्वीरों को क्लिक करने की जिम्मेदारी पर्स्पेक्टिव ने ली थी। प्रकृति क्लब के साथ साझेदारी करते हुए, पर्स्पेक्टिव क्लब ने 'नलसरोवर' और 'लोथल' के लिए ऑफ-साइट का आयोजन किया जहाँ पर्स्पेक्टिव ने उपस्थित लोगों को फोटोग्राफ़ी की युक्तियाँ सिखाई थी।

सत्र 3 में विनिमय छात्रों के वापस लौटने के कारण, पुरानी यादों और कॉर्प-डीएस के लिए समय था - और पर्स्पेक्टिव ने समुदाय की यादें बनाने में मदद की, जो पूरे परिसर में पूरे 25 से अधिक छात्रावासों में 'डॉर्म फोटोशूट' के समन्वय से पुनःजीवंत हो उठे। पर्स्पेक्टिव ने अपने सोशल मीडिया पेजों पर गतिविधियों के माध्यम से बढ़ती हुई संलग्नता भी शुरू की - 'पीओटीडी' (दिवस भर का यादगार चित्र) पहल, जिसमें विभिन्न छात्र गतिविधियों की भूमिकाएँ, प्लेसकॉम की गतिविधियों और परिसर में कला प्रदर्शन करने वाले लोगों की तस्वीरों का लगातार प्रकाशन किया जाता रहा।

स्थानन समिति

इस वर्ष स्थानन टीम द्वारा ग्रीष्मकालीन और अंतिम स्थाननों के अलावा, कुछ उल्लेखनीय पहल कीं। सबसे पहले, सीवी की समीक्षाओं के लिए पुराने छात्रों के साथ नेटवर्क बनाने के लिए उम्मीदवारों के लिए सीवी (पाठ्यक्रम वृत्त) दिवस की पहल बेहद उपयोगी रही थी। दूसरे, प्लेसकॉम ने पीजीपी-2 छात्र जो अप्रैल और मई के महीनों में अध्ययन-मुक्त रहते हैं उनके लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए तलाश करना शुरू कर दिया। नवंबर में आयोजित ग्रीष्मकालीन स्थानन में क्लस्टर-2 और क्लस्टर-3 भूमिकाओं में क्रमिक विविधीकरण देखा गया। पार्श्व और अंतिम स्थानन में पहली बार भर्तीकर्ताओं का बड़ा खेमा देखा गया। सही क्षेत्र में उपयुक्तता खोजने के लिए उम्मीदवारों को पर्याप्त अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। अंतिम कुछ महीनों में प्लेसकॉम ने अपने मंच के आधुनिकीकरण के लिए डिजिटलीकरण पहल पर अपने संसाधनों का निवेश किया। कुल मिलाकर स्थानन संबंधी गतिविधियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक वर्ष रहा था।

प्रकृति

प्रकृति क्लब की स्थापना प्रकृति और प्रकृति की भावना को बढ़ावा देने, एक स्थायी तरीके के बारे में ज्ञान को अद्यतन करने और एक समाज कल्याण के काम में लोगों को शामिल करने के उद्देश्य से की गई थी। इस क्लब ने डॉर्म एनर्जी वॉर्स (छात्रावास ऊर्जा जंग) जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें बिजली को बचाया जा सकता है, जिसके बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक स्वस्थ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है और कम से कम ऊर्जा खपत वाले छात्रावास को विजेता के रूप में घोषित किया जाता है। इसके अलावा क्लब एक वृक्षारोपण ड्राइव भी चलाता है जिसमें छात्र समुदाय वृक्षारोपण करते हैं ताकि उन्हें प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए जिम्मेदारी और अवसर प्रदान किया जा सके, और परिसर परिचय प्रश्नोत्तरी (विमवियन ग्रीन क्विज), पेड़ नामकरण, प्रकृति फोटोग्राफी प्रतियोगिता, पक्षी निगरानी सत्र और नल सरोवर यात्रा से छात्रों को प्रकृति की सैर और प्रेरणा के अवसर प्रदान किए जाते हैं, जो सभी क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप रहे हैं।

प्रकृति क्लब अन्य संस्थानों के लिए दैनिक उपयोग के अक्षय ऊर्जा स्रोतों और हरित प्रथाओं को अपनाने के लिए पथप्रदर्शक बनने की सुविधा देता है।

प्रयास

एक सामाजिक पहल के रूप में प्रयास क्लब ने लगभग 100 बच्चों ने वर्तमान में दाखिला दिया है, और यह क्लब उनके स्कूल और अन्य शिक्षा खर्चों को प्रायोजित करके तथा शाम को पूरक कक्षाएँ लगाकर उनकी शिक्षा का ध्यान रखता है।

फाइन आर्ट्स क्लब के साथ मिलकर, प्रयास ने कई कलाओं और शिल्प कार्यशालाओं की व्यवस्था की। आईआईएमएऐक्ट्स ने बच्चों को आरजेएम सभागार में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया। प्रयास के बच्चों ने भी अहमदाबाद स्थित गैर सरकारी संगठन अप्रोच द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया था और कैओस-2017 में भी प्रदर्शन किया था। प्रयास ने कई त्यौहारों और बच्चों के जन्मदिनों को भी मासिक रूप से मनाया। क्लब ने सभी बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया था।

प्रयास ने दान-देने-का-आनंद सप्ताह के साथ अपना काम जारी रखा। बच्चों को उनकी इच्छाओं को लिखने के लिए कहा गया था और लिखी हुई पर्चियों को इकट्ठा और समेकित किया गया और आईआईएमए समुदाय के साथ साझा किया गया, जो बच्चों को उपहार देने के लिए संलग्न हुए।

आईआईएमए समुदाय के लिए एक मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू किया गया था, इसमें दिलचस्पी रखने वाले प्रतिभागियों को प्रयास के बच्चों का पालनकर्ता बनाया गया था। इस कार्यक्रम को बड़े भाई-बहन कार्यक्रम का नाम दिया गया था और इसे रक्षाबंधन समारोह के लिए फाइन आर्ट्स क्लब द्वारा एक राखी बनाने की कार्यशाला साथ आयोजित करके किया गया था।

इटली के विनिमय छात्रों ने प्रयास के लिए धन जुटाने के लिए एक इटालवी थीम्ड रात्रिभोज का आयोजन किया। विनिमय छात्रों ने कुछ बच्चों के लिए फुटबॉल प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए। प्रयास गार्डियन एन्जल कार्यक्रम से शुरूआत की थी, जिसे एक दाता पूरे वर्ष के लिए एक या कई छात्रों की पूर्ण आवश्यकता को प्रायोजित कर सकता है, जिसमें एएफपी बैच से बहुत अधिक

दिलचस्पी देखी गई।

उत्पाद प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्लब

उत्पाद प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्लब के लिए वर्ष 2016-17 बहुत रोमांचक रहा है। इस साल क्लब ने विभिन्न कैरियर की संभावनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में अधिक ध्यान दिया, जो प्रबंधन छात्रों को प्रौद्योगिकी कंपनियों में देख सकते हैं। इस तरह के प्रयास के साथ, क्लब ने एक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया।प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ईकॉमर्स और स्टार्टअप के बारे में उद्योग के दृष्टिकोण को लाने के लिए, क्लब ने कई वक्ता सत्रों की मेजबानी की। मियान्त्रा, हाउसिंग डॉट कॉम, माइक्रोसॉफ्ट, सोक डॉट कॉम और सिस्को से मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं उपप्रमुख जैसे स्तर के वक्ताओं ने परिसर में आकर कई समकालीन विषयों पर व्याख्यान दिए।

एक अन्य प्रमुख पहल के रूप में ग्रीष्मकालीन, पार्श्व और अंतिम स्थानन के दौरान छात्रों की सहायता के लिए गुणवत्ता वाली सामग्री इस क्लब ने तैयार की थी। यह पहल बेहद प्रभावी साबित हुई क्योंकि छात्रों ने अपने साक्षात्कारों को बेहद अच्छी तरह से संभाला। प्रोफेसरों के साथ मिलकर क्लब व्याख्यान देने में सक्षम रहा है जो विद्यार्थियों को स्थानन के लिए मदद करता है। इसके अलावा, क्लब ने पीजीपीएक्स के छात्रों और बैच के अन्य अनुभवी उम्मीदवारों के सहयोग से कई बनावटी समूह चर्चाओं, बनावटी साक्षात्कारों और परामर्श कार्यक्रमों का आयोजन किया।

क्लब ने कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जैसे कि आईओटी हैकथॉन और टेक्नोमैनिया, जो पूरे छात्र समुदाय के लिए एक तकनीकी प्रश्नोत्तरी थी। इसके अलावा, क्लब सूचना प्रणाली समूह के पाठ्यक्रम के लिए उपचारात्मक सत्रों की पेशकश करके अपनी शैक्षिक गतिविधियों में छात्रों की सहायता करने में सक्रिय रूप से भी शामिल रहा।

सार्वजनिक नीति

संस्थान में नीतिगत मुद्दों की बेहतर समझ के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने हेतु पूरे साल पब्लिक पॉलिसी (सार्वजनिक नीति) क्लब द्वारा प्रयास किया गया और इस तरह से यह छात्रों को नीतिगत मामलों के बारे में अधिक जानकारी देने में मदद करता रहा है। क्लब ने प्रसिद्ध व्यक्तियों जैसे कि श्री आदिल जैनुल भाई (सेवानिवृत्त अध्यक्ष, मैकिन्से एंड कं), प्रोफेसर संदीप पांडे (रैमन मैगसेसे विजेता), प्रोफेसर हर्ष मंदर (सदस्य एनएसी) द्वारा भारत में सार्वजनिक नीति विषय पर शिक्षा के रूप में, इसमें करियर आदि पर वक्ता सत्रों का आयोजन किया था। क्लब ने कॉन्फ़्लुअन्स के साथ मिलकर निरर्थक अर्थव्यवस्था के विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया, जिसके अध्यक्ष प्रोफेसर अनीश सुगथन (व्यवसाय नीति, आईआईएमए) ने किया और डॉ. जयप्रकाश नारायण (पूर्व विधायक, एफडीआर के महासचिव) और श्री आर. एच. ख्वाजा (पूर्व संयुक्त सचिव, एमओईएफ) ने उपस्थित सदस्यों के बीच चर्चा की।

क्लब ने एक निबंध लेखन प्रतियोगिता काआयोजन किया था और एक केस अध्ययन प्रतियोगिता जिसमें पूरे देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों की प्रतिभागिता शामिल थी। क्लब ने एक आदर्श संयुक्त राष्ट्र मॉडल का भी आयोजन किया जिसमें देश भर से शीर्ष महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया।

शेयर

शेयर क्लब ने ज्ञान को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में शुरूआत की, और बड़े पैमाने पर विकसित हो गया, जो अब एक कॉर्पोरेट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में, एक सामाजिक नेटवर्क और एक परामर्श संगठन के रूप में काम कर रहा है। शेयर अपने सदस्यों को प्रशिक्षित करता है और उन्हें 4 विभिन्न महाद्वीपों और 15 से अधिक देशों के अन्य छात्रों के साथ बातचीत करने के अवसर प्रदान करता है। शेयरआईआईएमए, वैश्विक शेयर के प्रमुख चैप्टरों में से एक बन गया है।

पिछले साल, शेयर ने आईबैच प्रतियोगिता (अंतरराष्ट्रीय बैच) की शुरूआत की, जिसमें 250 से अधिक वैश्विक छात्रों की भागीदारी देखी गई। आईआईएमए सदस्यों में से एक की अध्यक्षता वाली इस टीम को इस 6 महीने के लंबे आयोजन में दूसरा स्थान मिला। टीम के वरिष्ठ सदस्यों ने 2 महाद्वीपों में 3 वैश्विक परियोजनाएँ अपनाईं, जो मुख्य रूप से ऊर्जा उद्योग पर केंद्रित थी। आईआईटी बॉम्बे में इस साल भारत में शेयर वर्ल्ड सेमिनार आयोजित किया गया था। कई वरिष्ठ सदस्यों ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और वैश्विक अग्रणियों और सदस्यों से मिले। पूरे एशिया में नएनए शेयर चैप्टरों को संरक्षक बनाने के लिए योजनाएँ बनाई गई हैं और पूरे विश्व में इस समुदाय को मजबूत बनाने के लिए मदद की गई है।

स्माइल

वर्ष 2016-17 के मुख्य आकर्षण में से एक 27 अक्टूबर, 2016 को स्माइल का आधिकारिक उद्घाटन था। इस कार्यक्रम में निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा, वाघ बाकरी चाय समूह के अध्यक्ष श्री पीयूष देसाई, प्रोफेसर राकेश बसंत डीन (पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध) व संकाय समन्वयक, प्रोफ़ेसर अनिल गुप्ता, स्माइल के शिक्षक गण, वाघबकरी और स्माइल टीम के प्रतिष्ठित अतिथियों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। स्माइल को वाघबकरी समूह से वित्तीय सहायता मिलती है, इस केंद्र के लिए जगह अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा प्रदान की गई है, जबकि इसके नियमित कार्यसंचालनों के लिए आईआईएमए समुदाय अपना आवश्यक समय और अपने प्रयत्न उपलब्ध कराता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान स्माइल के समन्वयक विनीत और उनकी टीम ने, इस सफलतामें योगदान करने के लिए कई पहलें कीं। अध्यापन में भाषा अवरोध (अधिकांश बच्चे गुजराती माध्यम के हैं) तथा अतिव्यस्त अकादमिक कार्यसूची (प्रति सप्ताह चार घंटे तक टीम सदस्यों को काम देना है) जैसे विभिन्न मुद्दों को झेलते हुए, ये नियमित रूप से दसवीं कक्षा से लेकर बारहवीं तक के 60 जितने छात्रों को प्रशिक्षित करते हैं। स्माइल केंद्र सप्ताह में छह दिनों तक खुला रहता है। इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इन्होंने वस्त्रापुर गाँव में और आसपास के इलाके से विभिन्न समुदायों के दौरों का आयोजन किया। क्विलिंग जैसी विभिन्न कार्यशालाएँ और स्वतंत्रता दिवस पर नृत्य प्रदर्शन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। बच्चों को मनोरंजन करने के लिए फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई ताकि बच्चे नियमित पढ़ाई में ही डूबे रहकर ऊब ना जायें। वर्ष भर की गतिविधियों ने शामिल छात्रों को व्यस्त रखा।

8 जनवरी को इग्नाइट अवार्ड्स आयोजित किए गए, जिसमें स्माइल और प्रयास दोनों के 60 छात्र शामिल रहे। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर की है और 18 वर्ष से कम आयु वाले छात्रों को प्रोत्साहित करती है ताकि वे रोज़मर्रा की समस्याओं के नवप्रवर्तक समाधान प्रस्तुत कर सकें। प्रस्तुतकर्ता ने पिछले वर्ष की प्रस्तुतियाँ और समिति की अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया। छात्रों ने बहुत उत्साह के साथ जवाब दिए और अनूठे विचारों को प्रस्तुत किया जिन्हें प्रस्तुतकर्ता द्वारा मूल्यांकित किया गया था।

स्पॉर्ट्स (खेल) समिति

वर्ष की शुरूआत से ही सतत आधार पर परिसर में खेल सुविधाओं को सुधारना स्पोर्ट्स समिति का उद्देश्य रहता है। यलगार (नए छात्र पुराने छात्र खेल मिलन) के साथ वर्ष की शुरूआत हुई, जिसमें नए बैच में खेल प्रतिभा को आसानी से तलाशा गया और आने वाले खेल मैचों के लिए टीम में अधिक गंभीर भूमिकाओं के लिए उन्हें तैयार किया गया। शौर्य (आईआईएमए का खेल महोत्सव) में, आईआईएमए टीम ने सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करते हुए टूर्नमेंट ट्राफी प्राप्त करने के साथ सभी टीमों का प्रदर्शन चरम पर रहा। महासचिव के सदैव समर्थन के साथ, प्रत्येक छात्रावास को खेल के उपकरण भी प्रदान किए गए थे।

स्वतंत्रता दिवस और सरदार पटेल जयंति के रूप में, आईआईएम समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी को देखते हुए, स्पोर्ट्सकॉम ने विभिन्न दिनों के महत्व के साथ अल्पावधि दौड़ के आयोजनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नया साल थोड़ा सुस्ती से शुरू हुआ, हालांकि, आईआईएमए द्वारा संघर्ष में विजेता बनकर इस सुस्ती को तोड़ा गया। स्पोर्ट्सकॉम ने साल भर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए साइकल और अतिरिक्त उपकरणों की खरीद की, जिसमें स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मनोरंजक गेमिंग के लिए एक नया एयर हॉकी टेबल शामिल है।

स्टारगेजर्स

स्टरगेज़र्स शौकिया खगोल विज्ञान को बढ़ावा देने और ब्रह्माण्ड विज्ञान, विज्ञान कथा, अंतरिक्ष तकनीक, भौतिकी और दर्शन पर आधारित नवीन और रोमांचक घटनाओं का आयोजन करने के लिए एक विशेष रुचि समूह है।

रात्रि आकाश दर्शन सत्र : इस क्लब ने सितारों, नेबुला, ग्रहों और परिसर से दिखाई देने वाली अन्य आकाशीय वस्तुओं के बारे में अतिरिक्त जानकारी के साथ अनेक स्टारगेज़िंग सत्रों का आयोजन किया।

टेलिस्कोप चलाने पर कार्यशाला : सुपरमून चंद्र ग्रहण की पूर्व संध्या को और सभी कलाओं में चंद्रमा को निहारने के लिए दूरबीन के साथ व्यवहारिक व क्रियाशील सत्र।

स्टार पहेली : खगोल विज्ञान के दिलचस्प सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं का परीक्षण करने के लिए स्टारगेज़र्स द्वारा आयोजित वार्षिक खगोल विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।

कच्छ के रण की यात्रा : कच्छ के रण में एक खगोलिय फोटोग्राफी का दौरा किया गया। अहमदाबाद में प्रकाश प्रदूषण को देखते हुए, इस यात्रा से रात्रि में स्पष्ट आकाश देखने का एक शानदार अवसर मिला।

टेडएक्स आईआईएमअहमदाबाद

टेडएक्स आईआईएमअहमदाबाद एक विशेष रुचि समूह है जो इस अकादमिक वर्ष के मध्य में शुरू हुआ था। एसआईजी की प्रमुख गतिविधि टेडएक्सआईएम अहमदाबाद समारोह थी, जो फरवरी के अंतिम सप्ताह में हुई थी। इस समारोह के लिए एक विषय चुनने हेतु काफी प्रयास किए गए थे। काफी चर्चा और विचार-विमर्श के बाद, समारोह का विषय रेनेसंस (पुनर्जागरण) के रूप में अंतिम रूप दिया गया था। टेड नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए और सामान्य रूप में टेड के मुख्य उद्देश्य के लिए, विविध पृष्ठभूमि वाले वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था, जो अपने भाषणों के माध्यम से सत्र को प्रभावी बना सकें।

अंत में, इन मापदंडों को पूरा करने वाले सात वक्ताओं का एक समूह टेड की मानक 18 मिनट की अवधि के भीतर भाषण देने के लिए चुना गया था। यह कार्यक्रम एसआईजी के संकाय सलाहकार प्रोफेसर धीरज शर्मा द्वारा समारोह का संक्षिप्त विवरण देते हुए अतिथि वक्ताओं के प्रति स्वागत भाषण के साथ शुरू हुआ। यह समारोह छह घंटे की अवधि का था, जिसमें सात वक्ताओं ने समारोह के विषय से संबंधित अपने क्षेत्रों के मुद्दों/विकास के बारे में वार्ता की थी।

पीजीपीएफएबीएम, पीजीपीएक्स, एफपीएम और एएफपी के प्रतिभागियों के साथ, यह समारोह सभी पहलुओं से एक वास्तविक आईआईएमए समुदाय का कार्यक्रम था। सत्र के पूरा होने और शुरू होते सत्र के बीच में, अतिथि वक्ताओं और आईआईएमए समुदाय के सदस्यों के बीच बातचीत की सुविधा के लिए प्रयास किए गए थे। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि इस समारोह से शामिल प्रतिभागियों के लिए ज्ञान और अनुभव साझाकरण के एक मंच के रूप में कार्य किया गया।

महिला नेतृत्व सोसाइटी (डब्ल्यूएलएस)

महिला नेतृत्व सोसाइटी ने वर्ष 2016 की शुरूआत शैतान के वकील (डेविल्स एड्वॉकेट) नाटक के मंचन से की थी। बहस सत्र में छात्रों और कर्मचारियों से बहुत उत्साहित भागीदारी प्राप्त हुई। हमने फ़ुल फ्रंटल डब्ल्यूएलएस के न्यूजलेटर का भी शुभारंभ किया जिसे आईआईएमए समुदाय ने काफी सराहा।

हमने वर्ष 2016-17 के दौरान, कई प्रसिद्ध वक्ताओं की मेजबानी की। हमने सुश्री कृपा वेंकटेश निदेशक (टेक्सेशन) अमेज़न इंडिया, आईआईएमए की पूर्वछात्र उषा बोरा (लाइफस्टाइल ब्रांड जेमिनी की संस्थापिका), साई जोशी और श्रीराम पद्मनाभन को आईआईएमए दंपत्ति होने के नाते और इनके नए स्टार्टअप साइमॉर्ग को ध्यान में रखकर आईआईएमए समुदाय में आमंत्रित करके उनके अनुभव के दिलचस्प अंतर्क्रियात्मक सत्र आयोजित किए। आईआईएमए की एक अन्य पूर्वछात्रा जो वक्ता सत्र के लिए आई थी, वे थीं सुप्रसिद्ध सुश्री मल्लिका साराभाई। हमने द हिंदू के रणनीतिक और कूटनीतिक मामलों की संपादक सुश्री सुहासिनी हैदर को भी डब्लूएलएस और आईआईएमए समुदाय के लिए एक प्रेरक अंतक्रिया सत्र में आमंत्रित किया था, जिन्होंने इराक, लीबिया, लेबनान और सीरिया जैसे देशों में अपने विशाल अनुभव के बारे में बताया।

इसके अलावा, हमने वार्षिक महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन स्पॉटलाइट का आयोजन आईएमएएम के वार्षिक प्रबंधन सम्मेलन, कॉन्फ़्लुअन्स के सहयोग से किया। हमने विभिन्न पृष्ठभूमि के तीन वक्ताओं की मेजबानी की कॉमेडियन और अभिनेता सुश्री मल्लिका दुआ, मेनस्ट्रुपीडिया की संस्थापक सुश्री अदिति गुप्ता, और टेलीरेडियोलॉजी सॉल्यूशंस की संस्थापक सुश्री सुनीता माहेश्वरी। इस कार्यक्रम में आईआईएमए समुदाय और बाहरी प्रतिभागियों की तरफ से बहुत बड़ी भागीदारी रही।

हमने मार्च-2017 में हमारे सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम शुरू कर दिए थे, जब हमने महिला दिवस समारोह के लिए आईआईएमए के परिसर में अहमदाबाद के एक अनाथाश्रम की बच्चियों की मेजबानी की थी। इस महिला दिवस समारोह ने सैयद सुल्तान अहमद मुस्लिम यतीमखाना में लड़कियों के विकास की लंबी यात्रा की शुरूआत कर दी।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://library.iima.ac.in विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। इसने अपने संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक एंड्रॉइड ऐप भी लॉन्च किया है। इसने हाल ही में उपयोगकर्ताओं के लिए ईबुक रीडर लैंडिंग सेवा शुरूकी है। यह पुस्तकालय, सामग्रियों(मुद्रित व अमुद्रित) के संग्रह एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के चुनने, प्राप्त करने, व्यवस्थित करने, पुन: प्राप्त करने, बनाए रखने, तथा इन तक की पहुँच को सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है।

संसाधन

विवरण	2016-17 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2017 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2,367	1,94,240
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	650	46,039
आधारपत्र	83	2,624
शोधप्रबंध	12	330
परियोजना प्रतिवेदन	127	2,187
शैक्षणिक वीडियो कैसेट	–	128
सीडी / डीवीडी	68	2,527
मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता	48	19,815
समाचार पत्र	–	103
वापस ली गई पुस्तकें	–	2000

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास अपने उपयोगकर्ताओं के समक्ष नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ईजर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और देश के डेटाबेस

एसीई नॉलेज एंड रिसर्च (एसीई इक्विटी), एसीई म्युचुअल फंड (ऑफ़लाइन), बैंकरप्ट्सीडेटा, ब्लूमबर्ग, कैपिटलाइन, सीएमआईई - कैपएक्स, सीएमआईई - कैपएक्स डीएक्स, सीएमआईई - कमोडिटीज, सीएमआईई - इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई - इंडस्ट्री आउटलुक, सीएमआईई - प्रोवस डीएक्स, सीएमआईई - प्रोवेस आईक्यू, सीएमआईई - भारत राज्य, सीएमआईई ट्रेड डीएक्स, कॉम्प्युसैट (उत्तरी अमेरिका यूनिवर्सिटी पैकेज), कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, क्रिसिल रिसर्च, सीआरएसपी (प्रतिभूति प्रक्रिया में अनुसंधान केंद्र), डेटास्ट्रीम, डीओन इनसाईट, जिला मेट्रिक्स, डीएसआई डेटा सर्विस और सूचना, ईएमआईएस इंटेलिजेंस (आईएसआई उभरते बाज़ार (एशिया)), ईपीडब्ल्यूआरएफ आर्थिक एवं विपणन समीक्षा एवं अनुसंधान, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, यूरोमॉनिटर पासपोर्ट, फ्रॉस्ट एंड सुलिवान ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, गार्टनर, इंडियन बोर्ड्स, इंडियास्टैट डॉट कॉम, इंफ्रालाइन -कोयला सेक्टर, इन्फ्रालाइन - ऑयल एवं गैस सेक्टर, इंफ्रालाइन - पावर सेक्टर, आईएसआईडी डेटाबेस औद्योगिक विकास में अध्ययन संस्थान, मार्केटलाइन एडवांटेज, एमआईसीए भारतीय विपणन आसूचना, नास्कॉम सदस्य निर्देशिका, ओर्बिस बैंक फोकस, थॉमसन रॉइटर्स ईकॉन, ट्रैकएक्सन डॉट कॉम, वेंचर इंटेलिजेंस : एमएंडए डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस : प्राइवेट इक्विटी डील डाटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस : रियल एस्टेट डील डेटाबेस,डब्लूएआरसी डेटाबेस, और डब्लूआरडीएस।

ई-जर्नल डेटाबेस

एबीआई / इन्फॉर्म कम्प्लीट, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, ईबीएससीओ अकादमिक सर्च कम्प्लीट, बिजनेस सोर्स कम्प्लीट, इकोनलिट, साइकआर्टिकल्स, एमराल्ड इनसाइट, आईईईई एक्सप्लोर, आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स डॉट कॉम, इन्फॉर्म्स पब्सऑनलाइन, जेएसटीओआर, स्प्रिंगर लिंक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, सेज जर्नल्स, साइंस डायरेक्ट (एल्सेवियर), टेलर और फ्रांसिस ऑनलाइन और विले ऑनलाइन लाइब्रेरी।

ई-पुस्तकों के डेटाबेस

ईब्रेरी (ईपुस्तक सेंट्रल), बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस ईबुक्स, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (शिक्षा), ओईसीडी (कृषि एवं खाद्य), टेलर एवं फ्रांसिस ईबुक्स, विश्व बैंक ई-पुस्तकालय और विश्व ईबुक लाइब्रेरी

अनुसंधान समर्थन के उपकरण / डेटाबेस

ग्रामरली, विज्ञान की वेब (वर्ष 1999 से 2006 और 2015 तक के प्रशस्तिपत्र सूचकांक), आमंत्रित पेपर्स, प्रॉक्वेस्ट निबंध और शोध प्रबंध पूर्ण पाठ मानविकी और सामाजिक विज्ञान संग्रह, सेज अनुसंधान तरीके ऑनलाइन, वैज्ञानिक वित्तपोषण और स्कोपस

समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के डेटाबेस

दी इकोनोमिस्ट (1997 के बाद से), एफटी डॉट कॉम, एफटी आर्काइव (1888-2010), इंडिया बिज़नेस इनसाइट एंड प्रेस डिस्प्ले, न्यूयॉर्क टाइम्स, वॉल स्ट्रीट जर्नल और प्रॉक्वेस्ट टाइम्स ऑफ इंडिया आर्काइव (1888 से 2010 तक)

विधिक डेटाबेस

एआईआर आपराधिक कानून, एआईआर उच्च न्यायालय, एआईआर प्राइवी काउंसिल, एआईर सुप्रीम कोर्ट, लेक्सिसनेक्सिस अकादमिक, क्लुवर आर्बिट्रेशन लॉ और वेस्टलॉ (इंडलॉ सहित)।

अन्य डेटाबेस

ब्रिटानिका विश्वकोश, पावर लिंगो एफ़एक्स25, दक्षिण एशिया आर्काइव, ई-रिसर्च, और विश्व बैंक डेटा।

डेटा सेट

एएसआई-यूनिट स्तर डेटा (1983-2014), सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, भारत की जनगणना, दैनिक वर्षा डेटा अहमदाबाद स्टेशन (1975-2006 और 2012), 10 स्टेशनों (2004-2011) के लिए दैनिक सर्फेस डेटा (भारत), भारत का जिला जीडीपी (2001-2002 से 2015-2016), जिला वार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईएमएस टीबीरोधक डेटा, मासिक सर्फेस डेटा (1961-2014), एनएसई सीएम एवं एफएओ (1999-2017), एनएसएस डेटा (राउंड संख्या 5171) (1994-2014) और यूसीएलएलोपकी बैंकरप्ट्सी अनुसंधान डेटाबेस

विशेषीकृत खोज उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ एटूजेड और रिमोट लॉग इन।

सेवाएँ

- संचलन
- पठन सुविधा
- ई-मेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ और सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज़ वितरण
- अंतर-पुस्तकालयी ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण और ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता
- ई-बुक रीडर लैंडिंग सेवा

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रिमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है

प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु विपणन

- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक विपणन

पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र की सदस्यता देना शुरू किया है।

कल्याण गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

कल्याण समिति ने 8 मार्च, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह मनाया। समिति ने संस्थान से जुड़ी सभी 201 महिला कर्मचारियों को मिठाई के पैकेट और गुलाब वितरित करने की व्यवस्था की और सभी स्थायी महिला कर्मचारियों के लिए विशेष मध्याह्न महाभोज का आयोजन किया।

कर्मचारी वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

कल्याण समिति द्वारा 35 साल से अधिक आयु वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन अप्रैल-जुलाई 2016 के दौरान कोलंबिया एशिया अस्पताल, अहमदाबाद में किया गया था। इस गतिविधि से कुल 344 कर्मचारी और उनके जीवनसाथी लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

कल्याण समिति ने 10 मई से 10 जून 2016 के दौरान समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया, जिसमें नृत्य कार्यशाला, कला और शिल्प कार्यशाला और ओरिगामी और पेंटिंग कार्यशाला जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया था। समिति ने समुदाय के बच्चों को एएमए और वीएएससीएससी में आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और इन कक्षाओं में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे को 500 रुपए की प्रतिपूर्ति की गई थी। इन कक्षाओं में अट्ठाईस बच्चों ने भाग लिया था।

प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

प्रोफेसर बी.एच. जाजू ने स्वेच्छा से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एक निधि स्थापित करने के लिए 25,00,000/ रुपये की राशि का दान किया था। प्रोफेसर जाजू द्वारा गठित उपसमिति चिकित्सा आवश्यकताओं की वास्तविकता की जाँच करती है और कल्याण समिति की मदद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि वितरित करती है। इस वर्ष 1,41,150/ रुपए समूह सी एवं डी के सेवानिवृत्त कर्मचारी सदस्यों को चिकित्सा बिलों और डॉक्टरों / मेडिकल स्टोर द्वारा जारी प्रमाणपत्र जैसे आवश्यक प्रमाण की पुष्टि के बाद प्रतिपूर्ति की गई।

पहली बार, प्रोफेसर बी.एच. जाजू चिकित्सा योजना ने सेवानिवृत्त समूह सी एवं डी सीपीएफ़ के कर्मचारियों के लिए वार्षिक सामान्य स्वास्थ्य जाँच को प्रायोजित किया। लगभग 25 पूर्व कर्मचारी इस पहल से लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति अपने जनादेश में समुदाय के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 10 मासिक किश्तों में वसूलने योग्य ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण प्रदान करती रही है। कल्याण समिति ने इस राशि को 50,000/ रु. से बढ़ाकर 75,000/ रु कर दिया है। इस वर्ष समुदाय के चार बच्चों ने इस योजना का लाभ उठाया।

गुजराती नववर्ष समारोह

प्रति वर्ष, दीवाली की छुट्टियों के बाद, कल्याण समिति गुजराती नववर्ष का जश्न मनाने के लिए मिलन समारोह का आयोजन करती है। इस वर्ष भी 11 नवंबर 2016 को, गुजराती नववर्ष को दीप मालाएँ जलाकर, फूलों की सजावट करके, आतिशबाजी करके और सभी उपस्थित लोगों में मिठाई पैकेट वितरित करके मनाया गया।

इतने वर्षों में पहली बार, लुई काह्न प्लाज़ा में गुजराती नववर्ष समारोह का आयोजन किया गया था। पूरे लूई काह्न प्लाज़ा को मोमबत्तियों से रौशन किया गया था। निदेशक, डीन-एईआर, डीन-फैकल्टी, डीन-कार्यक्रम, और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने मिलन समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों को बधाई दी।

संस्थान दिवस समारोह

संस्थान के स्थापना दिवस को मनाने के लिए, हर साल 11 दिसंबर को संस्थान दिवस मनाया जाता है। इस समारोह के दौरान, निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों और कर्मचारी सदस्यों को उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। इस साल 41 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। हर साल सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है जिसमें समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और छात्रों ने प्रदर्शन किया। पहली बार, कुछ पुरुष कर्मचारियों ने भी इस सांस्कृतिक प्रदर्शन में भाग लिया था।

शैक्षिक पहल - शिक्षण कक्षाओं का आयोजन

एक गैर सरकारी संगठन संवाद के साथ मिलकर कर्मचारी कल्याण समिति ने 1 से 8 कक्षाओं में पढ़ने वाले समूह सी तथा डी कर्मचारियों के बच्चों के लिए कैम्पस में मुफ्त शिक्षण का आयोजन किया। इस पहल का आयोजन संवाद द्वारा दिया जा रहा है, जो शिक्षा, चिकित्सा, कानून, वित्त, कॉर्पोरेट, कला, साहित्य, संगीत आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से स्वयंसेवकों का बना एक समूह है, जो समाज के वंचित लोगों से इस कार्य के लिए जुड़ते हैं। इस समूह की प्राथमिकता शैक्षणिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। वर्तमान में, 25 बच्चे इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फंड

कर्मचारी कल्याण समिति ने इस वर्ष रामकृष्ण शारदा मेडिकल फ़ंड के नाम से एक चिकित्सा निधि बनाई जिसमें प्रोफेसर शेखर चौधरी और सुश्री सरोजा (पीजीपी 1990 बैच) की तरफ से 5,00,000/ रुपए की सहायता राशि कॉर्पस फ़ंड के रूप में प्राप्त हुई। इस निधि से होने वाली आय का वितरण सेवानिवृत्त समूह सी एवं डी के पूर्वकर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के लिए चिकित्सा व्यय की आवश्यकता को पूरा करने में किया जाएगा।

कर्मचारी जन्मदिन समारोह

एक सद्भावना उपाय के रूप में, कर्मचारी कल्याण समिति ने 1 मई, 2016 से कर्मचारियों का जन्मदिन मनाए जाने की एक नई पहल की शुरूआत की। संस्थान के कर्मचारियों का जिस दिन जन्मदिन होता है, उस दिन उन्हें ग्रीटिंग कार्ड तथा एक छोटा-सा मिठाई का पैकेट दिया जाता है।

अन्य गतिविधियाँ

पीईएम कार्यशाला

पेर्देकैम्प भावनात्मक पद्धति (पी.ई.एम)

सनशाइन एंटरटेनमेंट एंड इवेंट्सकोलकाता के साथ समन्वय से कल्याण समिति ने, 7 नवंबर, 2016 को पीईएम पेर्देकैम्प भावनात्मक तरीके पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था। यह बायोएक्सेस मेथड के माध्यम से भावना संतुलन कार्यक्रम (इमोशन बैलेंस प्रोग्राम) ईबीपी है। पीईएमजर्मनी द्वारा इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को तैयार और प्रस्तुत किया गया था। इसका पाठ्यक्रम एक जर्मन निदेशक द्वारा विकसित किया गया था और अब यह दुनिया भर में जैव प्रक्रिया के माध्यम से भावनात्मक पहुंच पद्धति का प्रसार कर रहा है।

FARE COMMITTEE
Welcomes You

Welcomes You

Welcomes You

शारीरिक गतिविधि पर वार्ता वीमुव के साथ समन्वय करके कल्याण समिति ने डॉ. कुमुदी जोशीपुरा निदेशक, चिकित्सकीय अनुसंधान एवं स्वास्थ्य संवर्धन केंद्र की मदद से 21 दिसंबर, 2016 को शारीरिक गतिविधि पर एक वार्ता का आयोजन किया था। वीमुव का परिचय एक टेडएक्स वार्ता में किया गया था, जो प्रेरणा, सशक्तीकरण के लिए लोगों को किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी परिधान में संसाधनों की ज़रूरत के बिना शारीरिक गतिविधि में शामिल करते हैं, ताकि साक्ष्य आधारित शारीरिक गतिविधि की सिफारिशों और व्यवहार में रूपांतरण के बीच का अंतर पूरा किया जा सके।

हार्टफ़ुलनेस ध्यान मास्टर क्लासेस

कल्याण समिति ने हार्टफ़ुलनेस संगठन की मदद से 2 से 4 जनवरी, 2017 के दौरान तीन दिनों के लिए हार्टफ़ुलनेस ध्यान मास्टर कक्षाओं का मुफ्त ऑनलाइन आयोजन किया था।

स्वास्थ्य वार्ता

कल्याण समिति ने 25 जनवरी, 2017 को डॉ. राजेंद्र तोपरानी एम.एस., एम.सीएच. (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) सिर व गला केंसर के सर्जन व प्रमुख एचसीजी कैंसर केंद्र, अहमदाबाद की मदद से एक चर्चा का आयोजन किया था।

परिशिष्ट

क

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1: पीजीपी छात्र

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम में शामिल हुए	396	395
(-) अलग हुए	1	
(-) 2017 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	1	
(+) पुनरावृत्ति करने वाले		
(+) 2016 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई	1	
प्रथम / द्वितीय वर्ष में संख्या	395	395
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया		
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया		
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके		12
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके		
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक		
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र		18
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**395**	**401**

क2: छात्र विनिमय कार्यक्रम में आईआईएमए के छात्र

एशिया	
एक-सत्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम	
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंकाक	1
जापान अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	2
कीयो प्रबंधन बिजनेस स्कूल, जापान	2
क्योटो विश्वविद्यालय	3
ग्वांगवा प्रबंधन स्कूल, बीजिंग	2
अंताई अर्थशास्त्र और प्रबंधन कॉलेज, शंघाई जिआओ टोंग विश्वविद्यालय	2
चीनी हांग कांग विश्वविद्यालय,	1
सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय, रूस	3
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई प्रबंधन स्नातक स्कूल, सिडनी	2
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिकसबर्ग	4
ईडीएचईसी, सेडेक्स	4
ईएससीपी-ईएपी	10
ईएससी-तुलूज़	4
ईएसएसईसी	10
ईएसएसईसी-एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	5
यूरोपीय बिजनेस स्कूल, जर्मनी	1
एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस	5
आल्टो अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल, हेलसिंकी	2
जोनकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, जोनकोपिंग	4
एचएचएललीपज़िग प्रबंधन स्नातक स्कूल, लीपज़िग	1
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल, मैनचेस्टर	1
नार्वेजियन अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल	2
फॉर्ज़हेम एप्लाइड साइंसिज़ युनिवर्सिटी, फॉर्ज़हेम	5
सोल्वे बिजनेस स्कूल, ब्रसेल्स	2
स्टॉकहोम अर्थशास्त्र स्कूल, स्टॉकहोम	3
बोकोनी विश्वविद्यालय	5
कोलोन विश्वविद्यालय	6
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, मास्ट्रिच, नीदरलैंड	5
मैनहेम विश्वविद्यालय, जर्मनी	2
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, स्विट्ज़रलैंड	2
वियना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय, वियना	2
मुंस्टर व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल, जर्मनी	4
लुवेन प्रबंधन स्कूल, बेल्जियम	4
कैटोलिका लिस्बन, लिस्बन	2

परिशिष्ट जारी

क

ईएससी क्लेरमोंट, फ्रांस (एफबीएस, फ्रांस, ईएससी ब्रेटागन, ब्रेस्ट, फ्रांस से नाम बदल दिया गया है)	4
ईएससी रेन्नेस बिजनेस स्कूल, फ्रांस	3
वॉरसॉ अर्थशास्त्र स्कूल, पोलैंड	4
एम्लियोन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	5
आईईएसईजी प्रबंध स्कूल, फ्रांस	3
सीईयू बिजनेस स्कूल, हंगरी	2
एचईसी लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड	3
इन्स्तितुतो दे एमप्रेसा, मैड्रिड	1
इन्स्तितुतो तेकनोलोजिको ऑतोनोमा दे मेक्सिको	1
उत्तरी अमेरिका	
केनन फ्लैगलर बिजनेस स्कूल, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, चैपल हिल	1
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मैककॉम्ब व्यवसाय स्कूल)	1
फ़्यूका बिजनेस स्कूल, ड्यूक युनिवर्सिटी	2
कनाडा	
ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैनकूवर (पीजीपीएबीएम के लिए)	1
मैकगिल विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल	2
सोदर बिजनेस स्कूल, वैनकूवर	1
कुल	**147**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
ईएससीपी, फ्रांस	3
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस	2
यूरोपीय बिजनेस स्कूल, जर्मनी	2
कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी	1
कुल	**12**

क3: छात्र विनिमय कार्यक्रम पर विदेशी छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	
एशिया	
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान	2
कियो व्यवसाय प्रबंधन स्कूल, कियो विश्वविद्यालय	1
प्रबंधन स्नातक स्कूल, क्योटो विश्वविद्यालय	1
प्रबंधन स्नातक स्कूल, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय	2
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई प्रबंधन स्नातक स्कूल	2
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	5
ईडीएचईसी	5
ईएससीपी-ईएपी	5
ईएससी-तुलूज़ सेडेक्स	1
ईएसएसईसी	9
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस - एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	2
एचईसी मैनेजमेंट स्कूल, पेरिस	1
एचएचएललिपज़िग प्रबंधन स्नातक स्कूल, जर्मनी	1
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल, मैनचेस्टर	1
सोल्वे बिजनेस स्कूल, ब्रसेल्स	1
स्टॉकहोम अर्थशास्त्र स्कूल, स्टॉकहोम	3
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो	5
कोलोन विश्वविद्यालय, कोल्न	4
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, मास्ट्रिच, नीदरलैंड	3
वियना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय, वियना	2
मुंस्टर व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल	5
एम्लियोन बिजनेस स्कूल	6
यूरोपीय बिजनेस स्कूल	1
इंस्टिटूटो डे एम्प्रेसिया, मैड्रिड	2
नॉर्वेजियाई अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन स्कूल, बर्गन	1
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन	2
वारसॉ अर्थशास्त्र स्कूल, पॉलेंड	3
डब्ल्यूएचयू कोब्लेन्ज़ प्रबंधन स्नातक स्कूल, जर्मनी	1
उत्तरी अमेरिका	
स्टर्न प्रबंधन स्कूल	1
व्यवसाय स्नातक स्कूल, शिकागो विश्वविद्यालय	1
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मैककॉम्ब व्यवसाय स्कूल)	1
दक्षिण अमेरिका	
यूनिवर्सिडड डी लॉस एंडिस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बोगोटा	1

परिशिष्ट जारी

क

कनाडा	
शुलिच बिजनेस स्कूल, यॉर्क युनिवर्सिटी, टोरन्टो	1
अफ्रीका	
लागोस बिजनेस स्कूल, पैनअटलांटिक यूनिवर्सिटी, लागोस	1

कुल	83
डबल डिग्री छात्र विनिमय कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो	5
एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस	2
ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	2

क4: छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2015-17 (प्रथम वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
सिद्धार्थ डागा	जेट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
आकाश गुप्ता	इंफोसिस
आशीष खुल्लर	आईसीआईसीआई
सम्यक डागा	एसबीआई म्युचुअल फंड
अनिरुद्ध जैन	एस.एम. शाह
पाटणकर देवदत्त संजीव	आईआईएमए रजत जयंती/ पीजीपी-87 बैच/संकाय स्मारक, ऑडको और आईआईएमए
गणेश कुमार भास्कर	आईआईएमए
सृजन गोयल	आईआईएमए
अंकुर गर्ग	आईआईएमए

नाम	छात्रवृत्ति
प्रदीप सिंघी	आईआईएमए
अपूर्व सिंह	आईआईएमए
सौरव मूंदड़ा	आईआईएमए
कार्तिक श्रीधरन	आईआईएमए
वर्णित एम. कोप्पारम	आईआईएमए
हार्दिक वाधवा	आईआईएमए
निखिल गुप्ता	आईआईएमए
आयुष बंसल	आईआईएमए
स्वप्निल अग्रवाल	आईआईएमए
मनु गुलाटी	आईआईएमए
शाह निषाद मनीष	आईआईएमए

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2015-17 (द्वितीय वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
सम्यक डागा	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी. के. रथ
आकाश गुप्ता	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
आशीष खुल्लर	रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
सिद्धार्थ डागा	आलोक मिश्रा
हार्दिक वाधवा	जेट एज सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
अनिरुद्ध जैन	एस.एम. शाह
मनु गुलाटी	आईएफसीआई लिमिटेड
स्वप्निल अग्रवाल	आईएफसीआई लिमिटेड
कार्तिक श्रीधरन	डी.एस. राज शिंदे उद्योग छात्रवृत्ति
जयेश शर्मा	डी.एस. राज शिंदे उद्योग छात्रवृत्ति
वैभव सिंघल	मोनसेंटो और आईआईएमए

नाम	छात्रवृत्ति
अभिषेक प्रियम	सुरेंद्र पॉल एवं आईआईएमए
उज्ज्वल कालरा	दुन ब्रैडस्ट्रीट एवं आईआईएमए
प्रदीप सिंघी	आईआईएमए
गणेश कुमार भास्कर	आईआईएमए
जोशी अभिजीत मोहन	आईआईएमए
योगेश यादव	आईआईएमए
सुदीक्ष गुप्ता	आईआईएमए
मोहित खत्री	आईआईएमए
कातरु उदय	आईआईएमए

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति

- अनंतिका जैन
- मिहिर यू. शाह
- रितिका चौधरी
- विशाल कंसल
- अवनि जैन
- देवदत्त एस. पाटणकर

क5: पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

चरण	लिंग / कुल	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग				जीमैट		कुल
			नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	विकलांग	प्रवासी भारतीय	एस. एन. क्यू.	
आईआईएमए के लिए आवेदनकर्ता	पुरुष	93656	18462	9033	2327	601	21	10	124110
	महिला	47663	6716	3619	1054	124	6	1	59183
	विपरीत लिंगी		16	-	-	-	-	-	16
	कुल	**141319**	**25194**	**12652**	**3381**	**725**	**27**	**11**	**183309**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	396	260	125	57	30	19	7	894
	महिला	141	65	43	33	7	6		295
	विपरीत लिंगी	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**537**	**325**	**168**	**90**	**37**	**25**	**7**	**1189**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	पुरुष	383	254	119	53	29	18	7	863
	महिला	139	63	43	29	7	5	-	286
	कुल	**522**	**317**	**162**	**82**	**36**	**23**	**7**	**1149**

ख

खाद्य एवं कृषिव्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1: पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

वर्ग	बैच 2016-18				बैच 2017-19			
	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	62136	28696	0	90832	66350	31244	0	97594
नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	12496	3908	27	16431	13904	4589	10	18503
अनुसूचित जाति	6135	2083	0	8218	6532	2499	0	9031
अनुसूचित जनजाति	1568	576	0	2144	1630	677	0	2307
विकलांग	437	47	0	484	450	81	0	531
कुल	82772	35310	27	118109	88866	39090	10	127966
प्रतिशत	70.08	29.90	0.02	100	69.45	30.54	0.01	100

ख2: पीजीपी-एफ़एबीएम प्रवेश 2017-2019

ब्यौरे	लिंग	सामान्य	आरक्षित वर्ग					कुल
			नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	विकलांग	जीमैट	
कैट परीक्षा में शामिल	पुरुष	98554	19614	9580	2490	628	-	130866
	महिला	51780	7636	4026	1220	134	-	64796
	विपरीत लिंगी	0	17	0	0	0	-	17
	कुल	**150334**	**27267**	**13606**	**3710**	**762**	-	**195679**
पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए आवेदकों की संख्या	पुरुष	66350	13904	6532	1630	450	-	88866
	महिला	31244	4589	2499	677	81	-	39090
	विपरीत लिंगी	0	10	0	0	0	-	10
	कुल	**97594**	**18503**	**9031**	**2307**	**531**	-	**127966**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	436	292	150	82	33	-	993
	महिला	172	88	54	34	11	-	359
	विपरीत लिंगी	0	0	0	0	0	-	0
	कुल	**606**	**380**	**204**	**116**	**44**	-	**1352**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	146	87	32	10	3	-	278
	महिला	93	34	19	10	3	-	159
	कुल	**239**	**121**	**51**	**20**	**6**	-	**437**

ख3: पीजीपी-एफ़एबीएम 2016-17 में छात्र

	पीजीपी-एफ़एबीएम I (2016-17)	पीजीपी-एफ़एबीएम II (2016-17)
कार्यक्रम में शामिल हुए	46	46
(-) अलग हुए	-	-
(-) 2017 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	-	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	-
(+) 2017 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई	-	-
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	46	46
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	2
शैक्षणिक अनुशासनहीनता करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	1
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल प्रोन्नत / स्नातक	46	45

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग1: छात्रों की प्रोफाइल

	औसत
जीमैट	710
14 सितंबर 2015 को कुल कार्यानुभव	8 वर्ष 5 महीने
14 सितंबर 2015 को अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव	2 वर्ष 2 महीने
31 मार्च 2016 को आयु	32 वर्ष 4 महीने

- **अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन**
  - 01 (1.11%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं।
  - 13 (14.44%) भारत से बाहर चार देशों में रह रहे हैं।
  - 59 (65.56%) के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है।
- शैक्षणिक पृष्ठभूमि
  - 12 (13.33%) ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
  - 29 (32.22%) ने स्नातक से ज्यादा उच्च योग्यता (व्यावसायिक, अनुस्नातक) प्राप्त की है।
  - 78 (86.67%) इंजीनियर हैं।
  - 20 (22.22%) आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।

  उद्योगों में रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा / विद्युत, वित्तीय सेवाएँ, सरकारी सेवाएँ, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य देखभाल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, आईटी और आईटी सेवाएँ, प्रबंधन परामर्शन, विनिर्माण इंजीनियरिंग, विनिर्माण प्रक्रिया, खुदरा बिक्री, शिपिंग, दूरसंचार और अन्य शामिल हैं।

20 (22.22%) छात्राएँ हैं।

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
रक्षा	4	परामर्शन	13
ऊर्जा / विद्युत	12	इंजीनियरिंग और रखरखाव	9
वित्तीय सेवाएँ	5	ईआरपी व्यवसायी	2
स्वास्थ्य सेवाएँ	6	वित्त और लेखांकन	4
इन्फ्रास्ट्रक्चर	4	सामान्य प्रबंधन	9
आईटी और आईटी सेवाएँ	25	आईटी आधारित संचालन	5
विनिर्माण इंजीनियरिंग/प्रक्रिया	17	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	10
प्रबंधन परामर्शन	7	आईटी आधारित अनुसंधान एवं विकास	4
मीडिया	1	गैर-आईटी आधारित संचालन	7
गैर सरकारी संगठन	1	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	4
परियोजना/ डिजाइन और निर्माण	2	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान एवं विकास	8
यात्रा एवं आतिथ्य	2	पेशेवर स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारी	1
दूरसंचार और नेटवर्किंग	4	खरीद	1
		बिक्री और विपणन	4
		सॉफ्टवेयर वितरण / विकास / रखरखाव	2
		प्रणाली डिजाइनिंग	2
		अन्य	5
कुल	**90**	**कुल**	**90**

ग2: नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- कॉरपोरेट्स के लिए ग्राहक-आधारित पुरानी प्रथा तोड़ती हुई नवप्रवर्तन रणनीतियाँ
- धीमी एवं तीव्र प्रणालियाँ, रणनीतियाँ एवं बाधाएँ
- कर्मचारी संबंध, औद्योगिक संबंध और रोजगार विनियम
- वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का व्यापक आर्थिक प्रदर्शन
- नई और छोटी कंपनियों के प्रबंधन
- ब्रांड्स प्रबंधन
- सर्वग्राही खुदरा बिक्री में प्रबंधन
- समझौता प्रयोगशाला
- पर्यटन और आतिथ्य में जन प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- सामरिक जोखिम प्रबंधन
- डिजिटल मार्केटिंग और ई-बिजनेस के लिए रणनीतियाँ
- परिवर्तनकारी नेतृत्व और संगठनात्मक प्रभाव

ग3: वक्ता श्रृंखला

नाम	पद	संगठन
अनिल अय्यर	व्यवसाय प्रमुख	नोवार्टिस
रजा बेग	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	स्पलैश एंड लैंडमार्क
रघु रमन	प्रमुख-जोखिम, सुरक्षा और नया व्यापार	रिलायंस
सौरभ अग्रवाल	पूर्व वरिष्ठ प्रबंध निदेशक	कोपल पार्टनर्स
आर.के. माथुर	मुख्य सूचना आयुक्त	भारत सरकार
रिचर्ड रेखी	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	केपीएमजी इंडिया
शंकर कृष्णन	अध्यक्ष-रणनीति	शापोरजी पालोनजी
श्रीधर चुंडुरी	सीटीओ- एंटरप्राइज ग्लोबल सर्विसेस	वेल्स फारगो
डी.के. जोशी	मुख्य अर्थशास्त्री	क्रिसिल
अजय श्रीनिवासन	मुख्य कार्यकारी अधिकारी - वित्तीय सेवाएँ	आदित्य बिड़ला समूह
विवेक कामरा	प्रमुख	जेके टायर
भास्कर घोष	समूह के मुख्य कार्यकारी	एक्सेंचर
विपिन सोंधी	प्रबंध निदेशक	जेसीबी इंडिया
संदीप चंदोला	निदेशक, रणनीतिक सेवाएँ	डेलॉइट यूएसआई
आलोक कुमार	प्रबंध भागीदार, पूर्व प्रबंध निदेशक	एस.के. राय कंसल्टिंग, सियर्स इंडिया
विनय कुमार पी.	मुख्य परिचालन अधिकारी	ग्रीनको
मासाओशी तामूरा	महाप्रबंधक, डिजिटल सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज ग्रुप	हिटाची इंडिया
विक्र परवाज़	प्रधानाचार्य	ई एंड वाई, यूएसए (न्यूयॉर्क)
राजदीप एन्डो	प्रबंध निदेशक, एशिया प्रशांत क्षेत्र	सैपिएंट
गीतांबर आनंद	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक	एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर
समीर देसाई	वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एसबीयू प्रमुख	ज़ाइडस कैडिला
आन्ना-केरिन मेनसोन	राष्ट्रीय मानव संसाधन	आइकिया

घ

प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम

स्नातक होने वाले एफ पी एम छात्र

नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति
अनीश पुरकायस्थ	व्यापार नीति	उभरते बाजार फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण : एक गतिशील क्षमता परिप्रेक्ष्य	प्रोफेसर सुनील शर्मा (अध्यक्ष) प्रोफेसर अमित जी. कर्णा प्रोफेसर धीमान भद्रा
जतिन पांडे	मानव संसाधन प्रबंधन	ग्रामीण भारत में काम में महिलाओं का नौकरी प्रदर्शन : नौकरी मांग - संसाधन (जेडीआर) परिप्रेक्ष्य	प्रोफेसर मंजरी सिंह (अध्यक्ष) प्रोफेसर बीजू वर्की प्रोफेसर दिलीप मावलंकर
जतिंदर कुमार	मानव संसाधन प्रबंधन	कार्यस्थल पर नैतिकता का संस्थाकरण : मानव संसाधन और उन्हीं पदाधिकारियों की सहायक भूमिका का एक अध्ययन	प्रोफेसर मंजरी सिंह (अध्यक्ष) प्रोफेसर बीजू वर्की प्रोफेसर राजीव शर्मा
जितेश कुमार के.	विपणन	पूर्व-क्रय और क्रय पश्चात उपभोक्ता व्यवहार पर ऑनलाइन स्टोर ब्रांड और प्रोडक्ट ब्रांड के प्रभाव और अन्योन्यक्रिया	प्रोफेसर अर्नब के. लाहा (अध्यक्ष) प्रोफेसर पी.डब्लू. खोकले प्रोफेसर रामनाथन एस.
मोनिका गुप्ता	वित्त एवं लेखांकन	भारत में उपार्जन गुणवत्ता पर नियमन परिवर्तन का प्रभाव	प्रोफेसर नमन देसाई (अध्यक्ष) प्रोफेसर अजय पांडे प्रोफेसर जोशी जैकब
पर्ल मल्होत्रा	मानव संसाधन प्रबंधन	अधीनस्थ कर्मचारियों के कैरियर पर उच्च निष्पादकों का “अप्रत्यक्ष” प्रभाव	प्रोफेसर मंजरी सिंह (अध्यक्ष) प्रोफेसर बीजू वर्की प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल
प्रीत दीप सिंह	वित्त एवं लेखांकन	निबंध 1 : लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति और उपार्जन प्रबंधन पर इसका प्रभाव; निबंध 2 : बहिर्जातपूर्वक कम हुई व्यस्तता और आय के प्रबंधन पर इसका प्रभाव	प्रोफेसर नमन देसाई (अध्यक्ष) प्रोफेसर जोशी जैकब प्रोफेसर नीरव नागर प्रोफेसर अरिंदम त्रिपाठी
राजेश नानारपुझा	विपणन	धर्म और बाज़ार लेनदेन की पारस्परिक क्रिया	प्रोफेसर पी.के. सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफेसर रोहित वर्मन प्रोफेसर अभिषेक
राजीव रंजन	सार्वजनिक प्रणाली समूह	सरकारी ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों में आत्म-पहल शिक्षक नवाचार : विकास, प्रभाव और स्थिरता	प्रोफेसर अनिल गुप्ता (अध्यक्ष) प्रोफेसर विजया शेरी चंद प्रोफेसर अमित गर्ग प्रोफेसर नवदीप माथुर

परिशिष्ट जारी

घ

रमा शंकर यादव	मानव संसाधन प्रबंधन	एक मध्यस्थ के रूप में आध्यात्मिकता के साथ पर कार्यालय संबंधित व्यवहार में सीएसआर के कर्मचारी धारणाओं के प्रभाव की खोज	प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी (अध्यक्ष) प्रोफेसर रमेश भट प्रोफेसर राजेश चंदवानी
ऋषभ दारा	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत में दूरसंचार नीति प्रक्रिया का विश्लेषण करने के लिए एक रूपरेखा	प्रोफेसर रेखा जैन (अध्यक्ष) प्रोफेसर नवदीप माथुर प्रोफेसर वी. श्रीधर
संकेत सुनंद दाश	संगठनात्मक व्यवहार	स्कूल शिक्षकों द्वारा नौकरी के पूर्व कार्य और परिणाम	प्रोफेसर निहारीका वोहरा (अध्यक्ष) प्रोफेसर पी.डब्लू. खोकले प्रोफेसर मंजरी सिंह
सायन पुतटुंडा	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके	स्ट्रीमिंग डाटा : परिवहन उद्योग में नए मॉडल और अनुप्रयोगों के तरीके	प्रोफेसर अर्नब के. लाहा (अध्यक्ष) प्रोफेसर चेतन सोमन प्रोफेसर श्रीकुमार कृष्णामूर्ति
शॉन मैथ्यू	विपणन	अत्यधिक विकल्प घटना का गूढ़ रहस्य : विचार समूह और प्रत्याशित अफसोस की भूमिका की तलाश	प्रोफेसर पीके सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी प्रोफेसर जॉर्ज कंडथिल
श्रीहरि सुरेश सोहानी	मानव संसाधन प्रबंधन	सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों के संदर्भ में मानव संसाधन लचीलापन, अन्वेषणता और सफल परिणामों के बीच संबंध	प्रोफेसर मंजरी सिंह (अध्यक्ष) प्रोफेसर बीजू वर्की प्रोफेसर राकेश बसंत
सिद्धार्थ भास्कर	अर्थशास्त्र	लंबे सफर के दौरान भारत में नई किराया संरचना का विकास : एक नीति आकलन	प्रोफेसर रविंद्र एच. धोलकिया (अध्यक्ष) प्रोफेसर पी.आर. शुक्ला प्रोफेसर सतीश देवधर
स्मृति अगरवाला	संगठनात्मक व्यवहार	पिता-पुत्र संबंध की गतिशीलता और व्यक्तिगत प्रदर्शन : मारवाड़ी परिवार के व्यापार का एक अध्ययन	प्रोफेसर निहारीका वोहरा (अध्यक्ष) प्रोफेसर पी.डब्लू. खोकले प्रोफेसर विशाल गुप्ता
सुप्रिया शर्मा	संगठनात्मक व्यवहार	एक संगठन की पहचान और छवि के बीच विरोधाभास : नए उद्यमशील उपक्रमों में जवाबों की तलाश	प्रोफेसर पी.डब्लू. खोकले (अध्यक्ष) प्रोफेसर निहारीका वोहरा प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी

ङ

स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम	कुल
2007-8	518	54	72	75	719
2008-9	560	44	77	84	765
2009-10	602	54	80	79	815
2010-11	688	77	86	69	920
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	**790**	**92**	**90**	**85**	**1057**

च

स्थानन

च1: बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
प्रकार्य	छात्रों का %
इंजीनियरिंग	92
कला	2
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	3
विज्ञान और अन्य	3

कार्यानुभव	
अवधि	छात्रों का %
नए	35
0 - 1 वर्ष	18
1 - 2 वर्ष	22
2 - 3 वर्ष	17
3 - 4 वर्ष	8

च2: पेशकश स्वीकृति

समूह	स्वीकृति
समूह 1	51
समूह 2	78
समूह 3	76
पीपीओ	106
पार्श्विक	75
कुल	**386**

च3: शीर्ष भर्तीकर्ता

- आनंद ग्रुप
- ऑक्टस एड्वाइजर्स
- कैर्न वेदांता
- क्लाउडटेल
- क्यूमैथ
- दानाहर
- ड्रम्स फ़ूड
- ईस्टर्न शिपयार्ड
- एम्मार
- एवरस्टोन ग्रुप
- फ़ेशडेस्क
- फ़ुलरटोन
- ग्रुपएम
- एचसीसीबी
- आईबी हब्स
- आईओसीएल
- झारखंड इनोवेशन लैब
- लॉजिस्टिक्सनाउ
- मोबिविक
- मल्टिपल्स
- प्लेक्ससएमडी
- क्विकपिक
- राम ग्रुप
- आरबीएल
- रिविगो
- सब्रिक
- सास्केन कम्युनिकेशन
- सर्वियोन
- शॉटेंग
- सोसियेते जेनेराल
- सृजन
- टाटा ट्रस्ट्स
- टाटा स्काई
- टीजीआई
- टाइम्स इंटरनेट
- तोलाराम
- ट्रुपिक
- विप्रो लीडरशिप
- झोमाटो
- रेजोनेंस

च4: क्षेत्र / प्रकार्य अनुसार स्थानन

क्षेत्र	अंतिम पेशकश	प्रतिशत
व्यापार विकास	27	7.00
परामर्श	103	26.68
वित्त	66	17.10
सामान्य प्रबंधन	48	12.44
विपणन	63	16.32

क्षेत्र	अंतिम पेशकश	प्रतिशत
संचालन	20	5.18
सिस्टम / आईटी	42	10.88
अन्य	17	4.40
कुल	**386**	

परिशिष्ट जारी

च

च5: क्षेत्र अनुसार स्थानन

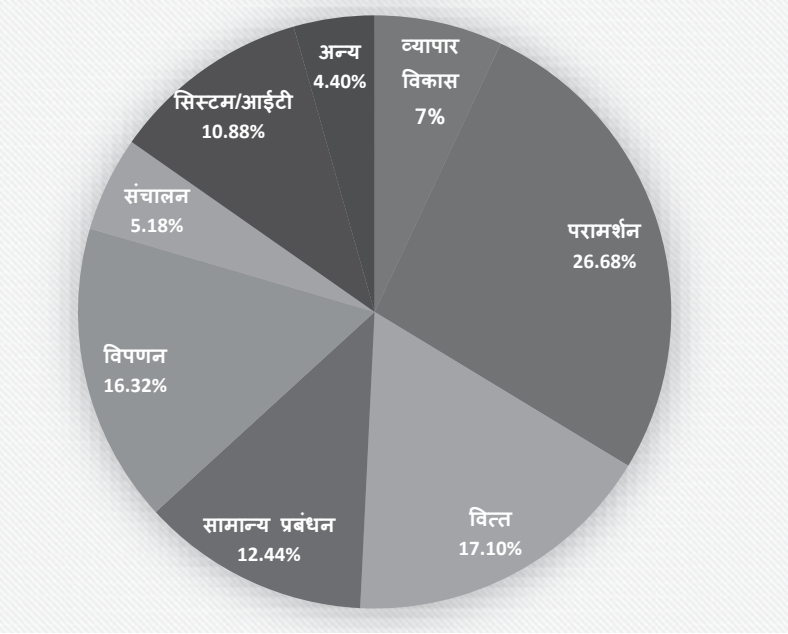

च6: क्षेत्र / प्रकार्य अनुसार स्थानन रूझान : गत वर्ष

	2014		2015		2016	
	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत
बिक्री / विपणन (एफएमसीजी)	32	8.84	36	9.97	54	14.10
वित्त (निवेश बैंकिंग, बाजार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ, पीई, वीसी, निवेश प्रबंधन और बचाव निधि)	65	17.96	57	15.79	66	17.23
सिस्टम / आईटी / आईटीईएस	53	14.64	76	21.05	29	7.57
संचालन (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ)	24	6.63	23	6.37	10	2.61
परामर्शन	114	31.49	95	26.32	112	29.24
कंपनियों के संगठन	26	7.18	29	8.03	50	13.06
सामान्य प्रबंधन (विनिर्माण, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, आदि)	23	6.35	35	9.70	27	7.05
मीडिया / संचार	10	2.76	6	1.66	12	3.13
अन्य (पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन, पर्यावरण और ऊर्जा, तेल और गैस, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)	15	4.15	4	1.11	23	6.01
कुल	**362**	**100**	**361**	**100**	**383**	**100**

च7: क्षेत्र अनुसार शीर्ष नियोक्ता

क्षेत्र	नियोक्ता	भर्ती किये गए	कुल स्वीकृति का % (386)
परामर्श	मैकिन्से एंड कंपनी	15	3.89
	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	15	3.89
	एक्सेंचर	11	2.85
	बैन एंड कंपनी	9	2.33
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	गोल्डमैन साक्स	9	2.33
	फ़िनआईक्यू	7	1.81
	दुनिया फ़िनांस	6	1.55
कंपनियों के संगठन	टीएएस	10	2.59
	आदित्य बिड़ला समूह	8	2.07
आईटी और सिस्टम्स	स्प्रिंकलर	9	2.33
	ईएक्सएल	4	1.04
	टेक महिंद्रा	4	1.04
विपणन	सैमसंग	6	1.55
	एससी जॉनसन	6	1.55
	हिंदुस्तान यूनिलीवर	5	1.30
व्यापार विकास	अमेजन	4	1.04
	पी एंड जी	3	0.78
इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी	रेजोनेंस	4	1.04
	एम्मार प्रॉपर्टीज	3	0.78
संचालन	अमेजन	11	2.85
	क्लाउडटेल	3	0.78

च8: उद्यमिता

छात्र का नाम	उद्यमशीलता विचार
दीपक मोहन	ऐसा एल्गोरिदम बनाया जो समय की सबसे तेज बेहतरीन गुणवत्ता देखभाल प्रदान करना सुनिश्चित करते हुए - स्वचालित रूप से पिछले चिकित्सा अभिलेखों से सीखता है और चिकित्सकों को सबसे अधिक प्रासंगिक नैदानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
कार्तिक श्रीधरन	फ्रीलांसर मंच
सुवंश बंसल	
ऋषिकेश परदेशी	
श्रीकांत शेल्के	स्टार्टअप के लिए छात्र परामर्शन का ऑनलाइन पोर्टल
अरविंद कुमार	छात्रों की समझ बढ़ाने में मदद करने के लिए अधिगम उत्पाद का विकास करना।
मेहुल वर्मा	रेस्टोरेंटों के लिए वफादारी कार्यक्रम

परिशिष्ट जारी

च

च9: ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्षेत्र	स्थानन की संख्या
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	79
कंपनियों के संगठन	41
परामर्श	94
उपभोक्ता वस्तुएँ (एफएमसीजी)	45
उपभोक्ता सेवाएँ	4
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	5
सूचना प्रौद्योगिकी	17
रसद	1
विनिर्माण	21
मीडिया / संचार	12
ऑनलाइन सेवाएँ	29
फार्मास्यूटिकल/स्वास्थ्य देखभाल	8
रियल एस्टेट	4
दूरसंचार	15
अन्य*	15
कुल	390

*अन्य में आतिथ्य, शिक्षा प्रौद्योगिकी, सामाजिक क्षेत्र, सरकारी क्षेत्र, उपभोक्ता प्रौद्योगिकी और इन्फ्रा उपकरण शामिल हैं ।

च10: स्थानन पूल का वर्गीकरण

बैच में छात्रों की कुल संख्या	46
स्थानन छुट्टी से लौटने वाले छात्रों की कुल संख्या	0
स्थानन के लिए पात्र छात्रों की कुल संख्या	44
स्थानन से बाहर रहने का विकल्प चुनने वाले छात्रों की कुल संख्या	1
संस्थान के माध्यम से स्थानन की तलाश करने वाले छात्रों की कुल संख्या	43

च11: विभिन्न क्षेत्रों से प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि-आदान	11	25.58
बीएफ़एसआई	5	11.63
परामर्श	3	6.98
एफ़एमसीजी	5	11.63
खाद्यान्न प्रसंस्करण	8	18.60
खाद्यान्न उत्पादन एवं वृक्षारोपण	6	13.95
खुदरा बिक्री	2	4.65
सामाजिक क्षेत्र	3	6.98

च12: क्षेत्र अनुसार स्थानन

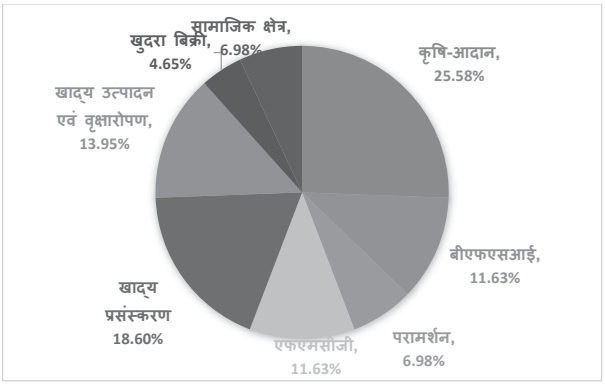

च13: इंटर्नशिप का क्षेत्र अनुसार वर्गीकरण

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि आदान	11
कृषि व्यवसाय	13
उपभोक्ता वस्तुएँ (एफ़एमसीजी)	7
खाद्यान्न प्रसंस्करण	2
सरकारी	4
रसद	1
सामाजिक क्षेत्र	4
कुल	**42**

च14: पीजीपीएक्स स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	91
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का विकल्प चुनने वाले छात्र	0
स्थानन प्रक्रिया से बाहर स्थानन चाहने वाले छात्र	14
विश्राम	02
स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	65
स्थानन प्रक्रिया जारी है	10

च15: एफ़पीएम स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	4
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का विकल्प चुनने वाले छात्र	0
अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	0
विचाराधीन प्रस्तावों वाले छात्र	0
अभी तक स्थानन शेष है	2
स्वयं प्रस्ताव प्राप्त करने वाले एफ़पीएम छात्र	2

छ

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

जारी परियोजनाएँ

स्थिति / परियोजना का प्रकार	चल रही परियोजनाएँ	शुरूकी गई परियोजनाएँ	पूर्ण हुई परियोजनाएँ
अनुसंधान परियोजनाएँ	30	9	7
मूल धन परियोजनाएँ	14	9	6
पूर्ण हुईं इंटर्नशिप परियोजनाएँ		44	
अनुसंधान एवं प्रकाशन द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ		42	
आधार - पत्र		23	

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- एशिया का सबसे बड़ा एयर ट्रेफिक सिस्टम्स (एटीएस) : नेटवर्क संरचना, गतिशीलता और विकास की तुलना (प्रोफेसर हंस ह्यूबर)
- क्रॉस डॉक डोर असाइनमेंट समस्या : कॉलम जनरेशन आधारित सूत्रीकरण और समाधान दृष्टिकोण (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- उभरते बाजारों में रिवर्स इनोवेशन के समर्थकों की पहचान करना (प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल)
- बहु-अभिकर्ता अर्थव्यवस्था में प्रसंभाव्य गतिविज्ञान : ग्रेनुलर नेटवर्क की भूमिका (प्रोफेसर अनिंद्य चक्रवर्ती)
- कैपेसिटेड बहु-अवधि महत्तम कवरिंग सुविधा स्थान समस्या ईथ सर्वर अनिश्चितता (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- नीति जनादेश के लाभ : लाभ उठाने की लागत, किसने इन लाभों का फायदा उठाया और कैसे? (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- पारिवारिक फर्मों में कॉरपोरेट सामाजिक और वित्तीय प्रदर्शन : एक राष्ट्रीय तुलना (प्रोफेसर चित्रा सिंगला और प्रोफेसर मुकेश सूद)।
- टेंडेम में अर्ध-खुले नेटवर्कों को लिंक करने के लिए एक अनुमानित विधि (प्रोफेसर देबजित रॉय)
- स्कूल प्रणाली सुधार के लिए एक सामाजिक पारिस्थितिकीय परिप्रेक्ष्य : भारतीय स्कूल के जलवायु सर्वेक्षण का विकास और प्रमाणन (प्रोफेसर कथन शुक्ला)

शुरू की गई मूल धन परियोजनाएँ

- विनियामक चेतावनियाँ और दृढ़ प्रतिशोध (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- दिल्ली की ऑड-इवन (विषम-सम) नीति के प्रभाव का मूल्यांकन (प्रोफेसर अनीश सुगथन)
- विविधीकरण प्रदर्शन नातेदारी के लिए कालिक सीमांकन शर्तें : एक वृहत-विश्लेषणात्मक समीक्षा (प्रोफेसर अमित कर्णा)
- निर्णय-निर्माता के निर्णय मॉडल की प्राथमिकता-आधारित शिक्षा (प्रोफेसर मनीष अग्रवाल)
- संपत्ति मूल्यांकन और आय प्रबंधन (प्रोफेसर नमन देसाई)
- विज्ञापन में अंतर सांस्कृतिक सामग्री विश्लेषण (प्रोफेसर अभिषेक)
- सामाजिकता और फील्ड एजेंट प्रदर्शन : पश्चिमी भारत में एक लैब-इन-द-फील्ड से साक्ष्य (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- माता-पिता की शैली के लिए अभिभावक के रूप में एक पूर्वज एलओसी (प्रोफेसर अक्षय विजयालक्ष्मी)
- कार्यस्थलों पर लिंग आधारित भेदभाव (प्रोफेसर कीर्ति शारदा)

परिशिष्ट जारी

छ

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ

- विज्ञापन में कानूनी और नैतिक मुद्दे : भारतीय विज्ञापनों की एक समीक्षा (प्रोफेसर अभिषेक)
- अस्थिर सामग्री के आगमन से एक कंटेनर टर्मिनल में जमीन पर संचालन (प्रोफेसर देबजित रॉय)
- उच्च शिक्षा में आरक्षण का प्रभाव - अन्य पिछड़ा वर्ग का केस (प्रोफेसर राकेश बसंत)
- भारतीय ब्रांडों द्वारा प्रोमोशन संबंधी संदेशों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल (प्रोफेसर अभिषेक और प्रोफेसर सरल मुखर्जी)
- हेडोनिक / यूटिलिटेरियन पसंद पर समय की गिनती निर्देशों का प्रभाव (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- भीड़ के साथ क्रॉस डॉक डोर असाइनमेंट समस्या (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- सर्वर अनिश्चितता के साथ कैपेसिटेड बह्-अवधि अधिकतम कवरिंग सुविधा स्थान समस्या (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)

पूर्ण हुई मूल धन परियोजनाएँ

- आर्थिक पाठ का स्वचालित अर्थ विश्लेषण (प्रोफेसर अंकुर सिन्हा)
- भारतीय संगठनों में विश्लेषिकी प्रक्रिया में विकास का गहन अध्ययन : कुछ केस (प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी)
- सत्यम : एक मरणोत्तर परीक्षण, निदान और कार्यक्रम (प्रोफेसर एस. के. बख्शा और प्रोफेसर प्रेमचंदर)
- विज्ञापन में पार-सांस्कृतिक सामग्री विश्लेषण अध्ययन (प्रोफेसर अभिषेक)
- नागरिक युद्धों के अध्ययनों में राज्य क्षमता के एक प्रॉक्सी के रूप में प्रति व्यक्ति जीडीपी से सुरक्षा व्यय को कम करना (प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम)
- भारत में एसएमई क्षेत्र के लिए नीति सुझाव (प्रोफेसर अमित कर्णा और प्रोफेसर सुनील शर्मा)

वापस ली गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- जम्मू और कश्मीर में केसर उछाल की ओर (प्रोफेसर सतीश देवधर)

वापस ली गई मूल धन परियोजनाएँ

- घरेलू स्वामित्व के प्रति दाता समर्थित कार्यक्रम से एनएसीपी का परिवर्तन (प्रोफेसर रमेश भट)

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

	संकाय मार्गदर्शक
भारतीय शेयर बाजार में तरलता कारक का मूल्य निर्धारण	जोशी जैकब
शिक्षा के अधिकार के कार्यान्वयन पर कार्रवाई अनुसंधान	अंकुर सरीन
भारत में बलात्कार के संबंध में आपराधिक कानून में ऐतिहासिक परिवर्तन	पृथा देव
भारत में एचईआर : गोद लेने के और कार्यान्वयन के मुद्दे	राजेश चंदवानी
स्वास्थ सेवा प्रबंधन	राजेश चंदवानी
कम लागत वाले जल परीक्षण किट का मूल्यांकन	अंकुर सरीन
अहमदाबाद में आरटीई धारा 12(1)सी का कार्यान्वयन	अंकुर सरीन
उपभोक्ता विपणन समाधान	पी.के. सिन्हा
एक किफायती लागत पर निजीकृत चिकित्सा प्रदान करना	पी.के. सिन्हा

परिशिष्ट जारी

छ

कुछ ऊर्जा प्रणालियों जैसे कि तटीय रिफाइनरी या कुछ पहाड़ी सड़क संरचना या कुछ रेलवे नेटवर्क आदि पर जलवायु परिवर्तन के कारण अनिश्चितता और जोखिम का आकलन।	अमित गर्ग
शहरों की संरचनात्मक गतिशीलता	अनिंद्य चक्रवर्ती
बिजली क्षेत्र में राजस्व प्रबंधन	गौतम दत्ता
जीपीएस डेटा को समझना	देबजित रॉय
विभिन्न मापदंडों पर भारतीय विज्ञापनों के वर्गीकरण की विस्तृत तैयारी करना	अभिषेक
पायथन / आर में वित्तीय अर्थमिति	विनीत विरमानी
विभिन्न मापदंडों पर भारतीय विज्ञापनों के वर्गीकरण की विस्तृत तैयारी करना	अभिषेक
सामाजिक वाणिज्य पृष्ठों पर विकेताओं द्वारा भेजी गई जानकारी का डेटा संग्रह	सरल मुखर्जी और अभिषेक
गणितीय प्रोग्रामिंग के लिए एएमपीएल की तलाश	सचिन जायसवाल
प्रबंधन विज्ञान अनुसंधान में पी-मूल्य, इसका उपयोग और दुरुपयोग	तथागत बंद्योपाध्याय
भारत में किसानों की कृषि बीमा तक पहुंच	पूर्णिमा वर्मा
अहमदाबाद में स्कूली बच्चों की बाहर की आवश्यकताओं को समझना	अंकुर सरीन
प्रमोटर शेयर प्रतिज्ञा के निर्धारक और शेयर भावों पर उनकी घोषणा के प्रभाव	अजय पांडेय
विकासवादी द्विस्तरीय अनुकूलन	अंकुर सिन्हा
विपणन प्रदर्शन में बैलेंस शीट डायनेमिक्स का प्रभाव	अरविंद सहाय
रोकथाम-बनाम-संवर्धन-मूल्य एंकर	अरविंद सहाय
शिक्षा नवप्रवर्तन बैंक : सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेंद्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता में वृद्धि	विजय शेरी चंद
समावेशी स्वास्थ्य की दिशा में सामाजिक उद्यमिता : भारतीय बीओपी सेटिंग में एक जाँच	आनंद कुमार जायसवाल
शेयर कीमतों पर समाचार के प्रभाव का अध्ययन करना	अंकुर सिन्हा
दिल्ली की ऑड-इवन (विषम-सम) नीति के मूल्यांकन का प्रभाव	अनीश सुगथन
क्वेंटलिब और पायथन का उपयोग करते हुए व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण	जयंत आर. वर्मा
सामाजिक व्यापार पर बिक्रीकर्ताओं द्वारा भेजी गई जानकारी का डेटा संग्रह	सरल मुखर्जी
अलगाव का अर्थशास्त्र : हैदराबाद शहर का केस	चिन्मय तुम्बे
अनुकरण पर एक मोनोग्राफ	एन. रविचंद्रन
ऑनलाइन बाजारों में खरीदारों और विकेताओं की वफादारी का सर्वेक्षण	सरल मुखर्जी
ओपन सोर्स कम्प्यूटेशनल फाइनेंस	जयंत आर. वर्मा
क्रॉस डोर असाइनमेंट समस्या के लिए शाखा और मूल्य	सचिन जायसवाल
उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणाली	प्रोमिला अग्रवाल
अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नीति उपकरण	राम मोहन आर. तुरागा
अलगाव का अर्थशास्त्र : हैदराबाद शहर का केस	चिन्मय तुम्बे
खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को समझना	देबजित रॉय
सड़क सुरक्षा से प्रभावित कारक का निर्धारण	गौतम दत्ता
वित्तीय और आर्थिक चर के पूर्वानुमान को अंजाम देने के लिए ग्रेटा में एक दिनचर्या का विकास करना	सेबस्टियन मॉरिस
भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (कार) को शुरूकरना	अमित गर्ग
आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के कार्यान्वयन में स्कूलों और माता-पिता का अनुभव	अंकुर सरीन

परिशिष्ट जारी

छ

अप्रैल 2016 - मार्च 2017 की अवधि के दौरान आधारपत्र

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक	विषय-क्षेत्र
2016-05-01	विपणन अनुप्रयोगों में पूर्वानुमानित विश्लेषिकी उपयोग पर एक व्यावहारिक नोट	अरिंदम बनर्जी	विपणन
2016-05-02	स्वतंत्र ग्राहकों के साथ वितरित कंप्यूटिंग सेटअप के सर्वर उपयोग में सुधार	अनिंद्य चक्रवर्ती / दीप्तेश घोष	अर्थशास्त्र / पी एवं क्यूएम
2016-05-03	लघु फुटकर विकेता का मर्केंडाइज़ निर्णय निर्धारण : एक आधारित सिद्धांत दृष्टिकोण	पीयूष कुमार सिन्हा/हरि गोविंद मिश्रा/सुरभि कौल	विपणन
2016-05-04	सामाजिक पारिस्थितिकीय प्रणालियों में जलवायु और समुदाय लचीला बनाने के लिए मॉडलिंग चुनौतियाँ	अनामिका आर. डे अनिल के. गुप्ता गुरदीप सिंह	सीएमए
2016-05-05	मध्य प्रदेश में जलवायु परिवर्तन : संकेतक, प्रभाव और अनुकूलन	विमल मिश्रा/रीपल शाह/ अमित गर्ग	पीएसजी
2016-06-01	शॉपिंग सहभागिता पर स्टोर प्रारूप का प्रभाव	पीयूष कुमार सिन्हा / द्वारिका प्रसाद उनियाल	विपणन
2016-07-01	भारत में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उच्च शिक्षा में सकारात्मक कार्रवाई का प्रभाव	राकेश बसंत / गीतांजली सेन	अर्थशास्त्र
2016-09-01	गरीबों का आहार? वर्तमान, आहार का भविष्य ! भारतीय बाज़ार में दाल की समझ	सतीश देवधर	अर्थशास्त्र
2016-09-02	उपकरण अनुक्रमण समस्या के लिए पड़ोस में खोज को तेज़ करना।	दीप्तेश घोष	पी एवं क्यूएम
2015-07-03	हब पाबंदी और हब संरक्षण समस्याएँ : मॉडल सूत्रीकरण और सटीक समाधान के तरीके।	प्रसन्ना राममूर्ति / सचिन जायसवाल / अंकुर सिन्हा / नवनीत विद्यार्थी	पी एवं क्यूएम
2016-11-01	ऊर्जा भंडारण, गृह आधारित अक्षय ऊर्जा उत्पादन और एक स्वनिर्धारित गतिशील मूल्य निर्धारण योजना के साथ विद्युत उपभोग निर्धारण	गौतम दत्ता	पीएसजी
2016-11-02	एकाधिक ओवरलैपिंग प्रतिस्पर्धी बोलियों के साथ स्वनिर्धारित मूल्य निर्धारण का अनुकूलन	गौतम दत्ता / सुमीथा आर. नतेसन	पी एवं क्यूएम
2016-12-01	ज्ञान की सीमाओं का अन्वेषण और विस्तार : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के एफपीएम पूर्वछात्रों द्वारा योगदान।	गर्ग, अमित; सिंह, पवनीत; कुरील, संवेत; मौन, दीपक; कपूर, अंकुर और जैन, अभिनंदन के.	एचआरएम
2017-01-01	सेंट्रल बैंकों द्वारा वैश्विक जोखिम और स्वर्ण माँग	बालगोपाल गोपालकृष्णन और संकेत मोहापात्रा	अर्थशास्त्र
2017-01-02	परिवर्तनकारी नीति के रूप में भारत में स्वर्ण मुद्रीकरण : एक मिश्रित विधि विश्लेषण	प्रिया नारायणन, बालगोपाल गोपालकृष्णन और अरविंद सहाय	विपणन
2017-02-01	कंपनी उत्पादकता में संस्थागत गुणवत्ता और अंतर्राष्ट्रीय अंतर	आकाश इस्सार, जेमुस जेरोम लिम, और संकेत मोहापात्रा	अर्थशास्त्र
2017-02-03	चावल बढ़ाने की प्रणाली का अभिग्रहण और इसका चावल की पैदावार पर प्रभाव और पारिवारिक आय : भारत के लिए एक विश्लेषण	पूर्णिमा वर्मा	कृषि अर्थशास्त्र

परिशिष्ट जारी

छ

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक	विषय-क्षेत्र
2017-02-04	सूचना बाधाओं के तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तकनीकों का अभिग्रहण : भारत में चावल की बढ़त प्रणाली (एसआरआई) का केस	पूर्णिमा वर्मा	कृषि अर्थशास्त्र
2017-03-01	भारत के बागवानी क्षेत्र : प्याज निर्यात मूल्य निर्धारण का एक बंदरगाह-स्तरीय विश्लेषण	पूर्णिमा वर्मा	सीएमए
2017-03-02	टैक्सी-जीपीएस डाटा स्ट्रीमों के साथ रीयल टाइम स्थान की भविष्यवाणी	लाहा ए.के.; पुतटुंडा, सायन	पी एवं क्यूएम
2017-03-03	जीपीएस टैक्सी डाटा स्ट्रीम के लिए यात्रा समय की भविष्यवाणी	लाहा ए.के.; पुतटुंडा, सायान	पी एवं क्यूएम
2017-03-04	मोबाइल क्लाउड सेवा को सक्षम करना : एड-हॉक डिवाइस-टू-डिवाइस मोबाइल नेटवर्क में डाटा-शेयरिंग	रंगनाथन, कविता	आईएस
2017-03-05	कक्षा में शालीन विकल्प के लिए वित्त	वर्मा, जयंत आर.; विरमानी, विनीत	वित्त एवं लेखा

संस्थान में वर्ष 2016-2017 में आयोजित अनुसंधान संगोष्ठियाँ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
डॉ. अनूप कृष्णमूर्ति डॉक्टरेट छात्र, आईआईएम बैंगलुरू	सार्वजनिक बनाम निजी ब्रांड पहचान : शाब्दिक-वचन और ब्रांड शेयर के बीच रिश्ते को समझना	1 अप्रैल 2016	विपणन
श्री अपूर्व खरे डॉक्टरेट छात्र, आईआईएम कोलकाता	सबसे निम्न स्तर पर काफकास्क़ संस्थान	4 अप्रैल 2016	विपणन
प्रोफेसर वी.के. नारायणन ड्रेक्सल विश्वविद्यालय	उभरती प्रौद्योगिकी की गतिशीलता : हमें क्यों परवाह करनी चाहिए?	4 अप्रैल 2016	सीआईआईई
सुश्री कैरेन रॉड्रिग्स डॉक्टरेट छात्रा, आईआईएम बैंगलुरू	प्रवासियों का प्रदर्शन : प्रदर्शन प्रबंधन प्रणालियों की भूमिका	6 अप्रैल 2016	संगठनात्मक व्यवहार
सुश्री अपर्णा वेणुगोपाल डॉक्टरेट छात्रा, आईआईएम कोझिकोड	एसएमई में संगठनात्मक उभयहस्त-कौशल के लिए शीर्ष प्रबंधन टीम की प्रक्रियाओं को सक्षम बनाना	6 अप्रैल 2016	संगठनात्मक व्यवहार
सुश्री अरुणा दिव्या टी. डॉक्टरेट छात्रा, आईआईएम बैंगलुरू	कवरेज के समय पर जोखिम प्राथमिकता : वारंटी खरीद निर्णय के लिए एक समय अवधि आधारित स्पष्टीकरण	2 मई, 2016	विपणन
प्रोफेसर पंकज सेतिया अर्कांसस विश्वविद्यालय	आईटी गवर्नेंस मोड का विकल्प : आईटी अवसंरचना ढाँचे का प्रभाव	17 जून, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री बिपाशा मैती डॉक्टरेट छात्रा, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय	भारत की रोजगार गारंटी और महिला भागीदारी में उपभोग और समय-प्रभाव का प्रभाव	27 जून, 2016	अर्थशास्त्र
प्रोफेसर त्रिदीप रे भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली	सार्वजनिक बनाम निजी प्रावधानीकरण : शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी की भूमिका	28 जून, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. एन.आर. प्रभाला सीएएफ़आरएएल में मुख्य सलाहकार और अनुसंधान प्रमुख	क्या कार्यक्रमों से लघु व्यवसाय ऋण विकास अवश्य हतोत्साहित होता है? नीति प्रयोग से साक्ष्य	4 जुलाई, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
डॉ. उन्मेष पटनायक टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस)	क्या विकास हस्तक्षेप अनुकूली क्षमता को परिभाषित करता है? ग्रामीण भारत से अंतर्दृष्टि	6 जुलाई, 2016	सार्वजनिक प्रणाली समूह
डॉ. आर्ची रस्तोगी मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा	बाघ संरक्षण पर दृष्टिकोण : भारत में एक क्यू-विधि अध्ययन और संरक्षण व्यवसायियों का सर्वेक्षण	7 जुलाई, 2016	सार्वजनिक प्रणाली समूह
डॉ. गौरी विजयन यूनिवर्सिटी पुत्र मलेशिया	खाद्य खुदरा उद्योग में स्थायित्व : एक मलेशियन परिप्रेक्ष्य	14 जुलाई,2016	कृषि प्रबंधन केंद्र
डॉ. नितिन आर. पटेल अध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, साइटेल	एमबीए कार्यक्रमों में अग्रणी प्रबंधन स्कूलों के लिए एक असाधारण अवसर	15 जुलाई, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सौरभ गुप्ता होहेनाहिम विश्वविद्यालय जर्मनी	सामाजिक दृष्टि के माध्यम से कृषि परिवर्तन	21 जुलाई 2016	कृषि प्रबंधन केंद्र
डॉ. आशुतोष कुमार त्रिपाठी, एनआईबीएम पुणे	भारत की कृषि व्यापार नीति और घरेलू बाजार मूल्य परिवर्तनीयता	26 जुलाई 2016	कृषि प्रबंधन केंद्र
डॉ. हिप्पु सल्क क्रिस्टल नाथन राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, बैंगलुरू	ऊर्जा की पहुंच और ऊर्जा की कमी : उपायों पर कुछ अवधारणाएँ और अंतर्दृष्टि	26 जुलाई 2016	सार्वजनिक प्रणाली समूह
प्रोफेसर जयशंकर रामनाथन आईआईएम इंदौर	ब्रांड विस्तार का उपभोक्ता मूल्यांकन : सेवाओं के लिए माल के साथ वस्तु ब्रांड विस्तार से माल की तुलना करना	3 अगस्त 2016	विपणन
प्रोफेसर विरल आचार्य स्टर्न स्कूल ऑफ बिज़नेस, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय	जो भी इससे हो : अपरंपरागत मौद्रिक नीति का वास्तविक प्रभाव	4 अगस्त, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर शुभा घोष सिरैक्यूज़ लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी, सिरेक्यूज़, न्यूयॉर्क	लाइसेंसिंग बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रसार	5 अगस्त, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर मनीष वर्मा देग्रूते व्यापार स्कूल, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कनाडा	ढुलाई यातायात में व्यवधान और लचीले मुद्दे	8 अगस्त, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
जॉन सी. कैमिलस काटज़ ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिज़नेस, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय	रणनीति में खतरनाक समस्याओं को वश करना - हानिकारक रणनीतियाँ और मानवता का व्यवसाय	22 अगस्त 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. निरुपम दत्ता सहायक प्रोफेसर, टीईआरआई विश्वविद्यालय	पश्चिम बंगाल में बर्धमान जिले के भालकी वाटरशेड के लिए कृषि उत्पादकता, आय और आजीविका पर जल विकास कार्यक्रम के प्रभावों का मूल्यांकन	22 अगस्त 2016	कृषि प्रबंधन केंद्र
डॉ. शार्दुल फड़नीस सहायक प्रोफेसर और मलेशियाई आपूर्ति श्रृंखला नवप्रवर्तन (एमआईएसआई) संस्थान में अनुसंधान निदेशक।	संचालन अधिकारियों की सामरिक अनुभूति : मिश्रित-विधियों से एक अध्ययन	22 अगस्त 2016	पी एवं क्यू एम

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
प्रोफेसर संजय कल्लापुर आईएसबी, हैदराबाद	सांस्कृतिक प्रभाव की अर्थमित्री पहचान : अभ्यास में आलेखीय मॉडल	23 अगस्त 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री पॉल कॉसात पीएचडी छात्र, ईएससीपी यूरोप (पेरिस) और पेरिस सोरबोन विश्वविद्यालय	प्रतिकूल विदेशी पर्यावरण में वैधता का निर्माण : कब विदेशीपन का दायित्व प्रतियोगी लाभ का स्रोत बन सकता है?	29 अगस्त, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर देबजित रॉय आईआईएम अहमदाबाद	ई-कॉमर्स आदेश पूर्ति के लिए बैचिंग निर्णय प्रौद्योगिकी, मॉडल और डेटा इनसाइट्स	1 सितंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉक्टर परेश दाते ब्रनेल विश्वविद्यालय	इष्टतम संप्रभु ऋण निर्गमन के लिए एक मिश्रित पूर्णांक रैखिक प्रोग्रामिंग मॉडल	2 सितंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. विक्रम पठानिया ससेक्स विश्वविद्यालय	उच्च लागत वाले ऋण और उधारकर्ता की प्रतिष्ठा : यू. के. से साक्ष्य	14 सितंबर 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. निरुपमा कुलकर्णी सीएएफ़आरएएल में अनुसंधान निदेशक	घर स्वामित्व और अमेरिकन ड्रीम : अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता प्रभाव का एक विश्लेषण	30 सितंबर 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अनन्या रॉय दिल्ली विश्वविद्यालय	मूक बधिरों की सार्वजनिक भागीदारी के लिए समर्थक के रूप में आईसीटी : भारत में दूरदर्शन समाचार मुँह बंद रखकर समाचारकैप्शनिंग का एक केस	5 अक्टूबर 2016	संचार
डॉ. इसाबेल रेमडोंक युनिवर्सिटी कैथोलिक लुवेन, बेल्जियम	पुराना और कालग्रस्त? आयु, शिक्षा और रोजगार क्षमता	6 अक्टूबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रंजन कुमार घोष स्वीडिश कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय	बिजली की कमी के तहत शासन और फर्म व्यवहार के अर्थशास्त्र	21 अक्टूबर, 2016	सार्वजनिक प्रणाली समूह / कृषि प्रबंधन केंद्र
प्रोफेसर रवि पप्पू यू.क्यू. बिजनेस स्कूल, ऑस्ट्रेलिया	प्रायोजकता का उपयोग करते हुए सामाजिक उद्देश्यों को प्राप्त करना - एंडोर्सर पोर्टफोलियो	10 नवंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सौरभ जैन न्यू इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय	वाहक कंपनी केसों में लाभकारी स्वामित्व परीक्षण की प्रभावशीलता	10 नवंबर 2016	व्यवसाय नीति
डॉ. जेमस लिम अबू धाबी निवेश प्राधिकरण	वित्तीय संकट से सीखना	15 नवंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. वैनेसा डी कैरियोन -यगुआना इक्वाडोर का राष्ट्रीय चुनावी निकाय	क्या इक्वेडोर की कृषि पहुँच में टेक्स्ट संदेश सुधार कर सकते हैं?	15 नवंबर, 2016	कृषि प्रबंधन केंद्र
डॉ. एम पी राम मोहन टीईआरआई विश्वविद्यालय	परमाणु ऊर्जा और दायित्व कानून	16 नवंबर 2016	व्यवसाय नीति
डॉ. ए.एस. फ़िरोज़ अर्थशास्त्री, इस्पात मंत्रालय	इस्पात उद्योग : सामरिक विकल्प	23 नवंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रसानंद पांडा पीडीपीयू विश्वविद्यालय, गाँधीनगर	चीन-भारतीय संबंधों को फिर से परिभाषित करने के लिए द्विपक्षीय व्यापार	2 दिसंबर 2016	अर्थशास्त्र

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
डॉ. थिआगु रंगनाथन आईईजी, नई दिल्ली	पानी की कमी के साथ रहना : भारत में बिहार और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण परिवारों की आजीविका	2 दिसंबर 2016	अर्थशास्त्र
डॉ. नीरपाल राठी जेवियर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	कर्मचारियों को बनाए रखने और जीवन के साथ उनकी संतुष्टि को बढ़ाने में पर्यवेक्षक सहायता की भूमिका को समझना	7 दिसंबर, 2016	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफेसर रतुल लाहकर आईआईएम उदयपुर	बड़ी जनसंख्या आकलित संभावित खेल	8 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर एन. विश्वनाथम भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर	नए प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन, स्टार्ट-अपों का उदय और प्रतियोगी व्यापार मॉडल के डिजाइन	9 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रीतिका खेड़ा आईआईटी दिल्ली	भारत में हाल के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का आकलन	12 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर सुरक्षा गुप्ता केंट बिजनेस स्कूल, केंट विश्वविद्यालय	उभरते बाजारों में वैश्विक विकास की चुनौतियों पर एमएनई के प्रभाव पर एक फ्रेमवर्क मॉडल	15 दिसंबर 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रेने (एम.) बी.एम. दे कोस्तेर रॉटरडैम प्रबंध स्कूल, इरास्मस विश्वविद्यालय	रसद, एक मानवीय कारक	16 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. संजीव कुमार येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, येल विश्वविद्यालय	क्या स्वास्थ्य प्रभाव जोखिम की प्राथमिकता है?	16 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
जीवंत रामपाल पीएच.डी. छात्र, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी	प्रतिद्वंद्वी की दूरदर्शिता और इष्टतम विकल्प	19 दिसंबर 2016	अर्थशास्त्र
प्रोफेसर पार्था एस. मोहनराम रॉटमैन प्रबंध स्कूल, टोरंटो विश्वविद्यालय	बैंकों में मौलिक विश्लेषण : परास्त होने से लेकर स्क्रीन विजेताओं तक के लिए वित्तीय विवरण सूचना का उपयोग	22 दिसंबर, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. बी. वीरेश थुम्मदी पोस्ट डॉक्टरल शोधकर्ता, पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी	वैकल्पिक पद्धति उपयोग के तरीकों के तहत उपयोग-में-रही-पद्धति में भिन्नता : तेज और निर्झर उत्पादों के कई केसों का अध्ययन	22 दिसंबर, 2016	सूचना प्रणाली
प्रोफेसर मनीषा सिंघल पैम्पलिन बिजनेस कॉलेज, वर्जीनिया टेक यूनिवर्सिटी	क्या सीईओ का वेतन अमेरिका के आतिथ्य उद्योग में कार्य-प्रदर्शन से संबंधित है?	27 दिसंबर 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर सुरेश गोविंदराज रूट्जर बिजनेस स्कूल - नेवार्क और न्यू ब्रंसविक	साधारण केसों का उपयोग करके वित्तीय विश्लेषण में कला और विज्ञान	4 जनवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर नरेश खत्री मिसौरी विश्वविद्यालय	क्रोनी पूंजीवाद का भारतीय ब्रांड : सांस्कृतिक आधार	6 जनवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर सुभाष सी. राय कनेक्टिकट विश्वविद्यालय	डेटा परिवेशन विश्लेषण में इनपुट और आउटपुट का चयन	9 जनवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. संदीप चक्रवर्ती न्यू ऑरलियन्स विश्वविद्यालय	सार्वजनिक परिवहन सहेजा जा रहा है : लॉस एंजिल्स से अंतर्दृष्टि, और अमेरिकी परिवहन नीति के लिए बहिष्कार	10 जनवरी, 2017	सार्वजनिक प्रणाली समूह

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
डॉ. वेगार्ड ईवर्सन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय	भारत में कृषि विकास की औपनिवेशिक उत्पत्ति पर पुनर्विचार : एक अद्यतन और अनुसंधान अभ्यास प्रतिबिंब	11 जनवरी, 2017	अर्थशास्त्र
डॉ. अभिनव आनंद पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च फेलो, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन	अमेरिकी बैंकों के बीच एकीकरण	13 जनवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अनूप कृष्णमूर्ति डॉक्टरेट छात्र, आईआईएम बैंगलुरू	सार्वजनिक बनाम निजी ब्रांड पहचान : शाब्दिक-वचन और ब्रांड शेयर के बीच रिश्ते को समझना	13 जनवरी, 2017	विपणन
प्रोफेसर राहुल कुमार सेत्त आईआईएम रांची	एक कुशल विकल्प सेट में एक उत्पाद और एक मूल्य बंडल : कैसे चयन वरीयता को विकल्प गठन और उन्मुखीकरण प्रभावित करता है?	16 जनवरी, 2017	विपणन
प्रोफेसर दुर्गेश कुमार अग्रवाल राजीव गाँधी भारतीय प्रबंधन संस्थान	बाजार उत्तरदायित्व क्षमता बढ़ाना : मांग श्रृंखला उत्कृष्ट ता एक फ्रेमवर्क	17 जनवरी, 2017	विपणन
प्रोफेसर वर्षा खांडेकर टी ए पाई प्रबंधन संस्थान, मणिपाल	कृषि प्रौद्योगिकियों के पूरी तरह अपनाने को प्रोत्साहित करने वाले कारक : भारत में हाइब्रिड चावल की खेती का केस	17 जनवरी, 2017	विपणन
दीपार्घ्य मुखर्जी सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	इंटरमीडिएट और अंतिम उपयोग के लिए ट्रेड की गईं सेवाएँ : सेवाओं के एफटीए और प्रतिबंध की भूमिका का एक विश्लेषण	19 जनवरी, 2017	अर्थशास्त्र
प्रोफेसर निरोन हाशाई हिब्रू विश्वविद्यालय	संस्थापक का अनुभव - एक संपत्ति या दायित्व? अंतरराष्ट्रीय विस्तार का केस	24 जनवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री अपूर्व खरे डॉक्टरेट छात्र, आईआईएम कोलकाता	सबसे निम्न स्तर पर काफकास्क संस्थान	30 जनवरी, 2017	विपणन
डॉ. नीरू चौधरी मोनाश विश्वविद्यालय	टैक्स आक्रामकता और विवेकपूर्ण अस्थिरता	30 जनवरी, 2017	वित्त एवं लेखा
डॉ. प्रबीर नियोगी कार्लेटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा	भारत में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन का प्रभाव : सबक, नीतिगत मुद्दे और चुनौतियाँ	30 जनवरी, 2017	आईआईटी सीओई
प्रोफेसर गोपाल वी. कृष्णन बेंटले विश्वविद्यालय	लेखा परीक्षा समिति की लेखांकन विशेषज्ञता, इक्विटी आधारित मुआवजा और वास्तविक क्रियाकलाप प्रबंधन के बीच संबंध	2 फरवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रणधीर कुमार एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय (नीदरलैंड)	सेवाओं के उत्पादन का वैश्वीकरण - मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय आईसीटी-आईटीईएस फर्मों के लिए समर्थनसेवा उद्योग कैटरिंग में आर्थिक और सामाजिक उन्नयन	6 फरवरी, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
श्री के. वी. गोपाकुमार एफपीएम छात्र, आईआईएम बैंगलुरू	हाइब्रिड संगठनों की भ्रामक वैधता : भारत में एक सामाजिक उद्यम का अध्ययन	6 फरवरी, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफेसर रोहित प्रसाद एमडीआई गुड़गांव	विकास संघर्ष के बारे में अभी हम कुछ भी नहीं जानते हैं	8 फरवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजनकर्ता
प्रोफेसर मोहन थाइट ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय	प्रतिभा के लिए वैश्विक खोज : चीन में भारतीय आईटी सेवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों से शिक्षण	15 फरवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री वेंकटराम रेड्डी गनुथुला, आईआईटी मद्रास	तर्कसंगतता में व्यक्तिगत मतभेद : विस्थापन की भूमिका	20 फरवरी, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफेसर राम फ़िशमैन तेल अवीव विश्वविद्यालय	क्या ड्रिप सिंचाई कार्य पर सब्सिडी हैं? गुजरात से साक्ष्य	21 फरवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. उमेश कुमार बामेल आईआईएम रायपुर	संगठनात्मक माहौल और प्रबंधकीय प्रभावकारिता : प्रबंधकीय भूमिका प्रभावकारिता का एक मध्यस्थता मॉडल	21 फरवरी, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफेसर कृति जैन आईई बिजनेस स्कूल, स्पेन	सलाह लेने में प्रत्याशित अफसोस की भूमिका	27 फरवरी, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर शैलेंद्र सी. जैन पालविया लॉग आईलैंड विश्वविद्यालय	असरदार अनुसंधान क्या है? एक पत्रिका में उच्च गुणवत्ता लेख प्रकाशित	3 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर फ़ारोक कॉन्ट्रेक्टर रूट्गर्स यूनिवर्सिटी	अमेरिका-चीन व्यापार संबंध - "द्वि-ध्रुवीय" या स्थिर विश्व अर्थव्यवस्था के दो स्तंभ - भारत के लिए प्रभाव?	6 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर प्रतीक पारिख राइट स्टेट यूनिवर्सिटी, डेटन, ओएच	विज़ुअल अनुभव को अधिकतम करने के लिए खुदरा स्ट ोर डिजाइन करना	7 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री मेहरीन मुखर्जी पीएच.डी. छात्रा, कोर्नेल विश्वविद्यालय	क्या बारिश से कणिका तत्व धुल जाते हैं? शिशु मृत्यु दर पर वायु प्रदूषण के प्रभाव के लिए एक अनुप्रयोग	14 मार्च, 2017	सार्वजनिक प्रणाली समूह
प्रोफेसर प्रीतम रंजन आईआईएम इंदौर	गतिशील कंप्यूटर सिमुलेटरों के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग	16 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर जोहानीस सी. ब्रेमान एम्स्टर्डम सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान	कल्याणकारी राज्य के कारागार और कब्र	21 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री संकेत रॉय पीएच.डी. छात्र, कॉर्नेल विश्वविद्यालय	अमेरिकी आवासीय ऊर्जा उपभोग पर तापमान के अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव	21 मार्च, 2017	सार्वजनिक प्रणाली समूह
डॉ. जय सुरती वैश्विक वित्तीय स्थिरता विश्लेषण प्रभाग, आईएमएफ	उभरते बाज़ारों से वित्तीय स्पीलओवर्स का बढ़ता महत्व	22 मार्च, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन

ज

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

पुस्तकें

अग्रवाल, ए. के. (2017). व्यापार नेतृत्व और कानून, नई दिल्ली : स्प्रिंगर. http://www.springer.com/in/book/9788132236801

अग्रवाल, पी. (2016). मनोवैज्ञानिक अनुबंध : कर्मचारी-नियोक्ता संबंध प्रबंधन, जर्मनी लैम्बर्ट प्रकाशन कंपनी.

बनर्जी, ए., और बनर्जी, टी. (2017). प्रभावी निर्णय निर्माण के लिए विश्लेषिकी तैयार करना, नई दिल्ली : सेज.

फ़र्ज़, जे.एन., स्विंग, के., गुप्ता, ए.के., मैकक्लेच, आर., एवं रेनॉल्ड्स, डी. (2016). स्थायी पर्यावरणीय प्रणालियों की दिशा में गणितीय प्रगति, चाम स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978-3-319-43901-3.

गुप्ता, ए.के. (2016). जमीनी स्तर पर नवप्रवर्तन सीमांत पर दीमाग का मतलब मामूली दीमाग नहीं, नई दिल्ली : पेंग्विन रैंडम हाउस.

माथुर, ए.एन. (2016). प्रबंधन में रहस्य. नई दिल्ली पैंग्विन.

पाठक, ए. (2017). बिक्री, पट्टे और बंधक (गिरवी) के कानून, गुड़गांव : लेक्सिस नेक्सिस. http://lexisnexis.in/law-of-sale-lease-and-mortgage.htm

पेंग, एम., और शर्मा, डी. (2016). वैश्विक व्यापार, नई दिल्ली : सेनगेज प्रकाशन.

राम मोहन, टी.टी. (2017). बैंकिंग की एक सुरक्षित दुनिया की ओर सबप्राइम संकट के बाद बैंक विनियमन, न्यूयॉर्क बिज़नेस एक्सपर्ट प्रेस.

http://dev.businessexpertpress.com/books/towards-safer-world-banking-bank-regulation-after-subprime-crisis

रॉबिन्स, एस.पी., जज, टी.ए. और वोहरा, एन. (2016). संगठनात्मक व्यवहार, नई दिल्ली : पियर्सन एजुकेशन.

शर्मा, डी., और राव, एन. एस. (2016). जनादेश झुकाव, नई दिल्ली : पैंग्विन रैंडम हाउस.

वर्मा, पी. (2016). भारत में चावल की उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा : चावल की अधिक-उत्पादकता प्रणाली का एक अध्ययन. सिंगापुर : स्प्रिंगर.

मोनोग्राफ

बनर्जी, ए. और बनर्जी, टी. (2016). भारत में विपणन विश्लेषिकी का उपयोग : एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था में संसाधन और उत्पादकता अंतराल. न्यूयॉर्क, बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस

व्यावसायिक पत्रिकाओं में आलेख

अभिषेक, और सहाय, ए. (2016). मशहूर हस्तियों के समर्थन में संस्कृति की भूमिका : भारतीय संदर्भ में मशहूर हस्तियों का ब्रांड समर्थन। अंतरराष्ट्रीय भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन जर्नल, 13(3), 394-413 . डीओआई 10.1504/क्षख्क्क्ए.2016.078846

अग्रवाल, ए.के. (2016). मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 : मध्यस्थता और रुचि के संघर्ष. एनएलएस बिजनेस लॉ रिव्यू 2. 87-98 www.nlsblr.in से पुनर्प्राप्त

अग्रवाल, ए.के. (2016). भारत में व्यापार विवाद समाधान आसान बनाना : मध्यस्थता खंड को गंभीरता से लिया जाना चाहिए. कॉरपोरेट कानून और प्रशासन पर जर्नल, 2(1), 92-107

अग्रवाल, पी. (2016). अनुकूलनीय संगठनों का निर्माण : परिवर्तन-उन्मुख संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार में व्यक्तित्व और संगठनात्मक कार्यकाल की भूमिका. अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक परिवर्तन प्रबंधन जर्नल, 7 (1), 67-86

अग्रवाल, पी. (2017). मनोवैज्ञानिक अनुबंध के गठन में व्यक्तित्व की भूमिका. ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 18(4), 1059-1076

अग्रवाल, पी. (2016). संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार को फिर से परिभाषित करना. अंतरराष्ट्रीय संगठनात्मक विश्लेषण जर्नल, 24(5), 956-984 डीओआई 10.1108 / आईजेओए-12-2014-0826

परिशिष्ट जारी

ज

अग्रवाल, पी. (2017). उच्च-प्रदर्शन कार्य प्रणाली और रचनात्मकता कार्यान्वयन : मनोवैज्ञानिक पूंजी और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा की भूमिका. मानव संसाधन प्रबंधन. डीओआई 10.1111 / 1748-8583.12148.

अग्रवाल, एस., घोष, डी., चक्रवर्ती, ए.एस. (2016). अनुमानित नियमों के माध्यम से एक वितरित समन्वय खेल में स्वसंगठन. यूरोपीय फिजिकल जर्नल बी, 89 (266) डीओआई से पुनर्प्राप्त 10.1140 / एपीजेबी / ई2016-70464-0

अग्रवाल, एम. (2016). बहु मानदंड निर्णय लेने में एकत्रीकरण मॉडल के बारे में सीखना. ज्ञान आधारित सिस्टम, 119, 1- 9 डीओआई से पुनर्प्राप्त किया गया 10.1016/j.knosys.2016.09.031

अग्रवाल, एम. (2016). अंतक्रियात्मक विशेषताओं के साथ पसंदीदा मॉडल के बारे में सीखना. ज्ञान और डेटा इंजीनियरिंग पर एलईईई लेनदेन. 28, 2697- 2808. डीओआई 10.1109/TKDE.2016.2563434

अग्रवाल, एम. (2016). सूचना और संभाव्यता के साथ अनिश्चितता का प्रतिनिधित्व. अंतरराष्ट्रीय फजी सिस्टम जर्नल, 19(5), 1617-1634. https://doi.org/10.1007/s40815-016-0242-5

अग्रवाल, एम. (2017). निर्णय निर्धारण में असीम सूचना व्यवस्थित करना और उसके अनुप्रयोग. फजी सिस्टम पर आईईईई लेनदेन. 25, 265-276. डीओआई http://ieeexplore.ieee.org/document/7862144/

अग्रवाल, एम. (2017). बहु मानदंड निर्णय निर्धारण के लिए भेदभावपूर्ण एकत्रीकरण संचालक. एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 52, 1058 -1069. https://doi.org/10.1016/j.asoc.2016.09.025

अंजली, एफ., और **जायसवाल, ए.के.** (2016). निचले स्तर तक समावेशी स्वास्थ्य देखभाल वितरण के लिए बिजनेस मॉडल नवीनीकरण. संगठन और पर्यावरण, 29(4), 486-507. डीओआई 10.1177/1086026616647174

अरगडे, ए., और सिंह एस. (2016). उत्पादन क्षेत्रों में बाज़ार की मांग करना : भारत में निष्पक्ष व्यापार की क्षमता का आकलन, मिलेनियल एशिया, 72(2), 131-152. डीओआई 10.1177/0976399616655028

अवधनम, आर., और **चंद, वी.एस.** (2016). विकासशील समाजों में शैक्षिक विकास के लिए नवप्रवर्तक शिक्षक व्यवहार के संबंधों का सहारा लेना. एएम एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 4(14), 1019-1024

अवाशिया, वी.के., नारायणस्वामी, एस., और सक्सेना, ए. (2016). डिस्ट्रोमेड बायोकलीन प्राइवेट लिमिटेड. एमरेल्ड इमर्जिंग मार्केट केस स्टडीज़, 6(4). डीओआई 10.1108/EEMCS-06-2016-0145

बनर्जी, ए., और बनर्जी, टी. (2016). अर्थव्यवस्थाओं के विलय में एनालिटिक्स प्रक्रिया अपनाने के निर्धारक : भारत में विपणन डोमेन से परिप्रेक्ष्य. विकल्प, 42(2), 95110, डीओआई 10.1177/0256090917704560

बनर्जी, पी., त्रिपाठी, एस. और सहाय, ए. (2016). जब अधिक से बेहतर कम लगता है : तन्यता मूल्य प्रोन्नति में थोड़ीकम छूट. खुदरा बिक्री और उपभोक्ता सेवा जर्नल, 31, 93102

बनर्जी, टी., चट्टोपाध्याय, जी, और बनर्जी, के. (2017). अव्यवस्थित जोड़े के साधनों का द्विचरण परीक्षण. चिकित्सा में सांख्यिकी. डीओआई 10.1002/sim.7304

बनर्जी, टी., रॉय, एस. (2017). खगोल विज्ञान में मापन त्रुटि. विली स्टाट्स संदर्भ : सांख्यिकी संदर्भ ऑनलाइन, डीओआई 10.1002/97811844512.stat07930

बत्रा, एस., और वोहरा, एन. (2016). संज्ञानात्मक शैली और व्यक्तिगत नवीनता के संबंधों की खोज करना. प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा, 39(7), 768-785. डीओआई 10.1108/MRR-03-2014-0047

चक्रवर्ती, ए.एस. (2016). श्रम और पूंजी गतिशीलता में संघर्ष के साथ नव-औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीतियों का मुद्रास्फीति पर प्रभाव. मैक्रोइकॉनॉमिक्स जर्नल, 50, 151167. डीओआई : 10.1016/j.econmod.2016.12.009

चक्रवर्ती, ए.एस. (2016). अनुक्रमिक डेटा के साथ सामाजिक दृष्टिकोण के गठन में पारसहसंबंध तरीके. फिजिका : सांख्यिकी यांत्रिकी और उसके अनुप्रयोग, 462, 442-454. http://hdl.handle.net/11718/19581 से पुनर्प्राप्त

चक्रवर्ती, ए.एस., और घोष, डी. (2016). स्वतंत्र ग्राहकों के साथ वितरित कंप्यूटिंग सेट-अप में सर्वर के उपयोग में सुधार करना. arXiv:1610.04636 [cs.DC]

चक्रवर्ती, ए.एस., और लाहकर, आर. (2016). आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का अभाव. यूरोपीय भौतिक जर्नलविशेष विषय, 225, (17-18), 3115-3119. डीओआई https://doi.org/10.1140/epjst/e2016-60176-3

चक्रवर्ती, ए.एस., चटर्जी, ए., नंदी, टी., घोष, ए., और चक्रवर्ती, ए. (2017). सभी समूहों की खपत में समूह भीतरी असमानता की अपरिवर्तनीय विशेषताओं को बढ़ाना. इकोनॉमिक्स इंटरैक्शन एंड कोऑर्डिनेशन जर्नल, 1-22. डीओआई 10.1007/s11403-017-0189-0

चक्रवर्ती, ए.एस., सेनगुप्ता, ए. (2017). यू.एस. में उत्पादकता अंतर और अंतर-राज्य प्रवास : एक बहुपक्षीय गुरुत्त्व दृष्टिकोण. इकोनोमिक मॉडलिंग, 61, 156-168. डीओआई 10.1016/j.econmod.2016.12.009

चंदवानी, आर., और कुलकर्णी, वी. (2016). चिकित्सक कौन है? भारत में इंटरनेट ज्ञात रोगियों के चिकित्सकों की धारणा, कम्प्यूटिंग सिस्टम में मानव कारकों पर सीएचआई सम्मेलन, 3091-3102. डीओआई 10.1145/2858036.2858500

डीक्रूज़, पी., ब्योर्केलो, बी. (2016). ध्यानाकर्षण (व्हीलबलोइंग) में सामाजिक सांस्कृतिक गतिशीलता : भारत से अंतर्दृष्टि. एशिया प्रशांत बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन जर्नल, 8(2), 143-162.

डीक्रूज़, पी., पोल, एम., ओमरी, एम., और गुनेरकंगारली, बी. (2016). कार्यस्थल पर डराने के अनुभवों को लक्षित करनाः ऑस्ट्रेलिया, भारत और तुर्की से अंतर्दृष्टि. एम्प्लोयी रिलेशन्स : अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 38(5), 805823. डीओआई 10.1108/कङ-06-2015-0116

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016). नकारात्मक के सामने झुकती सकारात्मकता : भारतीय भीड़ स्रोत श्रमिकों के अनुभव. कार्य संगठन, श्रम और वैश्वीकरण, 10(1), 44-63. डीओआई 10.13169/workorgalaboglob.10.1.0044

देवधर, एस.वाय. (2016). गरीबों का आहार? वर्तमान, आहार का भविष्य! भारतीय बाजार में दाल की समझ, भारतीय खाद्य उद्योग, 35(2), 17-22

देवधर, एस.वाय. (2016). कानूनी जाल में भारत के सीएसआर का फँसाना : क्या अनिवार्य ट्रस्टीशिप ट्रिपल बॉटम लाइन में योगदान करेगा? विकल्प : द जर्नल ऑफ डिसिजन मैकर्स, 41(4), 267-274.

देवधर, एस.वाय. (2016). मेक इन इंडिया : एक ही मंत्र का जाप एक अलग तरीके से, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस, 15(1), 99-114.

देसाई, एन. (2016). लेखा परीक्षक रूढ़िवाद पर कंपनी स्तर की जानकारी का प्रभाव. लेखांकन और वित्त की समीक्षा, 15(4), 518-532. डीओआई 10.1108/RAF-10-2015-0141

देसाई, एन., और गुप्ता, वी. (2016). चुनिंदा धारणा और समूह बुद्धिशीलता : लेखा परीक्षकों की धोखाधड़ी के लिए जोखिम मूल्यांकन की जाँच. व्यवहार लेखा और वित्त अंतक्रियात्मक जर्नल, 6(1), 1-25. डीओआई : 10.1504/IJBAF.2016.10000757

देसाई, एन., और नागर, एन. (2016). एक शोध नोट : क्या लेखापरीक्षकों के वर्गीकरण स्थानांतरण का पता लगाने में असमर्थ हैं या केवल इसकी रिपोर्ट करने को ये तैयार नहीं? भारत से साक्ष्य. समकालीन लेखांकन और अर्थशास्त्र की जर्नल, 12(2), 111-120. डीओआई : 10.1016/j.jcae.2016.06.002

देवानी, पी. पी., **सिन्हा, पी.के.,** और माथुर, एस. (2016). दीर्घकालिक ग्राहक संबंधों में कृतज्ञता और दायित्व की भूमिका. खुदरा बिक्री और उपभोक्ता सेवाओं का जर्नल, 31, 143-156. डीओआई : 10.1016/j.jretconser.2016.01.005

ढींगरा, वी.एस., **गाँधी, एस.,** और बलसारा, एच.पी. (2016). भारत में विदेशी संस्थागत निवेश : शेयर बाजार की वापसी और अस्थिरता के साथ गतिशील बातचीत का एक अनुभवजन्य विश्लेषण. आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा, 28(4), 212-224. http://hdl.handle.net/11718/19583 से पुनर्प्राप्त

धोलकिया, आर.एच. और पंड्या, एम.बी. (2017). भारत में राज्य की आय के अनुमान के लिए आधार वर्ष में बदलाव के साथ हालिया संशोधनों की आलोचना. इंडियन स्कूल ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी जर्नल, 29.

धोलकिया, आर.एच., और वीरिन्ची, के.एस. (2017). भारत में जानबूझकर किया गैर-मुद्रास्फिती कैसे महंगी है? - बलिदान अनुपात का अनुमान लगाना. मात्रात्मक अर्थशास्त्र जर्नल, 15(1), 27-44. डीओआई : 10.1007/s40953-016-0039-2

धोलकिया, आर.एच., (2017). भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वॉत विश्लेषण. योजना, 61, 35-46.

दत्ता, जी., और अष्टेकर, एम. (2016). परियोजना मूल्यांकन के लिए एक ब्लास्ट फर्नेस का सिस्टम गतिशीलता सिमुलेशन मॉडल. अंतरराष्ट्रीय बिजनेस एंड सिस्टम्स रिसर्च जर्नल, 11(3), 325-343. डीओआई : 10.1504/IJBSR.2017.10006188

परिशिष्ट जारी

ज

दत्ता, जी., और मित्रा, के. (2016). बिजली के गतिशील मूल्य पर एक साहित्यिक समीक्षा. ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी जर्नल, 68(10), 1131-1145. डीओआई : 10.1057/s41274-016-0149-4

फेल्डन, डी.एफ., शुक्ला, के.डी., और महेर, ए.एम. (2016). एसटीईएम स्नातक छात्रों के शोध कौशल को बढ़ाने के साधन के रूप में संकाय-छात्र सहलेखन. अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ता विकास जर्नल, 7(2), 178-191. डीओआई : 10.1108/IJRD-10-2015-0027

घोष, डी., और चक्रबर्ती, ए.एस. (2017). कोलकाता में वितरित समन्वय की स्थिति परिमित जानकारी के साथ पैसे रेस्तरां समस्या. फिजिका : सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, 483, 16-24. डीओआई : 10.1016/j.physa.2017.04.171

गुप्ता, ए., रॉय, डी., कॉस्टर, दे आर., और परही, एस. (2017). स्वचालित माल-ढोही वाहनों के साथ समुद्र कंटेनर टर्मिनल में इष्टतम स्टॅक लेआउट. अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन रिसर्च जर्नल, 55(13), 3747-3765. डीओआई 10.1080/00207543.2016.1273561

गुप्ता, ए.के., और दे, ए., शिंदे, सी. और अन्य (2016). पारस्परिक, उत्तरदायी और सम्मानजनक परिणामों के लिए खुला समावेशी नवप्रवर्तन का सिद्धांत : जलवायु और संस्थागत जोखिमों के साथ रचनात्मक तरीके से मुकाबला करना. मुक्त नवप्रवर्तन जर्नल : टेक्नोलॉजी, मार्केट और कॉम्प्लेक्सिटी, 2(1). डीओआई 10.1186/s40852-016-0038-8

गुप्ता, एम., और **पांडे, जे.** (2016). भावात्मक अधिगम पर छात्र संलग्नता का प्रभाव : एक बड़े भारतीय विश्वविद्यालय से साक्ष्य, वर्तमान मनोविज्ञान. डीओआई 10.1007/s12144-016-9522-3

गुप्ता, वी., अग्रवाल, यू.ए. और खत्री, एन. (2016). कथित संगठनात्मक समर्थन, भावनात्मक प्रतिबद्धता, मनोवैज्ञानिक उल्लंघन, संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार, और कार्य संलग्नता के बीच संबंध. उन्नत नर्सिंग जर्नल, 72(1), 2816-2817. डीओआई : 10.1111/ञ्जद.13043

गुप्ता, वी., सिंह, एस., और भट्टाचार्य, ए. (2017). नेतृत्व, कार्य संलग्नता और कर्मचारी के अभिनव प्रदर्शन के बीच संबंध भारतीय अनुसंधान एवं विकास के संदर्भ से अनुभवजन्य साक्ष्य. अंतरराष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रबंधन जर्नल, 21(7). डीओआई : 10.1142/ञ्च1363919617500554

इस्लाम, एम., सिंह, एच.के., रे, टी., और **सिन्हा, ए.** (2016). एकल उद्देश्य द्वि-स्तरीय अनुकूलन समस्याओं के लिए वर्धित मेमेटिक एल्गोरिथ्म. विकासवादी कम्प्यूटेशन। डीओआई : 10.1162/ EVCO_a_00198

जैन, एस. (2016). संस्थागत इक्विटी निवेश और स्टॉक मार्केट रिटर्न : भारत से साक्ष्य. अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन जर्नल, 16(1), 69-86. डीओआई : 10.18374/IJSM-16-1.6

जायसवाल, एस., और विद्यार्थी, एन. (2016). विषम ग्राहकों के लिए सेवा स्तर की कमी के तहत सुविधा स्थान. संचालन अनुसंधान का वर्षक्रमिक इतिहास, 253(1), 275-305. डीओआई : 10.1007/ञ्च10479-016-2353-7

झा, जे. के., और पांडे, जे. (2016). ज्ञान के प्रकाश को फैलाना : नौकरी संतुष्टि, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और ट्रस्ट के मेलजोल. अंतरराष्ट्रीय ज्ञान प्रबंधन जर्नल. डीओआई : 10.4018/IJKM.2016070103

कंडाथिल, जी., और वागनेर, एरिका (2017). अनुपस्थित प्रथाओं और निष्क्रिय सुविधाओं की वार्ता : स्थानीय कार्य संस्कृति को पूरा करने के लिए एक वैश्विक उद्यम प्रणाली के कार्यान्वयन को आकार देने के साधन के रूपमें व्याख्यान. 2017 सीएचआई सम्मेलन, 5954-5965. आईएसबीएन : 978-1-4503-4655-9. DOI:10.1145/3025453.3026039

खत्री, एन., **गुप्ता, वी.** और वर्मा, ए. (2016). मानव संसाधन क्षमताओं और रोगी देखभाल की गुणवत्ता के बीच संबंध सक्रिय कार्य व्यवहार की मध्यस्थता भूमिका. मानव संसाधन प्रबंधन-यूएस, (56). डीओआई : 10.1002/hrm.21794

कोनोल्ड, टी., और **शुक्ला, के.डी.** (2016). बाह्य परिणामों के संबंधों के साथ अनेक सूचनाओं में आम संगठनात्मक गुण का अनुमान लगाया जाना : एक आधिकारिक स्कूल जलवायु मॉडल चित्रण. शैक्षिक आकलन, 22(1), 54-69. डीओआई : http://dx.doi.org/10.1080/10627197.2016.1271705

कोनोल्ड, टी., कॉर्नेल, डी., **शुक्ला, के.डी.,** और हुआंग, एफ़. (2017). स्कूल के वातावरण की धारणाओं में नस्लीय / जातीय मतभेद और छात्र संलग्नता और सहकर्मी आक्रामकता के साथ संबंध. युवा और युवावस्था जर्नल, 46(6), 1289-1303. डीओआई : 10.1007/ञ्च10964-016-0576-1

कौल, एस., **सिन्हा, पी.के.,** और मिश्रा, एच.जी. (2016). खरीदार-विकेता संबंध में ग्राहकों की निर्भरता के लिए पूर्वजों के जीवनवृत्त : एक बीओपी खुदरा बिक्रीकर्ता जाँच. ग्लोबल बिजनेस रिव्यू; सेज, 17(3), 610-629. डीओआई 10.1177/0972150916630472

परिशिष्ट जारी

ज

कुलकर्णी, वी. (2016). परिवर्तन की कर्मचारी व्याख्याएँ प्रतिरोध की कहानी के दूसरे पक्ष की खोज. इंडस्ट्रियल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 52(2), 246-263. आईएसएसएन 0019- 5286. http://www.i-scholar.in/index.php/ijir/article/view/157567 से पुनर्प्राप्त

कुमार, ए., कुमार, पी., पलाविया, एस.सी., और **वर्मा, एस.** (2017). दुनिया भर में ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान स्थिति और उभरती हुई प्रवृत्तियाँ. सूचना प्रौद्योगिकी केस एवं अनुप्रयोग अनुसंधान जर्नल, 19(1), 39. डीओआई : 10.1080/15228053.2017.1294867

कुमार, आनंद, **रॉय, डी.,** वेर्टर, वी., और शर्मा, डी. (2017). हज़मत परिवहन के लिए समेकित बेड़े का मिश्रण और स्कटिंग निर्णय एक विकासशील देश का परिप्रेक्ष्य. यूरोपीय ऑपरेशनल रिसर्च जर्नल, 264(1), 225238. डीओआई : 10.1016/j.ejor.2017.06.012

कुमार, वी., और **देवधर, एस.वाय.** (2017). हील वाले जूतों से टीपटोज तक, जूतों की चमक से जूतों के फीते तक : पुरुषों के जूतों में एकाधिकार प्रतिस्पर्धा और उत्पाद भेद. व्यापार और अर्थशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, 1(1), 1-26.

लाहा, ए.के., राजा, पी., और घोष, डी.के. (2017). भारत में यातायात दुर्घटना के समय का वितरण - परिपत्र डेटा विश्लेषण का उपयोग करते हुए कुछ अंतर्दृष्टि. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय विश्लेषिकी एवं आसूचना जर्नल, 5(1), 26-35.

लाहा, ए.के., राजा, पी., और महेश, के.सी. (2016). एसबी-कुछ नए परिपत्र वितरण के लिए मध्य-मार्ग (दिशा) का मजबूत आकलन. सांख्यिकीय पेपर्स. डीओआई : 10.1007/s00362-016-0853-9

लाहकर, आर., **पिंगाली, वी.,** और साधु, एस. (2016). क्या ज्यादातर उधार लेने का मतलब अधिकतरउधारी मानना ज़रूरी है. एंटरप्राइज़ डेवलपमेंट माइक्रोफाइनांस अंतरराष्ट्रीय माइक्रोफाइनांस एवं व्यवसाय विकास जर्नल, 27(2), 132-141. डीओआई : 10.3362/1755-1986.2016.009

लिम, जे.जे., और **मोहपात्रा, एस.** (2016). विकासशील देशों के लिए वित्तीय प्रवाह में मात्रात्मक आसानी और संकट के बाद वृद्धि. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा एवं वित्त जर्नल, 68, 331-357. डीओआई : 10.1016/j.jimonfin.2016.02.009

माथुर, के., और **माथुर, एन.** (2017). भारत में प्रशासनिक सुधार का मूल्यांकन. चीनी राजनीतिक विज्ञान की समीक्षा / स्प्रिंगर, 2(1), 40-55.

मिश्रा, एच.जी., **सिन्हा, पी.के.**, और कौल, एस. (2017). पारंपरिक व आधुनिक स्वरूपके स्टोरों पर ग्राहकों की निर्भरता और वफादारी. भारतीय व्यवसाय अनुसंधान जर्नल, 9(1), 59-78. डीओआई : 10.1108/JIBR-12-2015-0126

मिश्रा, एन., **रॉय, डी.,** और वैन ओममेरेन, जे. (2017). अंतःटर्मिनल कंटेनर परिवहन के लिए एक स्टोकेस्टिक मॉडल. परिवहन विज्ञान 52(1), 67-87. डीओआई : 10.1287/trsc.2016.0726

मुखर्जी, एस., **सहाय, ए.**, पम्मी, सी., और श्रीनिवासन, एन. (2017). क्या हानि-द्वेष परिमाणआश्रित हैं? लाभ और हानि के बारे में संभावित भावात्मक निर्णयों को मापना. फैसला और निर्णय निर्माण, 12(1), 81-89.

नागर, एन., और राइतथा, एम. (2016). अच्छा कॉरपोरेट गवर्नेंस कैश फ्लो का हेरफेर रोक सकता है? भारत से साक्ष्य. प्रबंधकीय वित्त, 42(11), 1034-1053. डीओआई : 10.1108/MF-01-2016-0028

नागर, एन., और सेन, के. (2017). वर्गीकरण स्थानांतरण फर्म के जीवनचक्र का प्रभाव. वित्तीय प्रतिवेदन और लेखांकन जर्नल, 15(2), 180-197. डीओआई : 10.1108/JFRA-11-2015-0102

नागर, एन., और सेन, के. (2017). क्या वित्तीय रूप से व्यथित कंपनियाँ महत्वपूर्ण खर्चों का गलत इस्तेमाल करती हैं? लेखांकन अनुसंधान जर्नल, 30(2), 205-223. डीओआई : 10.1108/ARJ-04-2015-0054

नानारपुझा, आर., और **नोरोन्हा, ई**. (2016). अन्य का ध्यानाकर्षण चाहना : छोटे खुदरा विकेताओं को बेचते समय उपयोग में लिए गए बिक्रीकर्ता प्रभाव रणनीतियों की एक जाँच. व्यक्तिगत बिक्री और क्रय प्रबंधन जर्नल, 36(2), 144-159. डीओआई : 10.1080/08853134.2016.1158656

नारायणस्वामी, एस. (2016). शहरी परिवहन स्झान, चुनौतियाँ और अवसर. टेक्नोमिक रिव्यू, TR-2016-05-0004. http://www.iimapr.com/article/view-article/urban-transportation-trends-challenges-and-opportunities से पुनर्प्राप्त।

नारायणस्वामी, एस. (2017). शहरी परिवहन बुनियादी ढाँचे की योजना और विकास में नवप्रवर्तन. अंतरराष्ट्रीय रसद प्रबंधन जर्नल, 28(1), 150-171. डीओआई : 10.1108/IJLM-08-2015-0135

परिशिष्ट जारी

ज

नारायणस्वामी, एस., और रवीचंद्रन, एन. (2017). भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में चावल की इष्टतम आंदोलन योजना. शिक्षा पर आईएनएफ़ओआरएमएस (इनफ़ॉर्म्स) लेनदेन, 18(1), 37-40. डीओआई : 10.1287/ited.2017.0173ca

नोरोन्हा, ई. (2016). नकारात्मक के सामने झुकती सकारात्मकता भारतीय भीड़ स्रोत श्रमिकों के अनुभव. कार्य संगठन, श्रम और वैश्वीकरण, 10(1), 44-63.

नोरोन्हा, ई., डीक्रूज़, पी., और कुरुविला, एस. (2016). कमोडिफिकेशन का वैश्वीकरण कानूनी प्रक्रिया आउटसोर्सिंग और भारतीय वकील. समकालीन एशिया जर्नल, 46(4), 614-640. डीओआई : http://dx.doi.org/10.1080/00472336.2016.1157885

पलविया, एस., आनंद, ए.बी., सीताराम, पी एवं वर्मा, एस. (2017). भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए सुशासन का उपयोग करने में आदेशात्मक कार्य और चुनौतियाँ : साहित्य और सर्वग्राही मॉडल की एक व्यवस्थित समीक्षा के लिए सूचना प्रणाली पर तेईसवाँ अमेरिकी सम्मेलन. http://aisel.aisnet.org/cgi/viewcontent.cgi?article=1262&context=amcis2017 से पुनर्प्राप्त।

पलविया, एस., कुमार, ए., कुमार, पी. और **वर्मा, एस.** (2017). विषय, ख्यान और फ्रेमवर्क की खोज : ऑनलाइन व्यापार शिक्षा अनुसंधान का एक मेटाविश्लेषण. अमेरिका में सूचना प्रणालियों पर सम्मेलन. http://aisel.aisnet.org/cgi/viewcontent.cgi?article=1329&context=amcis2017 से प्राप्त किया गया।

पांडे, जे. (2016). ग्रामीण भारत में संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण. भारतीय औद्योगिक संबंध जर्नल, 51(4), 579-594.

पांडे, एस., **दत्ता, जी.,** और जोशी, एच. (2017). मीडिया और प्रसारण में राजस्व प्रबंधन पर सर्वेक्षण. इंटरफेस, 47(3), 195-213. डीओआई : 10.1287/inte.2017.0886

पाठक, ए. (2016). उपभोक्ता बिक्री अनुबंध में हुए नुकसान : उपभोक्ता संरक्षण विधेयक-2015 की समीक्षा. अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता कानून और अभ्यास जर्नल. https://www.nls.ac.in/index.php?option=com_content&view=article&id=1050 से पुनर्प्राप्त।

पिंगाली, वी., चौधरी, एम., मलिक, पी., तामरा, आर., खक्कर, ए., चटर्जी, सी., मंडल, एस., और सोकोल, डी. (2016). भारत में प्रतिस्पर्धा कानून परिप्रेक्ष्य. विकल्प, 41(2), 168-193. डीओआई : 10.1177/0256090916647222

रंजन, आर. (2016). भारत का राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम : राजकोषीय आकलन और कार्यान्वयन की चुनौतियाँ. एफ़आईआईबी बिजनेस रिव्यू, 5(2).

राय, पी., और **सिंह, एम.** (2016). नई पीढ़ी के कार्य बल के लिए मानव संसाधन परिवर्तन. भारतीय औद्योगिक संबंध जर्नल, 52(2), 336-349.

रॉय, डी., कार्रानो, ए.एल., पाज़ुर, जे.ए., गुप्ता, ए. (2016). लागत प्रभावी पैलेट प्रबंधन रणनीतियाँ. परिवहन अनुसंधान भाग-क : रसद और परिवहन की समीक्षा, 93, 358-371. डीओआई : 10.1016/j.tre.2016.06.005

रॉय, डी., कृष्णमूर्ति, ए., हेरागु, एस.एस., और माल्म्बोर्ग, सी.जे. (2017). स्वायत्त वाहन आधारित भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणालियों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए एक बहु-स्तरीय सहयोगात्मक दृष्टिकोण. कंप्यूटर और संचालन अनुसंधान, 83, 173-188. डीओआई : 10.1016/j.cor.2017.02.012

रॉय, के., **वोहरा, एन.,** और बुधवार, पी. (2016). भारतीय संदर्भ के लिए पुनर्विचार प्रबंधन सिद्धांत और अभ्यास - एक अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन परिप्रेक्ष्य. थंडरबर्ड अंतरराष्ट्रीय बिजनेस रिव्यू, 58(6), 507-513. डीओआई : 10.1002/tie.21792

सहस्रनामम, एस. एवं **सूद, एम.** (2016). उद्यमिता का अवसर और आवश्यकता : भारत और चीन का एक तुलनात्मक अध्ययन. उद्यमिता अकादमी जर्नल, 22(1), 21-40.

सरीन, ए., अन्नाला, एल.टी., और ग्रीन, जे. (2016). मितव्ययी नवप्रवर्तन का सहउत्पादन : भारत में कम लागत वाला घरेलू रिवर्स ऑस्मोसिस फ़िल्टर का केस. क्लीनर प्रोडक्शन जर्नल, 51(1), 67-87. डीओआई : 10.1016/j.jclepro.2016.07.065

शाह, ए., और **गर्ग, ए.** (2017). शहरी सामान्य सेवा उत्पादन, वितरण और प्रबंधन : एक संकल्पनात्मक ढाँचा. पारिस्थितिक अर्थशास्त्र, 135(सी)। डीओआई : 10.1016/j.ecolecon.2016.12.017

परिशिष्ट जारी

ज

शाह, ए., और **नारायणस्वामी, एस.** (2016). दिल्ली के प्रदूषण को कम करना : विषम-सम परीक्षण और अन्य विकल्प. विश्व परिवहन नीति और अभ्यास, 22(3), 7-15. http://worldtransportjournal.com/wp-content/uploads/2016/10/4th-Oct-opt.pdf से पुनर्प्राप्त।

शर्मा, श्रुति (2017). क्या प्लांट के आकार से फर्क पड़ता है? मजदूरी और रोजगार पर एफडीआई के विभेदक प्रभाव. एशियाई विकास समीक्षा : एशियाई और प्रशांत-क्षेत्रीय आर्थिक मुद्दों के अध्ययन।

शर्मा, सुनील, बत्रा, एस., वोहरा, एन., और दीक्षित, एम. (2016). सामरिक योजना की प्रभावशीलता का मापन संचालन के द्वितीय क्रम को प्रस्तावित करना. व्यापार उत्कृष्टता मापन, 20(3), 15-25. डीओआई : 10.1108/MBE-09-2014-0031

शर्मा, सुप्रिया, और खोकले, पी.डब्ल्यू. (2017). भारत में संगठनात्मक परिवर्तनों की एक प्ररूपवर्गीकरण की पहचान करना. अंतरराष्ट्रीय संगठनात्मक विश्लेषण जर्नल, 25(1), 24-44. डीओआई : 10.1108/IJOA-06-2015-0869

सिंह, एस. (2016). पंजाब की एपीएमसी मंडियों में आडतिएः अपर्याप्त विश्लेषण और समाधान. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक : वर्तमान अर्थशास्त्र और राजनीतिक मामलों का जर्नल, 51(15).

सिंह, एस. (2016). लघुधारक विकास के लिए संस्थागत : नवप्रवर्तन बिहार में कृषि-फ्रेंचाइजिंग के केस का अध्ययन. भारतीय कृषि जगत अर्थशास्त्र जर्नल, 71(1), 264-284.

सिंह, एस. (2017). पंजाब में कृषि संकट से निपटना कृषि-बाजारों और नीति की भूमिका. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक : वर्तमान अर्थशास्त्र और राजनीतिक मामलों का जर्नल, 52(3).

सिंह, एस. (2017). किरायेदारी सुधार : नीती आयोग के आदर्श कानून की आलोचना. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक : वर्तमान अर्थशास्त्र और राजनीतिक मामलों का जर्नल, 52(2).

सिंह, वी.एल., और सिंह, एम. (2016). रोजगार निर्माण की तकनीकें प्रबंधन सलाहकारों पर एक खोजपूर्ण अध्ययन. दक्षिण एशियाई प्रबंधन जर्नल, 23(2), 25-50.

सिन्हा, ए., रामो, जे., मालो, पी., कालियो, एम., और ताहवोनेन, ओ. (2017). स्वाभाविक रूपसे असमान-प्राचीन जंगलों के पुनर्जन्म का इष्टतम प्रबंधन. यूरोपीय परिचालन अनुसंधान जर्नल, 256(3), 886-900. डीओआई : doi.org/10.1016/j.ejor.2016.06.071

सिन्हा, ए., मालो, पी., और देब, के. (2017). बहु-वैकल्पिक द्विस्तरीय समस्याओं को संभालने के लिए अनुमानित सेट-मूल्ययुक्त मानचित्रण दृष्टिकोण. कंप्यूटर और संचालन अनुसंधान, 77(सी), 194-209. डीओआई : 10.1016/j.cor.2016.08.001

सिन्हा, ए., मालो, पी., और देब, के. (2017). निम्न स्तरीय इष्टतम समाधान मैपिंग के अनुमानों का उपयोग करके द्विस्तरीय ऑप्टिमाइजेशन के लिए विकासवादी एल्गोरिदम. यूरोपीय परिचालन अनुसंधान जर्नल, 257(2), 395-411. डीओआई : 10.1016/j.ejor.2016.08.027

सिन्हा, पी.के., गुप्ता, एस., और रावल, एस. (2017). बीओपी खुदरा विकेताओं द्वारा ब्रांड अपनाना. गुणात्मक मार्केट रिसर्च : एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 20(2), 181-207. डीओआई : 10.1108/घ्रड-07-2014-0056

सोहानी, एस.एस., और **माहेश्वरी, एस.** (2016). बहुलता की समस्या : कर्मचारी अधिशेष का प्रबंधन. अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-आधारित संगठनों का जर्नल, 6(1), 38-48.

सोहानी, एस.एस., **सिंह, एम.** (2017). परियोजना आधारित सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों में विशेष परियोजनाओं की अस्पष्टता और टैगिंग का बहुस्तरीय विश्लेषण. अंतरराष्ट्रीय संचालन एवं उत्पाद प्रबंधन जर्नल, 37(9), 1185-1206. डीओआई : 10.1108/IJOPM-04-2016-0212

थॉमस, एन., और **वोहरा, एन.** (2016). सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण के माध्यम से संगठनात्मक अधिगम की जाँच भारत में एक परामर्शन फर्म का केस. थंडरबर्ड अंतरराष्ट्रीय बिजनेस रिव्यू, 58(6), 587-600. डीओआई : 10.1002/tie.21777

तुरागा, आर. (2016). भारत में पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण नियमन के निर्माण की राजनीति : एक केस अध्ययन. पर्यावरणीय आकलन नीति और प्रबंधन जर्नल, 18(2). डीओआई : 10.1142/S1464333216500162

उपाध्यायुलु, आर.एस., कार्तिक, डी., और **कर्णा, ए.** (2017). अंतर्राष्ट्रीयकरण और अपतटीय सेवा प्रदाताओं के प्रदर्शन में क्लस्टर की उपस्थिति और गुणवत्ता प्रमाणन की भूमिका. अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन जर्नल, 23(1), 72-86. डीओआईः 10.1016/j.intman.2016.11.004

परिशिष्ट जारी **ज**

व्राईस, जे. दे., कॉस्टर, आर दे., रिजस्डिज, एस., और **रॉय, डी.** (2017). सुरक्षित और उत्पादक ट्रक ड्राइविंग के निर्धारक : लंबे समय तक मालढुलाई माल परिवहन से अनुभवजन्य साक्ष्य. परिवहन अनुसंधान पार्ट ई-लॉजिस्टिक्स एवं ट्रांसपोर्टेशन रिव्यू, 97, 113-131. डीओआई : 10.1016/j.tre.2016.11.003

वैग्नर, ई., और **कंडाथिल, जी.** (2016). सूचना प्रणालियों के साहित्य में वर्णनात्मक पद्धतियाँ : समय के साथ आंतरिक जुड़ाव और परिवर्तन को रोशन करना. सूचना प्रणाली संघ के संचार, 39, 555-575.

यादव, आर.एस., और **सिंह, एम.** (2016). कर्मचारियों का विश्वास जीतना, नैतिक रूपसे या रणनीतिक रूपसे? अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय प्रशासन एवं नैतिकता जर्नल, 11(3), 223-242. डीओआई : 10.1504/IJBGE.2016.081629

यू, वाई., **भद्रा, डी.**, और नंदराम, बी. (2017). 2×2 आकस्मिकता तालिका के लिए यादृच्छिक मार्जिन के साथ आज़ादी की जाँच. सांख्यिकी और संभावना का अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 6(2), 106-121. डीओआई : 10.5539/ijsp.v6n2p106

पुस्तकों में अध्याय

अग्रवाल, एम., हेनरमान, जे., ओहमके, एस. और केमर ओ. (2017). विकास संबंधी बहुउद्देशीय अनुकूलन में वरीयता-आधारित विकल्प भविष्यवाणी. जी. स्क्विलेरो, और के.सिम (संपा.) में, विकासवादी कम्प्यूटेशन के अनुप्रयोग। इवो ॲप्लिकेशन्स 2017, चाम : स्प्रिंगर, (पृष्ठ 715-724). https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-319-55849-3_46 लिंक से पुनर्प्राप्त।

बसंत, आर. (2016). भारत में मुसलमानों पर व्याख्यान और दृष्टिकोण : क्या सच्चर समिति की रिपोर्ट से कुछ फर्क आया है? आर. हसन (संपा.) में भारतीय मुस्लिम - समान नागरिकता के लिए संघर्ष। मेलबोर्न : विश्वविद्यालय प्रेस।

नोरोन्हा, ई. और डीक्रूज़, पी. (2016). जगह बनाना : भारतीय आईटी से संबंधित ऑफशोरिंग क्षेत्र में राज्य की भूमिका. जे. फ्लेकर (संपा.), स्पेस, प्लेस और ग्लोबल डिजिटल वर्क. लंदन : पाल्ग्रेव.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2016). 'व्यवसायी' के प्रवचन का गूढ़ रहस्य : भारतीय आईटी / आईटीईएस क्षेत्र में संघ गठन के लिए परिणाम। के.आर. श्याम सुंदर (संपा.) में, वैश्वीकरण की गतिशीलता और भारत में औद्योगिक संबंध. नई दिल्ली : दानिश 2016.

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016). संगठनात्मक प्रशासन : कार्यस्थल पर डराने की किस्मों के लिए एक आशाजनक समाधान. 2016. आश्कानास्य और अन्य (संपा.), संगठनों में भावनाओं पर अनुसंधान. लंदन : एमरेल्ड.

डीक्रूज़, पी. (2016). भारत में कार्यस्थल पर पारस्परिक और वंशानुगत रूप से धमकी. के.आर. श्याम सुंदर (संपा.) में, वैश्वीकरण की गतिशीलता और भारत में औद्योगिक संबंध. नई दिल्ली : दानिश 2016.

डीक्रूज़, पी. (2016). साइबर धमकी : समकालीन कार्यस्थलों पर एक आकस्मिक घटना. जे. वेबस्टर और के. रैंडल (संपा.). वर्चुअल श्रमिक और वैश्विक श्रम बाजार. लंदन : पाल्ग्रेव मैकमिलन.

गुप्ता, एन., और **दत्ता, जी.** (2016). प्रसंस्करण उद्योग में सामरिक योजना के लिए अनुकूलन आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली फार्मास्युटिकल कंपनी का केस। स्प्रिंगर. जे. पापथनसियो, और एन. प्लोस्कास, और आई. लिंडेन (संपा.) रियल-वर्ल्ड डिसिज़न सपोर्ट सिस्टम्स. सूचना प्रणाली में एकीकृत श्रृंखला, (पृष्ठ 175189) चाम : स्प्रिंगर. https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-319-43916-7_8 से पुनर्प्राप्त.

गुप्ता, ए.के., और डे, ए. (2016). फसल की विविधता का क्रूसिबल : उच्च जलवायु लचीलेपन के लिए किसान प्रजनकों और नवप्रवर्तनकों के साथ साझेदारी करना। वी.वी. बेलावाडी, एन. नटराज करबा, एन.आर. गंगाधरप्पा (संपा.), जलवायु परिवर्तन के तहत कृषि धमकियाँ, रणनीतियाँ और नीतियाँ, (पृष्ठ 74-79). एल्लाइड प्रकाशन.

गुप्ता, ए.के., और डे, ए. (2016). स्थायी समुदायों के लिए समृद्ध जलवायु लचीला मितव्ययी नवप्रवर्तन. पी. स्टीबिंग और यू. टिस्नर (संपा.), बदलते मानदंड : स्थायी भविष्य के लिए डिजाइनिंग, (पृष्ठ 559-588). क्यूम्यलस थिंक टैंक : हेलसिंकी

गुप्ता, ए.के., सिंह, जी., और डे, ए. (2016). जलवायु और समुदाय की लचीली सामाजिक-पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए मॉडलिंग चुनौतियाँ. जे.एन. फर्ज, के. स्विंग, ए.के.गुप्ता, आर. मैक्क्लेट्ची, डी. रेनॉल्ड्स, (संपा.) में, स्थायी पर्यावरणीय प्रणालियों की ओर गणितीय उन्नति, चाम : स्प्रिंगर, आईएसबीएन :978-3-319-43901-3.

कौल, ए., और देसाई, ए. (2016). सोशल मीडिया के माध्यम से कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का प्रबंध करना. सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक संबंधों और ब्रांड छवि के प्रबंधन (पृष्ठ 30-46) में. हर्सेय : आईजीआई ग्लोबल.

लाहा, ए.के., और राजा, पी. (2016). एसबी-हालिया अग्रिमों में अनुमानक की मजबूती. सी. एगोस्टीनेलली, ए. बसु, पी. फिल्ज़मोसर, डी. मुखर्जी (संपा.), मजबूत सांख्यिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग, (पृष्ठ 115-130). नई दिल्ली : स्प्रिंगर डीओआई : 10.1007/978-81-322-3643-6_6

लाहा, ए.के. (2016). प्रबंधन विज्ञान में बड़े आंकड़ों के साथ सांख्यिकीय चुनौतियाँ एस. पायने, बी.एल.एस., प्रकाश राव, एस.बी. राव (संपा.), वृहत् डाटा विश्लेषकी - तरीके और अनुप्रयोग, (पृष्ठ 41-55). नई दिल्ली : स्प्रिंगर डीओआई : 10.1007/978-81-322-3628-3_3

माथुर, ए. एन. (2016). भविष्य में "इनोवेसिन्थ" की ओर रुख कर रहा है रसायनशास्त्र. आर. वान टुल्दर और अन्य (संपा.). बीआरआईसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की चुनौती. (पृष्ठ 559-588). लंदन : एमरल्ड.

रंजन, ए., अन्नाला, एल.टी., **माथुर, एन., सरीन ए.,** और टेसफ़ाये, वाई.जी.टी. (2017). तकनीकी नवप्रवर्तन और शुद्ध पेयजल के लिए समान पहुंच गुजरात, भारत से तीन केस अध्ययन. जी. वी. मारियाटेरेसा (संपा.) में, मानव अधिकार और प्रौद्योगिकी : द 2030 एजेंडे फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, (पृष्ठ 241-263). हेलसिंकी : यूपीस प्रेस, संयुक्त राष्ट्र. http://upeace.org/research-publications/recent-publications से पुनर्प्राप्त.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2016). अभी भी एक दूरी तय करना है : भारतीय आईटीओ-बीपीओ-केपीओ क्षेत्र में सामाजिक उन्नयन. डी. नाथन, एस. सरकार, और एम. तिवारी (संपा.) में, एशियाई मूल्य चेन में श्रमिक स्थितियाँ, कार्यक्षेत्र और समस्तरीय संबंध. कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.

रघुराम, जी., और उदयकुमार, पी.डी. (2017). नई नींव रखना : भारत से कानून और अर्थशास्त्र पर प्रेषण. आर. नागर, पी.एम. प्रसाद, और पी. मामिडी (संपा.), कानून और अर्थशास्त्र : ब्रेकिंग न्यू ग्राउंड्स, लखनऊः ईस्टर्न बुक कम्पनी. http://www.ebcwebstore.com/product_info.php?products_id=100442 से पुनर्प्राप्त.

शर्मा, आर. (2016). शैक्षिक संगठनों की पुनर्रचना करना। आर. सी. त्रिपाठी, और आर. द्विवेदी (संपा.), भारत में संगठनात्मक अध्ययन, (पृष्ठ 99-328). नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक स्वान.

सिंह, एस. (2017). भारत में धान के उत्पादन और विपणन में संस्थागत नवप्रवर्तन : अनुभव और रणनीतियाँ. एस. मोहंती, पी. जी. चेंगप्पा, एम. हेज, एस. बख्शा, ई. कन्नन, और ए. वी. मंजूनाथ (संपा.), द फ्यूचर राइस स्ट्रेट्जी फॉर इंडिया. एल्सवियर.

सिंह, एस. (2016). ताजा उत्पादन बाजारों, मानकों, और श्रम की गतिशीलता : भारत में अंगूर. डी. नाथन, एम. तिवारी, और एस. सरकार (संपा.), एशियन जीवीसी में श्रम स्थितियाँ : कार्यक्षेत्र और समस्तरीय संबंध, (पृष्ठ 91-115). कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.

सिंह, एस. (2017). "व्हाइट गोल्ड" किसके लिए? भारत में कपास जीपीएन में कार्य और मजदूरी के संस्थागत पहलुओं का एक अध्ययन. ई. नोरोन्हा, और डीक्रूज़, पी. (संपा.), भारत के वैश्विककरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य, (पृष्ठ 15-36), सिंगापुर : स्प्रिंगर.

सिंह, एस. (2017). कृषि-खाद्य बाजारों में मूल्य श्रृंखला के परिप्रेक्ष्य से एफडीआई की भूमिका और निहितार्थ को समझना : भारत में बहु-ब्रांड खुदरा व्यापार (एमबीआरटी) एफडीआई का केस. डी. मारोथिया और अन्य (संपा.), वैश्वीकरण अनुभव के प्रकाश में कृषि नीतियों का पुनरावलोकन : भारतीय संदर्भ, (पृष्ठ 126-144), आईएसएई, मुंबई.

वोहरा, एन., और बत्रा, एस. (2016). भारत में उद्यमी फर्मों में नवप्रवर्तन के लिए एक साधन के रूप में योजना. सी. सी. विलियम्स और ए. गुर्तू (संपा.) के, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमशीलता में रूटलेज हैंडबुक, न्यूयॉर्क : रूटलेज.

थॉमस, एन., और **वोहरा, एन.** (2016). भारतीय पारिवारिक कंपनियों में संगठनात्मक शिक्षा उद्यमशीलता के लिए एक सामाजिक नेटवर्क आधारित दृष्टिकोण. सी. सी. विलियम्स और ए. गुर्तू (संपा.), विकासशील अर्थ-व्यवस्थाओं में उद्यमशीलता में रूटलेज हैंडबुक, न्यूयॉर्क : रूटलेज.

सम्मेलन और कार्यशालाएँ

अग्रवाल, पी. (2017, 28-29 अप्रैल). नृशंस व्यवहार के प्रबंधन में उच्च-प्रदर्शन कार्य प्रणालियों की भूमिका, उन्नत अनुसंधान पर मेलबोर्न में आयोजित पाँचवें एशिया-प्रशांत सम्मेलन में प्रस्तुत।

बनर्जी, एस. (2016, 10 दिसंबर). सरकारों या नागरिकों को लक्षित करना : मेजबान देशों में एमएनई सहायक कंपनियों की गैर-बाजार-आधारित रणनीतियाँ और प्रदर्शन पर हांगकांग में सामरिक प्रबंधन सोसाइटी स्पेशल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत।

परिशिष्ट जारी

ज

बनर्जी, एस. (2016, 14 सितंबर). सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति सामरिक सीएसआर और देश भर में एमएनई सहायक कंपनियों के फर्म प्रदर्शन के बीच का रास्ता मजबूत करना विषय पर कॉर्पोरेट स्थिरता और उत्तरदायित्व पर - डिजिटलीकरण युग में सीएसआर, बर्लिन में 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

बनर्जी, एस. (2016, 17 सितंबर). अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक विकल्प : देश के राज्यों और व्यापार वातावरण के बीच अलग हुए सेतुओं के आसपास घूमते हुए विषय पर सामरिक प्रबंधन सोसाइटी के 36वें वार्षिक सम्मेलन, बर्लिन में प्रस्तुत।

बिष्ट, डी. (2016, 1-4 जून). स्ट्रिंग झटके के तहत कमोडिटी वायदा मूल्य निर्धारण विकल्प पर बर्लिन में, गणितीय वित्त पर 5वीं बर्लिन कार्यशाला में प्रस्तुत।

बिष्ट, डी. (2016, 12-14 मई). स्ट्रिंग शॉक के तहत कमोडिटी फ्यूचर्स ऑप्शंस के मूल्य निर्धारण के लिए निरंतर सेमिनिमर्टिंग दृष्टि कोण पर कमोडिटी व वित्तीय मॉडलिंग के लिए यूरो वर्किंग ग्रुप-57 वीं बैठक, कोइम्ब्रा में प्रस्तुत।

दास, एस. एस., और वोहरा, एन. (2016, 24-29 जुलाई). स्कूल शिक्षक द्वारा रोजगार निर्माण के पूर्ववृत्त और परिणाम पर अंतरराष्ट्रीय साइकोलॉजी कांग्रेस (आईसीपी 2016), योकोहामा में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी. (2016, 22 नवंबर). कार्यस्थल पर धमकाने के संदर्भ में कानून की प्रभावशीलता : डच कार्यस्थल शर्ते अधिनियम के मुख्य सूचनाकारों के विचार, भूमंडलीकरण की भौगोलिक अवस्थाएँ, एम्स्टर्डम इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय।

डीक्रूज़, पी. (2016, 19 अप्रैल). कार्यस्थल पर धमकाने पर शोध करना : चुनौतियाँ, दुविधाएँ और वरिष्ठ शोधकर्ता से कुछ अच्छी सलाह, चौथे आईएडब्ल्यूबीएच पीएचडी सेमिनार ऑकलैंड में मुख्य भाषण।

डीक्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., और बीयल, डी. (2016, 22-24 जून). भारत में अनौपचारिक अपशिष्ट वाहक श्रमिक : टिकाऊ आजीविका और टिकाऊ विकास की ओर, अंतर्राष्ट्रीय दृश्य समाजशास्त्र एसोसिएशन सम्मेलन में प्रस्तुत, लिलेहैम्मर।

डीक्रूज़, पी., और ब्योर्केलो, बी. (2016, 19-22 अप्रैल). भारत में कार्यस्थल पर झिझक के संदर्भ में धमकाना : सामाजिक-सांस्कृतिक ढाँचे की प्रासंगिकता विषय पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑकलैंड में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016, 19-22 अप्रैल). कार्यस्थल में एजेंसी और स्वामित्व साइबर धमकी : आंतरिक और बाह्य लक्ष्यों से अंतर्दृष्टि, कार्यस्थल पर बदमाशी और उत्पीड़न, ऑकलैंड में 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016, 12 दिसंबर) शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित, अखिल-आईआईएम विश्व सम्मेलन की पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016, 9-13 जून). भारत के लिए भीड़स्रोती भुगतान काम : 'क्लास, लैंग एंड पावर डायनामिक्स इन ग्लोबल वर्चुअल वर्क' नामक राउंडटेबल में आभासी ऑफशोरिंग के एक आकस्मिक रूप की खोज पर 66वें अंतर्राष्ट्रीय संचार संघ (आईसीए) सम्मेलन में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2016, 10-14 जुलाई). कमोडिटीकरण का वैश्वीकरण : भारत को कानूनी काम आउटसोर्सिंग पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संघ (आईएस.ए) समाजशास्त्र फ़ोरम सम्मेलन, विएना में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., पौल, एम., ओमरी, एम., और गनेरीकंगारली, बी. (2016, 19-22 अप्रैल). मदद करना या नहीं करना : कार्यस्थल पर बदमाशी के समय तमाशाई लोगों का व्यवहार, कार्यस्थल पर बदमाशी और उत्पीड़न पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑकलैंड में प्रस्तुत।

डीक्रूज़, पी., सलीन, डी. और कोवान, आर. (2016, 19-22 अप्रैल). कार्यस्थल पर रोकथाम और हस्तक्षेप धमकी : सर्वश्रेष्ठ व्यवहार पर मानव संसाधन व्यवसायियों का एक वैश्विक अध्ययन। पसंदीदा उपाय, कार्यस्थल पर बंदी और उत्पीड़न, ऑकलैंड 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

देवधर, एस. (2016, 31 अगस्त). गरीबों का भोजन? नहीं, आहार का भविष्य : भारतीय बाजार के दलहन की समझ, अंतर्राष्ट्रीय दलहन उत्सव वर्ष2016 के रूपमें किए आयोजन में दालों को जानिए - सम्मेलन, गुरूनानक कॉलेज, मुंबई में प्रस्तुत।

डिडुगु, के.सी., और **सोमन, सी.ए.** (2016, 22-26 अगस्त). वितरण समूह और एक खाद्य एग्रीगेटर कम रेस्तरां के इन्वेंटरी निर्णय, पर 19वीं अंतर्राष्ट्रीय वस्तुसूचियाँ संगोष्ठी बुडापेस्ट में प्रस्तुत।

गुप्ता, ए.के. (2016, 7-12 सितंबर). अनपेक्षित अर्थव्यवस्थाओं में सामाजिक नवप्रवर्तन के लिए डिजाइन : मेट्रोपोलिटन स्वायत्त विश्वविद्यालय, मैक्सिको सिटी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान।

गुप्ता, ए.के. (2017, 7 जुलाई). कृषि मैकेनाइजेशन में नवप्रवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन : आर एंड डी के बीच संबंधों का विकास - उद्योग - किसान - विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मुख्य व्याख्यान।

गुप्ता, ए.के. (2017, 8 फरवरी). आईएनएनओवीईएक्स-2017 सम्मेलन में मुख्य वक्ता, इज़राइल।

गुप्ता, ए.के. (2016, 17-18 दिसंबर). मानवतावादी अनुप्रयोगों के लिए रोबोटिक्स और स्वचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएएचए 2016) में मुख्य वक्ता, अमृता विश्वविद्यालय।

इसरार, क्यू., और **शुक्ला, के.डी.** (2016, 12 दिसंबर). संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग पर चौथे अखिल-आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में पूर्वसम्मेलन कार्यशाला में प्रस्तुत।

जैन, आर. (2016, 8 जून). भारत के लिए इंटरनेट गवर्नेन्स मॉडल का विकास करने के लिए कॉम्प्लेक्स एडैप्टिव सिस्टम थ्योरी का उपयोग करना, इंटरनेट गवर्नेंस, कानज़वा टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट-नोनोइची में सत्ता, संचार और प्रौद्योगिकी पर पूर्व-सम्मेलन में प्रस्तुत।

जैन, आर. (2016, 30 सितंबर - 1 अक्टूबर). ग्रामीण भारत में व्यक्तियों द्वारा इंटरनेट उपयोग के कथित प्रभाव का असर, टीपीआरसी-44, संचार, सूचना और इंटरनेट नीति पर अनुसंधान सम्मेलन, जॉर्ज मेसन विश्वविद्यालय, अर्लिंग्टन में प्रस्तुत।

जैन, आर. (2016, 26-29 जून). आईटीएस 2016 ताइवान सम्मेलन ताइवान में प्रस्तुत भारत में इंटरनेट शासन के लिए एक मॉडल।

जैन, आर., और सिंह, एम. (2016, 7-9 सितंबर). यूके और भारत में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के लिए नीति क्रियान्वयन : एक तुलनात्मक अध्ययन, आईटीएस 2016 यूरोप सम्मेलन, कैम्ब्रिज में प्रस्तुत।

झा, जे. के., और सिंह, एम. (2016, 6-8 सितंबर). कर्मचारियों की आवाज और संघ नागरिकता व्यवहार पर नैतिक नेतृत्व का प्रभाव : औद्योगिक संबंधों की मध्यस्थता भूमिका, न्यूकैसल विश्वविद्यालय, न्यूकैसल में ब्रिटिश एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट 2016 सम्मेलन में 'मानव संसाधन प्रबंधन' ट्रैक पर प्रस्तुत।

कपूर, ए. (2017, 16 फरवरी). उपभोक्ता मनोविज्ञान सोसाइटी सम्मेलन, सैन फ्रांसिस्को में अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत किया गया।

कौल, एस., **सिन्हा, पी.के.**, और मिश्रा, एच.जी. (2016, 18-20 फरवरी). स्टोर अनुदान के लिए अग्रणी उत्पाद वर्गीकरण की ग्राहक धारणा : छोटे खुदरा विकेताओं का एक अध्ययन, एमआईसीए, अहमदाबाद, आईसीएमसी में प्रस्तुत।

कुमार, जे. (2016, 6 सितंबर). कर्मचारियों की आवाज और संघ नागरिकता व्यवहार पर नैतिक नेतृत्व का प्रभाव : औद्योगिक संबंधों की मध्यस्थता भूमिका, 30वीं वार्षिक बैठक, ब्रिटिश अकादमी प्रबंधन, न्यूकैसल में प्रस्तुत।

कुमार, जे., **वर्की, बी.** (2016, 22 सितंबर). कार्यस्थल के विकास में नैतिक वातावरण की भूमिका : टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) का एक केस अध्ययन पर निरंतर विकास के लिए मूल्यों और नीतियों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन : भारतीय दार्शनिक परंपराओं की भूमिका, एमडीआई-गुड़गाँव में प्रस्तुत।

कुमार, जे., **वर्की, बी.** (2016, 06 सितंबर). क्या आप एक जलकुंड हैं या एक चैनल हैं? कार्यस्थल पर ज्ञान छुपाने के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाना : भारतीय अनुसंधान एवं विकास व्यवसायियों के साक्ष्य, 30वीं वार्षिक बैठक, ब्रिटिश अकादमी प्रबंधन, न्यूकैसल, यूके में प्रस्तुत।

कुमावत, जी.एल. (2016, 10 नवंबर). इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सिस्टम में समांतर प्रक्रिया प्रारम्भ करना, सीओएसएमएआर-2017, आईआईएससी, बेंगलुरु में प्रस्तुत।

मल्होत्रा, पी., और **सिंह, एम.** (2016, 7-9 जुलाई). कई सैद्धांतिक ढांचों का उपयोग करते हुए मैक्रो और माइक्रो स्तर पर इंटरनेट के कारण विलंब को समझना, 32वें ईजीओएस - यूरोपीय संगठनात्मक अध्ययन संवर्धन संघ, नेपल्स में प्रस्तुत।

मालोन, एम., कॉर्नेल, डी., और **शुक्ला, के.** (2016, 04-07 अगस्त). 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए मानकीकृत परीक्षा पास दर से ग्रेड विन्यास जुड़ा हुआ है, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, डेनवार में पोस्टर प्रस्तुत।

माथुर, ए. एन. (2016, 20-25 जून). पतली बर्फ पर स्केटिंग : जजों और प्रोफेसरों की नियुक्ति करने में अधिकार आधारित सार्वजनिक जवाबदेही, एक अनिवार्य शासन कार्य के रूपमें विनियामक निरीक्षण और स्वतंत्रता के मूल्य और सहकर्मी मूल्यांकन को कैसे संतुलित किया जाए? आईएसपीएसओ वार्षिक बैठक, ग्रेनेडा में प्रस्तुत।

माथुर, ए. एन. (2017, 2-3 मार्च). भारत में फार्मास्युटिकल मूल्यनिर्धारण प्रणाली : कमियाँ और विरोधाभास, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, हेबिटैट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दूसरे प्रतिस्पर्धा सम्मेलन में प्रस्तुत।

परिशिष्ट जारी

ज

माथुर, ए.एन. (2016, 8-10 अगस्त). क्या 'मेक इन इंडिया' श्रम बाजार विनियमों से विवश है? सार्वजनिक नीति प्रबंधन पर, आईआईएम बैंगलोर के 11वें सम्मेलन में प्रस्तुत।

माथुर, सी. (2016, 13 दिसंबर). प्रत्यक्ष कर, आर्थिक विकास और कर अनुपालन तथा भारत के लिए इसके निहितार्थ के बीच संबंधों की एक परीक्षा, चौथे अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत।

माथुर, सी. (2017, 07 जनवरी). क्या प्राधिकारण के प्रति हमारे मनोभाव आर्थिक व्यवहार से संबंधित होते हैं? सीमाबद्ध तर्कसंगतता पर टीएपीएमआईमैक्स प्लैंक विन्टर स्कूल, मणिपाल में प्रस्तुत पोस्टर।

माथुर, सी., और **माथुर, एन.** (2016, 8 अगस्त). मुक्ति या बहिष्कार : ट्रांसजेंडर अधिकारों पर भारतीय राज्य की वर्तमान पहलों को क्या वास्तव में हासिल किया जा रहा है? पर सार्वजनिक नीति एवं प्रबंधन, आईआईएम बैंगलोर के ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

माथुर, सी., और **माथुर, एन.** (2016, 06 जुलाई). लिंग विभेद और भारतीय राज्य, व्याख्यात्मक नीति विश्लेषण पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंग्लैंड के हल विश्वविद्यालय में प्रस्तुत।

माथुर, सी., भट, आर. (2016, 9 अगस्त). भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल की व्यवहार्यता और चुनौतियाँ, सार्वजनिक नीति और प्रबंधन, आईआईएम बैंगलोर के ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

मिलाप, ए. (2016, जून 10). सार्वजनिक नीति पर एचकेयू-यूएससी-आईपीपीए सम्मेलन-हांगकांग में अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत।

मिश्रा, एन., और दास, एस.एस. (2016, 08 दिसंबर). सीएसआर चालक के रूप में संस्थागत सिद्धांत पर 30वें एएनज़ेडएएम 2016 सम्मेलन, ब्रिस्बेन में प्रस्तुत।

मित्तल, जी., और **माथुर, एन.** (2016, 06 जुलाई). भारत में शहरी परिवहन की महत्वपूर्ण नीति का विश्लेषण, व्याख्यात्मक नीति विश्लेषण पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंग्लैंड के हल विश्वविद्यालय में प्रस्तुत।

मित्तल, एच. (2016, 8-11 नवंबर). शहरी गरीब गतिशीलता के लिए मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ बनाना, शहरी गतिशीलता भारत सम्मेलन 2016, महात्मा मंदिर, गाँधीनगर में प्रस्तुत।

मित्तल, एच., और **माथुर, एन.** (2016, 15 दिसंबर). भारत में शहरी परिवहन की महत्वपूर्ण नीति विश्लेषण, चौथे अखिल-आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत।

नानारपुझा, आर. आर., **अभिषेक, और सिन्हा, पी.के.** (2016, 11-14 जुलाई). सामाजिक रूप से एम्बेडेड बाजार में मूल्य निष्पक्षता, खुदरा बिक्री और सेवा विज्ञान, ईआईआरएएएस, एडिनबर्ग में वर्तमान उन्नति पर 23वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

नारायणस्वामी, एस. (2016, 3-6 जुलाई). योजनाबद्ध रखरखाव की गतिविधियाँ निर्धारित करना : एक मेटाएरिस्टिक दृष्टिकोण, यूरो-2016, पॉज़्नान में प्रस्तुत।

नारायणस्वामी, एस. (2016, 9-10 सितंबर). शहरी योजना में ओआर मॉडलिंग के अवसर, आईआईटी मद्रास, चेन्नई में प्रबंधन साइंस और प्रैक्टिस - 2016 में प्रस्तुत।

पांडे, जे. और **सिंह, एम.** (2016, 5-9 अगस्त). ग्रामीण नौकरीशुदा महिलाओं के जीवन में धार्मिक रूपसे जूझने की भूमिका, एनाइम कन्वेंशन सेंटर, एनाइम में प्रबंधन अकादमी 2016 की वार्षिक बैठक, 76वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत।

पांडे, जे., और **वर्की बी.** (2016, 5 अगस्त). भारतीय व्यापार संघों में जाति की गतिशीलता : गुणात्मक और मात्रात्मक अध्ययन के परिणाम, 76वीं वार्षिक बैठक, प्रबंधन एकेडमी, एनाहिम में प्रस्तुत।

परिदा, बी. (2016, 28 दिसंबर). क्या सामाजिक प्रतिष्ठा को संकेत या अवज्ञा के जरिए अनुमानित किया जा सकता है? राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी सम्मेलन, आईआईटी, चेन्नई में प्रस्तुत।

परिदा, बी., गुप्ता, वी. (2016, 28 दिसंबर). प्रामाणिक नेतृत्व के लिए गैर-लाभकारी संगठन, राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी सम्मेलन, आईआईटी, चेन्नई में प्रस्तुत।

प्रसन्ना, आर. (2016, 13 नवंबर). हब अंतरघात की समस्या के लिए नए कुशल फॉर्मूलेशन, आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक - नैशविले में प्रस्तुत।

पुरकायस्थ, ए. (2016, 5 अगस्त). 76वीं वार्षिक बैठक, प्रबंधन अकादमी एनाइम में अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत।

पुटतुन्डा, एस., **लाहा, ए.के.** (2016, 25 फरवरी). टैक्सी जीपीएस डेटा स्ट्रीम्स पर यात्रा के समय की भविष्यवाणी के लिए बढ़ता हुआ अधिगम, मशीन अधिगम और कम्प्यूटिंग (आईसीएमएलसी 2017) पर 9वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर में प्रस्तुत।

परिशिष्ट जारी

ज

राधाकृष्णन, जी., और **गर्ग, ए**. (2016, 20 जून). कोयला आयात के संभार तंत्र में चुनौतियाँ, 39वें आईएईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बर्गन में प्रस्तुत।

राधाकृष्णन, जी., और **रघुराम, जी.** (2016, 11 जुलाई). भारतीय कंटेनर टर्मिनलों में प्रतिस्पर्धा और अन्य टेरिफ़ विनियम, परिवहन अनुसंधान, शंघाई 14वें विश्व सम्मेलन में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2016, 12-14 दिसंबर). भारत में समर्पित तेज़ गति रेल नेटवर्क : विकास में एक सिस्टम परिप्रेक्ष्य, ओआरएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बिमटेक, ग्रेटर नोएडा में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2016, 10-15 जुलाई). बुनियादी ढाँचे के विकास में कानूनी मुद्दों का असर : जवाहरलाल नेहरूपोर्ट ट्रस्ट में कंटेनर टर्मिनल बिड्स का केस, शंघाई के विश्व परिवहन अनुसंधान सम्मेलन में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2016, 10-15 जुलाई). भारतीय रेलवे पर वर्टिकल अनबंडलिंग के प्रभाव : जर्मन रेलवे सुधार से शिक्षण, शंघाई के विश्व परिवहन अनुसंधान सम्मेलन में प्रस्तुत।

रंजन, आर. (2016, 6 दिसंबर). क्या नवप्रवर्तक शिक्षकों की उपस्थिति शैक्षिक परिणामों और स्कूल की गुणवत्ता को प्रभावित करती है? भारत में एक प्राकृतिक प्रयोग से लिए साक्ष्य, 30वें एएनज़ेडएम सम्मेलन, ब्रिस्बेन में प्रस्तुत।

रंजन, आर. (2016, 11 नवंबर). भारतीय ग्रामीण सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के नवप्रवर्तन : शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए संचालक और परिणाम, एएआरई सम्मेलन, मेलबोर्न में प्रस्तुत।

राठी, पी. (2016, 23 अगस्त). भारतीय शहरों का तापमान : कार्यात्मक आंकड़ों के साथ परिवर्तन बिंदु विश्लेषण का उपयोग करके कुछ अंतर्दृष्टि, कम्प्यूटेशनल सांख्यिकी पर 22वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ओवियेडो में प्रस्तुत।

राठी, पी. (2016, 20 दिसंबर). बुकिंग वक्रों के लिए आवेदन के साथ कार्यात्मक डेटा विश्लेषण का उपयोग करते हुए पूर्वानुमान, चौथे अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय विश्लेषिकी सम्मेलन, आईआईएससी बेंगलुरु में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 22-23 दिसंबर). आपूर्ति श्रृंखला समन्वय में चुनौतियाँ, भारतीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान, इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिवेंद्रम में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ तरीकों पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रमुख भाषण।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 24-26 जुलाई). अस्थि-विकार सुविधा में ओपीडी प्रवाह की मॉडलिंग करना, ओआरएएचएस, पैम्प्लोना में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 14-17 दिसंबर). सीमेंट कारखाने में रसद लागत का अनुकूलन, अमेरिकी गणितीय सोसायटी सम्मेलन, बीएचयू, वाराणसी में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 13-16 नवंबर). परिवहन रियायत का प्रबंधन पर आईएनएफ़ओआरएमएस 2016, नैशविले में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 26 सितंबर). सभी के लिए पर्यटन कॉनक्लेव पर मुख्य व्याख्यान : सार्वभौमिक पहुँच को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईटीएचएम), हैदराबाद में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन. (2016, 8-10 सितंबर) भारत में ओ आर : पूर्व, वर्तमान और भविष्य, आईआईटी मद्रास, एमएसपी 2016 में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन., और लोवालकर, एच. (2016, 2-7 जुलाई). ऑथ्थल्मोलॉजी क्लिनिक में रोगी प्रतिक्रिया समय का प्रबंधन, यूरो 2016, पॉज़्नान में प्रस्तुत।

रवीचंद्रन, एन., और नारायणस्वामी, एस. (2016, 13-16 नवंबर). भारत में कपास व्यापार का समर्थन करने के लिए एक परिचालनात्मक मॉडल, आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, नैशविले में प्रस्तुत।

सलुजा, डी. (2016, 8 जुलाई). झगड़िया, गुजरात में आरएसबीवाई लाभार्थियों का ज्ञान स्तर, सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति, बेंगलुरु में साक्ष्य लाने पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

सलुजा, डी., और **सरीन, ए.** (2016, 10 जून). उत्तरदायित्व पर निजी क्षेत्र की भागीदारी के प्रभाव : आरएसबीवाई कार्यक्रम डिजाइन के उपयोग की समझ पर एचकेयू-यूएससी-आईपीपीए सार्वजनिक नीति, हांगकांग सम्मेलन में प्रस्तुत।

सलुजा, डी., और **सरीन, ए.** (2016, 14 नवंबर). साझेदारी में उत्तरदायित्व तंत्र : आरएसबीवाई नामांकन प्रक्रिया, भारत से साक्ष्य पर स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान की चौथी वैश्विक संगोष्ठी, वैनकूवर में प्रस्तुत।

सलुजा, डी., और **सरीन, ए.** (2016, 15 अक्टूबर). कई जवाबदेही विकार : भारत के सबसे बड़े सामाजिक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के जरिए समझ विकसित करना, 22वें गुणात्मक स्वास्थ्य अनुसंधान सम्मेलन, कलोना में प्रस्तुत।

सलुजा, डी., और **सरीन, ए.** (2016, 29 अक्टूबर). साझेदारी में जवाबदेही तंत्र : आरएसबीवाई नामांकन प्रक्रिया से भारत के साक्ष्य, 144वीं अमेरिकन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन वार्षिक बैठक, डेनवर में प्रस्तुत।

परिशिष्ट जारी

ज

सौरभ, एस.. (2016, 21 दिसंबर). विदेशी संस्थागत निवेशक, शेयरधारकों और बाजार समय को नियंत्रित करना : भारत से साक्ष्य, भारतीय वित्त सम्मेलन, अहमदाबाद में प्रस्तुत।

सौरभ, एस.. (2016, 9 फरवरी). शेयरधारक कर प्रोत्साहन और लाभांश नीति : भारत में नए टैक्स नियम से साक्ष्य, अर्थशास्त्र एवं वित्त अकादमी वार्षिक सम्मेलन, चार्ल्सटन में प्रस्तुत।

शाह, पी., **कंडाथिल, जी.**, और कपूर, ए. (2016, 4 जुलाई). परिवर्तन के लिए अभिनय : भारत में अनधिसूचित खानाबदोश जनजाति का कथन, संगठन अध्ययन (ईजीओएस) संवर्धन के लिए 32वें यूरोपीय ग्रुप कोलोक्वियम, नेपल्स में प्रस्तुत।

शारदा, के. (2016, 20 मई). एक अच्छा सैनिक तैयार करना : सशस्त्र संघर्ष में अर्थपूर्ण प्रयास, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन और व्यापार अकादमी, मॉन्ट्रियल में प्रस्तुत।

शर्मा, एम., **सिन्हा, पी.के.**, और मिश्रा, एच.जी. (2017, 16-17 अप्रैल). जीवनशैली खुदरा स्टोर पसंद को प्रभावित करने वाले कारक : जम्मू के उद्यमियों पर एक गुणात्मक अध्ययन, उद्यमिता पर ईडीआई अहमदाबाद के बारहवें द्विवार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत।

शर्मा, श्रुति (2016, 1-3 जून). भारत में रोजगार, मजदूरी और असमानता एक व्यवसाय और कार्य आधारित दृष्टिकोण, एक बेहतर विश्व के लिए समृद्धि, समानता और स्थिरता परिप्रेक्ष्य और नीतियां पर वैश्विक सम्मेलन, नई दिल्ली में प्रस्तुत।

शर्मा, श्रुति (2016, 7-9 जून). सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर में एलकेवायएसपीपी विकास अर्थशास्त्र और नीति (डीईईपी) सम्मेलन में प्रस्तुत अनुसंधान-पत्र।

शुक्ला, के. डी., कोनॉल्ड, टी., और कॉर्नेल, डी. (2016, 04-07 अगस्त). स्कूल माहौल पर छात्रों की धारणाओं के प्रोफाइल : जोखिम व्यवहार और शिक्षाविदों के साथ संबंध, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, डेनवर में प्रस्तुत।

सिंह, पी.डी. (2016, 4 अगस्त). अनिवार्य सीएसआर कहाँ खर्च करना चाहिए और करना चाहिए कि नहीं करना चाहिए विषय पर व्यापार और शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तुत।

सिंह, वी. (2016, 14 दिसंबर). सामुदायिक स्वास्थ्य सेवकों के बीच उन्मूलन और उप-परिवर्तनीय प्रदर्शन की समस्या से निपटना - आंतरिक प्रेरणा बनाम मौद्रिक प्रोत्साहन, चौथे अखिल-आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत।

सिन्हा, पी.के., शर्मा, एम., और मिश्रा, एच. जी. (2016, 16-17 अप्रैल). जम्मू में पीढ़ी-वाई महिला खरीदारी के हैंडबैग का प्रोफाइलिंग, ब्रांड प्रबंधन पर आईआईटी-दिल्ली के सम्मेलन में प्रस्तुत।

सोहनी, एस.एस., और **सिंह, एम.** (2016, 5-9 अगस्त). अस्पष्टता की रणनीति बनाना परियोजना आधारित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में एक अनुदैर्ध्य विश्लेषण, अकादमी प्रबंधन 2016 की वार्षिक बैठक, एनाहिम में अग्रिम अम्बेडिक्स्चरिटी नामक सत्र में प्रस्तुत।

सोहनी, एस.एस., **वर्की, बी.** (2016, 5 अगस्त). श्रम आपूर्ति श्रृंखला में सामाजिक समस्याएँ : दलाल द्वारा थोपा हुआ भारतीय अप्रवासी प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता का दासत्व पर 76वीं प्रबंधन अकादमी वार्षिक बैठक, एनाहिम में प्रस्तुत।

जैन एस., (2016, 20 दिसंबर). जीवनचक्र सिद्धांत और वित्तीय पुनर्गठन पर भारतीय वित्त सम्मेलन, अहमदाबाद में प्रस्तुत।

श्रीनिवासन, एस. (2016, 18 नवंबर). एसजेडीएम सम्मेलन 2016, बोस्टन में प्रस्तुत अनुसंधान पत्र।

सुगथन, ए., पांडे, आर., और मधोक, आर. (2016, 21 मई). भारतीय कोयला-भट्ठी से बने विद्युत संयंत्र : समय और स्थान से पार सामान्य क्षमता की चुनौती, कैम्ब्रिज के हार्वर्ड केनेडी स्कूल में सस्टेनेबिलिटी साइंस सिंपोसियम में प्रस्तुत।

शर्मा, सुप्रिया, और **वोहरा, एन.** (2016, 30 जुलाई से 3 अगस्त). क्या कोई संस्कृति राष्ट्रीय है? सांस्कृतिक मूल्यों के लिए विश्लेषण के स्तर के रूप में देश और जातीयता की जांच करना, अंतरराष्ट्रीय पार-सांस्कृतिक मानसशास्त्र एसोसिएशन (आईएसीसीपी 2016), नागोया में प्रस्तुत।

टंडन, ए., और गुप्ता, जी. (2017, 2 जनवरी). सूक्ष्म सूचना प्रणालियों को अपनाने में कम्प्यूटर-मध्यस्थता संचार की भूमिका की जाँच पर डिजिटल अर्थव्यवस्था सम्मेलन, आईएसबी हैदराबाद में प्रस्तुत।

तुम्बे, सी. (2016, 14 जुलाई). शहरीकरण, जनसांख्यिकीय संक्रमण और भारत में शहरों की वृद्धि, 1870-2020, 7वें वार्षिक आईजीसी-आईएसआई वृद्धि और विकास सम्मेलन, दिल्ली में प्रस्तुत।

झ

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुईं अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुईं परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	3849	889	3438
2016-17	**3891**	**894**	**3492**

अ

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	3	49	110	39	198
नए कार्यक्रम	10	103	125	8	236
नियमित / दोहराए कार्यक्रम	56	561	1025	39	1625
कुल	**69**	**713**	**1260**	**86**	**2059**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टी.पी. उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम 24 जुलाई - 20 अगस्त, 2016	18	33	22	73
लघु और मझौले उद्यमों के रूपांतरण कार्यक्रम 16 - 28 अक्टूबर, 2016	0	31	1	32
3 टी.पी. वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम 22 जनवरी - 11 फरवरी, 2017	31	46	16	93
कुल	**49**	**110**	**39**	**198**

प्रस्तुत किए गए नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
अंतर्राष्ट्रीय बाजार जीतने की रणनीतियाँ 29 - 31 जुलाई, 2016	8	18	1	27
संगठनों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना 27 फरवरी - 1 मार्च, 2017	11	11	0	22
वित्त एवं लेखांकन				
सामरिक व्यापारिक निर्णयों के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना 1 - 5 अगस्त, 2016	9	12	0	21
एक अस्थिर व्यापार माहौल में परियोजना केडिट मूल्यांकन 12 - 16 सितंबर, 2016	14	2	2	18
व्यापार का वित्तीय विश्लेषण 29 सितंबर - 1 अक्टूबर, 2016	14	16	2	32
विपणन				
विपणन में तंत्रिका विज्ञान 9 - 11 जनवरी, 2017	6	12	0	18

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
मानव संसाधन प्रबंधन				
आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास करना 2 - 4 फरवरी, 2017	18	19	1	38
मानव संसाधन लेखापरीक्षा : सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन के लिए आधार की तैयारी 8 - 10 मार्च, 2017	18	6	2	26
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
रेस्टोरेंट प्रबंधन 18 - 20 जुलाई, 2016	2	20	0	22
संचालन के बुनियादी सिद्धांत 19 - 23 सितंबर, 2016	3	9	0	12
कुल	**103**	**125**	**8**	**236**

नियमित/दोहराए कार्यक्रमों की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
नवाचार को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन सोच 29 अगस्त - 3 सितंबर 2016	5	28	1	34
युवा उद्यमी कार्यक्रम मॉड्यूल 1 : 5 - 10 सितंबर, 2016 मॉड्यूल 2 : 9 - 14 जनवरी, 2017	2	17	0	19
विकास के लिए रणनीतियाँ 18 - 23 सितंबर, 2016	7	15	0	22
प्रमुख व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ 2 - 7 अक्टूबर, 2016	4	23	0	27
अनुबंध प्रबंधन 3 - 7 अक्टूबर, 2016	16	9	0	25
नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतियोगी प्रदर्शन 14 - 19 नवंबर, 2016	12	13	1	26
परिवर्तनकारी नेतृत्व 5 - 7 दिसंबर, 2016	27	42	0	69
21 वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 2 - 5 जनवरी, 2017	11	17	0	28
पारिवारिक व्यवसाय : संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार 8 - 10 फरवरी, 2017	3	42	0	45

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
रणनीति निष्पादन का अनुशासन 16 - 18 फरवरी, 2017	17	15	1	33
विदेश में व्यवसाय करना 22 - 24 मार्च, 2017	6	17	0	23
संचार				
लोगों को साथ लेकर : अनुनय द्वारा प्रबंधन 1 - 6 अगस्त, 2016	12	16	0	28
जीतने की कगार पर : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ 11 - 24 सितंबर, 2016	17	17	0	34
अर्थशास्त्र				
बैंकों और वित्तीय संस्थानों का नेतृत्व : वर्तमान चुनौतियाँ 27 फरवरी - 03 मार्च, 2017	12	3	1	16
वित्त और लेखांकन				
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 7 - 12 नवंबर, 2016	5	20	2	27
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 05 - 10 दिसंबर, 2016	3	20	0	23
सूचना प्रणालियाँ				
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 20 - 25 जून, 2016	16	15	1	32
दृश्य व्यवसाय सूचना 28 नवंबर - 2 दिसंबर, 2016	10	9	0	19
सीआईओ के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन 28 नवंबर - 3 दिसंबर, 2016	4	11	0	15
नई पीढ़ी का एंटरप्राइज़ सिस्टम : ईआरपी, सीआरएम, बीआई और एससीएम 09 - 14 जनवरी, 2017	6	7	0	13
विपणन				
बिक्री बल प्रदर्शन बढ़ाना 09 - 13 मई, 2016	27	31	0	58
ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ 28 - 30 जुलाई, 2016	4	29	2	35
ब्रांड का विकास और प्रबंधन करना 22 - 25 अगस्त, 2016	19	20	2	41
विपणन निर्णय के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 12 - 17 सितंबर, 2016	2	13	0	15
अंतरराष्ट्रीय व्यापार 19 - 24 सितंबर, 2016	3	8	1	12

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 03 - 07 अक्टूबर, 2016	8	15	0	23
बी 2 बी विपणन 20 - 25 फरवरी, 2017	10	33	1	44
बिक्री बल प्रदर्शन बढ़ाना (दूसरा प्रस्ताव) 27 फरवरी - 03 मार्च, 2017	5	24	0	29
डिजिटल विपणन : अवधारणाएँ, रणनीतियाँ और तकनीकें 27 - 31 मार्च, 2017	2	4	1	7
संगठनात्मक व्यवहार				
मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवप्रवर्तन : व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकसित करना 22 - 25 अगस्त, 2016	7	19	0	26
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन 12 - 16 सितंबर, 2016	14	17	2	33
व्यावसायिक महिलाओं में नेतृत्व क्षमताएँ और संभावना बढ़ाना 22 - 25 नवंबर, 2016	13	16	0	29
पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण 02 - 05 जनवरी, 2017	16	22	7	45
मानव संसाधन प्रबंधन				
सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन 25 सितंबर - 1 अक्टूबर, 2016	17	14	3	34
प्रदर्शन प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ 17 - 20 अक्टूबर, 2016	4	14	3	21
सामरिक पुनर्रचना और संगठनात्मक परिवर्तन 28 नवंबर - 3 दिसंबर, 2016	10	10	1	21
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 05 - 10 दिसंबर, 2016	15	22	0	37
प्रबंधकीय प्रभावशीलता 08 - 14 जनवरी, 2017	18	32	0	50
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
सामरिक विश्लेषिकी : मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यापार तथा विपणन में उसके अनुप्रयोग पर कार्यक्रम 13 - 16 अप्रैल, 2016	14	18	0	32
अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम 25 - 28 अप्रैल, 2016	17	34	0	51
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 18 - 23 जुलाई, 2016	20	12	1	33
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन 8 - 12 अगस्त, 2016	17	23	0	40

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन 29 अगस्त - 2 सितंबर 2016	5	12	0	17
परियोजना प्रबंधन 29 अगस्त - 03 सितंबर, 2016	18	21	0	39
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 3 - 08 अक्टूबर, 2016	6	18	0	24
जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन 24 - 28 अक्टूबर, 2016	7	9	1	17
विनिर्माण रणनीति 28 नवंबर - 03 दिसंबर, 2016	8	11	2	21
रसद प्रबंधन 26 - 30 दिसंबर, 2016	7	15	0	22
गोदाम तैयार और प्रबंधन (दूसरा प्रस्ताव) 23 - 27 जनवरी, 2017	6	25	0	31
विनिर्माण पर शीर्ष प्रबंधन कार्यशाला 23 - 25 मार्च, 2017	1	24	0	25
कृषि				
कृषि आदान विपणन 16 - 21 जनवरी, 2017	8	12	0	20
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र				
अस्पताल प्रबंधन 27 जून - 2 जुलाई, 2016	5	15	2	22
स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण 09 - 13 जनवरी, 2017	2	11	0	13
सार्वजनिक प्रणाली				
अवसंरचना में कानूनी और विनियामक मुद्दे 29 अगस्त - 02 सितम्बर, 2016	10	5	0	15
नौवहन के लिए सामान्य प्रबंधन 05 - 11 मार्च, 2017	6	19	0	25
रवि जे. मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई)				
बदलते माहौल में स्कूलों के लिए सामरिक नेतृत्व 03 - 08 अक्टूबर, 2016	15	42	3	60
कुल	**561**	**1025**	**39**	**1625**

ट

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

www.bullionbulletin.in

Gold Monetization; Some Roadblocks Ahead

Prof. Arvind Sahay, Head, India Gold Policy Center, IIMA

Normally if there is a deep-seated emotional attachment to a certain thing, people do not easily change their behavior. In this case it is the attachment to the gold. So the challenge is how we can change the behavior of people so that they are more willing to take out their gold, lying in the mattresses or lockers and deposit it with the banks so that it gets monetized. If we are talking about 300 to 500 tons of gold getting out of lockers every year, it means that that amount of money is more avai…

As I saw your presentation today you spoke about basically the habit behind buying gold in India and why Indians do not want to part with their gold and there is lot to be needed to motivate these people to deposit their gold in gold monetization scheme. Am I right? When we start a scheme like the gold monetization scheme there are two sides…

Navbharat, Mumbai
19 October 2016, p. 7

'गोल्ड नीतियों की समीक्षा कर रही है सरकार'

मुंबई. व्या. प्र. सरकार सोने के नियमन से जुड़ी नीतियों की समीक्षा कर रही है. आर्थिक मामलों के विभाग में संयुक्त सचिव सौरभ गर्ग ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि सरकार ने सोने के नियमन से जुड़ी मौजूदा…

Business Standard, Ahmedabad
31 January 2017, p. 05

Lack of sops hurt Gold Monetisation Scheme

VIMUKT DAVE
Ahmedabad, 30 January

Lack of incentives for key players like banks and refiners, coupled with lack of awareness on the Gold Monetisation Scheme (GMS), led to poor response, found a study conducted by the Indian Gold Policy Centre (IGPC) at the Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIM-A).

"It can be said that GMS has not been a successful policy. Our research has identified the areas of policy that can be tweaked to make it more attractive for the key players of the scheme - consumers, and bankers and refiners," said Arvind Sahay, head of IGPC.

The study, Gold Monetisation in India as a Transformative Policy, by IGPC is an in-depth analysis of the buying pattern of gold. With an aim to suggest improvisations for a better implementation of GMS that was introduced in 2015, …

Financial Express, 31 January 2017, p. 14

High-income group holds a high proportion of assets in gold: Study

fe Bureau

Ahmedabad, Jan 30: Flying in the face of the Centre's rationale behind demonetisation as a means to remonetise the economy, a study by the India Gold Policy Centre (IGPC) under the Indian Institute of Management Ahmedabad (IIM-A) shows the tendency of high-income urban consumers to hold a high proportion of their assets in the form of gold.

The two studies released on Monday are part of a six-study series being conducted by IGPC to obtain a research-based in-depth understanding of India's gold industry. …

… reluctant to part with gold compared to urban consumers, but are also ready to pledge gold as collateral, with 74% of rural consumers being open to pledging their gold, suggesting 'liquidity use' of gold on the basis of requirement. High openness to pledging gold is also strongly correlated with a high level of comfort with holding one's gold assets in the form of paper.

The Telegraph

Gold policy review underway

Our Special Correspondent

New Delhi, Oct. 17: The government is reviewing the regulatory policies on gold as the import of the yellow metal has dipped to a decade low of $7.2 billion in the first half of 2016-17.

High import duties, strict disclosure norms for jewellery purchase, a jewellers' strike and government efforts to unearth black money have hit the imports of the yellow metal.

"A working group has been formed to review the current regulatory policies related to gold," Saurabh Garg, joint secretary in the department of economic affairs, said at a round table of senior economists organised by the India Gold Policy Centre (IGPC) and the National Institute of Public Finance and Policy (NIPFP).

METAL ALERT
The concern
- Gold import drops to decade low of $7.2bn in the first half of 2016-17
- Demand subdued

The factors
- High import duties
- Strict disclosure norms while buying jewellery
- Jewellers' strike
- Govt efforts to unearth black money

An import duty of 10 per cent was imposed on gold in 2013 when the current account deficit was under severe stress. Ballooning imports of the yellow metal had pushed the current account deficit (CAD) to 4.8 per cent of the gross domestic product (GDP) in 2012-13 from 4.3 per cent in the previous financial year. CAD of $277 million, or 0.1 per cent of GDP, in the April-June quarter this fiscal - same as in the preceding quarter - has put to rest expectations of a surplus. Icra expects a current account deficit of $20-25 billion in 2016-17 compared with $22 billion in 2015-16.

Arvind Sahay, head of the IGPC, said the increase in customs duty to 10 per cent was a concern. …

The Hindu Business Line, 18 October 2016, p. 4

Taxes, adverse policies taking sheen off gold, say experts

Govt reviewing policies: official

OUR BUREAU
Ahmedabad, October 17

Current regulatory policies and higher tax regime have taken the sheen off the yellow metal, which is seeing subdued consumer demand even after the onset of the festival season, experts said.

The domestic gold industry has remained merely a bystander watching the festival buying coming to its end without any glitter, they said.

At a Senior Economists' Roundable, jointly organised by India Gold Policy Centre (IGPC) and National Institute of Public Finance and Policy (NIPFP), industry leaders, economists and experts said the weak consumer demand may be due to manyfactors such as higher imports duty, entry tax, octroi, excise duty and sales tax (VAT) and the overall economic slowdown.

The stakeholders called upon the government to address the issues on an urgent basis.

Working group formed

Speaking at the roundtable Saurabh Garg, Joint Secretary (Investments), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, said a working group has been formed to review the current regulatory policies on gold.

Arvind Sahay, Head of IGPC at the Indian Institute of Management - Ahmedabad, said, "An increase in customs duty to 10 per cent is an issue. It was, however, encouraging to note that the government appeared committed to bringing more transparency in the industry."

GST regime

Under the Goods and Services Tax (GST) regime, if tax is levied at 4-6 per cent (with the proposed merger of all indirect taxes) and Customs duty at 10 per cent, the consumer will need to pay taxes to the extent of 14-16 per cent on purchase of gold. Gold traders are pitching for GST rate of 4-5 per cent.

Ashish Nanda, Director, IIMA, said, "Gold is an important asset, particularly in India. Policy makers and industry participants recognise the importance of having thoughtful and clear policies to appropriately regulate and nurture the industry for social benefit."

ठ

पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
6 अप्रैल, 2016	लंदन	ज्वलंत वार्तालाप	42	ज्वलंत वार्तालाप में पूर्व फार्मूला वन रेसिंग चालक करुण चांढोक का स्वागत-सत्कार किया गया जिसमें बीबीसी के एक मल्टीमीडिया पत्रकार राहुल जोगलेकर ने इनके साथ वार्ता की थी।
4 मई, 2016	दिल्ली	मिलन समारोह	50	गुड़गांव में यह हमारा 90 वाँ आयोजन था। इसमें पूर्वछात्र और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इंटर्न रहे छात्रों ने भाग लिया।
14 मई, 2016	मुंबई	कार्यकारी समिति	10	इस कार्यक्रम में अत्यधिक उत्साही युवा पूर्वछात्रों ने भाग लिया था। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि सिंक्रोनी इतना स्फूर्तिदायक बन सकेगा और हाँ, यह सिम्फनी (समरस संगीत) और यूफोनी (श्रुतिमधुरता) दोनों ही रहा था। यह संध्या समारोह आईआईएमएएए प्रमुख, कल्पेन शुक्ला पूर्वछात्र संबंध के अध्यक्ष विक्टर परेरा द्वारा स्वागत अभिवादन के साथ शुरू किया गया था। सिंक्रोनी 2016 समारोह वास्तव में मंत्रमुग्ध करने वाला कार्यक्रम रहा और बीते वर्षों में हर किसी ने परिसर जीवन के अतीत के बारे में बताया था। यह ना केवल एक मिलन स्थल रहा है, बल्कि एकता का एक हिस्सा भी माना जाता है, जिसे आईआईएमए समुदाय हमेशा संजोए रखेगा।
		सिंक्रोनी 2016	175	
14 मई, 2016	दिल्ली	सिंक्रोनी 2016	65	जब पूर्वछात्रों का स्वागत किया जा रहा था तब उनकी आँखों में खुशी और उत्तेजना की चमक साफ झलक रही थी। दूसरी ओर, बैच के नवागंतुक छात्र उत्सुकता से पूर्वछात्रों के साथ अपनी पहली बातचीत के लिए प्रतीक्षारत थे। पूर्वछात्रों ने अपनी सभी अच्छी यादें साझा की। पूर्वछात्रों ने अपने परिसर और कंपनियों के अनुभवों को साझा किया, इतना ही नहीं, बल्कि उन्होंने नवांगतुक छात्रों को आईआईएमए के बारे में पूरे उत्साह के साथ सिखाया भी- आईआईएमए का टेम्पो हाई है! इस समारोह का समापन हिमांशु भट्ट, प्रभारी पूर्वछात्र कार्यालय, द्वारा सलिल अग्रवाल को स्मृति-चिन्ह देने के साथ हुआ।
14 मई, 2016	बैंगलोर	सिंक्रोनी 2016	160	अभिनय और रघु ने चुनौतियों और उद्यमशीलता के आकर्षण पर वर्तमान और आने वाली बैच के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान की। वक्ताओं ने भी आईआईएमए में अपने समय की कुछ यादें साझा की और नवागंतुक छात्रों को व्यापार के कुछ गुर भी सिखाए। इस संध्या समारोह ने हर किसी को एक-दूसरे के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने का मौका दिया।
14 मई, 2016	चेन्नई	सिंक्रोनी 2016	50	एक से अधिक तरीकों से शीतल यह समारोह शांत-चित्त से आयोजित किया गया था। इस संध्या पर पूर्वछात्रों के एक समूह ने अपने जीवनसाथी के साथ 2017 और 2018 के बैच का स्वागत किया था। जिज्ञासु युवाओं ने वरिष्ठ पूर्वछात्रों के साथसाथ हाल ही के स्नातकों से भी सवाल पूछे थे जो वे परिसर में पूछना चाहते थे। आईआईएमए पूर्वछात्र संघ चेन्नई चैप्टर ने दो वर्ष की अवधि 2016-18 के लिए नई कार्यकारी समिति का चुनाव करने के लिए वार्षिक आम सभा की बैठक बुलाई।

परिशिष्ट जारी

ठ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
21 मई, 2016	दुबई	सिंक्रोनी 2016	44	राजीव काकर ने अपने शैक्षिक और व्यावसायिक जीवन के अनुभव बाँटे। गुरमीत सिंह को प्रतिष्ठित पूर्वछात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुरमित सिंह ने आईआईएम अहमदाबाद में वापसी के बाद के अपने अनुभवों को साझा किया। आइआइएमए नेटवर्क की विशाल संस्कृति को देखने के बाद नवागंतुक बैच उत्साही लग रहा था।
22 मई, 2016	हैदराबाद	सिंक्रोनी 2016	200	यह कार्यक्रम बहुत अच्छी तरह से संरचित किया गया था और मनोरंजन तथा कुशलता को शामिल करने की योजना बनाई थी। आईआईएमए के पूर्वछात्र सेल द्वारा तैयार की गई एक प्रस्तुति पूर्वछात्रों के बीच साझा की गई। पूर्वछात्र, परिवार और नवागंतुक एक टीम के रूप में साथ आए। वर्तमान बैच को कई वरिष्ठ पूर्वछात्रों के साथ जुड़ने का अवसर मिला।
23 मई, 2016	लंदन	फ़ायरसाइड चैट	57	स्टुअर्ट सुंदरलैंड-सिटी पेंट्री के संस्थापक के साथ एंड्रयू फिशर, कार्यकारी अध्यक्ष शाज़म की बातचीत को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।
28 मई, 2016	कोलकाता	सिंक्रोनी 2016	25	इन भाषणों ने दर्शकों के बीच पुरानी यादों को ताज़ा किया। वक्ताओं ने बताया कि कैसे आईआईएमए ने उन्हें अपने पेशेवर सफर में मदद की, फिर चाहे अग्रणी संगठन में उनके स्टार्टअप का सफर हो या उद्यमी के रूप में हो। नए छात्रों को सलाह दी गई कि इस यादगार आईआईएमए सफर के हर लम्हे को जी लो और बुलंदियों को छुओ।
21 जून, 2016	लंदन	फ़ायरसाइड चैट	32	यह बातचीत लंदन के सबसे प्रतिष्ठित और नवप्रवर्तन कार्य स्थान और सांस्कृतिक स्थल में आयोजित की गई थी, जिसमें विचारकों, निर्माताओं, कलाकारों और उद्यमियों को एक वैश्विक समुदाय - द्वितीय गृह के रूप में एक साथ लाया गया।
16 जून, 2016	मुंबई	बैठक	8	आईआईएमएएए के मुंबई चैप्टर को डॉ. रघुराम राजन - भारतीय रिजर्व बैंक को मिलने तथा अभिवादन करने का अवसर मिला, आईआईएमए कॉफी टेबल बुक में उन्हें प्रस्तुत करके बिदाई समारोह करने का अवसर मिला, और राजन को परिसर में बिताए गए उनके दिनों की प्यारी स्मृति को ताज़ा करने के रूप में एलडीपी लिखा हुआ क्रिस्टल पेपरवेट भेंट किया गया। कार्यकारी समिति के सदस्यों को पूर्वछात्र मामलों के डीन प्रोफेसर राकेश बसंत के साथ मुंबई दौरे के दौरान बातचीत करने का अवसर मिला। विभिन्न विचारों और मुद्दों पर विचार विमर्श के माध्यम से मुंबई में स्थित आईआईएमए के पूर्वछात्रों की विशाल क्षमता का लाभ उठाने पर चर्चा की गई, जो संस्थान और समाज को स्थानीय छात्रों के लिए फायदेमंद होगा। मुंबई चैप्टर ने थाणे पुलिस के सहयोग से, थैंक-यू-इंडिया ड्राइव को समर्थन दिया। समाज के भीतर सकारात्मकता का प्रसार करने के लिए यह एक प्रयोग था जिसमें सड़क पर पुलिस कर्मियों द्वारा थैंक यू कार्ड की पेशकश जनता से की गई थी जो जनता में अच्छे व्यवहार की दैनिक गतिविधियों के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में था।

परिशिष्ट जारी

ठ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
25 जून, 2016		कार्यकारी समिति	10	इस समिति की स्थापना आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा की उपस्थिति में अगस्त में की गई थी। यह नई कार्यकारी समिति, डीन एईआर, और पूर्वछात्र कार्यालय के साथ काम करेगी ताकि मातृसंस्था के साथ भावनात्मक बंधन को मजबूत किया जा सके और आईआईएमएएए चेन्नई चैप्टर के लिए गतिविधियों का एक कैलेंडर विकसित किया जा सके।
9 जुलाई, 2016	चेन्नई	अधिवेशन	10	यह अधिवेशन अविश्वसनीय रूप से व्यावहारिक था। कांडा ने प्रबंधन व्यावसायियों को छोटे काम से शुरू आत करने की सलाह दी। उन्होंने संबंधित अनुभवों पर प्रतिबिंबित करने के लिए प्रतिभागियों से आग्रह किया, वास्तविक कहानियों से चुनौतियों को उजागर करने को कहा, और नवप्रवर्तन प्रतिक्रिया को बाँटने को कहा जो कि एक एमबीए छात्र के रूप में सीखकर जाने के लिए तैयार करे, और क्षेत्रीय बारीकियों पर निर्भर करे। उन्होंने बताया कि उद्योग संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए आईआईएमए की तलाश में प्रबंधन के व्यवसायी के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करने के अवसर भी पैदा होते हैं, जहाँ एक उद्योग के केसों के साथ पूर्ण अभ्यास पाठ्यक्रम और क्रिया-प्रक्रिया परियोजना के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को तैयार किया जा सकता है।
22 और 23 जुलाई, 2016	उत्तरी अमेरिका	वैश्विक समारोह 2016	50	इस सम्मेलन का विषय - आपसी संबद्ध जगत में नेतृत्व और परिवर्तन था। इसके सबसे अच्छे वक्ताओं में कुछ आईआईएमए के प्रतिभाशाली पूर्वछात्र और साथ ही अन्य क्षेत्रों के प्रसिद्ध वक्ता शामिल थे। श्री समर दास ने एसोसिएशन के बारे में बताया, जो एक वैश्विक आईआईएमए ब्रांड का निर्माण कर रहे थे जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के रूप में जाना जाता है, और एक वैश्विक आईआईएमए समुदाय का निर्माण कर रहा है तथा साथ में स्थानीय समुदाय को प्रतिफल देने के साथ बड़ा वैश्विक परिवार बन रहा है। दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण आईआईएमए के निदेशक आशीष नंदा का संबोधन था। नंदा ने जोर देकर कहा कि पूर्वछात्रों के साथ जुड़ना संस्थान के लिए सामरिक महत्व का विषय रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईएमए के पूर्वछात्र संस्थान के प्रमुख हितधारक हैं, और हम सलाह, मार्गदर्शन और संस्थान को कहाँ पर और कैसे ले जाना है इस पर समर्थन के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। प्रोफेसर नंदा ने प्रोफेसर राकेश बसंत का परिचय कराया और उन्हें आईआईएमए के डीन-पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बारे में बताया। प्रोफेसर बसंत ने कहा, "आईआईएमए प्रबंधन और सार्वजनिक नीति के क्षेत्रों में अपने चिंतन नेतृत्व को बनाए रखने के लिए प्रयास करता रहेगा। हम मौजूदा संबंधों को मजबूत करने की योजना बना रहे हैं और संस्थान की सहायता के लिए रणनीतिक रूप से नए वैश्विक और स्थानीय सहयोग का निर्माण कर रहे हैं। पूर्वछात्र हमारे राजदूत हैं, और हमारा गर्व हैं। हमें विश्वास है कि वे इन प्रयासों में पूरे दिल से संस्थान का समर्थन करेंगे और ब्रांड आईआईएमए को और आगे बढ़ाने के लिए योगदान देंगे।"

परिशिष्ट जारी

ठ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
6 अगस्त, 2016	चेन्नई	क्षेत्रपार अधिवेशन	20	ब्लूम एनर्जी के निदेशक डॉ चोक कस्प्पाइयाह ने एक साथ एक असाधारण यात्रा से सीखे सबक और वह कैसे अंतर्दृष्टि से मिले लाभ से फर्क पा सकते हैं उस पर चेन्नई में आईआईएमए के पूर्वछात्रों को संबोधित करते हुए एक प्रेरणादायक प्रस्तुति प्रदान की।
28 अगस्त, 2016	चेन्नई	ड्यूक्स की चोटी पर चढ़ाई	15	ट्रेकिंग, आउटडोर प्यारे पुनरीस के लिए पूरे वर्ष हर समय एक लोकप्रिय मनोरंजन रहा, जून से सितंबर तक मानसून के महीनों के दौरान विशेष रूप से मजेदार था।
23 सितंबर 2016	चेन्नई	सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - श्री हरिकोटा उच्च ऊंचाई की यात्रा	31	चेन्नई चैप्टर के इकत्तीस पूर्वछात्रों के समूह ने ध्रुवीय उपग्रह लॉन्च वाहन की पूरी अंतिम रिहर्सल देखी। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा उच्च ऊंचाई क्षेत्र है। यह निश्चित रूप से जीवनभर का यादगार अनुभव था।
29 सितंबर 2016	जयपुर	युवा प्राप्तकर्ता दिवस समारोह	10	आईआईएमए जयपुर चैप्टर के सहयोग से, ओमानी फाउंडेशन द्वारा चुनिंदा स्कूली बच्चों की सार्वजनिक पहचान का आयोजन किया गया।
7 अक्टूबर, 2016	चेन्नई	राकेश बसंत के साथ एक संध्या-वार्ता	30	राकेश बसंत ने एक निजी यात्रा पर थे लेकिन उन्होंने चेन्नई में रहने वाले पूर्वछात्रों को एक अनौपचारिक बातचीत के लिए समय दिया। उन्होंने पूर्वछात्र संबंधों को सरल बनाने और सर्वोच्च प्रशासन तंत्र की औपचारिक रूप में पूर्वछात्र बाह्य संबंध के पूर्व डीन अरविंद सहाय की प्रशंसा की। उन्होंने पूर्वछात्रों और संस्थान के बीच संबंधों को गहरा करने के बारे में सोचने के लिए चेन्नई की बातचीत का इस्तेमाल किया। सभी चैप्टरों के स्थानों में कंपनियों, सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य प्रासंगिक हितधारकों के साथ रिश्तों को मजबूत करने में पूर्वछात्रों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। राकेश बसंत ने इसके तरीकों और साधनों के लिए पूर्वछात्रों के सुझाव आमंत्रित किए और, अभिनव पाठ्यक्रम बनाने के लिए वित्तीय और गैर वित्तीय संसाधन जुटाने हेतु व्यावहारिक मामलों को विकसित करने, अत्याधुनिक अनुसंधान कार्य और आईआईएम-ए परिसर में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ पूर्वछात्रों की भूमिका को अहम् बताया।
7 नवंबर, 2016	लंदन	लंदन संगम 2016	120	‘विघटन का नया युग’ विषय आधारित, इस कार्यक्रम में विभिन्न उद्योगों के सरकारी अधिकारियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और व्यापार जगत के अग्रणियों सहित 10 वक्ताओं को शामिल किया गया। इस समारोह में 26 बैचों के पूर्वछात्र एक साथ आए, जिनके शैक्षिक वर्ष थे - 1974, 1977, 1983, 1987, 1989, 1992, 1993, 1994, 1996, 1997, 1999, 2000, 2001, 2003, 2004, 2005, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2016, 2014. इनमें प्रोफेसर आशीष नंदा निदेशक आईआईएम-ए और प्रोफेसर राकेश बसंत डीन (पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध) ने इस कार्यक्रम में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया था।

परिशिष्ट जारी

ठ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
				समापन संबोधन प्रोफेसर आशीष नंदा निदेशक आईआईएमए ने किया था, जिसमें उन्होंने कैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक दबाव के बावजूद आईआईएम-ए अपनी स्वायत्तता बनाए रखने में सक्षम रहा, यह बताया और प्रोफेसर नंदा ने इसके फलीभूत होने में रीढ़ की हड्डी बने रहे पूर्वछात्रों को धन्यवाद दिया। इसके अलावा, उन्होंने आईआईएम-ए में वर्तमान में चल रही विभिन्न बुनियादी सुविधाओं की गतिविधियों को विस्तारित करने और ऐतिहासिक पुराने परिसर को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने के लिए कहा। उन्होंने दो पहलों पर प्रकाश डाला जिन पर संस्थान काम कर रहा था - 1) सार्वजनिक नीति केंद्र और 2) इसके पूर्वछात्रों की पहुंच को मजबूत करना।
11 नवंबर, 2016	अहमदाबाद	प्रोफेसर बरूआ का सम्मान	40	आईआईएमएएएएसी ने संस्थान से सेवानिवृत्ति होने पर प्रोफेसर बरुआ का सम्मान किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर बरूआ ने निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महसूस की चुनौतियों और पिछले कई दशकों में छात्र प्रवेश में बदले रूझान का वर्णन किया।
19 नवंबर, 2016		ज़ाइडस अस्पताल का दौरा	25	आईआईएमएएएएसी ने पूर्वछात्रों के लिए उनके जीवनसाथी के साथ ज़ाइडस अस्पताल के दौरे की व्यवस्था की। अस्पताल ने स्वस्थ जीवन, लंबे जीवन पर एक सूचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह काफी अंतक्रियात्मक सत्र था।
26 नवंबर, 2016	मुंबई	आईआईएमएएए का तीसरा वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह	50	उल्लेखनीय रूप से पूर्वछात्रों के साथ परिवार के सदस्य भी समान संख्या में थे (और यह इस कार्यक्रम के लिए आनंददायक परिणाम था)। अब समय आ गया है कि "आईआईएमए पूर्वछात्र जीवनसाथी एसोसिएशन" के लिए पहल की जाए और आईआईएमएएए (मुंबई) उन्हें और उनकी गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहेगा। मनोरंजन अनुपात वास्तव में बहुत अधिक था क्योंकि बच्चों को मिले मस्ती के मौके को शाम तक देखा गया। "कैरिकेचर आर्टिस्ट" ने लगातार अंतराल पर पूरे कार्यक्रम पर पकड़ बनाए रखी यहाँ तक कि आयोजकों को भी आभार व्यक्त करने के लिए मना कर दिया गया। "अग्नि जगलर" और "डीजे सह गेम कलाकार" ने अलग-अलग मनोरंजक खेलों और गतिविधियों में बच्चों और जीवनसाथियों को व्यस्त रखा। हम दोनों तरह के - वरिष्ठ और कनिष्ठ पूर्वछात्रों के साथ जुड़ने पर खुश थे। बड़े समुदाय के लिए कुछ हटकर करने के लिए हम किस तरह योगदान कर सकते हैं, इस तरह के आयोजनों से जान रहे हैं।
9 से 18 दिसंबर, 2016	हैदराबाद	सायक्लोथॉन 2016	55	सायक्लोथॉन - 2016 कार्यक्रम में मुंबई से हैदराबाद तक 1000 किमी की साइकल यात्रा का आयोजन उद्भव स्कूल में बालिकाओं की शिक्षा के लिए धन जुटाने के लिए 10 दिनों तक किया गया था।
11 से 15 दिसंबर, 2016	जयपुर	आईआईएम सप्ताह	15	समूह के सदस्यों के साथ एक सक्रिय भागीदारी शुरू की गई। अपने परिवार के साथ सभी सदस्यों को दीपावली मिलन और नव वर्ष समारोह के लिए आमंत्रित किया गया।
29 दिसंबर 2016	पुणे	किरण कर्णिक के साथ बैठक	20	पूर्वछात्र संघ के पुणे चैप्टर ने किरण कर्णिक के सत्कार और आमोद प्रमोद का अवसर पाया जब वे अभी एक शाम पुणे में आए हुए थे।

परिशिष्ट जारी

ठ

दिनांक	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
15 जनवरी, 2017	जयपुर	प्रथम वार्षिक मिलन समारोह	10	इस समारोह में अधिकांश सदस्यों ने भाग लिया था और निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा हुई तथा विचार-विमर्श के बाद हम निम्न पर आम सहमति बना सके :- कोषाध्यक्ष श्री गर्ग द्वारा जयपुर में बैंक खाता खोला गया और नेट बैंकिंग सुविधा की गई। चैप्टर के लिए गतिविधि समारोह चार्ट पूरे वर्ष के लिए तैयार किया जाएगा। प्रोफेसर व्यास से चैप्टर का प्रचार करने के लिए अपने संपर्क सूत्रों का उपयोग करने के लिए अनुरोध किया गया। आईआईएमयू के साथ चैप्टर की एक बैठक की संभावना जताई गई। चैप्टर का प्रतिनिधित्व औपचारिक रूप से करने के लिए दो सदस्यों को रखा गया - श्री अग्रवाल, प्रमुख एवं श्रीमती अग्रवाल को आईआईएमयू को आमंत्रण भेजने के उद्देश्य के लिए औपचारिक रूप से रखा गया। इस चैप्टर के पत्रशीर्ष को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक का आयोजन करने के लिए श्री एवं श्रीमती अग्रवाल को विशेष धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ बैठक का समापन किया गया।
11 मार्च, 2017	कोलकाता	आईआईएमए प्रोफेसरों का पुनर्मिलन समारोह	20	"होली" और "ठंडाई" के लालच की पृष्ठभूमि में, अपने प्रिय प्रोफेसरों को पुनः मिलने की चाह में बड़ी संख्या में पूर्वछात्र एकत्र हुए थे। जैसा ज्ञात हुआ है, यह प्रोफेसर अमित कर्णा, प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी, प्रोफेसर अजय पांडेय, प्रोफेसर अनिंद्य एस. चक्रबर्ती, प्रोफेसर राम मोहन तुरागा, प्रोफेसर सतीश देवधर, प्रोफेसर सौम्य मुखोपाध्याय, प्रोफेसर विशाल गुप्ता और प्रोफेसर राकेश बसंत के साथ एक यादगार शाम रही थी। प्रो राकेश बसंत, डीन-पूर्वछात्र ने संस्थान की वर्तमान पहल के बारे में पूर्वछात्रों का आकलन किया, फिर चाहे वह केस अध्ययन लेखन हो, परिसर बहाली या पूर्वछात्र संवाद हो। इसके बाद एक स्वस्थ चर्चा की गई जिसमें पूर्वछात्रों ने उनकी चिंताएँ / राय बताईं और बैच के प्रवेश, स्थानन, डिग्री बनाम डिप्लोमा प्रदान करना, एनएचआरडी रैंकिंग, ई-पीजीपी कोर्स आदि जैसे मुद्दों पर प्रोफेसरों के नजरिए को जाना।
31 मार्च, 2017	कोलकाता	प्रो आशीष नंदा, निदेशक आईआईएमए के साथ कोलकाता चैप्टर का पुनर्मिलन	50	आईआईएमएएए कोलकाता चैप्टर ने फैसला किया कि यह 31 मार्च के उदास माहौल को तोड़ने का समय था और उन्हें मातृसंस्था के निदेशक का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए मिलना था। और अपेक्षा के अनुरूप, प्रोफेसर आशीष नंदा उनकी उम्मीदों पर खरे उतरे। अपने श्रेष्ठ व्याख्यान में, उन्होंने पूर्वछात्रों की पहलों के बारे में प्रशंसा करते हुए बताया कि संस्थान को हितधारकों की उम्मीदों पर निर्भर रहना है। रणनीति के मूल स्तंभ संकाय भर्ती, अकादमिक अनुसंधान को बढ़ावा, केस केंद्र, पूर्वछात्र पहुंच, प्रवेश और बैच ग्राह्यता रहे हैं। आईआईएम-ए के विदेशी संबंध प्रकोष्ठ से श्री अजित मोटवानी ने इस संबंध में फंड जुटाने के प्रयासों पर सदस्यों की सराहना की थी।

ङ

वैश्विक रैंकिंग्स

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (मुक्त कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES **Executive Education - Customised - 2016**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2016	2015	3 year average	School	Country
1	1	2	Iese Business School	Spain
2	2	2	HEC Paris	France
3	3	2	Duke Corporate Education	US / UK / South Africa
4	6	5	IMD	Switzerland/Singapore
5	4	6	London Business School	UK
6	7	8	SDA Bocconi	Italy
7	8	6	Center for Creative Leadership	US / Belgium / Singapore / Russia
8	11	13	Insead	France / Singapore / UAE
9	15	-	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
10	10	9	Cranfield School of Management	UK
11	5	9	Mannheim Business School	Germany
12	16	-	National University of Singapore Business School	Singapore
13	9	10	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
14	18	17	Harvard Business School	US
15	25	22	Essec Business School	France / Singapore
16	-	-	Stanford Graduate School of Business	US
17	18	22	MIT: Sloan	US
18	12	12	Esade Business School	Spain
19	22	19	Ashridge Executive Education at Hult	UK
20	13	15	Ipade Business School	Mexico
20	27	33	ESMT - European School of Management and Technology	Germany
22	13	17	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
23	23	23	University of Oxford: Saïd	UK
24	20	22	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
25	24	23	Babson Executive Education	US
26	32	30	University of Michigan: Ross	US
27	28	37	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
28	33	29	Fundação Dom Cabral	Brazil
29	17	22	Edhec Business School	France
30	31	30	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
31	38	39	Universidad de los Andes	Colombia
32	40	42	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
33	43	38	Vlerick Business School	Belgium
35	26	34	Melbourne Business School, Mt Eliza	Australia
36	48	49	Alliance Manchester Business School	UK
37	37	39	University of St Gallen	Switzerland
38	34	35	Ceibs	China
39	47	37	University of Pennsylvania: Wharton	US
40	36	36	University of Virginia: Darden	US
41	51	51	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
42	44	-	Peking University: Guanghua	China
42	50	44	EMLyon Business School	France
44	30	38	IAE Business School	Argentina
45	-	-	University of Tennessee at Knoxville	US
45	53	50	University of Pretoria, Gibs	South Africa
47	57	-	Indian Institute of Management Bangalore	India
48	38	41	UCLA: Anderson	US
49	45	46	Western University: Ivey	Canada / China
50	42	43	Columbia Business School	US
51	-	-	York University: Schulich	Canada
52	49	51	Insper	Brazil
52	64	62	Irish Management Institute	Ireland
54	61	60	Eada Business School Barcelona	Spain
55	67	-	University of Cambridge: Judge	UK
56	65	67	BI Norwegian Business School	Norway
57	52	46	Carnegie Mellon: Tepper	US
58	-	-	Fundação Getulio Vargas - EAESP	Brazil
59	66	64	Tias Business School	Netherlands
60	55	46	Washington University: Olin	US
61	58	58	Aalto University	Finland / Singapore
62	60	61	Imperial College Business School	UK
63	69	68	Nova School of Business and Economics	Portugal
64	70	66	Porto Business School	Portugal
65	68	68	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
66	62	57	University of Toronto: Rotman	Canada
67	56	62	University of Cape Town GSB	South Africa
68	73	73	Wits Business School	South Africa
69	70	72	University of Alberta	Canada
70	82	-	Esan	Peru
71	63	68	QUT Business School	Australia
72	77	75	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
73	78	74	NHH	Norway
74	83	-	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
75	79	-	Lagos Business School	Nigeria

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (अनुकूलित कार्यक्रम)

FT.com Executive Education - Open - 2016

FINANCIAL TIMES FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2016	2015	3 year average	School	Country
1	1	1	IMD	Switzerland / Singapore
2	3	4	Iese Business School	Spain
3	4	4	Harvard Business School	US
4	11	6	University of Virginia: Darden	US
5	9	8	University of Michigan: Ross	US
6	5	7	Center for Creative Leadership	US / Belgium / Singapore / Russia
7	7	8	Esade Business School	Spain
8	2	4	HEC Paris	France
9	10	11	University of Oxford: Saïd	UK
10	12	15	Fundação Dom Cabral	Brazil
11	7	8	Insead	France / Singapore / UAE
12	17	14	London Business School	UK
13	13	15	ESMT - European School of Management and Technology	Germany
14	5	7	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
15	15	13	Stanford Graduate School of Business	US
16	25	24	MIT: Sloan	US
17	23	20	University of Pennsylvania: Wharton	US
18	15	15	Essec Business School	France / Singapore
18	31	23	UCLA: Anderson	US
20	19	20	University of Toronto: Rotman	Canada
21	20	22	Kaist College of Business	South Korea
22	24	25	Ceibs	China
22	33	29	Henley Business School	UK
24	20	23	Columbia Business School	US
25	20	22	Western University: Ivey	Canada / China
26	27	27	Queen's University: Smith	Canada
27	29	30	IE Business School	Spain
28	29	33	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
29	32	32	Vlerick Business School	Belgium
30	26	23	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
31	37	35	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
32	50	-	University of Cambridge: Judge	UK
32	35	35	York University: Schulich	Canada
34	33	31	Cranfield School of Management	UK
35	62	-	Boston University: Questrom	US
36	36	35	Ashridge Executive Education at Hult	UK
37	43	44	Aalto University	Finland / Singapore
38	27	31	University of St Gallen	Switzerland
39	39	36	SDA Bocconi	Italy
40	42	42	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
41	43	42	Melbourne Business School, Mt Eliza	Australia
42	38	40	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
43	41	45	EMLyon Business School	France
44	51	47	NHH	Norway
44	56	52	Eada Business School Barcelona	Spain
46	48	45	University of Pretoria, Gibs	South Africa
46	43	46	University of British Columbia: Sauder	Canada
48	49	48	Edhec Business School	France
49	47	49	AGSM at UNSW Business School	Australia
50	51	50	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
51	40	42	Universidad de los Andes	Colombia
52	67	-	Ipade Business School	Mexico
53	64	-	National University of Singapore Business School	Singapore
54	46	46	Insper	Brazil
55	66	63	Fundação Instituto de Administração	Brazil
56	58	57	Grenoble Ecole de Management	France
57	53	54	Indian Institute of Management Bangalore	India
58	62	63	BI Norwegian Business School	Norway
59	68	62	Saint Paul Escola de Negócios	Brazil
59	65	63	University of Alberta	Canada
61	55	54	IAE Business School	Argentina
62	57	60	USB Executive Development	South Africa
63	60	61	Nova School of Business and Economics	Portugal
64	59	59	Lagos Business School	Nigeria
65	61	61	Solvay Brussels School of Economics and Management	Belgium
66	71	67	Tias Business School	Netherlands
67	-	-	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
68	70	67	Wits Business School	South Africa

परिशिष्ट जारी

ड

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग्स : प्रबंधन में फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स 2016

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2016

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2016	2015	School name	Country	Programme name	Weighted salary (US$)	Employed at three months (%)
1	1	University of St Gallen	Switzerland	MA in Strategy and International Management	101,502	100 (92)
2	2	HEC Paris	France	HEC MSc in Management	89,793	96 (91)
3	3	Essec Business School	France	MSc in Management	85,365	94 (74)
4	7	ESCP Europe	France, UK, Germany, Spain, Italy	ESCP Europe Master in Management	73,592	96 (90)
5	5	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management	73,364	94 (100)
6	6	London Business School	UK	Master in Management	78,156	96 (98)
7	10	IE Business School	Spain	Master in Management	81,491	95 (89)
8	13	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria	Master in International Management	63,948	94 (98)
9	8	WHU Beisheim	Germany	MSc in Management	98,360	98 (91)
9	12	Esade Business School	Spain	MSc in International Management	67,810	83 (88)
11	9	Università Bocconi	Italy	MSc in International Management	69,982	96 (41)
12	11	EBS Business School	Germany	Master in Management	82,633	84 (69)
13	20	Grenoble Ecole de Management	France	Master in International Business	60,840	95 (75)
14	14	Mannheim Business School	Germany	Mannheim Master in Management	82,710	97 (83)
15	18	Edhec Business School	France	Edhec Master in Management	61,138	97 (88)
16	15	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	Post Graduate Programme in Management	108,511	100 (97)
17	21	Iéseg School of Management	France	MSc in Management	49,776	94 (63)

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंशियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2017

FT.com FINANCIAL TIMES **Global MBA Ranking 2017**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2017	Rank in 2016	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	1	2	Insead	France / Singapore	167,657	95
2	5	4	Stanford Graduate School of Business	US	195,322	93
3	4	3	University of Pennsylvania: Wharton	US	181,634	92
4	2	2	Harvard Business School	US	178,113	97
5	10	9	University of Cambridge: Judge	UK	164,462	107
6	3	4	London Business School	UK	154,567	92
7	6	6	Columbia Business School	US	172,624	103
8	12	11	IE Business School	Spain	168,923	108
9	8	9	University of Chicago: Booth	US	168,200	110
10	16	11	Iese Business School	Spain	147,596	133
11	17	13	Ceibs	China	159,870	155
12	11	12	Northwestern University: Kellogg	US	164,326	96
13	9	10	MIT: Sloan	US	165,716	88
13	7	10	University of California at Berkeley: Haas	US	168,163	94
15	14	14	HKUST Business School	China	149,538	103
15	18	17	Yale School of Management	US	158,206	110
17	23	20	Esade Business School	Spain	146,127	116
18	22	21	Dartmouth College: Tuck	US	165,414	105
19	19	19	New York University: Stern	US	150,859	102
20	15	17	HEC Paris	France	132,073	99
21	13	18	IMD	Switzerland	154,511	81
22	25	24	SDA Bocconi	Italy	129,064	120
23	20	22	University of Michigan: Ross	US	149,728	105
24	21	22	Duke University: Fuqua	US	150,212	96
24	29	31	Nanyang Business School	Singapore	126,218	138
26	32	30	National University of Singapore Business School	Singapore	131,760	136
27	31	29	Cornell University: Johnson	US	150,531	115
27	29	30	Indian School of Business	India	145,453	160
29	24	26	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	181,863	105
30	38	34	Alliance Manchester Business School	UK	130,535	108

परिशिष्ट जारी

ङ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग्स : दी इकोनोमिस्ट - पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग्स 2016

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	University of Chicago – Booth School of Business	United States	51	Georgia Institute of Technology – Scheller College of Business	United States
2	Northwestern University – Kellogg School of Management	United States	52	City University – Cass Business School	United Kingdom
3	University of Virginia – Darden School of Business	United States	53	European School of Management and Technology – ESMT Berlin	Germany
4	Harvard Business School	United States	54	ESADE Business School	Spain
5	Stanford University – Graduate School of Business	United States	55	University of Pittsburgh – Katz Graduate School of Business	United States
6	Dartmouth College – Tuck School of Business	United States	56	York University – Schulich School of Business	Canada
7	University of California at Berkeley – Haas School of Business	United States	57	Boston University – Questrom School of Business	United States
8	University of Navarra – IESE Business School	Spain	58	University of Bath – School of Management	United Kingdom
9	HEC School of Management, Paris	France	59	Western University – Ivey Business School	Canada
10	The University of Queensland Business School	Australia	60	Hult International Business School	United States
11	Columbia Business School	United States	61	University of Wisconsin-Madison – Wisconsin School of Business	United States
12	University of Pennsylvania – Wharton School	United States	62	University of Cambridge – Judge Business School	United Kingdom
13	INSEAD	France	63	Pennsylvania State University – Smeal College of Business	United States
14	UCLA – UCLA Anderson School of Management	United States	64	University of Georgia – Terry College of Business	United States
15	Yale School of Management	United States	65	University of Southern California – Marshall School of Business	United States
16	IE University – IE Business School	Spain	66	Southern Methodist University – Cox School of Business	United States
17	Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management	United States	67	Durham University – Durham University Business School	United Kingdom
18	Duke University – Fuqua School of Business	United States	68	Temple University – Fox School of Business	United States
19	New York University – Leonard N Stern School of Business	United States	69	Nanyang Technological University – Nanyang Business School	Singapore
20	University of Warwick – Warwick Business School	United Kingdom	70	Hong Kong University of Science and Technology – HKUST Business School	Hong Kong
21	University of Michigan – Stephen M. Ross School of Business	United States	71	University of California at Davis – Graduate School of Management	United States
22	University of North Carolina at Chapel Hill – Kenan-Flagler Business School	United States	72	University of Iowa – Henry B Tippie School of Management	United States
23	IMD - International Institute for Management Development (*see note about school data)	Switzerland	73	Texas Christian University – Neeley School of Business	United States
24	EDHEC Business School	France	74	University of Edinburgh Business School	United Kingdom
25	London Business School	United Kingdom	75	EMLYON – EMLYON Business School	France
26	Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management	United States	76	University of Strathclyde – Strathclyde Business School	United Kingdom
27	Henley Business School	United Kingdom	77	Lancaster University – Lancaster University Management School	United Kingdom
28	Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	United States	78	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany
29	Emory University – Goizueta Business School	United States	79	Queen's University – Smith School of Business	Canada
30	Indiana University – Kelley School of Business	United States	80	Grenoble Ecole de Management	France
31	University of Hong Kong – Faculty of Business and Economics	Hong Kong	81	George Washington University – School of Business	United States
32	University of Washington – Foster School of Business	United States	82	University of Nottingham – Nottingham University Business School	United Kingdom
33	Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business	United States	83	University of Oxford – Saïd Business School (*see note about school data)	United Kingdom
34	University of Melbourne – Melbourne Business School	Australia	84	University College Dublin – Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
35	Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business	United States	85	Purdue University – Krannert Graduate School of Management	United States
36	Michigan State University – Eli Broad College of Business	United States	86	Trinity College Dublin – School of Business	Ireland
37	University of Notre Dame – Mendoza College of Business	United States	87	University of Miami – School of Business Administration	United States
38	SDA Bocconi – School of Management	Italy	88	University of St.Gallen	Switzerland
39	University of Texas at Austin – McCombs School of Business	United States	89	North Carolina State University – Poole College of Management	United States
40	University of Florida – Hough Graduate School of Business	United States	90	University of Birmingham – Birmingham Business School	United Kingdom
41	University of Mannheim – Mannheim Business School	Germany	91	International University of Monaco	Monaco
42	Arizona State University – W. P. Carey School of Business	United States	92	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
43	Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business	United States	93	Erasmus University – Rotterdam School of Management	Netherlands
44	Ohio State University – Fisher College of Business	United States	94	Audencia Nantes – Audencia Nantes School of Management	France
45	Washington University in St Louis – Olin Business School	United States	95	Copenhagen Business School	Denmark
46	Macquarie Graduate School of Management	Australia	96	Case Western Reserve University – Weatherhead School of Management	United States
47	University of Maryland – Robert H Smith School of Business	United States	97	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany
48	University of Minnesota – Carlson School of Management	United States	98	Sun Yat-sen University – Sun Yat-sen Business School	China
49	Cranfield School of Management	United Kingdom	99	National University of Singapore – The NUS Business School	Singapore
50	University of Rochester – Simon Business School	United States	100	The University of Liverpool – The University of Liverpool Management School	United Kingdom

कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन में एड्युनिवर्सल श्रेष्ठ मास्टर रैंकिंग 2016-17

eduniversal MASTERS RANKING — 2017 The best Masters and MBAs worldwide

BEST MASTERS RANKING

4000 BEST MASTERS & MBAS IN 32 FIELDS OF STUDY WORLDWIDE

Eduniversal Best Masters Ranking Agribusiness / Food Industry Management - Worldwide

Country	Rank	School / Programme
India	1.	Indian Institute of Management Ahmedabad (IIM-A) **Post Graduate Programme in Food and Agri-Business Management (PGP-FABM)**
France	2.	ESSEC Business School **MS Management International Agro-Alimentaire**
USA	3.	Cornell University - Johnson Cornell SC Johnson College of Business **Master of Science in Food Industry Management**
Australia	4.	The University of Melbourne - Melbourne School of Land and Environment **Master of Agribusiness**
Argentina	5.	Universidad de Buenos Aires (UBA) **Maestría en Agronegocios**
USA	6.	University of California, Berkeley - Department of Agricultural and Resource Economics **Graduate Program and PhD Agribusiness Program**
Canada	7.	University of British Columbia - Faculty of Land and Food Systems **Master of Food and Resource Economics**
Argentina	8.	Universidad Austral - Faculty of Business **MBA in Agribusiness**
USA	9.	Purdue University - Center for Food and Agricultural Business **MS-MBA in Food and Agribusiness Management**
USA	10.	Texas A&M University - College of Agriculture & Life Sciences **Master of Agribusiness**
France	11.	emlyon business school **MS Management des Entreprises du Vivant et de l'Agroalimentaire**
Chile	12.	Pontificia Universidad Católica de Chile - Facultad de Agronomía e Ingeniería Forestal **Magíster en Gestión de Empresas Agroalimentarias**

SMBG-EDUNIVERSAL S.A - 20Ter, Rue de Bezons - 92400 Courbevoie - Tel.+33 1 48 57 97 44/ Fax: +33 1 48 58 36 41
SIRET: 399 207 729 00035 / Capital social: 368 620,25 EUR

ढ

कार्मिक

ढ1 : नई नियुक्तियाँ

संकाय

- प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे — अर्थशास्त्र
- प्रोफेसर कथन शुक्ला — आरजेएमसीईआई
- प्रोफेसर अक्षय विजयलक्ष्मी — विपणन
- प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी. — विपणन
- प्रोफेसर रंजन कुमार घोष — सीएमए
- प्रोफेसर के.वी. गोपाकुमार — संगठनात्मक व्यवहार

स्टाफ

- श्री एस. एन. राव — प्रमुख - मानव संसाधन
- श्री मौलेश कंथारिया — प्रमुख - वित्त एवं लेखा
- श्री रंगनाथन सौरीराजन — प्रमुख - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम
- श्री दीपक मोतीरमानी — प्रबंधक - केस केंद्र
- श्री दीपक भट्ट — प्रबंधक - संचार
- श्री अमित कुमार घोषाल — प्रबंधक - संविदा एवं अनुपालन
- श्री पंकज गुप्ता — प्रबंधक - भंडार एवं क्रय
- श्री कलापी चेतनभाई शाह — सनदी लेखाकार
- सुश्री साक्षी माहेश्वरी — सनदी लेखाकार
- श्री भारद्वाज प्रमोदराय रावल — सिविल इंजीनियर
- सुश्री डायना जोसेफ — संपादकीय एसोसिएट्स
- श्री साइम अखतर शौकतअली सैयद — हार्डवेयर एवं नेटवर्क इंजीनियर
- श्री शेकाप्पा बांदी — पुस्तकालय व्यावसायिक सहायक
- सुश्री वैदगी धममोहरन — पुस्तकालय व्यावसायिक सहायक
- सुश्री मिताली नायडू — सार्वजनिक संबंध कार्यकारी
- श्री नूरानी अलीअब्बास — कार्यक्रम सहयोगी (विपणन) -पीजीपीएक्स
- सुश्री प्रियंका प्रेमापुरी — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- सुश्री खुशबू बी. मेहता — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- श्री इंद्रराज डोडिया — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- श्री हेमल ठाकर — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- सुश्री अल्पा मोदी — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- सुश्री सुमन वर्मा — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- सुश्री कृष्णा धमेचा — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- श्री इफ्त शेख — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा
- सुश्री माधवी पाठक — कार्यक्रम सहयोगी - कार्यकारी शिक्षा

ढ2: त्यागपत्र / समयावधि पूर्ण

संकाय

- प्रोफेसर डी. कार्तिक — 26 अप्रैल, 2016 को त्यागपत्र
- प्रोफेसर वैभव भमोरिया — 10 जून, 2016 को त्यागपत्र
- प्रोफेसर रमेश भट — 07 जुलाई, 2016 को त्यागपत्र
- प्रोफेसर शेरोन बर्नहार्ट — 08 जुलाई, 2016 को त्यागपत्र
- प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी — 31 जुलाई 2016 को समय अवधि पूर्ण
- प्रोफेसर पवन ममाडी — 16 अगस्त 2016 को त्यागपत्र
- प्रोफेसर अभिषेक — 31 दिसंबर, 2016 को त्यागपत्र

स्टाफ

- श्री साजन जोसफ — 15 जून, 2016 को समय अवधि पूर्ण
- श्री उज्जल कुमार डे — 24 जून 2016 को त्यागपत्र
- सुश्री रीना गुप्ता — 01 अगस्त, 2016 को त्यागपत्र
- श्री प्रसनजीत बंद्योपाध्याय — 28 अक्टूबर 2016 को त्यागपत्र
- श्री गोपाल भट्ट — 08 नवंबर 2016 को त्यागपत्र
- श्री सिराजुद्दीन सिद्दीकी — 28 फरवरी, 2017 को समय अवधि पूर्ण
- सुश्री अंजली शर्मा — 03 मार्च 2017 को त्यागपत्र

संस्थान सभी उपरोक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान करता है।

ढ3: सेवानिवृत्ति

निम्नलिखित संकाय सदस्य वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए :

- प्रोफेसर समीर के. बरूआ — 30 सितंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- प्रोफेसर एम. आर. दीक्षित — 30 नवंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- प्रोफेसर प्रेम पंगोत्रा — 28 फरवरी, 2017 को सेवानिवृत्त

निम्नलिखित कर्मचारी वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए :

- सुश्री कंचन जे. जंसारी — 31 मई 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री बाबूभाई एम. गोहेल — 31 मई 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री दगडू अंबाजी पाटिल — 31 मई 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री नागजीभाई एस. परमार — 31 मई 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री दिनेश बी. श्रीमाली — 31 मई 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री ई. वी. नारायणन — 30 जून, 2016 को सेवानिवृत्त

- श्री ए. गोपालकृष्णन 31 अगस्त 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री बुरहानुल्ला एस. कादरी 31 अगस्त 2016 को सेवानिवृत्त
- सुश्री मिताली सरकार 30 सितंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री वी. एस. रविकुमार 30 सितंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री भरत आर. मकवाना 30 सितंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री एन. गोपालकृष्णन पिल्लई 30 नवंबर 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री पटेल मगन बी. 30 नवंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री सोलंकी एस. एस. 30 नवंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री दूधनाथ आर. कोरी 31 दिसंबर, 2016 को सेवानिवृत्त
- श्री दीपक बंदोपाध्याय 31 दिसंबर, 2016 को सेवानिवृत्त

संस्थान उन्हें उनके चिरकालीन समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए धन्यवाद देता है।

ढ4: स्वर्गवास

- श्री माताप्रसाद पासी 17 जून, 2016 को स्वर्गवास
- धनाजी जे. मारवाडी 15 अक्टूबर, 2016 को स्वर्गवास

संस्थान इनकी असामयिक मृत्यु पर गहरी सहानुभूति व्यक्त करता है।

ढ5: अनुपस्थिति की स्वीकृति

- प्रोफेसर प्रेम पंगोत्रा को 1 अप्रैल, 2016 से 30 जून, 2016 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर विजय पाल शर्मा को 01 जून, 2016 से पाँच साल की अवधि के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर हंस ह्यूबर को 20 जून, 2016 से 08 अगस्त, 2017 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली को 22 अगस्त 2016 से 06 जून, 2017 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेश को 01 जनवरी 2017 से 31 दिसंबर, 2017 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर नमन देसाई को 10 फरवरी, 2017 से 31 अगस्त 2017 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर जी. रघुराम को 22 फरवरी, 2017 से 21 फरवरी, 2018 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर सुखपाल सिंह को 27 फरवरी, 2017 से 26 फरवरी, 2018 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर धीरज शर्मा को 01 मार्च 2017 से अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर देबजीत रॉय को 01 मई, 2017 से 30 जून, 2017 तक अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई है।

ढ6: पदोन्नति

संकाय

- प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।
- प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।

- प्रोफेसर नमन देसाई सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।
- प्रोफेसर सुखपाल सिंह प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।
- प्रोफेसर विशाल गुप्ता सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।

स्टाफ

- श्री सुनील शाह
- श्री आर. भास्करन
- श्री प्रदोष थिया
- श्री दिनेश जोशी
- श्री एम. पी. बेबी
- श्री एन. जी. पिल्लई
- श्री जी. जे. लखानी
- सुश्री सरला नायर
- श्री पी. बोस
- श्री सी.बी. बोरीकर
- श्री अखिलेश एन. गोड
- सुश्री माया स्वामिनाथन
- सुश्री सुग्न्या सुधाकर
- श्री एम. बी. प्रेमकुमार
- सुश्री रिनी विनोद
- सुश्री रेजी पिल्लई
- श्री एस. पन्नीरसेल्वन
- सुश्री वसंती दुरईराजन
- सुश्री रश्मी थॉमस
- सुश्री मिनी नायर
- श्री जितेंद्रकुमार शाह
- सुश्री बिन्दु डोडिया
- श्री मौलिक ठक्कर
- श्री के. एस. सुधीरन
- श्री बीजू सहदेवन
- सुश्री कैरवी आर. स्वरूप
- श्री रवि असारी

ढ7: कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	अनुसंधान कार्मिक	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	98	68	289	391
2016-17	**94**	**64**	**293**	**451**

ण

शासक मंडल

कार्यवाहक अध्यक्ष

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद
(20 अक्टूबर, 2016 तक)

अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला
अध्यक्ष
आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई
(21 अक्टूबर, 2016 से)

सदस्य

विनय शील ऑबेराय
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली
(28 फरवरी, 2017 तक)

केवल कुमार शर्मा
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली
(01 मार्च, 2017 से)

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद

डी. शिवकुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी - भारत क्षेत्र
पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
गुडगाँव

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएलएस
अहमदाबाद

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

अनिल गुप्ता
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

अंजू शर्मा
प्रमुख सचिव
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा)
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

निहारिका वोहरा
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

किरण कर्णिक
नई दिल्ली

डॉ. एम.एन. पटेल
कुलपति
गुजरात विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

डॉ श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन के आर्थर लोव्स डिकिंसन प्रोफेसर
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व-अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड, मुंबई

आशीष नंदा
निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

डॉ. हसित जोशीपुरा
सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति एवं
(प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्र)
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

सचिव
कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद

त

भा. प्र. सं. समिति के सदस्य

बजमी हुसैन
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बेंगलुरु

बेहरम शेरडीवाला
प्रमुख मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कारपोरेट मामलों) और कंपनी सचिव
अहमदाबाद न्यू कॉटन मिल्स कंपनी लिमिटेड
आशिमा लिमिटेड की इकाई अहमदाबाद

प्रहर्ष मेहता
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एचआर)
एलेम्बिक लिमिटेड
वडोदरा

मोहल के. साराभाई
प्रमुख (कॉर्पोरेट योजना)
अंबलाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

नितिन जे. नानावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनूभाई
मुख्य कार्यकारी
अरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रॉडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुंबई

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल

रवि कैरन आर.
अध्यक्ष (मानव संसाधन)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

जॉयदीप दत्ता रॉय
प्रमुख - स्ट्रेटेजिक एचआर एंड ओडी
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुंबई

कमलेश पटेल
महाप्रबंधक और प्रमुख
बड़ौदा अपेक्स अकादमी
अहमदाबाद

परशुराम पांडा
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

पी. द्वारकानाथ
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
बीईएमएल लिमिटेड
बेंगलुरु

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

दुर्गेश मेहता
संयुक्त प्रबंध निदेशक
बॉम्बे डाइंग और एमएफजी कंपनी लिमिटेड
मुंबई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम.एम. मुस्ताप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

प्रमित झावेरी
भारत के सीईओ
सिटी बैंक
मुंबई

आर. क्रिपलानी
निदेशक - मोटर वाहन एवं मुख्य परिचालन अधिकारी
कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

एस. दास गुप्ता
महाप्रबंधक (संचालन)
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
मुंबई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. विनय भरत-राम
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील अग्रवाल
निदेशक
देवेंद्रल रोलिंग एंड रिफाइनरीज प्रा. लिमिटेड
मुंबई

सी. भास्कर
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दिगजम लिमिटेड, नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वडोदरा

परिशिष्ट जारी

त

संजय गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

निखिल नंदा
प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्ट्स लिमिटेड
फरीदाबाद

गीता मुरलीधर
अध्यक्षसहप्रबंध निदेशक
ईसीजीसी लिमिटेड
मुंबई

जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
मुंबई

अन्नास्वामी वैदेश
उप प्रमुख, दक्षिण एशिया और
प्रबंध निदेशक, भारत
ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स
लिमिटेड
मुंबई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़नीरीज लिमिटेड
मुंबई

आनंद मोहन तिवारी, आईएएस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स
लिमिटेड
वडोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्तीय निगम
गांधीनगर

पियूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर एंड पैकर्स लिमिटेड
अहमदाबाद

बी.पी. बिडप्पा
कार्यकारी निदेशक मानव संसाधन
हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
मुंबई

अखिलेश जोशी
सीओओ और पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
उदयपुर

मुकेश डी. अंबानी
अध्यक्ष
भारतीय पेट्रोकेमिकल्स कॉर्प. लिमिटेड
वडोदरा

टी.के. श्रीरंग
वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं प्रमुख मानव
संसाधन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुंबई

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वडोदरा

राजेश खंडेलवाल
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

डॉ. हसित जोशीपुरा
सदस्यकार्यकारी प्रबंधन समिति और
(प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्र)
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

एस.एन. सुब्रमन्यन
बोर्ड के सदस्य और
वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष
बुनियादी ढांचा और निर्माण
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
चेन्नई

एस.आर. सुब्रमण्यमन
बोर्ड के सदस्य
एल एंड टी कटिंग टूल्स लिमिटेड
मुंबई

एन. वी. वेंकटसुब्रामणियन
मुख्य कार्यकारी
एल एंड टी वाल्व्स लिमिटेड
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुंबई

प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता 700088

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दयाल
प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दुबे
अध्यक्ष (मा.सं. कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा
बाजार अनुसरण)
एवं कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

अशांक देसाई
संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष
मस्तक लिमिटेड
मुंबई

ए.के. त्यागी
अध्यक्षसहप्रबंधनिदेशक
मेकॉन लिमिटेड
झारखंड

वेद प्रकाश
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
एम.एम.टी.सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

निरज बजाज
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मुकुंद लिमिटेड
मुंबई

सुहास आर. लोहकारे
प्रबंध निदेशक
राष्ट्रीय पेरोक्साइड लिमिटेड
मुंबई

जी. श्रीनिवासन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुंबई

अरुण जैन
प्रबंध निदेशक
एन.आर. सी. लिमिटेड
मुंबई

हिमांशु जोशी
सर्किल हेड
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

परिशिष्ट जारी

त

संजय सावरकर
रैलीवॉल्फ लिमिटेड
मुंबई

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित समूह का उद्यम
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित समूह का उद्यम
अहमदाबाद

सौरभ एन. शोधन
निदेशक
साकारलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुह्रद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

कार्तिकेय वी. साराभाई
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्प. प्रा. लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
सौरभ निगम
अहमदाबाद

प्रियम बी. मेहता
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी.आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुंबई

एस.के. लुहारूका
श्री रामशहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
श्री राम मिल्स परिसर
मुंबई

अमित डी. पटेल
समूह के प्रबंध निदेशक
सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस.ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

बलदेव सिंह, आईएएस
प्रबंध निदेशक
सिकोम लिमिटेड
मुंबई

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

बी.बी. कठपालिया
उपप्रमुख-विनिर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच.एम. नेरूरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

प्रबीर झा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष - मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुंबई

डॉ. जयंत कुमार
मुख्य मानव संसाधन
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुंबई

टी.पी. विजय सारथी
निदेशक
टोरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. हरेश
सचिव और कोषाध्यक्ष
टी वी एस चैरीटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी.वी. सुंदरम अय्यंगार एंड सन्स लिमिटेड
मदुरै

नरेंद्र नायर
ईवीपी और सीआरओ
वोल्टास लिमिटेड
मुंबई

चकोर दोशी
अध्यक्ष
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

एस.चौधरी
विष्णु फार्म
जिला हरिद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
अहमदाबाद

डॉ. बिहारलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतीन्द्र एन. मेहता
अहमदाबाद

श्रेणी व्यक्तिगत / सेवानिवृत्त संकाय / पूर्व छात्र

प्रोफेसर सुभाष चंद्र भटनागर
अहमदाबाद

वरुण आर्य
संस्थापक एवं निदेशक
मारवार शिक्षा फाउंडेशन
जोधपुर

प्रोफेसर टी.वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

प्रमोद अग्रवाल
स्विट्जरलैंड

अनुपम मार्टिस
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
न्यू चैप्टर इंक
अमेरीका

थ

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

डीन (संकाय)
एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)

डीन (कार्यक्रम)
शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

डीन (पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए),
पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

संकाय

व्यापार नीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएस, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग)

अमित कर्णा
फेलो (आईआईएमए)

अनीश शुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल.एम. (हार्वर्ड), एल.एल.डी. (लखनऊ)

आशीष जलोटे परमार
पोस्ट डॉक्टरल (डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)
पीएचडी (डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

डी. कार्तिक
फेलो (आईआईएमए)

एम.आर. दीक्षित
पीएच.डी. (आई.आई.टी. कानपुर)

मुकेश सूद
फेलो (आईआईएमबी)

पवन मामिडी
पीएच.डी. (ऑक्सफोर्ड)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र

अनिल के गुप्ता
पीएच.डी. (कुरुक्षेत्र)
फेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (बंगलोर)

वैभव भमौरिया
फेलो (आईआईएमए)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड)

विजय पाल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई करनाल)

रंजन कुमार घोष
पीएच.डी. (हंबोल्ट, जर्मनी)

परिशिष्ट जारी — थ

संचार

आशा कौल
पीएच.डी.
(आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

सूचना प्रणालियाँ

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो)

मनीष अग्रवाल
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

रेखा जैन
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलो (एमआईटी)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिंद्य चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन यूनिवर्सिटि)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्कविश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात)

रवींद्र एच. धोलकिया
पीएच.डी. (म.स.वि.)

संकेत मोहपात्रा
पीएचडी (कोलंबिया)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएचडी (नॉर्थवेस्टर्न)

चिन्मय तुम्बे
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जेकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले)

सोभेश कुमार अगरवाला
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, एनवाईयू)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

विपणन

अभिषेक
फेलो (आईआईएमए)

अब्राहम कोशी
फेलो (आईआईएमए)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास यूनिवर्सिटी, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच.डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

संजीव त्रिपाठी
फेलो (आईआईएमए)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएचडी (एनटीयू, सिंगापुर)

परिशिष्ट जारी

थ

अक्षय विजयालक्ष्मी
पीएच.डी. (आयोवा, यूएसए)

अरुणा दिव्या टी.
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

संगठनात्मक व्यवहार

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

निहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मनिटोबा)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

प्रद्युमन खोखले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डीक्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

विशाल गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईएमएल)

के. वी. गोपाकुमार
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

मानव संसाधन प्रबंधन

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो (आईआईएमसी)

मिगुएल सर्रियन
पीएचडी (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)

अंकुर सिन्हा
पीएचडी (आल्टो यूनि, फिनलैंड)

अप्रतीम गुहा
पीएचडी (कैलिफ़ोर्निया)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन)

देबजित रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिनमैडिसन)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

दीप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

एन. रविचंद्रन
पीएच.डी. (आईआईटी, मद्रास)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)

समीर के. बरुआ
फेलो (आईआईएमए)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी.(शिकागो)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (वेस्टर्न)

हंस ह्यूबर
पीएचडी (यूनिवर्सिटी डी जिनेवे)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रट्गेर्स)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान)

रमेश भट
पीएच.डी. (दिल्ली)

शेरोन बार्नहार्ट
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

परिशिष्ट जारी

थ

रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र

विजय शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात)

राजीव शर्मा
पीएच.डी. (इलाहाबाद)

कथन शुक्ला
पीएच.डी. (वर्जीनिया)

सहायक संकाय

ए.के. जैन

के.वी. रमणी

पी.आर. शुक्ला

ब्रृज कोठारी

लील मोहन

एस.सी. भटनागर

बी.एच. जाजू

मुकुल वसावड़ा

वी. वेंकट राव

दीप्ति भटनागर

प्रेमचंदर

अधिकारी

अजीत मोटवानी
बी.टेक. (आईआईटी कानपुर), एमबीए
प्रमुख - विकास

अल्बर्ट जेवियर
बी.एससी./एमएलएम/पीजीडी आईआरपीएम/एमबीए
प्रबंधक - कार्यकारी शिक्षा विकास

अमित कुमार घोषाल
बी.कॉम., एमबीए, पीजीडीबीएल, आईसीडब्ल्यूए (इंटर)
प्रबंधक - संविदा एवं अनुपालन

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बीई (इलेक्ट्रिकल)
(सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
प्रबंधक विद्युत

भास्करन आर.
एम.ए.
कार्यक्रम अधिकारी, छात्र गतिविधि कार्यालय

दीपक भट्ट
पीजीडीएमएआईएमए, ईपीएचआरएम - आईआईएमसी,
पीजीडीटी एंड डी (आईएसटीडी)
प्रबंधक - संचार

दीपक मोतीरमानी
बी.ई., एमबीए
प्रबंधक - केस केंद्र

दिनेशकुमार डी. जोशी
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा
बी. ए.
गृह प्रबंधन अधिकारी

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजित संप्रेषण एवं जनसंचार में डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंधन में डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक - वैश्विक भागीदारी एवं कॉर्पोरेट मामले

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा(आईआईई, बड़ौदा)
प्रबंधक - पीजीपीएक्स

कलापी चेतनभाई शाह
सनदी लेखाकार
अधिकारी वित्त

कमलेश गाँधी
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
प्रबंधक - परियोजनाएँ, संपत्ति एवं रखरखाव

कंचनबेन के. जंसारी
बी. ए.
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

कौशिक डी. भट्ट
एम.कॉम, एल.एल.बी. द्वितीय
लेखा अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
बी. कॉम., एसीएस
मुख्य प्रबंधक, लेखा

मौलेश कंथारिया
बी.कॉम., सीएस, सीए
प्रमुख - वित्त

मोहन पालीवाल
एम.कॉम, (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
आईटी अधिकारी (शैक्षणिक सेवाएँ)

लेफ्टिनेंट कमांडर मोनिका दत्ता
एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)
प्रबंधक - निदेशक कार्यालय

डॉ. मुकेश शर्मा
एम.ए. (लोक प्रशासन) (राजस्थान विश्वविद्यालय)
एम.ए. (हिंदी) (उस्मानिया विश्वविद्यालय)
एम.फिल. (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
हिंदी अधिकारी

एन. भास्करन
बी.टेक., प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा, एमबीए
अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

परिशिष्ट जारी

थ

नीरज जैन
बी.ई. (रूड़की यूनि.)
प्रबंधक - सीआईआईई

नीना बदलानी
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडब्ल्यूए (इंटर)
मुख्य प्रबंधक (भंडार एवं क्रय)

पंकज गुप्ता
बी.ए., एमबीए
प्रबंधक - भंडार एवं क्रय

पंकजकुमार के. भट्ट
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

प्रदोष वी. थिया
बी. ए.
सुविधा अधिकारी

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - परियोजना, संपत्ति एवं रखरखाव

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम, एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी - एफएबीएम

पुष्पा हरिहरन
एम.ए.
मा.सं.प्र. / डीएमएस डिप्लोमा
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

रामचंद्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
पी.जी. डिप्लोमा एचआरएम और कार्मिक (एम्स, चेन्नई)
कंप्यूटर एपलीकेशन में डिप्लोमा (अहमदाबाद)
मानव संसाधन अधिकारी

रंगनाथन सौरीराजन
बी.ई., पीजीडीएम
प्रमुख - कार्यकारी शिक्षा

रवींद्रनाथ एन. पंड्या
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
अधिकारी - ईआरपी

रुची अग्रवाल
बी.ए., पीजीडीआरएम
प्रबंधक - भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता)
संबंध प्रबंधक

एस.एन. राव
एम.एससी. (सांख्यिकी)
एडवांस कंप्यूटिंग में डिप्लोमा
प्रमुख - मानव संसाधन

समीर शेठ
सनदी लेखाकार
प्रबंधक - पीजीपी

सुदर्शनन एम.एस.
एम.ए.(लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

सुनील कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
प्रबंधक - आईटी सेवाएँ

सुनील के. शाह
बी. कॉम.
लेखा अधिकारी

यू.बी. भावसार
एम.कॉम, इंटर सीए ग्रुप1
कार्यक्रम अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (एस.पी.यू.)
एमबीए (गुजरात)
मुख्य प्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा

विक्टर परेरा
एम.ए.
प्रबंधक - पूर्वछात्र संबंध

पुस्तकालय

हिमा बी. सोनी
बीए, एम. लिब. एससी. (सागर)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम. लिब. एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात यूनि.)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. यू.पी. पंड्या
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी (गुजरात)
डी.एल.पी. (गुजरात)
एम. लिब.एससी. (इग्नू)
पीएच.डी. (उत्तर गुजरात)
सहायक पुस्तकाल्याध्यक्ष

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)

मिताली सरकार
एम.ए. (एसपीयू)

श्रुति दवे
पीएच.डी. (एस.पी.विश्वविद्यालय)

सोनल कुरैशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच.डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

संख्या : के.ले.प. (व्यय)/एस ए आर/आईआईएम/अहमदाबाद/2016-17/ओ.डब्ल्यू.-1322
दिनांक : 28/11/2017

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, सी विंग,
नई दिल्ली 110001

विषय : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के वर्ष 2016-17 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2016-17 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 19.07.2017 से 09.08.2017 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (डीपीसी) के अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2016-17 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2016-17 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह प्रतिवेदन लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने से पहले तक गोपनीय समझा जाए।

हस्ताक्षरित/-

संलग्नक : उपर्युक्त

उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

प्रतिलिपि प्रेषित : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380015

वार्षिक लेखाओं एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए।

जिस दिन, लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ, यह पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखापरीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित प्रतिवेदन में प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संघ ज्ञापन एवं नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन 31 मार्च 2017 के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है। यह लेखापरीक्षा वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रकटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में, केवल लेखाकरण समाधान पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3. हमने यह लेखापरीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और लेखापरीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखापरीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षण के आधार पर, हम प्रतिवेदित करते हैं कि :

i. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

ii. इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii. हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

क. तुलन पत्र खाता

- **शून्य -**

ख. आय एवं व्यय विवरण

1) **व्यय**

कर्मचारियों को भुगतान और लाभ - 15449.44 लाख ₹ (अनुसूची-13)

अन्य स्थापना व्यय - अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम-1289.74 लाख ₹

उपरोक्त राशि में वर्ष 2016-17 के लिए अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईईपी) के तहत देय गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कर्मचारी प्रोत्साहन व्ययों के रूप में 91.03 लाख **₹** की राशि शामिल है।

अनुमोदित आदेशों के अनुसार ऐसे कार्यक्रम पर अर्जित सकल राजस्व राशि में 3 प्रतिशत देय प्रोत्साहन राशि की दर है, हालांकि, इस तरह के कार्यक्रम पर अर्जित अंशदान पर प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया था।

इसके परिणामस्वरूप कर्मचारी प्रोत्साहन राशि सामूहिक-निधि के लिए प्रावधान की न्यूनोक्ति 13.76 लाख ₹ से हुई है और इसी के परिणामस्वरूप आय से भी अतिरिक्त व्यय के रूप में 13.76 लाख ₹ की न्यूनोक्ति हुई है।

2) **आकस्मिक देयताएँ**

आईआईएम अहमदाबाद ने उपरोक्त अनुसूची में विवाद में सेवा कर की माँग के रूप में **145.84** लाख ₹ का खुलासा किया है। फिर भी, सेवा कर माँग नोटिसों के अनुसार 139.51 लाख ₹ की देय दंड राशि का खुलासा अनुसूची 22 में नहीं किया गया।

यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015-16 के पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में इस पर टिप्पणी की गई थी।

ग. सहायता अनुदान

पिछले वर्ष के अव्ययित सहायता अनुदान में शेष राशि 71.79 लाख ₹ थी। वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 230.05 लाख ₹ थी। यह संस्थान 235.41 लाख ₹ की धनराशि का उपयोग कर सकता है। सहायता अनुदान की वर्ष के अंत में शेष राशि 66.43 लाख ₹ थी।

iv. **खातों पर टिप्पणियों के प्रभाव**

- कर्मचारी लाभों (कर्मचारी प्रोत्साहन सामूहिक-निधि) के लिए 13.76 लाख ₹ की न्यूनोक्ति हुई (अनुसूची-13)

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचना देते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के संदर्भ से और इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शाए गए अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(1) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2017 के तुलन पत्र से संबंधित है और

(2) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे से संबंधित है।

भारत के लेखा नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

स्थान : अहमदाबाद

दिनांक : 28.11.2017

अनुलग्नक - क (लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के लिए)

इसमें निम्नलिखित टिप्पणियाँ / कथन शामिल होने चाहिए :

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता :** सनदी लेखाकार द्वारा संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा को अंजाम दिया जाता है और आंतरिक लेखा परीक्षक को प्रतिवेदन अर्द्धवार्षिक तौर पर प्रस्तुत करना चाहिए। आंतरिक लेखा परीक्षक ने **अक्टूबर 2016 से मार्च 2017** की अवधि तक का प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता :** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है क्योंकि -

    1. कर्मचारियों के लिए ग्रैच्युटी का प्रावधान केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए जारी किए गए आदेश के आधार पर राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत किया गया, हालांकि, स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों के संबंध में सरकार / मंत्रालय द्वारा यह लागू नहीं किया गया है।
    2. निवेश पर अर्जित ब्याज को सही तरीके से निर्धारित नहीं किया गया है।
    3. कर्मचारी प्रोत्साहन लाभ का भुगतान सकल राजस्व के रूप में करने के बजाय कुल राजस्व के प्रतिशत के रूप में किया गया।
    4. सेवा कर माँग के लिए दंड के संबंध में आकस्मिक देयता को दर्शाने का कोई तरीका नहीं है।

3. **अचल सम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है। अंतिम भौतिक सत्यापन मार्च 2017 में किया गया।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है अंतिम भौतिक सत्यापन वर्ष 2017 में किया गया।

5. **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता:** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी सीए (ई)

मार्च 31, 2017 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	2017	2016
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	14,603.08	15,638.79
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	43,973.34	38,337.94
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	39,641.11	31,448.25
कुल		**98,217.53**	**85,424.98**
अचल संपत्तियाँ			
मूर्त संपत्तियाँ	4	4,020.36	4,492.79
अमूर्त संपत्तियाँ	4	47.84	15.31
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	326.36	130.48
निवेश			
दीर्घकालिक	5	68,773.96	53,707.12
लघु अवधि		-	-
वर्तमान संपत्तियाँ	6	16,659.86	21,422.94
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	8,389.15	5,656.33
कुल		**98,217.53**	**85,424.98**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	21		
खातों के नोट्स	22		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी.आर. चड्ढा एवं कंपनीज़ एलएलपी
कंपनी पंजीकरण सं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखापाल

हस्ताक्षरित/
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/
अरविंद मोदी
भागीदार
सदस्यता संख्या 112929

हस्ताक्षरित/
मौलेश कंथारिया
प्रमुख - वित्त एवं लेखा

हस्ताक्षरित/
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29/06/2017
स्थान : अहमदाबाद

31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(रु. लाखों में)

विवरण	अनुसूची	2016-2017	2015-2016
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	18,593.83	16,458.63
अनुदान / सब्सिडी	9	193.58	215.67
निवेश से आय	10	1,118.82	821.02
अर्जित ब्याज	11	133.68	99.63
अन्य आय	12	2,890.91	2,573.36
पूर्व अवधि आय	-	-	-
कुल (क)		**22,930.82**	**20,168.31**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	13	15,449.44	8,457.51
अकादमिक व्यय	14	5,759.06	5,677.27
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	15	1,102.21	1,161.09
यातायात खर्चे	16	2.90	2.62
मरम्मत एवं रखरखाव	17	907.73	822.10
वित्त लागत	-	-	-
अवमूल्यन एवं परिशोधन	18	578.72	942.65
अन्य खर्चे	19	-	1.41
पूर्व अवधि व्यय	-	-	-
कुल (ख)		**23,800.06**	**17,064.65**
शेष राशि (लघु) / व्यय से अधिक आय (क - ख)		**(869.24)**	**3,103.66**
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	20	-	3,000.00
शेष के नाते अधिशेष / (कमी) पूंजीगत निधि में लाया गया		**(869.24)**	**103.66**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	21		
खातों के नोट्स	22		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी.आर. चड्ढा एवं कंपनीज़ एलएलपी
कंपनी पंजीकरण सं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखापाल

हस्ताक्षरित/
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/
अरविंद मोदी
भागीदार
सदस्यता संख्या 112929

हस्ताक्षरित/
मौलेश कंथारिया
प्रमुख - वित्त एवं लेखा

हस्ताक्षरित/
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29/06/2017
स्थान : अहमदाबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	01-04-2016 को शेष राशि	अनुदान में से (भारत सरकार/राज्य सरकार)	खरीदी गई संपत्तियाँ / प्राप्त दान			ब्याज	अन्य		वर्ष के दौरान चुकाए गए		31-03-2017 के अनुसार शेष
				निर्धारित निधियों में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार						
1	कॉर्पस निधि	10,802.52	-	-	-	-	-	-	(घ)	-		10,802.52
2	पूंजीगत निधि	4,595.31	4.20	81.44	16.10	225.58		-		424.27 -	(क) (ख)	4,498.34
3	आय एवं व्यय खाता	194.96	-	-	-	-	-	-69.52 -869.23	(ग) (घ)	-		-743.78
4	आईआईएमए सोसायटी सदस्यता निधि	46.00	-	-	-	-	-	-		-		46.00
	कुल	**15,638.79**	**4.20**	**81.44**	**16.10**	**225.58**	**-**	**-938.75**		**424.27**		**14,603.08**
	पिछले वर्ष	14,898.76	1.42	57.32	21.61	14.34	-	1,190.33		544.99		15,638.79

(क) अवमूल्यन की सीमा तक आय एवं व्यय खाते में हस्तांतरित
(ख) बिक्री के कारण समायोजन / अचल संपत्तियों के लेख
(ग) निधि खाते में / से हस्तांतरित
(घ) आय एवं व्यय खाते से हस्तांतरित

अनुसूची 2 - निर्धारित कोष

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	01-04-2016 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	ब्याज आय	आई एवं ई खाते से हस्तांतरण	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	अन्य समायोजन	पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय	31-03-2017 के अनुसार शेष
1	सीएमए कार्यक्रम के लिए निधि	524.72	-	15.64	51.59	-	-	-	4.41	1.87	585.67
2	पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि	357.32	-	138.20	39.22	-	-	-	-	46.43	488.31
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	1,313.06	-	-	128.74	-	-	-	76.22	-	1,365.58
4	छात्र कल्याण कोष	284.56	-	97.19	29.35	-	-	-	-	71.24	339.86
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	23,052.12	-	-	2,255.08	-	-	-200.24 (ङ)	-	-	25,106.96
6	नवप्रवर्तन एवं उष्मायन केंद्र	98.39	-	7.17	6.89	-	-	-	-	5.56	106.89
7	अनुसंधान, प्रकाशन एवं प्रमुख क्षेत्र निधि	3,367.72	99.19	280.60	348.22	-	-	69.52 (घ)	0.81	216.40	3,948.04
8	परिवहन अग्रिम निधि	64.70	-	0.10	6.42	-	-	0.85 (क)	-	-	72.07
9	मकान निर्माण अग्रिम निधि	581.88	-	6.97	57.80	-	-	- (क)	-	-	646.65
10	संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण निधि	903.46	-	196.73	71.49	-	-	- (ख)	-	144.47	1,027.21
11	अध्यक्ष निधि	403.96	70.00	-	54.64	-	149.28	-	-	44.07	633.81
12	बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2क)	3,689.36	232.89	838.99	345.82	-	-196.58	- (ग)	-	53.47	4,857.01

क्रमांक	विवरण	01-04-2016 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	ब्याज आय	आई एवं ई खाते से हस्तांतरण	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	अन्य समायोजन	पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय	31-03-2017 के अनुसार शेष
13	दान निधि										
	परिसर एवं अवसंरचना विकास	1,602.31	673.10	-	169.08	-	-12.10	-	225.58	51.23	2,155.58
	अनुसंधान एवं प्रकाशन	311.38	-	-	29.02	-	-9.50	-	-	7.88	323.02
	छात्र सहायता	1,303.86	113.64	-	146.94	-	189.81	-	-	86.29	1,667.96
	कर्मचारी कल्याण	95.42	-	-	9.36	-	1.07	-	-	2.69	103.16
	संकाय पुरस्कार, अध्येतावृत्ति	130.09	1.00	-	-	-	-130.09	-	-	1.00	-
	अन्य	253.62	255.99	-	27.85	-	8.10	-	-	-	545.56
	कुल	**38,337.93**	**1,445.81**	**1,581.59**	**3,777.51**	**-**	**-0.01**	**-129.87**	**307.02**	**732.60**	**43,973.34**
	पिछले साल	30,437.41	-	2,568.40	3,622.09	2,000.00	-	560.71	71.66	779.01	38,337.94

टिप्पणियाँ

(क) कर्मचारियों को ऋण (कुल)

(ख) सामान्य निधि से हस्तांतरित

(ग) प्राप्त कॉर्पस बंदोबस्त

(घ) आई एवं ई खाते से हस्तांतरित

(ङ) कैट 2015 के खाते में दिया गया ब्याज

अनुसंधान एवं प्रकाशन कोष से स्वीकृत अनुसंधान परियोजना को निधि के खर्च के रूप में माना गया तथा वर्ष के अंत में खर्च नहीं की गई शेष राशि के रूप में वर्तमान देयताएं शीर्षक में "प्रायोजित परियोजना / कार्यक्रम से प्राप्त" शीर्षक के तहत दिखाया गया है।

अनुसूची 2क - बंदोबस्ती निधि

(रु. लाखों में)

क्रमांक	बंदोबस्ती का नाम	01-04-2016 को शेष राशि		वर्ष के दौरान वृद्धि			कुल		वर्ष के दौरान	31-03-2017 के अनुसार शेष		
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त		ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज	वस्तु पर व्यय	बंदोबस्त	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	1,957.69	727.16	232.89		230.92	2,330.62	608.62	22.56	2,330.62	586.06	2,916.68
				155.04	(क)	-155.04						
				-15.00	(ख)	-194.41						
	कुल	**1,957.69**	**727.16**	**372.93**		**-118.53**	**2,330.62**	**608.62**	**22.56**	**2,330.62**	**586.06**	**2,916.68**

(रु. लाखों में)

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक		वर्ष के दौरान प्राप्त		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज से	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान - रघुनंदन एवं अप्रमेय का वर्गखंड-2 आईएमडीसी	300.00	-	200.00	31.20	-	-	-	-	500.00	31.20	531.20
2	एंडोमेन्ट - पीजीपी1992 बैच वर्गखंड हैरिटेज परिसर वर्गखंड-4	-	-	268.32	8.85	-	-	13.25	-	255.07	8.85	263.93
3	डॉर्म-1 के लिए प्रोफेसर कमला चोधरी डॉर्म दान	-	-	350.00	37.67	-	-	-	-	350.00	37.67	387.67
4	प्रवेश कॉर्पस - आईआईएमए को समर्थन देने के लिए पुनर्रचना	250.00	10.38	-	-	-	-	250.00	10.38	-	-	-
5	आईआईएमेवरिक्स कॉर्पस- उद्यमशीलता को समर्थन करने के लिए आईआईएमए को दान	250.00	10.38	250.00	28.75	24.36	-	-	-	475.64	39.13	514.77
6	आईआईएमए एवं एसआरके व्याख्यान श्रृंखला के लिए दान	150.00	2.45	-	14.93	3.55	-	-	-	146.45	17.38	163.83
7	एसआरके विशिष्ट पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार के लिए दान	30.00	0.52	-	2.99	-	2.00	-	-	30.00	1.51	31.51
8	बंदोबस्ती निधि पीजीपी1991 चिकित्सा समर्थन सेवानिवृत्त समूह सी एवं डी - सीपीएफ़	0.79	-	27.75	0.59	-	-	-	-	28.54	0.59	29.13
9	अनुसंधान एवं प्रकाशन पुरस्कार - संकाय एवं एफपीएम	-	-	19.00	0.30	1.00	-	-	-	18.00	0.30	18.30
	कुल	**980.79**	**23.73**	**1,115.07**	**125.28**	**28.91**	**2.00**	**263.25**	**10.38**	**1,803.70**	**136.63**	**1,940.34**

टिप्पणियाँ

(क) संचित ब्याज कॉर्पस खाते में हस्तांतरित

(ख) अध्यक्ष निधि को छात्रवृत्ति निधि खाते में हस्तांतरित किया गया

अनुसूची 3 वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण		31-03-2017 को	31-03-2016 के अनुसार
क.	**वर्तमान देनदारियां**		
1	कर्मचारी से जमा राशि	3.70	7.91
2	छात्रों से जमा राशि	196.93	159.01
3	जमा अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	303.83	251.49
4	विविध लेनदार		
	सामान एवं सेवाओं के लिए	475.77	433.52
	अन्य	-	-
5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	2,999.81	2,603.60
6	वैधानिक देयताएं		
	अतिदेय	-	-
	अन्य	183.37	396.18
7	अन्य वर्तमान देनदारियां		
	वेतन	237.51	220.67
	पेंशन	83.51	78.22
	प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3क) के लिए प्राप्तियाँ	2,193.22	1,623.69
	प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3ख) के लिए प्राप्तियाँ	79.22	14.62
	अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	228.35	219.09
	कैट 2016	103.46	1,813.79
	आईआईएम नागपुर	-	750.00
	छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर (पीजीपीएक्स)	727.59	-
	छात्र लेखा	101.51	35.37
	छात्र आयोजन	295.21	281.42
	अन्य देनदारियां	479.69	567.84
	कुल क	**8,692.68**	**9,456.42**
ख.	**प्रावधान**		
1	सेवानिवृत्ति पेंशन	24,180.85	17,922.22
2	संचित छुट्टी नकदीकरण	2,093.18	1,884.74
3	ग्रेचुइटी	1,894.77	1,032.45
4	7वैं केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया भुगतान	1,363.62	-
5	अन्य	1,416.01	1,152.42
	कुल ख	**30,948.43**	**21,991.83**
	कुल (क+ख)	**39,641.11**	**31,448.25**

अनुसूची 3क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(रु. लाखों में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01-04-2016 के अनुसार शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ / वसूलियाँ	वर्ष के दौरान व्यय	31-03-2017 के अनुसार शेष	
		जमा	नामे			जमा	नामे
1	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	21.50	0.96	3,370.27	3,374.61	25.63	9.44
2	अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	364.39	12.01	4,183.95	4,035.33	501.13	0.13
3	परामर्शी परियोजनाएँ	402.87	24.36	1,615.11	964.32	1,066.22	36.92
4	अनुसंधान परियोजनाएँ	711.50	4.20	400.44	695.13	424.50	11.89
5	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	85.27	11.46	576.83	527.08	131.43	7.87
6	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	38.15	2.77	70.79	61.89	44.30	0.03
	कुल	**1,623.68**	**55.76**	**10,217.39**	**9,658.36**	**2,193.21**	**66.28**

अनुसूची 3ख - प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति

(रु. लाखों में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01-04-2016 के अनुसार शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31-03-2017 के अनुसार शेष	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	6.83	-	16.82	16.37	7.28	-
2	केंद्र सरकार	7.79	-	158.64	94.49	71.94	-
3	उद्योगों से छात्रवृत्ति	-	-	14.50	14.50	-	-
	कुल	**14.62**	-	**189.96**	**125.36**	**79.22**	-

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				कुल ब्लॉक	
		01-04-2016 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	01-04-2016 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	12,261.27	75.04	-	12,336.31	9,587.41	608.52	-	10,195.93	2,140.38	2,673.86
3	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	819.92	63.72	-	883.64	530.32	54.44	-	584.76	298.88	289.60
4	संयंत्र एवं मशीनरी	14.43	0.55	-	14.98	1.74	1.99	-	3.73	11.25	12.68
5	कार्यालय उपकरण	1,771.53	47.30	6.11	1,812.72	1,287.47	78.07	4.06	1,361.48	451.24	484.06
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	11.14	93.05	-	104.19	1.65	9.78	-	11.43	92.77	9.49
7	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स	1,598.24	91.60	0.22	1,689.62	1,533.69	77.07	0.22	1,610.54	79.07	64.55
8	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	2,067.04	82.69	0.26	2,149.47	1,236.86	91.19	0.26	1,327.79	821.68	830.18
9	वाहन	37.82	0.04	0.16	37.71	16.46	3.23	0.07	19.61	18.09	21.37
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,379.43	48.65	0.10	1,427.98	1,379.43	48.56	-	1,427.98	-	-
	कुल (क)	**20,067.82**	**502.64**	**6.85**	**20,563.62**	**15,575.03**	**972.85**	**4.61**	**16,543.25**	**4,020.36**	**4,492.79**
	पिछले वर्ष	19,789.20	353.79	75.17	20,067.82	14,281.46	1,356.87	63.31	15,575.02	4,492.80	5,507.74
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	**130.48**	**517.27**	**321.40**	**326.36**	-	-	-	-	**326.36**	**130.48**
	पिछले वर्ष	122.56	76.33	68.41	130.48	-	-	-	-	130.48	122.56

क्रमांक	अमूर्त संपत्तियाँ	सकल ब्लॉक				ऋणमुक्ति				कुल ब्लॉक	
		01-04-2016 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	01-04-2016 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
	कुल (ग)	**24.76**	**62.67**	**-**	**87.44**	**9.46**	**30.14**	**-**	**39.59**	**47.84**	**15.31**
	पिछले वर्ष	-	24.76	-	24.76	-	9.46	-	9.46	15.31	-
	महायोग (क+ख+ग)	**20,223.07**	**1,082.59**	**328.24**	**20,977.41**	**15,584.48**	**1,002.99**	**4.61**	**16,582.86**	**4,394.56**	**4,638.59**
	पिछले वर्ष	19,911.76	454.88	143.58	20,223.07	14,281.46	1,366.33	63.31	15,584.48	4,638.59	5,630.30

अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - योजना

(रु. लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				कुल ब्लॉक	
		01-04-2016 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	01-04-2016 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
1	इमारतें	2,789.61	-	-	2,789.61	1,441.56	269.85	-	1,711.41	1,078.20	1,348.05
2	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	275.44	-	-	275.44	109.95	24.82	-	134.77	140.67	165.49
3	कार्यालय उपकरण	365.59	0.53	0.15	365.96	301.44	9.70	0.15	310.98	54.98	64.15
4	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स	154.05	1.81	-	155.86	153.48	1.43	-	154.91	0.95	0.58
5	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	545.66	1.79	0.12	547.32	286.08	26.14	0.12	312.09	235.23	259.58
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	582.76	0.07	-	582.83	582.76	0.07	-	582.83	-	-
	कुल	**4,713.11**	**4.20**	**0.27**	**4,717.02**	**2,875.27**	**332.01**	**0.27**	**3,207.01**	**1,510.01**	**1,837.84**
	पिछले वर्ष	4,739.39	5.23	31.52	4,713.11	2,555.16	349.72	29.61	2,875.26	1,837.84	2,184.24

अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - अन्य

(रु. लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				कुल ब्लॉक	
		01-04-2016 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	01-04-2016 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	9,471.66	75.04	-	9,546.70	8,145.85	338.67	-	8,484.52	1,062.18	1,325.82
3	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	544.48	63.72	-	608.20	420.37	29.62	-	449.99	158.21	124.11
4	संयंत्र एवं मशीनरी	14.43	0.55	-	14.98	1.74	1.99	-	3.73	11.25	12.68
5	कार्यालय उपकरण	1,405.94	46.78	5.96	1,446.76	986.03	68.37	3.91	1,050.49	396.27	419.91
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	11.14	93.05	-	104.19	1.65	9.78	-	11.43	92.77	9.49
7	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स	1,444.18	89.79	0.22	1,533.76	1,380.21	75.64	0.22	1,455.64	78.12	63.97
8	फर्नीचर, फिक्स्चर एवं फिटिंग्स	1,521.38	80.90	0.13	1,602.15	950.78	65.05	0.13	1,015.70	586.45	570.60
9	वाहन	37.82	0.04	0.16	37.71	16.46	3.23	0.07	19.61	18.09	21.37
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	796.67	48.58	0.10	845.15	796.67	48.48	-	845.15	-	-
	कुल (क)	**15,354.70**	**498.45**	**6.57**	**15,846.60**	**12,699.76**	**640.83**	**4.33**	**13,336.26**	**2,510.34**	**2,654.95**
	पिछले वर्ष	15,049.81	348.56	43.65	15,354.71	11,726.30	1,007.16	33.70	12,699.76	2,654.96	3,323.50
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	**130.48**	**517.27**	**321.40**	**326.35**	-	-	-	-	**326.35**	**130.48**
	पिछले वर्ष	122.56	76.33	68.41	130.48	-	-	-	-	130.48	122.56

क्रमांक	अमूर्त संपत्तियाँ	सकल ब्लॉक				ऋणमुक्ति				कुल ब्लॉक	
		01-04-2016 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	01-04-2016 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	24.76	62.67	-	87.44	9.46	30.14	-	39.59	47.84	15.31
	कुल (ग)	**24.76**	**62.67**	**-**	**87.44**	**9.46**	**30.14**	**-**	**39.59**	**47.84**	**15.31**
	पिछले वर्ष	-	24.76	-	24.76	-	9.46	-	9.46	15.31	-
	महायोग (क+ख+ग)	**15,509.96**	**1,078.39**	**327.96**	**16,260.39**	**12,709.21**	**670.97**	**4.33**	**13,375.86**	**2,884.53**	**2,800.75**
	पिछले वर्ष	15,172.37	449.65	112.06	15,509.96	11,726.30	1,016.61	33.70	12,709.21	2,800.75	3,446.06

अनुसूची 5 - पूर्वनिर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	7,008.35	7,008.35
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	1,000.00	1,000.00
3	बॉड्स	60,765.55	45,698.56
		68,773.90	**53,706.91**
	प्रीमियम के लिए प्रावधान / (छूट) निवेश की ऋणमुक्ति पर	0.06	0.21
	कुल	**68,773.96**	**53,707.12**

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2017 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार
1	स्टॉक		
	क) विद्युत सामग्री	12.80	14.58
	ख) साहित्य सामग्री	38.19	14.81
	ग) अन्य	4.48	2.82
		55.47	**32.21**
2	नकद एवं बैंक शेष		
	क) अनुसूचित बैंकों के साथ :		
	चालू खातों में		
	रूपया खाता	479.63	529.70
	एफसी खाता	0.13	5.64
	सावधि जमा खातों में	14,413.78	18,935.71
	बचत खातों में	1,705.88	1,169.37
	बचत खातों में (आईआईएम नागपुर)	-	750.00
		16,599.42	**21,390.42**
	ख) हस्तगत नकद	0.25	0.25
	ग) हस्तगत स्टेम्प	4.72	0.06
	कुल	**16,659.86**	**21,422.94**

अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2017 के अनुसार		31-03-2016 के अनुसार	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित)**				
	क) त्यौहार	0.49		1.63	
	ख) अन्य	26.95	27.44	17.16	18.79
2	**अग्रिम एवं नकद या प्रकार की अन्य वसूली योग्य राशि या मूल्य प्राप्त करने वाली राशि**				
	क) अन्य को अग्रिम	122.47		165.24	
	ख) छात्र	10.01		10.25	
	ग) आईआईएम नागपुर	45.66		-	
	घ) पेंशन वसूली	30.55		-	
	ङ) अग्रिम में भुगतान किया गया सेवा कर	3.76		3.66	
	च) सेनवेट क्रेडिट प्राप्य	54.56		60.06	
	छ) विरोध के तहत भुगतान किया गया सेवा कर (पीजीपीएक्स)	727.59		-	
	ज) टीडीएस प्राप्य	1,987.67	2,982.27	1,287.18	1,526.39
3	**पूर्वदत्त खर्चे**				
	क) बीमा	6.97		9.93	
	ख) अन्य खर्च	157.35	164.32	172.57	182.50
4	**जमा**				
	क) टेलीफोन	0.21		0.21	
	ख) बिजली	54.99		55.00	
	ग) गैस जमा	22.88		23.08	
	घ) अन्य सुरक्षा जमा	1.50	79.58	2.02	80.31
5	**उपार्जित आय**				
	क) निवेश पर	3,589.08		2,811.72	
	ख) अन्य (अवास्तविक आय शामिल है)	1,480.19	5,069.27	980.84	3,792.56
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**				
	क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	66.27		55.77	
	ख) प्राप्य अनुदान	-	66.27	-	55.77
7	**दावे प्राप्य**				
	क) जीएसएलआईएस दावा खाता	-	-	-	0.01
	कुल		**8,389.15**		**5,656.33**

अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
छात्रों से फीस			
अकादमिक			
1. शिक्षण शुल्क		7,922.45	7,242.84
2. प्रवेश शुल्क		48.68	24.06
3. नामांकन फीस		3.96	4.24
4. शैक्षणिक सहायता		2,064.03	1,804.18
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम		147.45	318.75
	कुल (क)	**10,186.57**	**9,394.07**
परीक्षाएँ			
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क - कैट (कुल)		559.09	165.55
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस		43.45	25.80
	कुल (ख)	**602.54**	**191.35**
अन्य शुल्क			
1. जुर्माना / विविध फीस		52.41	18.05
2. चिकित्सा शुल्क		25.12	24.31
3. छात्रावास शुल्क		791.61	676.47
4. भोजनालय प्रभार		69.03	57.51
	कुल (ग)	**938.17**	**776.34**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ			
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम			
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		3,282.60	3,264.90
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क		3,526.68	2,765.01
		6,809.28	6,029.91
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)		57.27	66.96
	कुल (घ)	**6,866.55**	**6,096.87**
	महायोग (क+ख+ग+घ)	**18,593.83**	**16,458.63**

अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त किए गए स्थिर अनुदान)

(रु. लाख में)

विवरण	भारत सरकार			भारत सरकार		
	एफ पी एम	सीएमए	कुल 2016-2017	एफ पी एम	सीएमए	कुल 2015-2016
शेष अग्रेनित	161.47	57.62	219.09	149.09	24.71	173.81
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	-	191.12	191.12	-	250.00	250.00
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	15.91	-	15.91	12.37	-	12.37
कुल	**177.38**	**248.74**	**426.12**	**161.46**	**274.71**	**436.18**
घटाया : धनवापसी	-	-	-	-	-	-
शेष	**177.38**	**248.74**	**426.12**	**161.46**	**274.71**	**436.18**
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया	-	4.20	4.20	-	1.42	1.42
शेष	**177.38**	**244.54**	**421.92**	**161.46**	**273.29**	**434.76**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग में लिया (क)	-	193.58	193.58	-	215.67	215.67
अग्रेनित शेष (ख)	**177.38**	**50.96**	**228.34**	**161.46**	**57.62**	**219.09**

क - आय एवं व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया।

ख - अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
1. ब्याज			
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		723.52	602.66
ख. अन्य बॉन्ड		4,383.67	3,480.49
2. सावधि जमा पर ब्याज		1,823.34	1,930.13
	उप कुल	**6,930.53**	**6,013.28**
घटाया			
1. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया		3,777.53	3,622.09
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित		20.11	52.73
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित		15.91	12.37
4. सेवानिवृत्ति लाभ के लिए प्रावधान खाते में हस्तांतरित		1,998.16	1,505.07
	कुल	**1,118.82**	**821.02**

अनुसूची 11 - अर्जित ब्याज

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		133.68	99.63
	कुल	**133.68**	**99.63**

अनुसूची 12 - अन्य आय

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
क. भूमि एवं भवनों से आय			
1. छात्रावास कक्ष किराया		13.03	10.58
2. लाइसेंस शुल्क		17.50	17.93
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क		116.20	96.83
4. सुविधाएं (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)		826.65	770.64
	कुल क	**973.38**	**895.98**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		-	-
	कुल ख	-	-
ग. अन्य			
1. परामर्शन से आय		755.40	552.54
2. परामर्शन परियोजना शेष वापसी		-	-
3. अनुसंधान परियोजनाओं से आय		340.34	224.06
4. स्थानन शुल्क		476.40	442.83
5. छात्रवृत्तियाँ		-	11.37
6. आरटीआई शुल्क		0.01	0.01
7. रॉयल्टी से आय		-	-
8. निवेश पर ब्रोकरेज		213.71	168.46
9. संपत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ - खुद की परिसंपत्तियाँ		-	3.78
10. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फ़ॉर्म, वेस्ट कागज, आदि की बिक्री)		131.67	246.40
11. संपत्तियों की बिक्री की सीमा तक वापसी मूल्यह्रास निधि		-	27.93
	कुल ग	**1,917.53**	**1,677.38**
	कुल (क+ख+ग)	**2,890.91**	**2,573.36**

अनुसूची 13 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(रु. लाख में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2016-2017	2015-2016
योजनेतर					
क) वेतन एवं मजदूरी	2,346.32	1,630.85	-	3,977.17	3,854.29
ख) भत्ते एवं बोनस	-	20.19	-	20.19	20.91
ग) भविष्य निधि में योगदान	22.09	9.51	-	31.60	32.44
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	71.79	71.79	64.57
ङ) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ (देखें अनुसूची 13क)	2,005.07	4,909.11	-	6,914.18	2,043.70
च) एलटीसी सुविधा	18.60	48.31	-	66.91	51.61
छ) चिकित्सा सुविधा	21.57	71.67	-	93.24	86.80
ज) बाल शिक्षा भत्ता	6.39	19.81	-	26.20	25.93
झ) 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की बकाया राशि	505.52	827.55	-	1,333.07	-
कुल क	**4,925.56**	**7,537.00**	**71.79**	**12,534.35**	**6,180.25**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए परियोजना	135.88	35.74	-	171.62	197.58
ख) परामर्श परियोजनाएँ	421.52	48.44	-	469.96	384.73
ग) अनुसंधान परियोजनाएँ	83.86	112.03	-	195.89	107.87
घ) केंद्र गतिविधियाँ	-	0.30	-	0.30	1.92
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	1,198.70	91.03	-	1,289.74	803.70
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	695.13	92.45	-	787.58	781.46
कुल ख	**2,535.09**	**379.99**	**-**	**2,915.09**	**2,277.26**
कुल (क+ख)	**7,460.65**	**7,916.99**	**71.79**	**15,449.44**	**8,457.51**

अनुसूची 13क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(रु. लाख में)

विवरण	पेंशन	ग्रेचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	2016-2017	2015-2016
1.4.2016 को अथशेष	17,922.22	1,032.45	1,884.74	20,839.41	18,625.59
जोड़े : निधि में जमा ब्याज	1,718.45	98.99	180.72	1,998.16	1,505.07
कुल (क)	**19,640.67**	**1,131.44**	**2,065.46**	**22,837.57**	**20,130.66**
घटाया : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1,131.97	170.58	143.04	1,445.59	1,229.17
31.03.2017 को उपलब्ध शेष राशि सी (क - ख)	18,508.69	960.87	1,922.41	21,391.97	18,901.49
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2017 को आवश्यक प्रावधान (घ)	24,180.85	1,894.77	2,093.18	28,168.80	20,839.41
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ - ग)	5,672.16	933.90	170.77	6,776.83	1,937.92
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				134.55	104.22
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				2.81	1.56
कुल (क+ख+ग)				**6,914.19**	**2,043.70**

अनुसूची 14 - अकादमी खर्च

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
	योजनेतर		
	क - शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलन में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	31.77	19.65
ख)	अभ्यागत संकायों को भुगतान	232.83	227.41
ग)	प्रवेश व्यय	135.17	97.68
घ)	दीक्षांत व्यय	10.68	17.83
ङ)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	1,119.76	996.61
च)	पुस्तकें एवं केस सामग्री	267.20	288.72
छ)	बिजली - छात्र	97.07	111.92
ज)	चिकित्सा व्यय	16.79	16.09
झ)	विविध व्यय	139.00	122.61
ञ)	स्थानन व्यय	174.45	152.11
ट)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	3.35	6.18
ठ)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	106.65	291.28
ड)	भोजनालय व्यय	69.03	57.51
ढ)	कमरों का किराया	146.97	146.49
ण)	पुस्तकालय व्यय	661.44	549.81
त)	विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	22.22	22.46
थ)	समीक्षा समिति	-	2.54
	कुल क	**3,234.38**	**3,126.90**
	ख - अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	1,127.74	1,098.19
ख)	कार्यशालाएं, सम्मेलन आदि	235.03	155.55
ग)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	831.60	1,062.13
घ)	परामर्शन परियोजनाएँ	100.59	22.20
ङ)	संकाय विकास कार्यक्रम	28.59	40.93
च)	अनुसंधान परियोजनाएँ	124.27	74.33
छ)	सीएमए अन्य व्यय	21.96	18.09
ज)	केंद्र गतिविधियाँ	3.10	13.48
झ)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	51.80	65.47
ञ)	नए संकाय को अनुसंधान सहायता	-	-
	कुल ख	**2,524.68**	**2,550.37**
	कुल (क+ख)	**5,759.06**	**5,677.27**

अनुसूची 15 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
योजनेतर			
क बुनियादी ढांचा			
क) बिजली एवं पावर		152.81	188.55
ख) जल प्रभार		76.10	81.71
ग) बीमा		14.50	16.66
घ) किराया, दरें एवं कर (संपत्ति कर सहित)		66.10	75.40
	कुल क	**309.51**	**362.32**
ख संचार			
क) डाक व्यय एवं स्टेशनरी		-0.61	3.22
ख) टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क		68.88	67.42
	कुल ख	**68.27**	**70.64**
ग अन्य			
क) मुद्रण एवं स्टेशनरी		13.28	14.52
ख) यात्रा एवं परिवहन व्यय		87.59	97.14
ग) आतिथ्य		46.33	44.17
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		6.15	5.50
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क		44.15	41.48
च) विज्ञापन एवं प्रचार		15.84	17.31
छ) सुरक्षा प्रभार		208.94	184.67
ज) संस्थान द्वारा वहन किए गए सेवा कर		208.38	221.83
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय		21.00	19.54
ञ) विविध व्यय		68.27	69.34
ट) संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान		1.74	9.17
ठ) बैंक कमिशन		2.76	3.46
	कुल ग	**724.43**	**728.13**
	कुल (क+ख+ग)	**1,102.21**	**1,161.09**

अनुसूची 16 - परिवहन व्यय

(रु. लाख में)

विवरण	2016-2017	2015-2016
योजनेतर		
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)		
क) चालू खर्च	1.68	1.41
ख) मरम्मत एवं रखरखाव	0.65	0.67
ग) बीमा खर्च	0.57	0.54
कुल	**2.90**	**2.62**

अनुसूची 17 - मरम्मत एवं रखरखाव

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
योजनेतर			
क) इमारतें		151.35	154.66
ख) फर्नीचर एवं फिक्स्चर		39.67	40.38
ग) कार्यालय उपकरण		39.60	35.80
घ) कंप्यूटर		102.31	65.96
ङ) संपत्ति रखरखाव		574.80	525.30
	कुल	**907.73**	**822.10**

अनुसूची 18 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास		972.85	1,356.87
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन		30.14	9.46
		1,002.99	**1,366.33**
घटायाः पूंजी निधि से हस्तांतरित		424.27	423.68
	कुल	**578.72**	**942.65**

अनुसूची 19 - अन्य खर्च

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
योजनेतर			
क) अपरिवर्तनीय शेष लिखित		-	1.41
	कुल	-	**1.41**

अनुसूची 20 - नामित निधि में हस्तांतरण

(रु. लाख में)

विवरण		2016-2017	2015-2016
क) बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस)		-	1,000.00
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि		-	1,000.00
ग) संकाय एवं कर्मचारी कल्याण निधि		-	500.00
घ) अनुसंधान, प्रकाशन एवं प्रमुख क्षेत्र निधि		-	500.00
	कुल	-	**3,000.00**

अनुसूची 21 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

जर्नलों तथा सामयिकी पत्रिकाओं और कर्मचारियों के विकास भत्ते के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन परंपराओं को छोड़कर ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरूक बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि सामग्री है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट स में प्रकट होता है।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल है। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए केडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की मूर्त संपत्ति के साथ विलय कर दिया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटाकर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि बनाता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी जीवन का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियों पर

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में,

जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलगअलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर 5**%** लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए आयकर अधिनियम द्वारा नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100**%** की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गई है और इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 60**%** की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है।

6. निवेश

"दीर्घकालिक निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी के अलावा, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किए हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

7. निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है और निवेशों तथा उपार्जित ब्याज द्वारा परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व किया गया है।

बंदोबस्ती निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही बंदोबस्ती निधि है, जो अध्यक्षनिधि और पदकों एवं पुरस्कार के लिए स्थापित किया जाता है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक अंतः शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया जाता है। संबंधित बंदोबस्ती निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया जाता है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अध्यक्ष-निधि के संबंध में, ब्याज आय की कमी के मामले में बंदोबस्ती निधि का कार्पस इस्तेमाल किया जा सकता है। शेष राशियों को निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

नामांकन फीस को छोड़कर "कार्यकारी पाठ्यक्रम के लिए पीजीपी" छात्रों की फीस जो रसीद के आधार पर प्राप्त होती है उसे प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाए गए हैं।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

वर्ष के अंत में चालू अनुसंधान, परामर्शन, सीईई और ओईपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए खर्च की सीमा तक आय एवं व्यय खाते में मान्यता दी गई है, क्योंकि संस्थान के शेयर और परियोजना से आय के संकायों के शेयर परियोजना बंद होने तक निश्चित नहीं होते हैं।

दान, बीमा दावे से प्राप्तियाँ और कैट फीस से अंशदान, प्राप्ति के आधार पर गिना गया है।

9. निवेश पर ब्याज

निधि के प्रशासन के लिए वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% समायोजित करने के बाद वर्ष के दौरान औसत मासिक निवेश पर अर्जित औसत ब्याज की औसत दर के आधार पर निर्धारित, बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों में निवेश पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाता है। ऐसी राशि को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

कॉरपस निधि में से निवेश पर ब्याज और कोई अतिरिक्त निवेश को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

10. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेनदेन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है और निर्धारित निधि शीर्ष के तहत दिखाया गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को अधिकतम उपयोग किया गया है, जैसे उन्हें वर्ष की आय के रूप में माना गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रायोजित परियोजनाएँ

जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताएँ - वर्तमान देयताएँ शीर्षक के तहत जारी प्रायोजित परियोजनाओं के सामने प्राप्तियाँ शीर्षक में दर्शाया गया है। ऐसी परियोजनाओं के लिए जब भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, तब ये व्यय/अग्रिम भुगतान संबंधित परियोजना खाते के खर्चे में लिखा जाता है।

13. सेवानिवृत्ति लाभ

परिभाषित लाभ योजना के तहत सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

नियत दरों पर नियमित योगदान भविष्य निधि में किया जाता है। ग्रेचुइटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और कर्मचारियों के लिए संचित छुट्टी का प्रावधान अनुमानित लाभ दायित्व विधि (पीबीओ विधि) का उपयोग करके किया गया है।

14. आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

आयकर पुनर्प्राप्ति योग्य निवेश, व्यावसायिक शुल्क और प्लेसमेंट आय पर ब्याज से कटौती करने से संबंधित है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। जिन प्रावधानों के भुगतान करना जरूरी था उन्हें नियमित रूपसे समीक्षित किया गया है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के उत्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है।

वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और न ही स्पष्ट किया गया है।

अनुसूची 22 : खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) सेवा कर की मांग विवाद में है 145.84 लाख ₹ (पिछले वर्ष 191.87 लाख ₹)

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है शून्य रूपए (पिछले वर्ष 1.59 लाख ₹)

(ग) विद्युत ड्यूटी (कर) 34.69 लाख रूपए (पिछले वर्ष 34.69 लाख ₹)

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) **879.42 लाख ₹** (पिछले वर्ष **318.34 लाख ₹**) हैं, जिसका उपयोग परिसर एवं अवसंरचना निधि से किया जाएगा।

3. वर्तमान परसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है।

संस्थान को पूरी तरह धर्मार्थ मंडल के रूप में पहचाना जाता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12ए(ए) के तहत संस्थान का पंजीकरण किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	2016-2017	2015-2016
क) विदेशी यात्रा	59.32	59.62
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	336.91	693.99
ग) अन्य	140.22	175.59

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाख में)

विवरण	2016-2017	2015-2016
क) परियोजना, कार्यक्रम, दान और फीस से आय	663.62	642.03
ख) स्थानन आय	36.57	30.80

7. संस्थान ने **1333.07 लाख ₹** की कर्मचारी लागत का प्रावधान जनवरी 2016 से मार्च 2017 की अवधि तक अनुमानित आधार पर 7वें वेतन आयोग द्वारा अनुशंसित अनुमानित वेतन वृद्धि के संदर्भ में वृद्धिशील वेतन में किया है।

8. संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम के छात्रों से जुटाए सेवाकर के लिए सेवाकर विभाग के विरोध के तहत **727.59 लाख ₹** जमा किए हैं। इसीलिए इस राशि को अनुसूची-7 में विरोध के तहत सेवाकर भुगतान (पीजीपीएक्स) के रूप में दर्शाया गया है और तदनुसार इसे अनुसूची-3 में छात्रों को सेवाकर प्रतिदेय (पीजीपीएक्स) के रूप में प्रकट किया गया है। इसी राशि को जब भी, जैसे ही इस विवाद का समाधान कर लिया जाता है तभी एवं वैसे ही समायोजित/वापिस कर दिया जाएगा।

9. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुतीकरण मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःगठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी.आर. चड्ढा एवं कंपनीज़ एलएलपी
कंपनी पंजीकरण सं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखापाल

हस्ताक्षरित/
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/
अरविंद मोदी
भागीदार
सदस्यता संख्या 112929

हस्ताक्षरित/
मौलेश कंथारिया
प्रमुख - वित्त एवं लेखा

हस्ताक्षरित/
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29/06/2017
स्थान : अहमदाबाद

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(रु. लाख में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. अथ शेष			1. व्यय		
क) नकद शेष	0.25	0.25	क) स्थापना व्यय	5,735.01	7,748.75
ख) बैंक में शेष			ख) अकादमिक व्यय	3,234.17	3,360.61
1. स्मये खातों में	529.70	676.64	ग) प्रशासनिक व्यय	1,042.49	1,153.33
2. जमा खातों में	18,935.71	21,224.15	घ) परिवहन व्यय	2.90	2.62
3. बचत खाते	1,919.37	309.21	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	904.77	822.10
4. एफसी खातों में	5.64	9.21	च) पूर्व अवधि व्यय	-	-
ग) हस्तगत स्टेम्प	0.06	0.01			
2. प्राप्त अनुदान			2. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान	732.46	779.01
क) भारत सरकार से	191.12	441.41			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्रोतों से	-	-			
3. अकादमिक प्राप्तियाँ	12,123.49	10,888.08	3. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	5,272.96	2,394.82
4. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	3,027.39	3,125.09	4. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	125.36	23.72
5. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	8,001.87	5,970.73	5. निवेश एवं जमा किए गए		
			क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के अलावा	20,591.99	16,091.36
			ख) अपने स्वयं की निधि के अलावा (अन्य निवेश)	-	-
6. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	189.97	30.52	6. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमाराशि	-	-
7. निवेशों से आय			7. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	4,430.06	4,083.15	क) अचल संपत्तियाँ	243.92	378.56
ख) अन्य निवेश	-	-	ख) पूंजीकार्यप्रगतिमें (पूंजीगत अग्रिम सहित)	517.27	7.92
8. ब्याज प्राप्त हुआ			8. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) बैंक जमा	1,723.12	1,759.02	क) दी गई जमाराशियाँ	-	0.58
ख) ऋण एवं अग्रिम	-	-	ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	4.21	17.03
ग) बचत बैंक खाते	133.68	99.63	ग) सांविधिक भुगतान	207.41	177.48
9. निवेश नकदीकरण	5,525.00	-	9. अनुदान की धनवापसी	-	-
10. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	-	-	10. जमा एवं अग्रिम	-	42.52

(रु. लाख में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
11. अन्य आय	-	-	11. अन्य भुगतान		
क) भूमि एवं इमारतों से आय	973.38	895.98	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण एवं अग्रिम	-	-
ख) अन्य	821.79	1,608.31	ख) विविध लेनदार एवं अन्य देयताएँ	7.80	-
			ग) स्टॉक में परिवर्तन	23.27	4.55
			घ) टीडीएस प्राप्य	700.50	80.27
12. जमा एवं अग्रिम			12. अन्य भुगतान		
क) प्राप्त जमानती धन राशि	90.26	-			
ख) सुरक्षा जमा	0.74	-	क) विविध लेनदारों एवं अन्य देयताएँ	2,672.21	-
ग) कर्मचारियों को ऋण	-	1.52			
13. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)	-	396.18			
14. अन्य प्राप्तियाँ			13. समापन शेष		
क) प्रावधानों में परिवर्तन	-	9.91	क) नकद शेष	0.25	0.25
ख) विविध लेनदार एवं अन्य देयताएँ	-	2,944.66	ख) बैंक शेष		
ग) संपत्ति की बिक्री	0.49	2.30	1. स्मया खातों में	479.63	529.70
			2. जमा खातों में	14,413.78	18,935.71
			3. बचत खाते	1,705.88	1,919.37
			4. एफसी खातों में	0.13	5.64
			ग) हस्तगत स्टेम्प	4.72	0.06
कुल	**58,623.09**	**54,475.96**	**कुल**	**58,623.09**	**54,475.96**

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी.आर. चड्ढा एवं कंपनीज़ एलएलपी
कंपनी पंजीकरण सं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखापाल

हस्ताक्षरित/
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/
अरविंद मोदी
भागीदार
सदस्यता संख्या 112929

हस्ताक्षरित/
मौलेश कंथारिया
प्रमुख - वित्त एवं लेखा

हस्ताक्षरित/
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29/06/2017
स्थान : अहमदाबाद

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2017 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा